# 3-17-3-15-14-21 The Gazette of India

PUBLISHED BY AUTHORITI

सं 0 18

नई विरुक्षी, शनिवार, अप्रैल 30, 1983 (वैशाख 10, 1905)

No. 181

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 30, 1983 (VAISAKHA 10, 1905)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

#### भाग III-**चण्ड** 1

# [PART III—SECTION 1]

उटव न्यायात्रयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, हिल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

केन्द्रीय सतर्कता ग्रायोग नई दिल्ली, दिनांक 26 मार्च 1983

सं० 2/8/83-प्रशासन—केन्द्रीय सत्तर्कता ग्रायुक्त एतद्-द्वारा श्री महेन्द्र लाल जुनेजा, जो केन्द्रीय सत्तर्कता ग्रायोग में निजी सहायक के पद पर स्थानी रूप से कार्यरत हैं, को तदर्थ वरिष्ठ निजी सहायक के पद पर ६० 650-30-740-35-880-द० ग्र०-40-1040 के वेतनमान में दिनांक 8-3-1983 से 23-4-1983 तक या ग्रगले ग्रादेण तक, जो भी पहले हो, स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० 2/8/83-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता श्रायुक्त एतद्-द्वारा श्री श्रार० के० रेहानी, जो केन्द्रीय सत्तर्कता श्रायोग में निजी सहायक के पद पर स्थार्य रूप से कार्यरत हैं, को सवर्थ वरिष्ठ निजी सहायक के पद पर रु० 650-30-740-35-880-द० श्र०-40-1040 के वेतनमान में दिनांक 8-3-1983 से 5-6-1983 तक या श्रगले श्रादेश तक, जो भी पहले हो, स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 अप्रैल 1983

सं० 2/1/83-प्रशासन—इस प्रायोग की प्रधिसूचना सं० 2/13/82-प्रशासन, दिनांक 23-6-1982 का प्राणिक क 1-46GI/83 प्रधिकमण करते हुए केन्द्रीय सतर्कता प्रायुक्त एतद्-द्वारा श्री मांगें लाल, स्थायी सहायक को केन्द्रीय सतर्कता श्रायोग में दिनांक 1-9-1982 से स्थानापन्न रूप से ग्रनुभाग श्रिधिकारी के पद पर, ग्रगले श्रादेश तक, नियुक्त करते हैं।

> ्रिकृष्ण लाल मल्होत्ना ग्रवर सचिव कृते केन्द्रीय सतर्कता भायुक्त

गह मंत्रालय

(का० एवं प्र० सु० विभाग)
केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो
नई दिल्ली, दिनांक 4 श्रप्रैल 1983

सं० एम/3/72/प्रशा०-5-भारतीय क्यास निगम लि०; बम्बई से प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री एम० पी० नन्दपुरकर, पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दिनांक 15 मार्च, 1983 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में उसी पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० ए०--19021/4/81/प्रका०-5---राष्ट्रपति श्रपने प्रसाद से श्री एस० पी० इंगदाल, भा० पु० से० (मध्य

(8497)

प्रदेश-1966) को दिनांक 24-3-83 के प्रपराह्न से प्रगले ग्रादेण तक के लिए के० ग्र० ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में स्थाना-पत्न पुलिस उप-महानिरीक्षक के रूप में टियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 6 प्राप्तैल 1983

सं० जेंड-4/65-प्रणा०-5--श्री जेंड० ए० खलीदी, श्रपर विधि सलाहकार, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली श्रपनी बढ़ी श्रविध के समाप्त हो जाने पर दिनांक 31 मार्च, 1983 के श्रपराह्न में सुरकारी नौकरी से सेवार्नवृक्त हो गए।

सं श्रार-3/69-प्रणासन-5--श्री श्रार जी ्गुलाबानी, उपिक्षि-सहताहकार, केन्द्रीय श्रान्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली श्रपनी वढ़ी अविध के समाप्त हो जाने पर दिनांक 31 मार्च, 1983 के श्रपराह्न में सरकारी नौकरी से सेवा-निवृत्त हो गए।

सं० एम-1/83-प्रणासन-5--राष्ट्रपति ग्रपने प्रसाद से श्री एम० एव० सचदेव को दिनांक 31 मार्च, 1983 के श्रपराह्म से अपर विधि सलाहकार, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०/19036/2/83/प्रशा०-5-निवेशक/किन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलि । महानिरीक्षक/विशेष पुलिस स्थापना अपने प्रगाद से निम्नलिखित निरीक्षकों को उनके नाम के सम्मुख दी गई तिथि मे अगले आदेश तक के लिए तदर्थ आधार पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में स्थानापन्त पुलिस उपाधीक्षक नियुक्त करते हैं:—

羽の	श्रधिकारी का	शाखा जिसमें पद	तदर्थ प्रोन्नति की
सं०	नाम	स्थापित किया	तारीख
	1	गया	

#### सर्वश्री

- 1 के॰ रागोधमन बंगलीर 23-2-83 (ग्रप॰)
- 2. जे०पी० वर्मा भुवनेश्वर 30-11-82(पूर्वा०)
- 3. पीं ० बी० सुन्दरयाल सी०भ्राई०गू०(एफ) 1 2-1 0-82 (पूर्वा०)
- प्राप्तिन्द्र ग्रसाद अहमदाबाद 21-2-83 (भ्रप०)
- 5. एम । नारासणन एस । भाई । सी । 22-2-83 (पूर्वा )
- 6. ग्रोम प्रकाश सी० ग्राई० यू० (I) 22-2-83 (पूर्वा०)

#### दिनांक 8 म्रप्रैल 1983

सं० के-13/71-प्रशासन-5--निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री करतार सिंह, पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरों ने दिनांक 31-3-1983 के आपराह्न से पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों के पद का भार त्याग दिया।

> स्नार० एस० नागपाल प्रशासनिक धिधकारी (स्था०) केन्द्रीय धन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालयः, केन्द्रीय रिजर्ख पुलिस बल नई दिल्ली दिनांक 4 श्रप्रैल 1983

सं० डी० ए 12177—स्थापना—श्री रणवीर सिंह ने ्रिमजोराम पुलिस से प्रत्यावासन होने पर, 39 वाहिनी, के० रि० पु० बल में दिनांक 23-2-83 (पूर्वाह्म) को उप-पुलिस श्रधीक्षक का कार्यभार संभाल लिया है।

सं० डी॰ एक-: 7182-स्थापना-श्वी बलवन्त सिंह् गिल, उप-पुलिस ग्रधीक्षक, के॰ रि॰ पु॰ बल की सेवाएं एक्स-पोर्ट इन्सपैक्शन काउंसिल (कोमसे मंत्रालय) में प्रतिनियुक्ति पर दिनांक 01-3-1983 (भ्रपराह्म) से सौपी जाती हैं।

# दिनांक 7 श्रप्रैल, 1983

सं० ओ० घो०-1780/83 (स्थापना) — राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा प्रधिकारी डा० निर्मल चन्द्र माह जी० डी० भो० ग्रेड-JI (कम्पनी कमाण्डर/डी० एस० पी०) को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल से दिनांक 22-3-83 पूर्वाह्न से कार्य भार मुक्त कर दिया है।

#### दिनांक 8 श्रप्रैल 1983

सं० भ्रो० दो० 1793/83-स्थापना—राष्ट्रपित डाक्टर भ्रशोक कुमार सिल्लाको भ्रस्थायी रूप से भ्रागामी भ्रादेण जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० भ्रो० ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमाण्डर) के पद पर 28 फरवरी, 1983 पूर्वाल्ल में डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की गर्त पर नियुक्त करते हैं।

ए० के० सूरी सहायक निदेशक (स्थापना)

# . भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 7 श्रप्रैल 1983

सं० 11/72/80-प्रशा०-I---राष्ट्रपति, कर्णाटक, बंगलौर में जनगणना कार्य निदेशालय के उप-निदेशक जनगणना कार्य और इस समय तदर्थ श्राधार पर संयुक्त जनगणना कार्य के पद पर कार्यरत श्री बी० एस० नरसिम्हा मूर्ति को उसी कार्यालय में तारीख 14 मार्च, 1983 रो श्रगले श्रादेशों तक पदोन्नति द्वारा नियमित श्राधार पर श्रस्थायी रूप से मंयुक्त निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

# श्री मूर्ति का मुख्यालय बंगलौर में होगा ।

सं० 10/3/81-प्रभा०-I--राष्ट्रपति, भारतीय प्रशासितक सेवा के जम्मू और कश्मीर दाइर के स्वानिवृत्त अधिकारी और जम्मू और कश्मीर, श्रीनगर में पुर्नीनयोजन के श्राधार पर जनगणना कार्य निदेशक के पद पर कार्यरत श्री ए० एच० खान की सेवाश्रों को तारीख 8 मार्च, 1983 के श्रपराह्म से समाप्त करते हैं। सं० 11/5/82---प्रजा०-1---राष्ट्रपति, हरियाणा, चण्डीगढ़ में जनगणना कार्य निदेशालय में अन्वेषक और इस समय उसी कार्यालय में सहायक निदेशक जन- गणना कार्य (तकनीकी) के पद पर हार्यरत श्री जे० एन० सूरी को संघ राज्य क्षेत्र चण्डीगढ़ में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 18 मार्च, 1983 के पूर्वाह्न से एक वर्ष में अनिधिक अविधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अविधि पहले हो, पूर्णत: अस्थायी और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (आंकड़े संसाधन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

# श्री सूरी का मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा।

# श्री सिङला का मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा।

सं० 11/5/82—प्रशा०—I—राष्ट्रपति, उड़ीसा, भुवनेश्वर में जनगणना कार्य निदेशालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), के पद पर कार्यरत श्री एस० के० स्वैन को उसी कार्यालय में तारीख 11 मार्च, 1983 के पूर्वाह्म में एक वर्ष से अनिधिक श्रवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए जो भी अविध पहले हो, प्रतिनियुनित पर अस्थाई रूप से तदर्थ श्राधार पर सहायक निदेशक (ग्रांकड़े संसाधन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं:

2. श्री स्वैन का मुख्यालय भुवनेश्वर में होगा।

पी० पद्मनाभ भारत के महारजिस्ट्रार

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा-विभाग कार्यालय : निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली, दिनांक 7 ग्रप्रैल 1983

सं० प्रशासन 1/कार्यालय, आदेशसंख्या 659—निदेशक लेखापरीक्षा केन्द्रीय राजस्व इस कार्यालय के स्थानापन्न लेखा-परीक्षा ग्राधकारी श्री राजाराम को 840—1200 रुपए के समयमान में दिनांक 1-4-1983 से स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 8 म्रप्रैल 1983

सं ० प्रकारिका- 1/कार्यालय भ्रादेश संख्या 1—श्रीमान निदेश्यक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्य इस कार्यालय के श्री लक्षमन दास गोगिया स्थायी श्रनुभाग श्रिकारी को स्थानापन्न लेखा

परीक्षा अधिकारी के वेतनकम 840-1200 कु॰ में 31-3-के पूर्वाह्म से अगले आदेश आने तक नियुक्त करते हैं।

> प्रविपाठी संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार, जम्मू व कश्मीर, श्रीनगर श्रीनगर, दिनांक 3 मार्च 1983

सं० प्रणासन I/60(93)/82-83/6377-81— महालेखाकार जम्मू व कश्मीर ने श्री एस० के० मेंगी, जं एक स्थाई श्रनुभाग श्रधिकारी हैं, को 3-1-1983 (पूर्वाह्न) से प्रभावी स्थानापन्न धारिता में रुपए 840-40-1000—द० रो० 40-1200 के वेसनमान में लेखा श्रधिकारी के पद पर नियुक्त किया है ।

ह्० अपठनीय उप महालेखाकार (प्र०)

कार्यालय महालेखाकार प्रथम, मध्य प्रदेश ग्वालियर, दिनांक 22 मार्च 1983

कमांक-प्रशासन-एक/ले० प्र०/पवोन्निति/539---महा-लेखा-कार, मध्य प्रदेश ने निम्निलिखित स्थाई प्रनुभाग प्रधिकारी को स्थानापन्न लेखा प्रधिकारी के पद पर वेतनमान 840-40-1000 द० रो०-40-1200 में उनके नाम के ग्रागे दर्शाये दिनांक से श्रागामी श्रादेश तक पदोन्नत किया है।

% सं ०	नाम	स्थायी ऋ०	कार्यभार दिनांक	भ्राबंटन
1. শ্বী	के० एस०म्रार० मूर्ति	02/293	21 <b>-</b> 3-83 भ्रपराह्न	म० लें०।

(प्राधिकार:---महालेखाकार-प्रथम के भ्रावेण दिनांक 21-3-1983) ।

> बि० के० राय, वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रजासन

महालेखाकार का कार्यालय, महाराष्ट्र

बम्बई, दिनांक 4 श्रप्रैल 1983

सं० प्रशासन—I/सामान्य/31—खण्ड—3/सी० (1) (1)/1—महालेखाकार महाराष्ट्र—1, बम्बई प्रधीनस्थ लेखा सेवा के निम्नलिखित सदस्यों को उनके नाम के सन्मुख निर्दिष्ठ किये गये

विनांक से आगामी आदेश तक स्थानापन्त रूप से लेखा/लेखा-परीक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

ऋ० नाम	दिनांक
<ol> <li>श्री सी ० क्रुप्णमूर्ति</li> <li>श्री ए० रामसुब्रमण्यन</li> <li>श्री जी० एस० खमे</li> </ol>	10-10-1982 (पूर्वाह्न) 27-11-1982 (पूर्वाह्न) 22-10-1982 (पूर्वाह्न)

म० र० मृपरा वरिष्ठ उपमहालेखाकार/प्रशासन

कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, पश्चिम बंगाल ट्रजरी विल्डिंग्स, कलकत्ता-700001 वृष्ट्यक्ता, दिनांक 5 ग्रप्रैल 1983

सं० प्रशा०—I—1038(1)/7624—महालेखाकार प्रथम, पिष्यम बंगाल ने श्रगले श्रादेश तक स्थायी श्रनुभाग श्रिधकारी श्री रवीन्द्र नाथ हालदार को तवर्थ तथा अस्थागी तौर पर, श्रस्थायी श्रीर स्थानापन्त एप से, जिस दिनांक से वह वस्तुतः लेखा श्रिधकारी के हैसियत सं प्रपाना कार्यभार सम्हालता है, लेखा श्रिधकारी के पद पर नियुक्त करने की कृपा की है। इसे स्पष्ट समझ लेना चाहिए कि लेखा श्रिधकारी के संवर्ग में पूर्वोक्त प्रोन्नित जब तक कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक मुकदमें में निर्णय निलंबित रहे तब तक पूर्णत्या श्रस्थायी एप से है और भारतीय गणराज्य तथा दूसरों के खिलाफ दायर किये गये 1979 के सी० श्रार० केस संख्या 14818 (डब्ल्यू०) के श्रन्तिम फैसले के श्रधीन है।

लेखा ग्रधिकारी के संवर्ण में उनकी प्रोन्नित होने पर श्री रवीन्द्र नाथ हालदार की सेवायें, कार्यालय महालेखाकार-द्वितीय--पश्चिम वैगाल में, श्री विभास चौधुरी के दुःखजनक मृत्यु से हुए रिक्त स्थान, पर सौंपी जाती हैं।

> जो० स० मेहरोला), वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रका०)

कार्यालय, महालेखाकार (1) बिहार, रांची, दिनांक 12 अप्रैल 1983

ज्ञापांक-प्रशासन-2-महालेखाकार (I) बिहार रांची ग्रपने कार्यालय के ग्रधिकारी श्री ग्रवानीकान्त भट्टाचार्य को ग्रपने कार्यालय में दिनांक 22-2-83 के पूर्वाह्न से ग्रगला भ्रादेश होने तक स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नक्ष करते हैं।

है॰ श्रपठनीय वरीय उप-महालेखाकार (प्र०) बिहार

महालेखाकार का कार्यालय, श्रांन्ध्र प्रदेश हैदराबाद, दिनांक 11 श्रप्रैल 1983

मं० प्रणा० 1/8-132/83-84/458--महालेखाकार, श्रांक्ष प्रदेण हैदराबाद कार्यालय के श्रधीन लेखा सेवा के निम्न-

लिखित सदस्यों को महालेखाकार घांध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतनमान ६० 840-40-1000 इ० बी० 40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी के पद पर उनके नाम के ग्रागे बताई गई तारीख से जब तक ग्रागे ग्रादेश न दिए जाए नियुक्त किये जाते हैं।

नाम	भारग्रहण तारीख
सर्वश्री	
. 1. वी० सी० राजगोपौलन	26-3-83 স৹
2. बी० सदानन्दराव	4-4-83 go
<ol> <li>सी० सी० सुब्बारात्र</li> </ol>	28-3-83 To
4. र० सवानन्द प्रभु	28-3-83 To
5. म <b>० जी०</b> क्रुप्णा	26-3-83 স৹
<ol> <li>र० मालाकोंडय्या</li> </ol>	28-3-83 駅。
7. बी० एस० र० के० परब्रह्म मूर्ति	
<ol><li>पी० कोटेश्वर राव</li></ol>	26-3-83 駅。
9. के० स० चन्दर राव	26-3-83 স্ত
10. वी० सेमाला	29-3-83 qo

यह पदोन्तती उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रभाव डालने वाली नहीं है तथा ग्रांध्र प्रदेश उच्च न्यायालय, उच्चतम न्यायालय में भ्रानर्णीत याचिकाश्रों के श्रधीन हैं।

> बी मेसन वरिष्ठ उपमहालेखाकार

# पूर्ति तथा निपटना महानिदेशालय (प्रशासन-6)

नई दिल्ली, दिनांक 11 ग्रप्रैल 1983

सं० ए०-32013/11/80-प्र० 6--राष्ट्रपति ने श्री जी० बी० परमाणिक तथा श्री बी० बी० हजेला को जो पहले ही तक्ष्यं स्नाधार पर क्रमणः निरीक्षण निदेशक कलकत्ता तथा उत्तरी निरीक्षण मण्डल के सधीन उप-निदेशक निरीक्षण कानपुर के कार्यालयों में निरीक्षण ग्रधिकारी (वस्त्र) के पद पर कार्य कर रहे हैं दिनांक 23-2-83 के पूर्वाह्न से नियमित आधार पर सहायक निरीक्षण निदेशक/निरीक्षण ग्रधिकारी (वस्त्र) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" ग्रेड-III) के पद पर नियुक्त किया है।

श्री परमाणिक सथा श्री हजेला दिनांक 23-2-83 के पूर्वाह्म से दो वर्ष की अवधि तक परिवीक्षाधीन रहेंगे।

> ं सोहन लाल कपूर, उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात ग्रोर खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016 दिनांक 30 मार्च 1983

सं० 2736 बी०/ए०-19012 (के० डी० बी०)/82/19 ए०--श्री उष्ण दास बनिक को भरतीय भूवेंशानिक सर्वेंशण में प्रशासनिक प्रधिकारी के रूप में वेसन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 रु० के वेसनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, प्रागामी प्रावेश होने तक 7-2-83 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 2801/बी०/ए०-19012 (3-वी० एस० एन० पी० के०)/80-19 बी०--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक रसायनज्ञ श्री वी० एस० एन० पी० कविता को 8-2-83 (श्रपराक्ष) से त्यागपत्र पर मुक्त किया जा रहा है।

> एस० के० मुकर्जी, महानिदेशक

# भारतीय खान न्यूरो नागपुर, दिनांक 6 म्रप्रैल 1983

सं ए०-19011(300)/81-स्था ए०:---राष्ट्रपति, 'संघ लोक सेवा भ्रायोग की सिफारिश पर, श्री एस० एम० ए० भ्रालीम को सहायक खान नियन्त्रक, भारतीय खान ब्यूरो के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 5 मार्च, 1983 (पूर्वाक्ष) सं सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> व० च० मिश्र, कार्यालय ग्रध्यक्ष, भारतीय खान ब्यूरो

# म्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 मप्रैल 1983

सं० 29/6/83-एस०-2-महानिदेशक प्राकाणवाणी, एतद्द्वारा श्री डी० एल० सोलंकी, फार्म रेडियो रिपोर्टर, श्राकाण-वाणी राजकोट को श्राकाणवाणी पोर्ट ब्लेयर में विनांक 21-3-1983 (पूर्वाह्न) से फार्म रेडियो श्रीधकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० वी० सेषाद्रि, उप निदेशक प्रशासन इते महानिदेशक

#### पर्यटन भ्रौर नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 मार्च 1983

सं० ए० 32013/डी० जी० एम०/सी० एम० ए० एस० 82-ई० I—-राप्ट्रपति ने भारत मौसम विज्ञान विभाग में मौसम विज्ञान के अपर महानिदेशक, श्री एस० के० दास को 1-4-1983 से तीन महीने की अवधि के लिए अथवा नियमित अधिकारी का चयन होने तक, जो भी पहले हो, तवर्थ आधार पर उसी विभाग में मौसम विज्ञान का महानिदेशक नियम्स किया है।

श्रारः एन० भागव, श्रवर सचिव

# स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

(स्टोर-1 श्रनुभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 5 ग्रप्रैल 1983

सं०. ए० 32015/3/82-एम०-1-स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक ने श्री एम० सम्पथ, सीनियर वैज्ञानिक सहायक को 14 फरवरी, 1982 (पूर्वाह्म) से श्रागामी श्रादेणों तक गर्वनमेंट मेडिकल स्टोर डिपो, मद्रास में सहायक फैक्टरी प्रबन्धक के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त कर दिया है।

> रमेश चन्द्र, उपनिवंशक प्रशासन (ई० एण्ड जी)

स्बास्थ्य मेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 1983

सं० ए० 38013/7/82-प्रशासन-I—सेवा निवर्तन की आयु के हो जाने पर, श्री के० सी० गुप्ता, श्रनुभाग ग्रधिकारी, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने 31 मार्च, 1983 के श्रपराह्म से सरकारी मेवा से रिटायर हो गए हैं।

टी० सी० जैन, उप निदेशक, प्रशासन

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत परियोजना श्रभियांतिकी प्रभाग

बम्बई-5, क्षितांक 14 मार्च 1983

> बी० वी० **थट्टे** प्रशासनिक श्रधिकारी

# भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 8 श्रप्रैल 1983

मं० : वी० ए० /73 (4)/83-ग्रार०-4-निदेशक, भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र डा० श्रव्या राम को निवासी चिकित्सा अधिकारी पद पर इस भनुसंधान केन्द्र के श्रायुविज्ञान प्रभाग में मार्च 2, 1983 (पूर्वाह्न) से अप्रैल, 2, 1983 अपराह्न) तक श्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सी० जी० मुक्रमारन, उप-स्थापना प्रधिकारी

क्रय और भंडार निदेशालय बम्बई,-400 001, िनांक 4 श्रप्रैल, 1983

सं० डी० पी० एम०/21/1(2)/78 नथा०/12353---इम निदेशान्य को ता० 11 फरवरी, 1983 के<del>-</del> नमसंख्यक श्रिष्ठसूचना के कम में, परमाणु ऊर्जा विभाग के कय श्रीर भंडार निदेशालय के निदेशक ने, स्थाधी कय महायक श्री एन० एस० पिल्क को तवर्ष श्राधार पर इसी निदेशालय में 31 जुलाई, 1983 (अपराह्म) तक के लिए या श्रगले हीने अदेश होने तक, जो भी पहले हो, स्थानापना स्था ने सहाय का श्रीधार। री नियुक्त किया है।

बी० जी० कुलकर्णी प्रणासनिक श्रीधकारी II

# पर्यटन एवं नागर विमानन मंत्रालय

# भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3 दिनांश 8 प्रप्रैल 1983

मं ० स्थापता (1) 05327---श्री एस० जें० पद्धारे हि।यक मौसम विज्ञाती, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई, मौसम विज्ञात विभाग, 1-1-1983 के पूर्वाह्न में स्वेच्छा से सरकारी सेवा मे सेवानिवृत्त हो गए।

> के० मुखर्जी मौसम विज्ञानी (स्थापना) **कृते मौ**सम विज्ञान के महानिदेणक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1983

सं ० ए० 31213/1/81-ई० ए --राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों को नागर विमानन विभाग के विमान मार्ग और विमान क्षेत्र संगठन में दिनांक 19-8-1982 से विमान क्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में स्थायी तौर पर नियुक्त स्थि। है :--

क्रम सं० नाम (मर्वर्श्वा)	वर्तमान तैनाती स्टेणन
<ol> <li>ए० के० सिल्ला</li> <li>एम० एम० प्रनन्तहरूणन्</li> <li>जे० के० मल्होल्ला</li> <li>श्रार० एस० श्रग्रवाल</li> <li>श्री श्रीनिवासन</li> <li>एम० के० प्रार्मा</li> <li>एम० वी० श्रीपति</li> <li>बी० एल० तियल</li> </ol>	कलकत्ता विजयवाड़ा दिल्ली दिल्ली दिल्ली दिल्ली मद्रास दिल्ली मद्रास
10. एस० बी० गिरि 11. पी० के० हलदार 12. बी० के० कार 13. एस० के० ठाकुर 14. डी० के० दाम 15. एस० एस० पराठे	कल्क्सा राघी कलक्ता श्रीनगर मद्राप बम्बई सगस्ता

ऋ० सं०	नाम	वर्तमान तैन तो स्टेशन
 सर्वेश	भी	
17. एम	० पी० जैन	<b>ं</b> इल्ली
18. बी	एस० चावला	दिल्ली
19. <b>ए</b> स	० सी० श्रीवास्तव	मद्रास
20. जी	) के <b>० ध</b> रत	बम्बर्६
21. वी	के० सर्राफ	• (दल्ली
22. एस	० के० रस्तोगी	दिल्ली से
-		प्रतिनियुक्ति पर लीक्षिया
2.3. के ब	के० पुन्ज	नागपुर
24. जे	<sup>े</sup> एस० श्राहजा	दिल्ली
25. एस	० एन० खन्ना	बम्बर्ध
26. आ	र०सी० कोचर	<sup>-</sup> दिल्ली
27. जी	० एस० घ्रडवानी	वम्बई
28. श्री	रतन लाल	कनकता
29. सा	घु सिंह	बम्बई

इस कार्यालय की दिनांक 30 सितम्बर, 1982 की ऋधि-सूचना सं० ए०-31013/1/81-ई० ए० एनद्दारा रद्द की जाती है ।

सं० ए० 31013/1/80-ई० ए०-राष्ट्रपति ने निम्नालिखित अधिकारियों को दिनांब 20 मई, 1981 से नागर विमानन विभाग के विमानमार्ग और विमान क्षेत्र संगठन में, वरिष्ठ विमान क्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में स्थायी रूप में नियुक्त किया है:--

क्रम सं० नाम सर्वश्री	नैताती टेशन		
1. जी० सरकार	कलकत्ता एयर पोर्ट		
2. श्रार० एस० सिद्धु	उपनिदेशक डी० जी० सी० ए०		
3. एन० के० क्रिपा <b>ठी</b>	ए० टी० सो० पी० डी०		
	(मुख्यालय)		
	(जी० सी०)		
	(मुख्यालय)		
4. पन्ना लाल	ल म्ब्रन क		
5. जे० के० साहा	दिल्ली एयरपोर्ट, पालम		
6. बी० के० रजक	बम्बई एयरपोर्ट		
7. सी० एस० मैक	बम्बई एयरपोर्ट		
	सुधाकर गुप्ता उपनिदेशक प्रशासन		

नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1983

मं ० 32013/4/82-ई० सी०--राष्ट्रपति ने निम्लिखित प्रधिकारियों को प्रत्येश के सामने दी गई अवधि के लिए उपनिदेशक/

नियंत्रक	संचार के	. ग्रंड में	तदर्थ द	ग <b>ध</b> ार.	प : चियुक्त	दिया है	<b>भ</b> ैंग
उन्हें उन	के नाम के	∹समने ि	देए गए	स्टेणन	पर तैनात	किया है	

755 o	,, ,	वर्षमाय नगती स्टेशय	नया तैनायी स्टेशन	5 K.6	មែ
सं∘	) पदलाम	स्टशन	+८मन	से	को
1.	सर्वश्री के० एस० कृष्णामृति	वमानि⊲ःसंचार स्टेशन	क्षेत्रीय नियंत्रक		0-82 से
	अध्यान्।त वरिष्ठ संच।र ग्रंधिकरी	मद्रास	कार्यालय,	27-1	•
2.	ग्स० के० महेक्दरी सहा० निदे० संचा∀	डी० जी० मी० सी० ए० (मुख्यालय)	मद्रास वैमानिक संचार स्टेशन पालम	30-10	से

#### दिनांक : 4 अप्रल, 1983

मं० ए०--32013/7/80-ई० सी०:-- इस विभाग की दिनांक 18 अक्तूबर, 82 की अधिमूचना सं० ए०--32013/7/80--ई० सी० और दिनांक 8 नवम्बर, 1982 की आर्क सूचना सं० ए०--32013/7/80-ई० सी० के कम में, राष्ट्रपति ने निम्निनिखित अधिक रिपों को अत्येक के सामने दी गई तारीखों में भीर अन्य जादेश होने तह उपनिदेशक/नियंत्रक संचार के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उनके नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर नियुक्त किया है:---

क्र० सं० नाम	तैनाती स्टेशन	त।रीख
1. श्री पी० संठ	महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय, नई दिल्ली	29-9-82
2. श्री एस० के० सरस्वती	वै० सं० स्टेशन, पालम नई नई दिल्ली ।	23-11-82

श्रो० पी० श्रग्रयाल सहायक निदेशक, प्रशासन

# नई दिल्ली, दिनांक 6 ग्राप्रैल, 1983

सं० ए० 32013/1/82-ई० एस० — राष्ट्रपति ने श्री श्रार० एन० दोसाज, वरिष्ठ विमान निरीक्षक को दिनांक 16-3-1983 से छ: माह टी अबधि के लिए या पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहुँछ हों, रामकुष्णपुरम् में स्थित महानिदेशक नागर विभागन के वार्थालय में उपनिदेशक/नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण के पद पर नदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

जे॰ सी॰ गर्ग ر सहायक निदेशक, प्रशासन केन्द्रीय उत्पाद शुरुक समाहतानिय कानपुर, १६नाक 4 स्रवैल, 1983

सं० 1/1983—निम्नलिखित निराक्षिकों (प्रवरण श्रेणी) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के श्रधीक्ष ए, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग "ख" वेतनमान ६० 650—30—740—35—810—द० नी०—35—880—40—1000—द० रो०—40—1200 के पद पर पदोन्नित होने पर श्रधी-क्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के पद का कार्यभार उनके नाम के सामने दिये गये स्थान तथा नारीख को ग्रहण कर लिया है ।

नाम	स्थान का नाम जहां	कार्यभार ग्रहण
	पर पदोन्नति पर	करने की तारीख
	कार्यभार ग्रहण	
	किया	
	नाम	पर पदोन्नति पर कार्यभार ग्रहण

#### सर्वश्री

मुख्यालय, कानपुर	21-6-1982
फिरोजाबाद रेंज-⊞ श्रागरा डिवीजन	22-6-1982 (म्रपराह्म)
मुख्यालय, ानपुर	26-7-1982
गुरसहायगंज रेंज-II	31-7-1982
फर्रुखाबद	
<b>डिवी</b> जन	•
	फिरोजाबाद रेंज-11 ध्रागरा धिवीजन मुख्यालय, ानपुर गुरसहायगंज रेंज-11 फर्रखाबाद

		~ ^	3
5	मोहम्मद श्रसलम	डिबीजन-∏ कानपुर	Sum Q 1 Q Q 2
J.	116.114 3/21.11	194144 11 14437	0-6-1362

<sup>6.</sup> पी॰ एस॰ सक्सेना डिवीजन-I कानपुर 21-9-1982

12. के॰ एल॰ सोनकर मुख्यालय, कानपुर 1-2-1983 (ग्रपराह्न)

सं० 2/1983---श्री पी० एन० सहारिया, कार्यानय श्रवी-क्षक, केन्द्रीय उत्पाद णुल्क ने प्रणासनिक श्रधिकारी/सहायक मुख्य लेखा श्रधिकारी/लेखा परीक्षक वर्ग "ख" वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो० 40-1200 के पद पर पदोन्ति होने पर लेखा परीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग "ख" के पद का कार्यभार मुख्यालय कानपुर में दिनांक 16-9-1982 श्रपराह्म को ग्रहण कर लिया है। सं० 3/1983—इस समाहर्तालय के निम्नलिखित वर्ग "छ" श्रधिकारी श्रधिवर्षता की श्रायु पर उनके नाम के सामने दी गयी तारीख में सरकारी सेवा से सेवा नियुत्त हो गये हैं :---

%तम अधिकारी का नाम त्र पद सं० दिनांक

#### सर्व श्री

- पीं० बी० रस्तोगी, ग्रधीक्षक केन्द्रीय 31-5-1982 ग्रपराह्म उत्पाद णुल्क, पीलीभीत , बरेली डिबीजन
- भ्रार० बी० माथुर, श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, कानपुर डिवीजन-II

30-6-1982 भ्रपराह्म

- 3. बी० पी० दीक्षित, ब्रधीक्षक, केन्द्रीय 31-7-1982 श्रपराह्म उत्पाद शुल्क, सीतापुर डिवीजन 31-7-1982 श्रपराह्म
- टी० एन० मेहरोत्रा, लेखा परीक्षक, 31-7-1982 भ्रपराह्न केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय, कानपुर।
- 5. बी० एस० भारद्वाज, श्रधीक्षक, 30-9-1982 श्रपराह्न केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, झांसी रेंज-! कानपुर डिवीजन।
- 6. वाई० एन० सरन, मधीक्षक, 30-9-1982 श्रपराह्म केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बरेली।
- जे० एन० कालड़ा, श्रधीक्षक, 31-10-1982 श्रपराह्न केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, कानपुर
   डिवीजन।
- 8. जे० सी० श्रीवास्तव, श्रधीक्षक, 31-1-1983 श्रपराह्म केन्द्रीय उत्पाद गुल्क, गुरसह।यगंज व कन्नौज-I, फर्रुखाबाद डिवीजन।
- 9. एम० एल० पुरी, प्रधीक्षक 28-2-1983 प्रपराह्म
   (मुख्यालय) केन्द्रीय उत्पाद गुल्क,
   मुख्यालय, कानपुर ।
- 10. टी० डी० खाण्डूजा, प्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद मुल्क, कानपुर 28-2-1983 प्रपराह्न कानपुर डिवीजन-

जे० रामकृष्णन समाहर्ता

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

ंनई दिल्ली, दिनांक 5 स्रप्रैंस 1983

सं० 11/83 ---श्रो वी॰ यू० त्रिवेदी ने, स्वेच्छा से सेवा निवृत्त होने पर, दिनांक 1-12-82 के पूर्वाह्न से निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय के बम्बई स्थित पश्चिमी प्रादेशिक यूनिट में, निरीक्षण श्रिधकारी ग्रुप "ख" (सीमा शुन्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) के पद का कार्यभीर त्याग दिया ।

> व० चं० रस्तोगी निरीक्षण श्रधिकारी

# सीमा भुल्क केन्द्रीय उत्पाद भुल्क तथा स्वर्ण नियन्त्रण श्रपील श्रधिकरण नई विल्ली, दिनांक 31 मार्च 1983

फा० सं०-7 सी० गु० उ० तथा स्व० ति० ग्र० प्र०-श्री ग्रो० एस० ग्रहमद केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, इलाहाबाद समाहर्तालय के सुपरिन्टेंडेंट (ग्रुप बी) ने जो कि पहले निवारक संकार्य निदेशालय नयी दिल्ली में निरीक्षण ग्रधिकारी के पद पर कार्यरत थे, 30 मार्च, 1983, ग्रपराह्म से वेतन मान रुपए 650-1200 तथा 75 रुपये के विशेष वेतन प्रति मास, तकनीकी ग्रधिकारी सीमा गुल्क, केन्द्रीय उत्पाद गुल्क तथा स्वर्ण नियन्द्रण ग्रपील ग्रधिकरण दिल्ली बेंच, नयी दिल्ली के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

फौजा सिंह गिल

भ्रध्यक्ष

# विधि, न्याय भ्रौर कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग)

कार्यालय, कम्पनी रजिस्ट्रार

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रौर सिम्पल फेशन्स लिमिटेड के विषय में

पणजी, दिनांक 18 मार्च 1983

सं 189/जी • 1323— कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्बारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर सिम्पल फेशन्स लिमिट्रेड की नाम, इसके प्रतिकूल कारण विशित न किया गया तो रजिस्ट्र से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

एम० एल० गनविर कम्पनियों का रजिस्ट्रार गोवा, दमण भौर दीव

कस्पनी रिजिस्ट्रार का कार्यालय, श्रास्त्र प्रदेश कम्पनी स्रविनियम, 1956 दी श्रान्ध्रा ल्यूणर्न कान्फरन्स् के विषय में ।

हैदराबाद, दिनांक 31 मार्च 1983

सं० 385/टी० ए० III 560—/कम्पनी ऋधिनियम, की धारा 560 की (5) में अनुसरण में एतदृद्धारा सूचना दी जाती है कि स्नान्ध्रा ल्युर्ने कान्फरिन्स् का नाम रजिस्ट्रर से काट दिया गया है भ्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 दी सरकारम काफी डिवलोपमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

हैदराबाद, दिनांक 31 मार्च 1983

सं० 1230/टी० ए० III/560— कम्पनी श्रिधिनियम की धारा 560 की (5) के श्रनुसरण के एतव्द्वारा सूचना वी जाती है कि दी सरकारम काफी डिवलोपमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्ट्रर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 के ग्रौर श्री जया इनवेस्टमेन्टस प्राइवेट लि० विषय में। कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 445 (2) के ग्रन्तर्गत हैदराबाद, दिनांक 31 मार्च 1983

सं० 1553/लिक्वी---उच्च न्यायालय भ्रान्ध्र प्रदेश, हैदरा-बाद के वर्ष 1981 के कम्पनी पिटीशन क्रमांक 5/81 के मामले में 28 ग्रगस्त को श्री जया इनवेस्टमेन्टस प्राइवेट लि० के परि-समाप्त का भ्रादेश दिया गया।

> वि० एस० राजु कम्पनियों का रजिस्टार भ्रान्ध्र प्रदेश

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर भेली भ्यु विवरीज लिमिटेड के विषय में ।

पटना,-800001, दिनांक 31 मार्च 1983

सं० 852/560/7771—कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के श्रनुसरण में एसद् द्वारा सूचना दी जाती है कि मेली भ्यू विवरीज लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित की जाती है।

> ए० डबलु० धनसारी कम्पनी निबन्धक, बिहार, पटना

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 श्रौर क्वालिटी डेंरी इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

मद्रास, विनांक 5 श्रप्रैल, 1983

सं० डी० एन० 3375/560/82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतंद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर क्वालिटी डैरी इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> ., जे० के० रमणी कम्पनियों का सहायक रजिस्टार तमिलनाडु

कम्पनी प्रधिनियम, 1956 श्रौर संयादिरी होजरी वर्कस श्राइवेट लिभिटेड के निषय में

बंगलौर, दिनांक 5 ग्रप्रैल, 1983

सं० 1687/560/83-84—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्बारा यह सूचना दी जाती है कि इम दिनांक से तीन मास कि श्रवसान पर स्थादिरी होजरी वर्कस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिया तिकया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ह० **ग्न**पठनीय कम्पनियों का रजिस्ट्रर कन**ै**टक

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर मेसर्स सेवन्ताबाई फायनान्सर्स एण्ड चिट फण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 6 श्रप्रैल 1983

सं० 1130/पी० एस०/सी० पी०—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की घारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतव्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मैं० सेवन्तवाई फायनान्सर्स एण्ड चिट फण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> सुरेन्द्र कुमार सक्सेना कम्पनी रजिस्टर मध्य प्रदेश, ग्वालियर

#### भ्रम् वार्ष्,ठी. एन्. एवं ......

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत वरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 24 मार्च 1983

निर्देश सं० सी ० ए० 5/58/37 ई० ई० 8 2-83—ग्रत: मुझे, शिषाकांत कुलकर्णी

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विषयास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लट नं० 110, पहली मंजिल गिरनार श्रपार्टमेंट बिल्डिंग, फ्लाट नं० 15 सर्वे नं० 22 हैं, तथा जो नवघर-गांव, तालुका बसई जिला—ठाना में स्थित है (और इससे उपायक श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पूना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 13-9-1982

को प्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्मलिखित उद्देषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिश्चित व्यक्तियों, अर्थीत् :—-

 मैसर्स गिरनार बिल्डर्स , के० टी० चैम्बर्स पहली मंजिल, असई रोड (बेस्ट), जिला ठाना ।

(भ्रन्सरक)

2. श्री एस० बी० माली, एच टाईप क्वार्टर्स, 40/8, श्रार्डीनेन्स इस्टेट, श्रम्बरनाथ, ठाना-421502।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के हिसए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीस में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

फ्लैंट नं० 110, पहली मंजिल, गिरनार श्रपार्टमेंट बिल्डिंग, प्लाट नं० 15, सर्वे नं० 22, नवधरगांव, तालुका बसई, जिला ठाना ।

(क्षेत्र 335 स्थवै० फीट)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 28, जो 13-9-82 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त, श्रर्जन, रेंज, पूना के दफतर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीखा : 24-3-1983

मोहरः

प्ररूप आद्दै, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 24 मार्च 1983

निर्देश सं० सी० ए० 5 5959/37-ई० ई/82-83---यतः, मुझे, शिकांत कुलकर्णी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 307 तीसरी मंजिल ग्रिनार श्रपार्टमेंट बिल्डिंग, प्लाट नं० 15, सर्वे नं० 22, है, तथा जो नवधरगांव तालुका, बसई जिला ठाना में स्थित है) श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज पूना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 13 सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, नित्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  गिरनार बिल्डर्स के० टी० चेम्बर्स दूसरी मंजिल, बसई (बेस्ट), जिला ठाना

(भ्रन्तरक)

2. श्री नसीम हुसैन वाई० पटेल द्वारा यूनियन बैंक श्राफ इंडिया श्रोशिवारा क्रांच, जोगेश्वरी (वेस्ट) बम्बई-400102

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20 - क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पलैंट नं० 307, तीसरी मंजिल, गिरनार श्रपार्टमेंट, बिल्डिंग प्लाट नं० 15 सर्वे नं० 22 नवघरगांव, तालुका बसई जिला ठाना ।

क्षेत्र--310 स्क्वेयर फीट

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 27 जो 13-9-82 को सहायक स्रायकर म्रायुक्त म्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख : 24-3-1983

मोहर 🔋

#### प्रस्प आहं.टी.एन.एस.-----

# भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना पूना-411004, दिनांक 26 मार्च 1983 निर्देश सं०सी ए 5/819/एस श्रार मालेगांव/82-83—यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं. सर्वे नं० 311/2 टी० पी० एस०-1/मालेगांव फायनल प्लाट नं० 63 सी स० नं० 1108 है तथा जो संगमेण्वर ता० मालेगांव जि० नासिक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक मालेगांव में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 13 सितम्बर 1982 को पूर्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, इसके ध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया व्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलि**वित** व्यक्तियों, अर्थातः —

- 1. (1) श्रीमती सुलकन बाई नामदेव पाटिल
  - (2) श्री नामदेव निमजी पाटिल-
  - (3) श्री भिवसन नामदेव पाटिल
  - (4) श्री विट्ठल नामदेव पाटिल
    .1 से 4 के लिए पॉवर श्राफ श्रटरनी
    श्री हरीलाल भिलाशेट श्रस्मर संगमेश्वर
    ता० मालेगांव जिला नासिक

(भ्रन्तरक)

2 श्री कांतिलाल जोहरमल गाह चीफ प्रमोटर श्रिरहत को०श्राप०हौंडसिंग सोसायटी लि० मालेगांव जि० नासिक श्रादीनाथ हौउसिंग सोसायटी स्टेट बैंक के नजदीक मालेगांव जिला—नासिक

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सर्वे नं० 311/2 टी० पी० एस० नं० 1 मालेगांव फायनल प्लाट नं० 63 सी० स० नं० 1108 संगमेश्वर तालुका मालेगांव जिला—नासिक क्षेत्र —70791.21 स्क्वेयर फीट

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र॰ 4232 जो 13-9-82 को दुय्यम निबंधक मालेगांव के दफ्तर में लिखा है)।

> शशिकांल कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, पूना

तारीख : 26-3-1983

मोहर ा

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 25 मार्च 1983

निर्देश सं० सी ए 5/816/एस० श्रार बम्बई/82-83—यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 34, 35,36 सर्वे नं० 142-4 बी/ 141/128-2 ए, कारला गांव तालुका मावल है, —तथा जो जिला पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबत अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वंणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंध धक बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रगस्त 1982

- को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के इक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इक्यमान प्रतिफल से, ऐसे इक्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—
  - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
  - ्(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के, लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्रीमती म्युरेल नीमचवाला 'श्रोसोकोझी'' 11 सेंट लिखो रोड़ बांद्रा बम्बई-400050

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती यवोन्ने फर्नीडिस, 49 चुईम खार बम्बई-52 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्य।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **प्रनुसुची**

प्लाट नं० 34, 35, 36, सर्वे नं० 142-4 बी/141/128-2ए विलेज कारला, तालुका माधल जिला—पूना क्षेत्र—1636स्कवेयर मीटर

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋ० ग्रार-36/1981 जो ग्रगस्त 82 को दुय्यम निबंधक बम्बई के दफ्तर में लिखा है)।

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 25-3-1983

मोधुर 🛭

प्ररूप बाई. टी. एन., एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 28 मार्च 1983 निर्देण सं० सी ए 5/822-एस० म्रार० राहुरी/82-83—

यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी, वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं एस नं 203 मौजे पाथरे खुर्द है, तथा जो तालुका—गहुरी जिला—शहमदनगर में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक राहुरी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 8 श्रक्तूबर 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आयत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री गोपिनाथ भागवत जाधव मौजे पायरे खुर्द, ता० राहुरी जिला श्रहमदनगर

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती सुभद्रा बाई तुकाराम जंगले पानेगांव ता० राहुरी जिला—श्रहमदनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूचा

गट नं० 203, मौजे पाथरे खुर्द, तालुका राहुरी जिला— ग्रहमदनगर क्षेत्र—1 हे० 20 ग्रा० (जसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋ० 1605, जो 8-10-82

(जस कि राजस्ट्राकृत विशेष के 1605, जा 8-10-

गशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 28-3-1983

मोहर : '

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

# कार्याल्य, सहायक बायकर भाग्यक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना पूना-411004, दिनांक 26 मार्च 1983 निर्देश सं० सी ए 5/818/एस ग्रार०इचलकरंजी/82-83— यंतः, मुझे, गशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं०रि० सं० नं० 572 ए फायनल प्लाट नं० 561-ए, इनलकरंजी है, तथा जो ता० हातकणंगले जिला कोल्हापुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दुव्यम निबंधक इनलकरंजी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया यया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया प या किया जाना शाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अयः, उक्त अधिनियमं की नारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् :---

- 1. श्री गुंडो बाला नाईक वार्ड नं० 3, घर नं० 214, मु० पो० इचलकरंजी ता० हातकणंगले जिला—कोल्हापुर (श्रन्तरक)
- श्री श्रभय मोहन लाल दोशी ग्राम्प्रपाल्ली इन्टरप्राइसेस,
   263, ई० ताराबाई पार्क कोल्हापुर -3,
   चीफ प्रमोटर—ग्रिरहंत को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी जि० इचलकरंजी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स). इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### भगुसूची

सर्वे नं० 572 ए, फाइनल प्लाट नं० 561-ए, इचलकरंजी तालुका—हातकणंगले, जिला कोल्हापुर । क्षेत्र—9945 स्क्वेयर फीट

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख कर्माक 2348 जो सितम्बर 82 दुय्यम निबंधक इचलकरंजी के दफ्तर में लिखा है)। शशिकांत क्लकर्णी

मामकात कुलकणी सक्षम प्राधिकारी अग्रास्ट प्रायक्त (जिनिक्सा)

सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, पूना

तारीख : 26-3-1983

मोह्य 🖫

. प्र**रू**प आर्ड्.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स<u>च</u>ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, पूना पूना-411004, दिनांक 26 मार्च 1983

निर्देश स० सी ए 5/815/एस प्राप्त कराड/82-83—यतः, मभे, शशिकात कुलकर्णी,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे न० 328, सदाशिवगढ़ है, तथा जो तालुका कराड जिला—गातारा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दुरुयम निबंधक कराड में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर 1982

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्गरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक स्प से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बायत, उन्त आंधानिथम बांकबीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करन या उससे क्यने में सुविधा के निया; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों., मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥——

- 1. (1) श्री सदाशिव भूपाल सुतार
  - (2) श्री भूपाल रामचन्द्र मुतार "शशिकात फर्नीचर वर्कस" सदाणिवगढ़, ठालुका कराड, जिला सातारा

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती प्रवीण विनोद ठक्कर शांतिनाय भुवन, श्रम्बेडकर रोड़, माटुंगा, बम्बई-14

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पारिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

# अनुसूची

भूमि श्रौर भवन मर्वे नं० 328/3ए, सदाशिवगढ़ तालुका कराड, जिला सावारा ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख कर्मांक 3286 जो नवम्बर 82 को दृय्यम निबंधक कराड के दफ्तर में लिखा है)।

> शांशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख : 26-3-1983

मोहरु 🛭

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.------

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 28 मार्च 1983

निर्देश सं० सी ए 5/820/एस ग्रार/भावल/82-83---यतः, मुझे, गणिकात कुलकर्णी,

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि संख्या 651 श्रीर 542 है, तथा जो उसें गांव तालुका मावल जिला—पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक भावल में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख भगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, अकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--3-46GI/83

- 1. (1) श्री लक्ष्मण महादेव कर्वे
  - (2) श्री सुधीर लक्ष्मण कर्वे
  - (3) श्री सहास लक्ष्मण कर्वे लाट नं 16, एरण्डवाणा कर्वे रोड, पूना-4 (ग्रन्तरक)
- (1) श्रीमती पैटरिशिया फिलोमिना कारवाल्हो
  - (2) श्री एडवर्ड विक्टर कारवाल्हो, नांगरगांव, तालुका मावल, जिला पूना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तेगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### जनत ची

कृषि भूमि संख्या गट नं० 651, गट न० 542, उसे गांव तालुका मावल, जिला—पूना ।

क्षेत्र 2 हे—73 ग्रार० भौर 2 हे—21 ग्रार (जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख कमांक 1050 जो अगस्त 82 को दुय्यम निबंधक मावल के दफतर में लिखा है)।

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

वारीख: 28-3-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आर्षे.टी.एम्.एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, पूना पूना-411004, दिनांच 26 मार्च 1983 निर्वेश सं० सी ए 5/817/एस भ्रार/शोलापुर/82-83--यतः, मुझे, शशिकांत कुलकार्णी,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात उक्त अधिनियम कहा गया है) की भारा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं म्युनि नं 80, सिटी सर्वे नं 3866/1, शुक्रवारपेठ है, तथा जो शोलापुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक शोलापुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन तारीख श्रगस्त 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अण्य आस्तियों को जिन्ह आरतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, डिज्याने में सुविधा के लिए।

जतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के जनुसरण बें, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपभाव (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- 1. (1) श्री रेवण सिद्ध भीमराव बलगुंडी,
  - (2) मलकार्जन भीमराव बलगुंडे, 80. सक्तवार, पेठ, सोलापुर

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री निवृत्ति यशवंत नरखेडकर,
  - (2) श्री बजरंग यशवन्त नरखेडकर 76, शक्तवार पेठ, शोलापूर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया म्या है।

#### अनुसूची

म्युनि० नं० 80, सिटी सर्वे नं० 3866/1, शुक्रवार पेठ, शोलापुर, ।

क्षेत्र---337 स्ववेयर मीटर

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख कमांक 995 जो श्रगस्त 82 को दुय्यम निबंधक शोलापुर के दफ्तर में लिखा है) ।

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख : 26-3-1983

मोहर :

प्ररूप आई ा टर्ग एन ा एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, विनांक 28 मार्च 1983

निर्देश सं० सी० ए० 5/823/एस० ग्रार० ग्रहमदनगर/ 82-83—यक्ष:, मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० 26/333/21 सार्वेशी हैं, तथा जो तालुका ग्रीर जिला ग्रहमदनगर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाधद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निवंधक ग्रहमदनगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 26 ग्रक्तूबर 1982 को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्ये यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का

पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् :--

 दि श्रम्बिकानगर साइजिंग एण्ड प्रोसेसिंग इं० प्रा० लि० 26/333/21, सावेडी, ग्रहमदनगर चेयरमैन श्री शरद रस्या

(श्रन्तरक)

- मैसस दीपक ग्रार्ट प्राडक्ट्स स्माल स्केल इंडस्ट्री के भागीवार :
  - (1) हीरालाल, (2) ग्रम्धादास, (3) विट्ठल नरसप्पा मृंदीगटी सावेडी, ग्रहमदनगर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सर्वे नं० 26/333/21 सावेडी, जिला प्रहमवनगर क्षेत्र---4000 स्क्वेयर फीट भूमि ग्रौर भवन जैसे कि रजिस्ट्रीइत विलेख कमांक 3443 जो 26-10-82 को दुय्यम निर्वधक श्रहमदनगर े दफ्तर में लिखा है)।

> णणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्त प्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 28-3-1983

मोहर 🐠

#### प्रस्प • चार्ष • दी • एव • एस • ---

भावकर ग्रीव्यनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रीवीन सूचना

मारत सरकार

# कार्यात्तय, सहायक नामकार नामुक्त (निरीक्तण) श्रजीन रेज, पटना

पटना-411004, विनांक 28 मार्च 1983

निर्देश सं० सी ए 5/821/एस श्रार राहुरी/82-83— यतः, मझे, प्रशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- का अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिस्की संव मौजे पाथरे खुर्च गेट नंव 203 हैं, तथा जो तालुका राहुरी जिला अहमदनगर में स्थित है (भौर इससे उपाब अमस्ची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुव्यम निबंधक राहुरी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 अक्तूबर 1982 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह धिश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्मत्ति का धिश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्मत्ति का धिश्वास करने का पम्त्रह प्रतिशत से प्रविक्त है भौर अक्तरक (अक्तरकों) भौर अक्तरिती (अन्तरितियों) के बीच देसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिक नहीं किया बया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

 श्री सीताराम भागवत जाधव मौजे पाथरे ता० राहुरी जिला श्रहमदनगर

(भ्रन्तरक)

2: श्री अश्वाजी भीकाजी निमसे मौजे पाथरे, हा० राहुरी जिला श्रहमदनगर ।

(प्रन्तिरती)

को वह जूचना बारी करके पूर्वीका सम्पति के धर्जन के लिख भागवाहियां करता हूं।

**उम**त सम्मति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेत :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (व) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- व्यथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

#### अनुसूची

मौजे पायरे खुर्द, गेट नं० 203, तालुका-राहुरी, जिला ग्रहमदनगर ।

क्षेत्र—-1 हे॰ 20 श्रा॰ (जैसे कि रजिस्ट्रीइन्त विलेख कमांक 1606, जो 8-10-82 को दुय्यम निबंधक राहुरी के दफ्तर में लिखा है)।

> शिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रायक रेंज, पूना

ताीख: 28ब3-1983

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन॰ एस॰---

नायंकार मधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के सभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सञ्चायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, पूना पूना-411004, दिनांक 28 मार्च 1983 निर्देश सं० सी ए 5/67/37 ई ई /82-83—यत, मझे, मझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 303, महेन्द्र पैलेस प्लाट नं० 47 श्रीर 48, सर्वे नं० 4, 5, 6, 7 श्रीर 8 है, तथा जो नवधरगांव तालुका वसई, जिला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णिस है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीवकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रजंन रेंज पूना में रजिस्ट्रीरकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 27 सितम्बर 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से,, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और वंतरिती (श्रंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिचित उद्घेष्ट से उचत बन्तरण में वास्तिक क्या कि किया नहीं किया गया हैं—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् :---

- 1. मैससं विश्वक्रमा बिल्डर्स, महेन्द्र पैलेस, विश्वकर्मा निवास, स्टेणन रोड वसई (वेस्ट) जिला—ठाना (ध्रन्तरक)
- श्री भीमराव सदाणिव पैंजणे 5/198, शिवाजीनगर, बरली, बम्बई-400025
   (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के सर्जन के लि कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेष ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरी।

स्वकटीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्दों का, वा उक्त अधिनयम के अध्याय 20 क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या क्या है।

#### अनुसुची

प्लैट नं० 303, महेन्द्र पैलेस, प्लाट नं० 47 श्रौर 48, सर्वे नं० 4, 5, 6; 7 श्रौर 8, नवधरगांव, तालुका, वस्राई जिला ठाना ।

क्षेत्र—585, स्क्वेयर फीट (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख कमांक 103 जो 27-9-82 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन रेंज पूना के दफतर में लिखा है)

> शशिकांत कुल्कणी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, पूना

तारीख: 28-3-1983

माहर 🖫

प्ररूप आइ<sup>\*</sup>.टी. एन. एस. -----

आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त भायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल, 1983

निर्देश सं आर० ये० सी० नं० 1/83-84-प्रतः मुझे एम जेगन मोहन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उपित काजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० खुली जमीन है तथा जो बोलाराम गांव में स्थित है, (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नरससपूर में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे अध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाना मया प्रतिफल, निम्नलिचित उच्चेश्य से उसत अंतरण सिवित में बास्तविक रूप से करियत नहीं किया चना है:—

- (क) नंतरण से झूड़ी किसी नाथ की बाबत, उक्त जीभीनयन के जभीन कर बेने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के जिए; जीर/वा
- (का) एसी किसी बाय या किसी अम या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था कियाने में सुविधा के लिए,

अतः अवः, उवतः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-थं की उपधारा (1) के वृधीनः निम्निविधित व्यक्तियों, वर्षात् हिन्स (1) श्री टी॰ रामक्रीष्णा रेड्डी और अन्य, माका बोलाराम, आर॰ आर॰ जिला।

(अन्सरक)

(2) कुमारी ओ० मीना और ओ० रेखा,
 8-2-540/3,
 बंजारा हिस्स,
 हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सुम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 विन की अविभ वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 विन की अविभ, जो भी वविभ बाद में समाप्त झोती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास शिक्ति में किए वा सकेंगे।

स्वक्यीकरण: -- इसमें प्रमुक्त खब्यों और पदों का, यो उक्त अधि-विसम की अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिसा गवा है।

#### मगुलुमी

खुली जमीन सर्वे नं० 172 और प्लाट नं० 151 और 142 मका बोलाराम गांव, नरसापुर तालुक, विस्तीर्ण 9 एकड़ और 22 गुठें रजिस्ट्रीवृत्त विलेख नं० 1322 और 1317/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नरसापुर ।

> एम० जेंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख:** 4-4-1983

मोहर

# मुक्त बाहें. टी. एन. इस.-----

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1982

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 2/82-83---अस: मुझे एम० जेगन मोहन

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के निधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मृख्य 25,000 रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 7-8-757/1 एफ० है तथा जो कमला नेहरू रोड, निजामाबाद में स्थित है (और इससे उपाबक्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निजामाबाद में रजिट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 अगस्त; 1982

(1908 को 16) के अधान, ताराख 4 अगस्त; 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से, ऐसे दरमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पावा गया प्रति-फल निम्नतिस्ति उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कीजत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त विधिनियत के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; वरि/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

जतः अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, मर्थातः---  (1) श्री एस० संग्रामअंपा पिता लेट संबा जी,
 6-11-1140,
 निजामाबाद ।

(अन्सरक)

(2) श्री अर्जुनदास और अन्य, 5-7-624/32, खलीलवाड़ी, निजामाबाद ।

(अन्सिरिती)

को वह चूचना चारी करके पृशांचित सम्मरित के वर्षन के जिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ' 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनिवस के वश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होंगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### जनुसूची

गोवाम और दुकान एम० नं० 7-8-757/1 एफ एट गोदाम रोड, निजामाबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं०4866/ 82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, निजामाबाद ।

> एम० जोगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-4-1983

मोहर :

प्रकृप् आहै.टी.एन.एस.-----

आयुक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यास्त्र, सहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराक्षाद हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल, 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 3/83-84---अतः मुझे, जेगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी स॰ पलाट है, तथा जो फलमागरूटा निजामाबाद में स्थित है (धौर इससे उपाबत अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निजामाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 6 अगस्त 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का जानित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित ज्व्यस्य से उक्त अंतरण लिबित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जंतरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त जीधीनयम के जधीन कर दोने के जंतरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ की, जन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम को भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के बुधीन, निम्नुनिधित स्थितियाँ, नुर्थात् :— (1) श्रीमती जी० लक्ष्मीबाई और अन्य, चेंगल गांव, आरमूर तालुक, निजामाचाद जिला।

(अन्तरक)

(2) श्री अर्जुन दास और अन्य, 5-5-125, खलीलवाड़ी, निजामाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यवृष् किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, वशहस्ताकरी के पास् लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुड़ा है।

# मन्स्यी

खुली जमीन विस्तीर्ण 1315 चौ० गण यल्लमागृहा निजामाबाद (वार्ड नं० 5 ब्लाक नं० 9) रजिस्ट्रीकृत विशेख नं० 5074/82, रजिस्ट्रीकृत अधिकारी, निजामाबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-4-1983

मोहर:

# प्रकप धाई • टी • एन • एत •

# भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के प्रधीत सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 4/83-84—अस मुझे, एम० जोगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भिवित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो निजामाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निजामाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान मितकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह किश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल पम्नद्ध प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर भिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिनाने में सुविचा के सिए।

अतः अव, उक्त श्रिष्ठितियम की धारा 269-म के, प्रमुखरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुनिचित व्यक्तियों, कुर्धात् :——
4—4601/83

(1) श्री दामोदर मालू और अन्य, मारवाड़ी गल्ली, निजामाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री भगवान दास और अन्य, 7-1-48/1, मारवाड़ी गल्ली, निजामाबाद ।

(अन्नरिती)

को <mark>यह सूचना</mark> जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुख करता है।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजंन से सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्वव्होकरण:--इतमें प्रयुक्त शक्दों श्रीर पदों का, जो इकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्य होगा, जो उन्न श्रक्ष्याय में विवागवा है।

#### अमुस्ची

भूमि सर्वे नं० 150 और 159 विस्तीर्ण 2 एकड़, 02 गेट्टे आरसापल्ली, निजामाबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5197/ 82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, निजामाबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख . 4-4-1983

मोहरु 🖫

प्ररूप आहे . टी . एन . एस . -----

माय्कर अपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेज, हैंदराबाद रदराबाद, दिनांक 4 अप्रेल, 1983

निदश सं० आर० ए० सी० नं० 5/83-84 यत: मुझे एम० जोगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो यल्लम्मागुट्टा, निजामा-बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निजामाबाद में भारतीय रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफों यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण वेह्दं किसी नाग की बायत, उनतः अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वासित्व में कभी करने या उससे ब्बने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहितयों की, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था भनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री पी० मनीयम्मा
5-7-627/15,
खलीलवाडी, निजामाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री पी० सुब्बा रेड्डी और अन्य, कमलापुर, गांव, निजामाबाद जिला।

(अन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति भी वर्णन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

खुली जमीन, सर्वे नं० 205 और 206, यलम्मागूट्टा, निजामाबाद, विस्तीर्ण 721 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5104/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी निजामाबाद।

एम० जेगन मोहन -सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, निरोक्षण अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख . 4-4ब1983 सोहर :: प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा **269-प (1) के वधीन स्पना** 

भारत सुरकार

# कार्वालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 6/83-84—अत: मुझे, एम० जोगन मोहन

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत मिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. सं विधिक है

और जिसकी सं० सुगर मिल है तथा जो रामयापेटा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रामायनपेटा में रिजस्ट्रीकर्रा अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्मान प्रतिफल के लिए बन्तरित की मद्दें हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वों क्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिक्ष्ण निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:—

- (क) करत्वल से शृह जिल्ली शाद की बाबत उपत शिथ-विषय के ब्रुपीय कर दोने के बत्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीड/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ण अन्तिरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात्:—  (1) मैसर्स किसान खंडामारी सुगर मिल, नर्रासगी विलेज, रामायनपेटा, मेदक जिला ।

(अन्तरक)

(2) श्री पवन कुमार केडिया, 5-9-22/52, आदर्श नगर कालोनी, शापूरवाड़ी, हैबराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्थिनतयों में से किसी स्थिनत द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया न्या है।

#### अनुसूची

किसान खंडसारी सुगर मिल, विस्तीर्ण 5 एकड़, 39 गूंठे सर्वे नं० 288, नरसिंगी गांव रामायणपेटा, मेदक जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1241/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, रामायणपेटा ।

> एम० जंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-4-1983

मोहर 🕄

#### प्रकप बाई• टी• एन• एत•---

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंबराबाद, दिनांक 4 अप्रल 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 7/83-84— अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-इपसे से अधिक है

और जिसकी सं० ओपन प्लाट है तथा जो खम्मम टाउन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खम्मम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी धाव की बाबत, उक्त प्रधिक्त नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; पौर/या
- (च) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; कियाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री एम० महाधीर कुमार और अन्य, थीमारावपेटा, यूल्लांड तालुक, खम्मम जिला ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० रंगस्या और अन्य, रेगूललेकला, तिरुमलग्यापालम तालुक, जिला खम्मम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उप्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप । --

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा: ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी ग्रन्य क्यक्ति द्वारा ग्रधोद्दस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

संपत्ति मैसर्स अरुणा आइस फैक्ट्री, जेडि पी० परिसर, लाकाराम टैंक के पास, मसीन और खुली जमीन के साथ, विस्तीर्ण 790 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3722 और 3655/82, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी, खम्मम ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-4-1983

मोहर :

प्ररूप मार्च हो हो एन . ऐस . -----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार,

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्क (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 8/83-84—अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख से अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० परिसर है तथा जो गोविन्द राज स्वामी स्ट्रीट, तीरुपती में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रानुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तीरुपति में अगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपत्न को लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यूथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निविद्यात उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई िक सी आय की वावत, खबक विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दावित्य में कमी करने या उत्तरके ब्यूने में सुविधा के लिए; कौर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गुमा था या किया जाना चाहिए था, खिवाने में सुविधा के सिए;

बतः अब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण मों, मों, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नतिचित व्यक्तियों, अभीत :--- (1) श्रीमती के० व्ही० ललीतम्मा, 199, श्री गोविन्दराजस्थामीवारी सानीधी स्ट्रीट, तीरुपत्ति ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० आर० वेंकटचलम अय्यर और अन्य, रेड्डी और रेड्डी कालोनी, तीहपती।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपूत में प्रकाशन की तारी सु सै 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों बर सूचना की तात्री से 30 दिन को जबधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्वांक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें श्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, को उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया ग्या है।

#### मन्सूची

खुली जमीन वार्ड नं ० 15 श्री गोवित्वराजस्वामीवारी स्ट्रीट, तीरपति विस्तीर्ण 250 ची० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 4493/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, तीरुपती ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-4-1983

मोहर:

#### प्रकृष् वाद्री.टी.एव्.एस्.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1983

िंदेश सं० आर० ए० सी नं० 9/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से विधिक है

ग्रीर जिसकी सं प्लैट है तथा जो हैदरगृङा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीक्कडपल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 कां 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जियाने में सूनिभा के सिए;

अतः, अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) मैसर्स मातृश्री इंजीनियर्स और बिल्डर्स, 3-5-873, हैवरगूडा, हैवराज़ाद।

(अन्सरक)

 (2) श्री एम० सत्यनारायणा राव पिता एम० व्ही० सूब्बाराव, 3-4-499, बरकतपुरा, हैदराबाद- 27।

(अलारिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन् के बिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के शर्वन के संबंध में कोई भी बासपे :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के ख़जपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के वास सिचित में किए जा सकने।

स्वकाकरण:--इसमें प्रयुक्त क्ष्यों और पदों का, यो उपक अभिनित्त, के अभ्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस सुभाग में दिया न्या हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 'ए' ब्लाक 'जी-4', हैवरगुडा, हैवराबाद, विस्तीर्ण 1280 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 844/82, रजिस्ट्रीकर्ता मिश्वकारी, चीक्कडपल्ली ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद •

तारीख: 4-4-1983

मोहर :

प्ररूप आहर .टी. एन. एस .-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ख़ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 10/83-84—असः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

और जिसकी सं० पर्लैंट है तथा जो हैदरगूडा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीक्कड-पल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्थ, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या धा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

बतः जब, उन्त जिभिनियम, की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंख, स्पिनिस्पॉ, न्यांत:--- (1) मैंसर्स मातृश्री इंजीनियर्स और बिल्डर्स प्रा० लि० 3-5-873, हैदरगूडा, हैदराबाद ।

(अन्त*रक)* 'सदेवराव

(2) एम० बासुदेवराव
 पिता एम० व्ही० सुब्बाराव,
 3-4-499,
 बरफतपुरा,
 हैदराबाद-27 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के वास जिल्हा में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लैंट नं० 108, 'ए' ब्लाक, विस्तीर्ण 915 चौ० फीट हैदरगूड़ा, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 855/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चींक्कडपल्ली।

> एन'० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-4-1983

मोहर :

प्ररूप. आई. टी. एन्. एस. ----- आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुन्ता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 11/83-84—यत:
मुझे, एम० जेगन मोहन
ग्रायकर ग्रिघिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिघिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,009/६० मे ग्रिधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो दोमल गुड़ा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्तं 1982

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकंत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पण्डह प्रतिशत धानिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिकत, विस्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वाश्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई जिसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीत कर देने के अन्तरक के वागित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, खिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मैसर्स कामत बिल्डर्स, बी-3, बिन्दू शापिंग सेन्टर, तिलक रोड, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) श्री के० श्रीहरी राव, एस० पी० एम० कालोनी, बी/25, सीरपुर कागज नगर, आदिलाबाद जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धास्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी अपिक्तमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्षीका ज्यक्तियों में से किसी अयित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितव के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधीहस्ताक्तरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्राध्टी करण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त मिन नियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा कुछ है।

# वन्स्ची

फ्लैंट नं० ए-2; 1-2-593/3/1 और 1 ए, दोमलगूडा, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6340/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीखा: 4-4-1983

मोहर:

प्ररूप ग्राई• टी• एन• एस• —

# भ्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1983

निदेश स० आर० ए० सी० नं० 12/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट है तथा जो दोमलगूडा, हैदराबाद में स्थिन है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के रचित बाजार मूल्य से कमके दृश्यमान प्रतिफल के लिए अग्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित इदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधि-नियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों का जिन्हें भारती। श्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या ब्रन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थे श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया तथा या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
5-46GI/83

(1) मैंसर्स कामत बिल्डर्स, बी-3, बिंदू शापिंग सेंटर, तिलक रोड, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० रेखा रानी, पति के० सुधाकर रावत 3-6-784/ए, हिमायत नगर, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्प्रति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपतः में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्मध्दोक्तरगः --इनमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्ग होगा, जो उन ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

फ्लैंट नं० ए-1, 1-2-593/3/1 और 1-ए, दोमलगूडा, हैदराबाद रिजस्ट्रीत विलेख नं० 6339/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-4-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 2 म्रप्रैल 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 13/83-84—यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट है तथा जो दोमल गुडा, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रगस्त 1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— (1) मैसर्स कामत बिल्डर्स, बी-3, बिंदू शापिंग सेन्टर, तिलक रोड, बम्बई ।

(ग्रन्तरिती)

(2) श्री मनमोहन कनेडिया, पिता के० एल० कनोडिया, 1-2-593/1 श्रौर ए-1, गगन महल, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

संपत्ति एक फ्लेट नं० 'डी'. कामत बिल्डर्स एम० नं० 1-2-593/3/1 ग्रौर 1-ए विस्तीर्ण 808 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6284/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 2-4-1983

मोहर :

#### प्रकप बाह् .टी. एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैसराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1983

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 14/83-84—यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन आयकर घोष्ठानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिष्ठानियम' कहा क्या है), की घारा 269-ख के भ्रवीन सक्षम भ्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृहय

भौर जिसकी सं० फ्लेट है तथा जो जे० एन० रोड हैवराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय हैवराबाद में रिजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का

25,000/- र• से अधिक है।

16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982
को पूर्वीनत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कंम के स्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐते दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐते अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उबत पश्चि-नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने पा उसीय बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया क्ला बाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

भतः अस्, उंथत अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— मैसर्स बीमा बिल्डर्स,
 4-1-826/11/21,
 जे० एन० रोड हैक्राबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) ईवनगेलीकल यलोशिप आफ इण्डिया, 4-1-826/II/21, जे० एन० रोड, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प<u>रित के</u> अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हिसबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सर्कांगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

क्लेट ए.म० नै० 4-1-826/11/21, जे० एन० रोड, हैदराबाय, विस्तीर्ण 1823 चौ० फट, रजिस्ट्रीकृत विलेख मं० 5679/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैवराबाद । एम० जेगन मोहम सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैदराधाद

तारीख: 2-4-1983

मोहरु 🖫

# प्रकृष बाह्र . टी., एन., एक.,-----

नाथकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के न्धीन स्चान

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 15/83-84-- यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो दोमलगुडा, हैदराबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, श्रगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त शृन्तरण लिखित में वास्तिश्व रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--- (1) मैंसर्स बीना बिल्डर्स,
 4-1-826/11/21,
 जे० एन० रोड,
 हैदराबाव।

(ग्रन्तरक)

(2) ईवनगेलीकल फलोशिप श्राफ इण्डिया,
 4-1-826/11/21,
 जे० एन० रोड,
 हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को गह सुचना जारी करके पृंबोंक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्ति व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### जम्सूची

फ्लैट द्वितीय तल, बीना बिल्डर्स, जे० एन० रोड, हैदराबाद विस्तीर्ण 1600 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5680/83-84 रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी, हैदराबाद ।

> एन० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 2-4-1983

मोहर 🗈

प्ररूप बार्च. टी. एन्. एस.----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद ें हैदराबाद, दिनांक 7 म्रप्रैल 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 16/83-84— यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

सायकर अधिनियम; 1961 . (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. सं अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो जे० एन० रोड, हैदराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रगस्त 1982

को पूर्विभित् सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रौतिफल के लिए अन्त्रित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विभत संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उंक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :-- मैसर्स बीना बिल्डर्स,
 4-1-826/11/21,
 जे० एन० रोड,
 हैवराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) मास्टर विजय कुमार, बाई नरसिंग भ्रवतार, 21-7-872, गांधी नगर, हैवराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

**उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--**

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य अ्यक्ति इंगरा अधोहस्ताक्षरी के पास जिख्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में तथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### जन्त्वी

दुकान नं० 1, एम० नं० 4-1-826/1, जे० एन० रोड, हैदराबाद विस्तीर्ण 437 चौ० फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5664/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-4-83

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

**मायकर अधि**नियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### RISE STATE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 भ्रप्रैल 1983

निदेश सं० भ्रार० ए० मी० नं० 17/83-84—यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उमित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है तथा जो जे० एन० रोड, हैदराबाद में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिक्ट्रीकर्ता अधिकारी के कःर्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख श्रगस्त 1982

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उनके प्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे स्थाने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गय भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अब, उक्त-अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के वधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः

(1) मैसर्स बीना बिल्डर्स,
 4-1-826/11/21,
 जे० एन० रोड, हैदराबाद।

(प्रन्तरक)

(2) श्री विनयकुमार, माइनर, बाई नरसिंग स्रवतार, 21-7-872, गांधी नगर,

वेवे हैदराबाद ।

(प्रन्तरिती).

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पृत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति क़े वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख़ वे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (ख) इस मुक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 वित ह भीतर उक्त स्थावर सम्मति में दितवद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मक्कीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, को स्वत्य अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लेट नं० 4-1-826, जे० एन० रोड, हैदराबाद, विस्तीर्ण 421 59 चौ० फुट रिजस्ट्री इत विलेख नं० 5665/82, रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, हैदराबाव ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज, हैदराबाद

तारीख 2-4-1983 मो**ह्य** 🏻 प्ररूप आई.टी.एन.एव. -----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 प्रप्रैल 1983

निदेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 18/83-84—-श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निध्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाटनं० 410 है, तथा जो नारायणगुडा, हैदरा-बाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीक्कनपल्ली हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तिक क्ष्प से किश्स नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बुक्त में सुविधा के सिए; और /या
- (ज) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था जिन्हों अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना स्तिहुए था, खिलाने में मृत्विधा के सिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यवितयों, अर्थात् :-- (1) मैंसर्स विनायक इंटरप्राइजेस् बाई श्री एम० विनायक, 3-4-536, बरकतपुरा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती शीला रानी पति श्री एम० विनायक, 3-4-526/22, लिगमपत्ली, हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्युध्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त, शब्दों भीर पर्यों का, जो उक्क शिधिनयम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ध्या है।

#### पगसर्ची

प्लाट नं० 410 एम० नं० 3-5-585, श्रौर 586, नारायणगुडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1006 चौ० फुट, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 826/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी, चीक्कडपरुली हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी |सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) - श्रिजेन रेंन, हैदराबाद

तारी**ख :** 4-4-1983

मोहर:

### प्रक्षप प्राई• टी॰ एन॰ एस०-

### भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 श्रप्रैल 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 19/83-84---- प्रत मुझे, एम० जेगन मोहन आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 209-ख के प्रतीन अजन प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार पुरुष 25,000/- घरपे से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 106 है तथा जो नारायणगुडा, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रतुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चीक्कडपल्ली, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982 को पूर्वीक्त सम्मति के उचित बाजार मूला से कम के दुश्यमान प्रतिकत के लिए भ्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यंबापूर्वीतन सन्पत्ति का उचितः बाजार म्ह्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पण्त्रह प्रतिशत से श्रधिक है भ्रीर ग्रन्थ **रक्त (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों)** के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्रत ग्रम्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं ∱∌या गया दे।----

- (क) अन्तरण से हुई कियो पाप का बाबा उकत स्रविष्ट नियम के प्रधीन कर देने के स्रग्तरक के वायित्व मैं किमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; सौर/या
- ्ष) ऐसी कियी आय या िहती बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयहर प्रिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रिवित्यम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) 5 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं हिए गया था या किया जाना नाहिए था, खिनाने में सुविधा के लिए:

पतः भन, उन्त प्रधिनियन् का धारा 269-ग के मनु-सरण में में, उनन प्रधिनियन की घारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित ब्यक्तियों, अर्थात् ह—  मैसर्स वितायक इंटरप्राइजेस बाई श्री एम० वितायक, 3-4-536, बरकतपुरा, हैदराबाद ।

(भ्रन्त रक)

(2) श्रीमती टी० भारती पति लिंगा रेडडी, 3-5-585, हिमायत नगर, हैदराबाद ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ।--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति तारा, प्रत्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त मध्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्राधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बहो ग्रंथ किया, जो उस ग्राध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

ण्लाट नं० 106, एम० नं० 3-5-585 श्रीर 586, नारायणगुडा, हैदराबाद विस्तीर्ण 1177 चौ० फुट, रजिस्ट्री हत विलेख नं० 827/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चीक्कडपल्ली हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखं 4-4-1983 मो**हर**्ध

### प्ररूप मार्ड. बी. एत. एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंजं, हैबराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 श्रप्रैल 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 20'83-84--श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसंकी सं० फ्लेट नं० 402 है, तथा जो नारायण गुडा, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चीक्कडपल्ली, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रगस्त 1982

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पृंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अंतरिती [(बन्तरितियों)) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नतिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिक्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वासित्व में कभी करने या उससे बुचने में सुविधा कें लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भग या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मैतर्स विकास ६ इंटरप्राइजेस बाई श्री एम० विनासक, 3-4-536 बरकतपुरा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० ग्रार० पांडूरंगा रेड्डी, 402, एयरबस ग्रपार्टमेंट, 3-5-585, हिमायत नगर, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन् के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृजीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुस्थी

फ्लेट नं० 402 एम० नं० 3-5-585 श्रौर 586, नारायणगुडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1187 चौ० फुट, रजिस्ट्रीहत विलेख नं० 828/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहल सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-- 4-1983

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनक लखनक, दिनांव 15 मार्च 1983

निदेश सं० जी० आई० आर० सं० एस० 257—अतः मुजे, ए० प्रसाद

मायवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा पया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 692 है तथा जो मिश्विख मो० रानूपुर, रानूपुर, जिला सीतापुर में स्थित है (और इससे उगाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सीतापुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदेय से उच्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 /1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जम उक्त निधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्निलिखित व्यक्तियों, जभित् :--- (1) आशा देवी।

(अन्तरक)

(2) श्रीवती सुधा देवी शुक्ला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक प्लाट नं० 692 जो पैमाइण 49×35 स्वयायर फीट है जो कि मौजा मिश्रिख मो० रानूपुर, जिला सीतापुर में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जो संख्या 1880/82 में विणित है जिसका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार सीतापुर के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, ल**खन**ऊ

**वारीख**: 1.5-3-1983

भोहर :

O

प्रकृष बाह्री. टी. एन. एस. -------

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नाय्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 अप्रैल 1983

निदेश सं० ए०सी०-1/आर०-11/कल०/83-84---अतः मुझे,

सी० रोखामा

गायकर गिंधिनगम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ासको परचात 'अक्त अधिनियम' कहा गया **ड**ै), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरुवास करने का **हारण है कि स्था**वर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक **ह**ै

और जिसकी सं० 58 ए, राय बहाद्दर रोड, थाना बेहाला, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोक्त अधिकारी के कार्या-लय, आर० ए० कलकत्ता में, रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 अगस्त

को पूर्वोक्स सम्परित को उचित बाजार मृल्य से कम को इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसको इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तारण से हुई किसी भार की सामत, उपन अधिनियम के जबीन कर दोन के अन्तरक की दायित्वभानभी करने ॥ उससे भवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्या ए'सी किसी आय या किसी धन गा अन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या **धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)** के प्रवोचनार्थ अन्तुरिती दुवारा प्रकट नहीं किया -गया था था विकास जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अन्तः अन्त, उक्त अभिनियम की भारा 2,69-ग के अन्तुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रोमती उमा मुखोपाध्याय।

(अन्तरकः)

(2) श्री विष्णुपद बोष।

(अन्तरिती)

को यह ब्या वारी करके पूर्वांक्त संपरित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां कारता हो ।

### जनत सम्पत्ति को सर्पन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस स्थाना के राजपंत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारः;
- (क) इस स्थना के राजपत्र के प्रकाशन की लारीब सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पासु नि**चित्त में विश्व** का सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु वर्ध होगा, जो उस अध्याय में विवा स्याहै।

क्षेत्र -- 3 कठ्ठा जमीन के ऊपर मकान तथा जो 58 ए, रायबहादूर रोड, थाना बेहाला, कलकत्ता- 341

> सी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, II कलकत्ता

ता**रीख: 2-4-**1983

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 अप्रैल, 1983

· निदेश सं० एसी० 2/आर०-II/कल०/83-84--अत मुझे, सी० रोखामा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 58 ए, रायबहादुर रोड, थाना बेहाला, कलकत्ता में स्थित है (और इस्मे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 अमस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभो यह जिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे धचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् .--- (1) श्री अमरेन्द्र नाथ मुखोपाध्याय।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अनिमा बोष।

(अन्धरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपितित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास ज़िसित में किए जा सकरें।

स्पक्षोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनस ची

क्षेत्र —2 कठ्ठा जमीन के ऊपर मकान तथा जो 58-ए, राय बहाबुर रोड, थाना बेहाला, कलकत्ता-34।

सी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, कलकत्ता

तारीख: 2-4-1983

मोहर :

O

प्ररूप बार्ड, टी. एन्. एस्.======

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुर्वेत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 अप्रैल, 1983

सं० ए० सी०/रेंज-II/क्ल/1983-84:—यतः मुझे, सि० रोखामा,

वायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

शौर जिसकी संख्या 2/3; 25, और 6/1, बदमान रोड थाना है तथा जो अलिपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-8-82 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिने भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री भवानी शंकर तिजोरिवाला, और अन्य। (अन्तरक)
- 2 मैसर्स सिंहल अन्ट्राक्टर्स एण्ड बिल्डर्स प्रा० लि०। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टींकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनमची

क्षेत्र: 13 कठा 2 छिटाक 34 3/4 वर्गफुट जमीन का 1/2 अंश, तथा जो 2/3, 3/5, और 6/1, बर्दमान रोड थाना अलिपुर, कलकत्ता में है।

सि० रोखामा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, 54, रफी ग्रहमद किदवई रोड़ कलकत्ता-16

तारीख: 6-4-1983

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 अप्रैल, 1983

सं० ए० सी०-3/आर-11/कल/83-84—यतः मुझे, सि० रोखामाः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

25,000/- र. से अधिक हैं
और जिसकी सं० 2/3, 3/5, और 6/1, बर्दमान रोड है
तथा जो थाना अलिपुर स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची,
में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के
कार्यालय कलकत्ता आर० ए० में, रिजस्ट्रीकरण अधिकाम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-8-1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरिवियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय कौ बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- 1. श्री भवानी संकर तिजोरिवाला और अन्य। (अन्तरक)
- 2 मैसर्स सुचिता प्लान्टसन प्रा० लि० (अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

क्षेत्र: 13 कठा 2 छिटाक 43 3/4 वर्गफुट ज़मीन का 1/2 अंश, तथा जो थाना अलिपुर, 2/3, 3/5 और 6/1, बर्दमान रोड, कलकत्ता में है।

्रैसि० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज <sup>II</sup>, कलकत्ता 16

तारीख: 6-4-1983

मोहर 🕹

प्ररूप आई. टी. एन<u>.</u> एस<u>.</u>-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज IV, सलकता

कलकेसां, दिनांक 6 अप्रैल 1983

सं० ए० सी० $8/\overline{\epsilon}$ ज- $V^{I}/$ कल० 1983-84—यतः, मुझे, सि० रोखामा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परंचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11 है तथा जो बि० टि० रोड सुखचर स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है, रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजिस्ट्रजदरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-8-1982

को प्वोंक्त सम्पित्त के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पित्त का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में मास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों, अधीत्:—

. 1. श्री मिशिर कुमार घोष।

(अन्तरकः)

2. कुमारी राजकुमारी अगरवाला।

(अन्तरिती)

को यह सूधना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मचना की ताभील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित. है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूची

ुजमीन-1 बिघा 5 काठा 5 काच्चा 03 स्को फि० पता—11 बि०टि० रोड, मौजा, सुखचर--थाना,-खरदह, जिला 24 परगना। दलिल सं० 1982 का 7084।

> सि० रोखामा लक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-LV, कलकत्ता

त:रीख: 6-4-1983

मोहर:

पक्ष आई टी.एन.एस.-----

भारा कर अधिनियस, 1361 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के भभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज IV कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 अप्रैल 1983

सं० ए० ी०7/रें ज -/कल०/1983-84—यतः, मुझे सि० रोखामा

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उनित बाहार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11 है तथा जो बि० टि० रोड मुखचर स्थित है और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीक्टर्सा अधिकारी के कार्यालय कलकद्ता में, रिजस्ट्रीक्टर्सा अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-8-1982

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्बह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (विवृश्तिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्तिक का, निम्नीलियत उद्देश्य में उच्च अस्तरण जितिक में नास्तरिक क्या से किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण ते हुई किती बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क्रो अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—- 1. श्री शिशिर कुमार घोष।

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश प्रसाद आगरवाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीड से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अ्यक्ति ब्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास शिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

जमीन—1 बिघा 8 काठा 2 काच्चा 36 स्को० फि स् पदा—11, बि० टि० रोड, मौजा— मुखचर, थाना— खरदह, जिला-24-परगना दलिल सं० 1982 का 7983 ।

> सि० रोखामा, नक्षम प्रधिकारी ; सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता।

तारीख: 6-4-1983

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालम्, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-IV, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 6 अप्रैल; 1983

सं० ए० सी०6/रेंज-IV/नल०/1983-84 — यत:, मुझे, सि० रोखामा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11 है तथा जो बिंद टिंद रोड, मुखचर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्णक्य से बिंगत हैं.), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बर्धालय कलवन्ता में, रिलस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-8-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिस्त बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमुख प्रतिकृत से बिंग के बीच ऐसे बंतरण के लिए तथाया गया प्रतिफल निम्नितिबत उत्थिय से उनत प्रन्तरण लिखत में वास्त्रविक रूप से बाबत नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी श्रीय की बाबत उनत अधिनियम के श्रधीन कर देने के अक्सरक के वालिख में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अध्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिसिनयम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचे घन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था जिएाने में मुखिया के किए;

1. श्री शिक्षिर कुमार घोष।

(अन्सरक)

2. कुमारी मंजु ानी आगरवाला।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जा<u>री</u> कुरु**ये प्यॉक्ट ईपरित के अ**र्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपीत्त के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

जमीन—1 बिघा 3 काठा 2 काच्चा 16 स्को ० फि० पता-11, बि० टि० रोड, मीजा—मुखचर, थाना—खरदह, जिना 24-नरगा। दिनिन मं० 1982 का 7082।

सि० रोखामा, सक्षम प्र.धिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1V, कलकत्ता

त:रीख: 6-4-1983

मोहर :

प्रकपः नाइरीः, टीः, एसः, एसः, ----न

मायकर मिधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भार 269-घ (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज कलकत्ता
 कलकत्ता, दिनांक 6 ग्रप्रैल 1983

निर्देश सं० ए० सी० 5/रेंज-IV/कल 1983-84---- ग्रतः मृहो सि० रोखामा

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सं० 11 है तथा जो बी० टि० रोड, सुखचर में स्थित है (और इससे उपाधद्ध धनुसूची में और, पूर्णरूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता मुधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण धिधिनियम, 1908 (1908 का .16) के प्रधीन दिनांक 14-8-1982।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों स्त्रे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा से लिए;

जतः जब उक्तं अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री शिशिर कुमार घोष

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती साबिली देवी श्रामश्ययाला

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

जनत् सम्पत्ति के कर्षम् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पृथीक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरुणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाणित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुस्ची

जीमीन-1 बीधा 3 काठा 9 काच्चा 41 स्को० फि० पता-11, बी० टी० रोड, भौजा मुखचर, थाना खरदह जिला 24 परगना दलिल सं० 1982 का 7081।

> सि॰ रोखामा लक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

दिनांक 6-4-1983 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्षण) अर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 6 भ्रप्रैल 1983

निर्वेश सं० ए० सी० 4/रेज-IV/कल०/1983--84-श्रतः मुझे सी० रोखामा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11 है तथा जो बि० टि० रोड, सुखचर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध श्रानुसूची में और पूर्णारूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोशर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकता में रजिस्ट्रोकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, विनांक 14-8-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथा गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत जबता जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलीसत व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री शिशिर कुमार घोष

(ग्रन्तरक)

2. श्री नावयाल किशोर ग्रागरवयाला

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील रो 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्यष्ट्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवा का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

जमीन-1 बीचा, 5 काठा, 4 काउचा, 23 स्को० फि० पता-॥, बि० टि० रोड, मौजा-सुखचर, बाना-खरवह, जिला 24-परगना दलिल सं०-1982 का 7080।

> सि॰ रोखामा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-IV कलकत्ता।

दिनांक 6-4-1983। मोहर प्ररूप मार्घ टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अधकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 श्रप्रैल 1983

निर्वेश सं० ए० सी॰ 3/रेंज- |कल/1983—83— म्रतः मझे सि० रीखामा,

बायकर गृधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 11 है तथा बि० टि० रोड, सुखचर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्णारूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 14-8-1982

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाता गया प्रतिफल, भिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित् में वास्तविक रूप से किश्न महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से शुर्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुबिधा के सिए; बार/या
- (ण) ऐसी किसी बाय या किसी धन या कन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उन्नत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिचित व्यक्तियों, जर्थातुं :--- 1. श्री शिशिर कुमार घोष

(अन्तरक)

2. कौलाश चन्द्र ग्रागरओयाला

(भ्रन्तरिती)

न्त्रे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्ति व्
- (व) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकरेंगे।

स्पस्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### सरम ची

जमीन-1 बीधा, 5 काठा, 9 काच्धा, 25 स्को० फि०, पता⊶।।, बि० टि० रोड, मौजा-सुखचर, थाना-खरदह, जिला 24-परगना । दलिल सं० 1982 का 7079 ।

> सि० रोखामा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-IV कलकत्ता।

दिनांक 6-4-1983। मोहर प्रकथ आहें टी. एन्. एस . -----

-आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 श्रप्रैल 1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 11 है तथा बि० दि० रोड, सुख्रचर में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुमूचों में और पूर्णरप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-8-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीध तय पाया गया एसे अन्तरण के लिए प्रति-फल निम्निलिशत उच्चेश्य से उक्षत अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिधित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. श्री शिशिर कुमार घोष

(भ्रन्तरक)

2. श्री ओम प्रकाश साराफ

(मन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त संपरित के सम्बन्ध में कोई आक्षेप, यदि कोई हो तो

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबीध, जो भी अबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीक रणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

#### अनसची

जमीन—1 बीधा, 5 काठा, 11 काक्सा; 43 स्को० फि०,पता—।।, बि० टि० रोड, मीजा—सुखचर, थाना—खरवह, जिला—24—परगना। दलिस सं० 1982 का 7085 ।

> सि० रोखामा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV कलकता।

दिनांक 6-4-1983। मोहरु 🖁

### प्रक्य भादी, टी., एन्., एस.,---

## नायकर नृषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के नुषीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-IV कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 श्रप्रैल 1983

इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 11 है तथा जो बि० टि० रोड, मुखचर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुमूची में और पूर्णरूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 14-8-1982

को प्रोंक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह निश्चास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, एसे देश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्न्लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सूविधा के लिए; और्/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विभा के लिए;

1. श्री शिशिर कुमार घोष

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमति तारा देवी साराफ

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्पन के सम्बन्ध में कोई भी लाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकर्णः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उन्नत् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है। गुना है।

#### अनसची

जमीन-1 बीधा, 5 काठा, 4 काच्या, 33 स्को० फि०, पता-॥, बि॰ टि॰ रोड, मौजा-सुखचर, थाना-खरवह, जिला---24 परगना । दलिल सं० 1982 का 7086 ।

> सि० रोखामा, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-४, कलकत्ता

अतः अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, अक्षत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथितः :---

तारीख: 6-4-1983

मोहरु 🖫

प्रकार बाह् . टी .एन् . एस् ., ---------

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

### भारा 269-म (1) के भूभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-IV कलकता

कलकत्ता, दिनांक 25 मार्च 1983

निर्देश सं० ए० सी॰ 69/रेंज- /कल 1982---83---भ्रतः मझे सि० रोखामा

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गर्पा है), की धारा 169-ल को भधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञास करने का हारण ही कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/-३७. में अधिक ही

और जिसकी सं है तथा जो कुल िंड, बर्धमान में स्थित है. (और इससे उपाबद्ध श्रन्भूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रासानसोल में, रजिस्द्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, विनांक 21-8-1982

को पूर्वक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के खब्यमान रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापवींवत संपत्ति का उचिन बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल का न्द्रह प्रतिशत से अधिय. है शौर अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (मन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिnस निम्नालिखित उद्यक्ति से उद्यत अन्तरण लिखित में वास्त-वक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी वाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के बत्सरक जी दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सविधा के लिए; और/गा
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्थिएटी को, जिल्हा भारतीय आया-कर अधिनियस, 1997 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं बन्गरिसी बुबारा प्रकट नहीं किया गया पाण रिका जाना चाकित था फिलाने कें स्विधा के सिए;

अत: अब, लक्त अधिनियम की धारा 269-ग हो, अमहारूप में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमति कमला चाढार्जी

(भन्तरक)

2. श्रीनर श्रालम सिहिक

(भन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के कर्षन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

### चक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अयक्तियों पर सचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ~इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है. बहुी अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

जमीन-5 बीवा जमीन के साथ मकान । पता-मौजा-बेरूइ, सितारामपूर, थाना-कुलाढ, श्रासानसोल, जिला बर्धमान दलिल सं० 1982 का 5495।

> सि० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-IV कलकता।

दनांक 25-3-1983 मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रर्जन रेंज-IV कलकता

कलकत्ता, विनांक 25 मार्च 1983

निर्देश सं० ए० सी० 68/रेंज-/कल/1982-83---ग्रतः मुझे, सि० रोखामा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो शान्तिनगर, जिला वर्धमान में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णा- रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रासन-सोल में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1098 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 16-8-182

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के श्रथमान प्रतिफल के लिए अन्ति रस की गई है और मुझे यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिनत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान

प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मों कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निक्निलिति स्युनित्यों अधीन, निक्निलिति स्युनित्यों अधीन,

1. श्री श्रचिन्त कुमार दासग्प्त

(भन्तरक)

2. श्रीमति शांति राय चौधुरी

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप:---

- (क) इस सुभान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूरों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन-4.25 का जमीन का साथ मकान । पता-शांतिनगर थाना, हिरापुर. पो०-बार्नपुर, आसानसोल, जिला बर्धमान ।

दिलल सं० 1982 का 533 ।

् सि० रोखामा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-IV कलकसा।

दिनांक 25-3-1983 । मोहर: प्रस्प , आहै, टी. एन्. एस , -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV कल्कत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 मार्च 1983

निर्वेश सं० ए० सी० 67/रेंज्- /कल०/1982-83---भ्रतः मुझे, सि० रोखामा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 478/1 है तथा, जो सरत चाटार्जी रोड, हावड़ा में स्थित है और इससे उपावड़ अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-8-1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल को गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उस्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कह दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अखने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

1. श्रीमति स्त्रिनालिनि देवी

(ग्रन्तरक)

2. दुर्गादास कुढि

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपद्भित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीत—3 का० 1 काच्चा, 4 स्को० फि०, जमीन का साथ सेड, पता 478/1, सरत चाढ़ाजी रोड, थाना—शिबपुर, जिला—हाबड़ा, दलिल सं०—1982 का 5555।

सि० रोखामा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV कलकत्ता ।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---8--46GI/83

दिनांक 25-3-1983 मोहर : प्ररूप माई. टी. एन्. एस. ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-IV कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 25 मार्च 1983निर्देश सं० ए० सी० 66/रेंज-IV/1982-83---श्रतः

मुझे, सि॰ रोखामा,

बायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 15 है तथा जो कलेज रोड, हावड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय हावड़ा में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4-8-1982

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की जाबत, उच्त प्रधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसते अधने में सृथिधा के लिए; और/याः
- (था) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्धार्यी प्यारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जानी धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की अपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः——

- श्री श्रमरेन्द्र नाथ मिल्लू श्राभा रानी बसु, निमता, कमल मजुमदार, श्रनजली, ग्रारती घोष।
  - (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमति बिथिका रानी राय

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए 🤟 कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त सम्पृत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की र्तारील से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किया जन्म आपित प्रतारा, अधार स्थावर के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकर्ण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, यहां अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिन्या गया हैं।

#### अतमची

जमीन-2 का० 14 काच्या, 8 स्को० फि०, जमीन का साथ- मकान का श्राधा भाग, पराा-15, कलेज रोड, थाना-शिवपूर, जिला-हावड़ा।

विलिल सं०-1982 का 4538।

सि० रोखामा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-IV कलकत्ता ।

दिनांक 25-3-1983 मोहर ः प्ररूप, आर्ड, टी. एन्. एस., =----

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 25 मार्च 1983

निर्देश सं० ए० सी० 65/रेंज IV/कल०/1982—83---भ्रतः मुझे सि० रोखामा

श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 15 है तथा जो कलेज रोड, हावड़ा स्थित है (और इससे उपायद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक, 4-8-1982

को पूर्वेक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- '(क) अन्तरण से हुर्द किसी आप की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

1. श्रो समिरन मजुमवार

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती बिथिका रानी राय

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप ः---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यविस्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकांगी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कृ में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

जमीन—2 का० 14 काच्या 8 स्को० फि० जमीन का साथ मकान का प्राधा भाग पता—15, कलेज रोड, थाना शिवपुर, जिला हावड़ा।

दिलल सं० 1982 का 4537।

सि० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV कलकक्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्थितयों, अर्थात् ध—

तारीख: 25-3-1983

मोहर 🙄

प्ररूपं बाह्य हो , एन् , एस् ,-----

जायकर अर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अभीन सूचना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक भायक र मायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV कलकत्ता कलजन्ता दिनांक 25 मार्च 1983

निर्देश सं० ए० सी० 64/रेंज-IV/कल/82—83— अतः मुझे, सि० रोखामा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 15 है तथा जो कलेज रोड हावड़ा में स्थित है) और इससे उपाबक्क अनुसूची में और पूर्णारूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-8-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मीनिवत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि चित्र में वास्तविक रूप से किथा गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम की अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/वा
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, कियाने में सृतिधा के लिए:

अतः अब,, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री प्रदिप कुमार बसु ।

(अन्तरक)

2. श्रीमति बिथिका रानी राय

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

**उक्त सम्प**रित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन्त् ची

जमीन 2 का० 14 काच्चा 8 स्को० फि० जमीन का साथ मकान का आधा भाग पता 15, कलेज रोड, थाना शिबपुर जिला हावड़ा दलिल सं० 1982 का 4536।

> सि० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज-IV 54, रफी अहमद किदवई रोड कलकत्ता-16

दिनांक 25-3-1983। मोहर : प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयुक्द अधिनियम 1981 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीत मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV कलकत्ता

कलकत्ता; दिनांक 25 मार्च 1983

निर्देश सं० ए० सी० 63 /रेंज IV/कल०/1982—83— यतः मुझे सि० रोखा्मा,

आयकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिष्ठितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिप्तीत सक्षम श्रीष्ठिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से मिष्ठक है

और जिसकी सं० 36 है तथा जो "W" रोड हावड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीव तो अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाँक 2-8-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास् करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पनद्वह् प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर विधिन्यम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम्, या धनकर अधिनियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बनीन, निम्निविदा अधिनायोग वर्षाद क्षान्त 1. श्री नरेंन्द्र नाथ बल्लभ

(अन्तरक)

2. बिजन कुमार दलुइ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां शुरू करता हंू।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राज्य में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधः, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वों नत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस युवना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, बो धक्त ग्रीश्वनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होमा जो उस ग्रध्याय में दिया नाय: है

### अनुसूची

जमीन-- 9 का० 4 काच्चा जमीन की साथ मकान। पता 36, "W" रोड थाना-- लिलुया, जिला-हावड़ा दिलल सं०-- 1982 की 4503।

> सि० रोखामा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-IV कलकत्ता

दिनांक 25-3-1983 मोहर : प्रस्प बाई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, कलकता

कलकत्ता दिनांक 31 मार्च 1983

निर्देश सं० ए०सी० 97/रेंज-II/कल०/82-83—अतः मुझे, सि० रोखामा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० मौजा इटालघाटा है तथा जो थाना बेहाला में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णीरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० अलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-8-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाग्रित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

1. श्री हरि मन्डल

(अन्तरक)

2. कुमारी कमला देवी केतरिवाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स् ची

क्षेत्र ः जिमन 1 कठा 1-1/2 छिटाक मौजा इटाल-घाटा थाना बेहाला।

> सि० रोखाम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जन रेंज II 54, रफी श्रहमद किदवई रोड कलकत्ता-16

दिनांक 31-3-1983। मोहर ा भूकम कार्दः द्वी. एम्. ए**द**्र——---

भायकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

# 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, कलकसा कलकत्ता दिनांक 31 मार्च 1983

निर्देश सं० ए० सी० 96/रेंज II/बल/82-83--अतः मासी, सि० रोखामा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उन्स अभिनियम' कहा गया हैं), की 269- ख के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं मौजा इटालघाटा है तथा जो थाना बेहाला में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में और, पूर्णेरूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के आर्यालय एस० आर० अलिपूर में रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (190 का 16) के अधीन दिनांक 30-8-1982

क्रो पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकें दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (मन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्कृतिक क्यू से कथित नहीं किया ग्या है ह---

- (क) जन्दरक से प्रार्थ किसी जाब की बाबत उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कर्माकरने या अससे संधने भी सुधिया के लिए. वरि/वा
- (क) देवी किसी नाम ना किसी पन या जन्म आस्तियों का, जिन्हें भारतीय अायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा ने विद:

क्रदाः क्या, स्वता अधिकियन, की भारा 269-ग के सुनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

1. श्री हरि मन्डर और अन्य

(अन्तरक)

2. बनिसिघर केतरिवाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के वर्जनु के लिए कार्यवाहियां करता है।

जक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्त क्यरिक्तमों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस स्चनाके राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

**स्पब्दीकरणः —**=इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभावित है, वही जर्थ होगा चो उस जभ्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

क्षेत्र : जिमन 1 कठा 11/2 छिटाक, प्लाट 321, थाना बेहाला ।

> सि॰ रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II 54, रफी श्रहमद किदवई रोड कलकत्ता-16

दिनांक 31-3-1983 मोहर :

प्रस्कृत्वार्यः । द्वी : युवा : प्रसः - =======

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सूच्ना ●

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निद्रीक्षण)

अर्जन रेंज II कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 21 मार्च 1983

निर्वेश सं० ए० सी० 95/आर-II/कल/82—83— अतः मुझे, सि० रोखामा,

भ्रायकर भ्रष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रष्ठितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रष्ठीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उज्जित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० 25 नारकेलडांगा नार्थ रोड है तथा जो याना नारकेलडांगा स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णारूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डी० आर० अलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-8-82 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्भवें से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुवै किसी जाय की यानत, उक्त अधिनियम् के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे युक्ने में सूविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा विश्व किया प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः ख्रुब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

🗸 1. श्री सन्तोष चन्द्र दक्त

(अन्तरक)

2. मेसर्स एन० बी० सेन ऐंड बादर्स

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता.हुं।

उनत् सम्पृत्ति के वर्षम् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षोप्:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी हु से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत अविकासों में से किसी व्यक्ति बुवारा।
- (त) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्य सम्बक्ति में हितवदृष् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए था सकोंगे !

स्यव्यक्षिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

#### अनुसूची

क्षेत्र : 6 कठा 13 छिटांक 34 वर्गफुट जिमन तथा जो 25, नारकेलडोगा नार्थे रोड थाना नारकेलडोगा, कलकत्ता।

सि० रोखामा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज II, 54 रफी ग्रहमद किदवई रोड, कलकता-16

दिनांक 21-3-1983

मोहर:

प्रक्ष बाईं.टी.एन.एस.-----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 भ(1) के श्रधीन मूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, II बंगलूर बंगलूर, दिनांक 23 मार्च 1983

निर्देश सं० 35801/82-83-अतः मुझे मंजु माधवन भायकर श्रिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके गर्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १००-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संगति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-४० से अधिक है

भौर जिसकी सं० 17 है तथा जो हुष्मिन्स रोड और II कास रोड बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबत अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-8-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाम्यित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रम्य भ्राक्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या अकत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरित्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बतः वन, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग कै बन्तरण में, मैं, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन मिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 5---- 9--46GI/83

- 1. श्रो बी० के० सोमप्पा, नं० 1, न्यू नं० 29, र्जा० नं० 6 स्ट्रिट जोगुंपालयम, अलसूर, बेंगलूर-8।
  - (अन्तरक)
- 2. श्रीमिति सिंचदा रेष्ट्रमान, वैक/अ।फ महमद फजलूर रेष्ट्रमान नं० 54, आरमस्ट्रन्ग रोड बेंगलूर-1 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्प्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मित्त के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्व व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### असुमुची

(दस्तावेज सं० 1626/82-83 विनांक 30-8-82)

सम्पत्ती है जिसका सं० 17, हुणिन्स रोड और II कास रोड, बेंगलूर-5 में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी <sup>क</sup> स**हायक आयकर आयुक्त** (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 23-3-1983 मोहर: प्रस्प आर्घ. टी. एन्. एस. - -- -बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### · भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जामकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बुगलूर

बेंगलूर, दिनांक 21 मार्च 1983

निर्वेष सं 36146/82—83—श्रतः मुझे मंजु माधावन सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० (ए), 130 131, 132, 133 बी 134, 135, 136, 137 और 138 है, तथा जो सरदार पक्षणा रोड, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31-8-1982

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मूमी यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उब्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे जवने में सृविधा के लिए; आर्-रया
- (क) ऐसी किसी आय या किसी पन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया या विद्या जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वी, भी, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के व्यथित, निस्तिविक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री वास्कर रामय्या गैट्टी नं० 25, आभय्या गल्ली काटनपेट कास, बेंगलूर-53 ।

(अन्तरक)

2 श्री विनोद के० जावला और चार लोग, नं० 36, जावला हाउस X कांस XII ब्लाक, V मैन रोड के० पी० वेस्ट, बेंगलूर-20 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों बन् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृत्रारा;
- (का) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति बवार, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकारो।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त पश्चों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1561/82-83 दिनांक 31-8-82)। सम्पत्ति है जिसका सं० (ए) 130, 131, 132, 133 (बी) 134, 135, 136, 137 और 138 जो सरवार पत्रप्पा रोड, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवत, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर,

दिनांक 21-3-1983 मोहर: प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलुर विनांक 24 मार्च 1983

निर्देश सं० 36223/82-83---अतः मुझे मन्जु माघवन आयकर अधिनियम, 1901 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वतस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1022 है तथा जो V ब्लाक राजाजीनगर, बेंगलूर में स्थित है (और इस से उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण क्य से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-9-1982

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ने) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रति- कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गमा है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त विभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्सरिती बुवारा प्रकट नहीं किया बवा था या किया बाना बाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

 श्रीमति तिवेणी राजन, वैंक/आफ श्री पी० एम० राजन नं० 1032, V ब्लाक, राजाजीनगर बेगलुर ।

(अन्तरक)

2. श्री के० एन० गुरूनाथसः सन/आफ कवडी नारायणसा नं० 36, तेलुगुपेट, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्वॉक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

#### उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से
  45 विन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्वान की तामिल से 30 विन की अविभि, जो भी
  अविभि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृवों कर
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवादा;
- (ण) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्युष्यिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पर्वो का, को सक्त मिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2579/82-83 ता० 27-9-82) सम्पत्ति है जिसकी सं० 1022 जो V ब्लाक राजाजी-नगर, बेगलूर में स्थित है ।

मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेगलूर

अत: अझ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक: 24-3-1983 ।

मोहर:

#### प्ररूप आई. टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प(1) के अधीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

ेबंगलुर दिनांकः 24 मार्च 1983

निर्देश सं० 35719/82—83—अत: मुझे मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम . 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है। की धारा 269-ख के अधीन सक्षेम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार भूल्य 25000/- रु० से म्रधिक है

और जिसकी सं० 521, है, तथा जो VIII कास, VII ब्लाक जयनगर बंगलूर में स्थित, है (और इस से उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्का अधिकारी के कार्यालय, जयनगर में रजिस्द्रीवारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-8-1982

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे एर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्यदेश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269- व की उपधारा (1) को अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री सैयद खांदर, नं० 13 गोविंदा चेट्टी कालोनी, क्वीन्स रोड, बंगलूर 13।

(अन्तरक)

2. श्रीमति देविन्दर कौरनं० 617 XI कास, VII ब्लाक जयनगर, बेंगलूर-11 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्द्र सम्प<u>रि</u>तः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता 虞 ।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सुचनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत **म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा**;
- (ख) इस सुचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त गब्दों और प्रदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही **मर्थ होगा, जो उस मध्याय में विया गया है।** 

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1780/82-83 दिनांक 25-8-82) सम्पत्ति है जिसका सं० 521 जो वेस्ट आफ कनकापुरा रोड, VIII कास VII ब्लाक, जयनगर, बेंगलूर में स्थित है ।

> मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

विनांक 24-3-1983 मोहर 🖫

प्ररूप बार्षः द्वाः एनः एसः,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बंगेलूर दिनांक 24 मार्च 1983

निर्वेश सं० 35917/82—83—अतः मुझे मंजु माध्यन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं विषय नं 17 है, तथा जो बेंकटरायपा लेन, जें एन रोड फास, बंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 14-9-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचिति उद्षेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नष्टी किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपान में सुविधा को लिए;

बतः अन , उनत् अधिनियम की भारा 269-ग के. अनुसरण में , में , उनत अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिकित व्यक्तियों मुर्थात क्रिक्त

1. श्री लाबदीचन्द भाषना (2) श्री लालबन्द भाषना नं 14, जैन टेम्पल रोड, वी० वी० पुरम, बेंग-लूर-4।

(अन्तरकः)

2. श्रीमित उमराव देवी सीतादेवी, श्री चन्दनमल नं० 37, मिल्लिकारजुनप्पा टेम्पल लेन खावडी खेन्नाशेटी-पेट, बेंगलूर सिटी ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1699/82-83 दिनांक 14-9-1982) सम्पत्ति है जिसका नया सं० 17 जो वेंकटरायण्या लेन, जे० एन० रोड कास बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन, सक्षम प्रधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणं), अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 24-3-1983 मोहर ः प्रकृप नार्षः, टी. एम्. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सङ्ख्यक भायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेंगलूर

बंगलूर दिनांक 21 मार्च 1983

निर्वेश सं० 35694/82—83—अतः मुझे मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 25/17-1/72 है तथा जो होसूर रोड अरेकेम्पनहरूली विलसन गडिन्स, बेंगलूर में स्थित है (जौर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-8-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितिमां) के बीच एसे जन्तरण के लिए तब बाबा चवा प्रति-फल, विस्नसिवित उच्चेत्व से उच्च कन्तरण निवित्त में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुन् किसी जाय की वावता, उन्हें अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वादित्व में कभी करने वा उन्हों दचने में सुविधा के सिए; जीट्र/वा
- (थ) ऐसी किसी बाव या किसी भन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार जभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त लिभिनयम, या भनकर जभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना जाहिए था जिमा में सुविधा के सिंह;

अतः अब उक्त आधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मुनीन, निक्तिवित क्यक्तियों, स्वर्धातः :--- 1. श्री ए० प्रशास, श्री एम० जनारद , नं० 187/46, श्रास, विलसन गांडिन्स, बेंगलर-27।

(अन्तरक)

2. श्री एस० ए० हफीज अलियास बसीर 2. श्रीमित तहारा बेगम नं० 2 नल्लोगोडौन स्ट्रीट वेल्लूर-4, नार्त आरकाट डिस्ट्रिक्ट ।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वृष्टेष् के सिष्ट्र कार्यवाहियां करता हूं।

सकत् सम्मति को अर्थन् को संस्थन्थ् में कोई भी नासोप 🚈

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 दिन की क्वथि, को भी जबिथ बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पास किस्तित में किए जा स्केंगे।

स्थ्वदीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं बर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

#### अनुस्पी

(दस्तावेज सं० 1633/82-83 दिनांक 11-8-82) सम्पत्ति है जिसकी सं० 25/17-1/27 जो होसूर रोड, अरेकेमपनहस्सी विलसन गडिन्स, बेंगसूर में स्थित है।

> मंजु माधवत, सक्षम प्राधिकारी, (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बंगलूर

विनांक 21-3-1983। मोहर: प्ररूप बाई.टी.एम.एस. -----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अंगलूर

बंगलूर, विनांक 22 मार्च 1983

निर्देश सं० 35910/82-83—अतः मुझे मंजु माधवन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० पुराना सं० 26 नया सं० 4 है, सथा जो के० बी० लेन, हेचरामस्या लेन सीजवेली, बेंगलर-2 में स्थित

के० वी० लेन, हेचरामय्या लेन सीजेवेली, बेंगलूर-2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (190 का 16) के अधीन दिनांक 12-9-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्छ है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (च) एसे किसी भाग या किसी भन या कन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के तिए;

अतः जब उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

- शारकम्मा ग्रीर चन्द्रमणी नं 4 केंड्डी वेंकन्नाचार लेन, हेच्ड्रीरामय्या लेन कास, सीजेबेली, बेंगलूर सिटी ।
   (अन्सरक)
- श्री ए० रहीमकान और बीबीजान नं० 31, कस्तूर-बानगर, पुराना टोल गेट, मैसूर रोड बेंगलूर-26। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क्ष) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्भावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण: इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, यो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनु सूची

(दस्तावेज सं० 1609/82--83 ता० 12-9-1982) सम्पत्ति है जिसका पुराना सं० 26, नया सं० 4 जो के० बी० लेन, हेच रामय्या लेन, सीजेबेली, बेंगलूर-2 में स्थित है।

> मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 22-3-1983 माहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 21 मार्च 1983

निर्वेश सं० 35909/82-83—अत. मुझे मंजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पुराना सं० 132, 155 और 172 और नया न० 190 है, तथा जो IV मैन, चामराजपेट, बंग-लूर-53 में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप्र से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवनगुड़ी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-8-1982

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य/से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपान में सुविधा के लिए;
- अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमित तारा बाई और कुछ लोग 190, IV मैंन, धामराजपेट बंगलूर ।

(अन्तरकः)

2 श्री पलनीगौंडर और बच्चे कुरुबरा स्ट्रीट, जानापुरा भद्रावती-577301 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मिल्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :~-

- (क) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्सूची

(क्स्तावेज सं० 1741/82-83 विनांक 21-3-83) सम्पत्ति है जिसका पुराना सं० 132, 155, 172 और नथा सं० 190 जो <sup>IV</sup> मैंन चामराजपेट, बिविजन नं० 26, बंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त ('निरीक्षण), अर्जन रेंज. बंगलुर

दिनांक 21-3-1983 मोहर : प्रस्य वाद् .टी.एन्.एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अंगलूर

बंगलूर दिनांक 11 मार्च 1983

निर्देश सं० 35860/82—83—अतः मुझे मंजु माध्यम सायकार अधिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुठ. से अधिक है

और जिसकी सं० सरवे नं० 39/2; है तथा जो यडियूर, नागसन्त्रा विलेज, नं० 8 त्यागराजनगर, अब कल्याणी गारडन्स

नाम से परिचित है नरसिम्हा राजा कालोनी, बेंगलूर 50 में स्थित है (और इस से उपाब अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुड़ी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-8-1982 की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए बन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पेन्न हिन्तरित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उन्दर्श्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--10-46GI/82

1. श्री एम० ए० ब्राम्णयती 41, II मैन रोड एन० अत्र० कालोनी बेंगलूर-19।

(अन्तरक)

2. मैसर्स असोसियेटेड ट्रेडिंग बारपोरेशन उसका प्रति-निधि श्री बी० एल० सोमसुन्दरम, 48/4 एस० जे० सी० रोड, बेंगलूर-2।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्स्यी

(दस्तावेज सं० 1477/82-83 दिनांक 4-8-82) सम्पत्ति है जिसका सं० सरवे सं० 39/2, जो येडियूर, नागमन्द्रा विलेज, बी० डी० ए० नं० 8, त्यागराजनगर, अब कह्माणी गिडिन्स नाम से परिचित है एन० आर० कालोनी बेंगलूर-50 में स्थित है ।

> मंज माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 11-3-1983 मोहर : माध्यम

प्ररूप आद्दे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालयः, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 10 फरवरी 1983 निर्देश सं० 521/82-83--अतः मुझे श्रीमति मंजु

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिएकी सं० सर्वे नं० 131 है तथा जो होन्नहल्ली, होसदुर्गा ताल्का में स्थित है (और इस से उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से विकित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के सार्यात्वय होसदुर्गा में रिक्स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-12-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पृदृष्ट प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उत्वरियों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उम्स अधिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----  श्री पाच तिप्पेसुन्द्रणा और (2) श्री डी॰ बसब-राजणा सन आफ श्री दयामणा आप/आफ होन्नहरूली, होसकोट तालुक

(अन्सरक)

2. (1) श्री दोड्ड होट्टेप्पा (2) श्री गेवरंगप्पा सन आफ श्री पाच गवीयप्पा आर/आफ होन्नमस्ली होसदुर्गा तालुका ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, फो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अतसर्घ

(दस्तावेज सं० 679/82--83 दिनांक 10-12-1982) 4 एकर और 24 गूंठात, कोकीनट गार्डन जिसका सर्वे नं० है 131 मंपत्ति होन्तहल्ली, होतदुर्गा तालूक में उपस्थित है

> मंजु मा**धव**न सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रामु<del>पत</del> (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगल्*र*,

दिनांक 1/0-2-1983 मोहर : प्ररूप आर्ष. टी. एन. एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 मार्च 1983

निर्देश सं० 524/82-83-यतः मुझे श्रीमती मंजु माधवन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रान्धिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- रु. स आधक हैं और जिसकी सं० है तथा जो गासपार जायस, पणजी गोवा में स्थित है (और इसमे उपाइट अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्याअय, पणजी गोवा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन विनांक 10-8-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल सं, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त निध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमसे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूत्रिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  सी० मा० बी० बरनाई मारीओ और उनके पत्नी (2) श्रीमती जाकलीन लिलीन फिगुरीडो छार /ओ 159, कोलाखा रोड, बांबे।

(ग्रन्तरक)

2. श्री ग्रानन्द जी० केणी, सी/श्रो मैसर्स ए० जी० केणी रीयल एस्टेट एजेंन्टस कांट्रक्टरस और कन्स्ट्रक्शन मेटेरीयल सप्लायरस 15 फ्लोर मुनसिपल बिल्डिंग ई-1 डारडो सिनेमा मंदिर के पास, पणजी गोवा ।

(मन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध कि सी अन्य व्यक्ति द्याग अधोहस्तालर्ग के पास निखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 279/82-83 ता० 10-8-1982) संपत्ति जिसका नाम है "मारीया पेरीरा" गास्पर डायीस, इल्हास तालूक, पणजी, गोवा में स्थित है।

> मंजू माधवन, सक्षम प्राधिकारी, \* सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजेन रेंज, वंगलुर

दिनांक: 10-3-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

वंगलूर, दिनांक 10 जनवरी 1983

नोटिस नं० 502/82—83—यतः, मुझे श्रीमती मंजु . माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 35/4, 35/8 और 35/10 है तथा जो श्रटगोल्डा माक्सलोना, तालूक सब डिस्ट्रक्ट क्यूपेम गोवा में स्थित है (और इस से उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वांणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, क्यूपेम में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 9-8-1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह निश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की नानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जैन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुनिभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री चिको जेवीयो नेलगोड जेसुस फरनांडेस (2) मीस अंगेला जेवीयो जाया मारिया डी जेसुस फर-नांडेस (3) श्रीमित सरा इल्डा जायीदा माता बर-बोसा श्रलियास सरा फरनांडेस श्रार/श्रो कोट्टा श्राफ जंदोर ।

(मन्तरक)

2. सचीन एग्रो इंडस्ट्रीस पी लिमिटेड कोट्टा, चंदोर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पण्डीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

## मन्सूची

(दस्तावेज सं० 150/82-83 दिनांक 9-8-1982) लैंड 93424 स्के० मीटर्स जिलका सर्वे नं० 35/4, 35/8 और 35/10, संपत्ति श्रासोलडा, एक्सेलवोना तालूक सब डिस्ट्रिक्ट क्यूपेम, आफ डिस्ट्रिक्ट गोवा में उपस्थित है।

मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजैन रेंज, बंगलूर

दिनोक: 10-1-1983

मोहर:

प्ररूप मार्च, टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्णालय, सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर. दिनांक 10 जनवरी 1983

निर्देश सं० 501/82--83--म्बतः मुझे, श्रीमति मंजु माधवन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. सं अधिक है

और जिसकी सर्वे तं० 30 पी० है तथा जो रामनहली, कसबा डोबाली चिकमगलोर तालूक में स्थित है (और दूससे उपा-बद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय चिकमगलोर में रिजस्ट्रीकरण श्रिध-नियम 1908 (1908 का 16) के भ्रशीन दिनांक 4-8-82 को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम वे ध्रथमान

को प्रांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्र्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा की लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविभा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् ध---

 श्री रंगय्या सन आफ, तिरूमलैय्या केंपनहल्ली चिक्म-गलीर ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मूनीर ग्रहमद (2) श्रीमित गेलझारुश्रीसा, पेंशन मोहल्ला चिकमगलोर, (3) श्री सी० एम० श्रन्वर ग्रहमद (4) श्रीमित फातीमुश्रीसा विजयपुर एक्सटेनशन चिकमगलोर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्ठों कत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, क्षेत्रध्याय 20-क भे प्रिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं० 705/82—83 दिंक 4-8-1982) 1 एकड़ और 29/2 गुंठास भूमि जिसका सर्वे नं० हैं 30-पी संपत्ति रामनहली, कसबा डोबली चिकमगलोर में उपिस्थत है।

श्रीमती मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 10-1-1983

मोहर 🤰

प्रप नाइ. टी. एन. एस ~-----

वायकार व्यक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के जभीन सूचना

## भारत तहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बैंगलूर

ं बंगलूर, दिनांक 10 जनवरी 1983

निर्देश सं० 500/82-83--श्रतः मुझे, श्रीमिति मंजु माधवन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 30 पी है तथा जो रामनहल्ली, कसबा डोबली, चिकमगलोर तालूक स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुभूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्याअय चिकमगलोर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन विनांक 4-8-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिवत उद्वेष्य से उसस अन्तरण सिसित में वास्तविक कृष से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुन्दें किसी आप की नावत उपत अधि-निवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों का, विक्रुं भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कड अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, कियाने में सूनिधा के लिए;

भतः, अब्, उक्त अभिनियम की भाषा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री सगनस्या केंपस हल्ली कसबा डोबली, चिकमगलीर (भ्रन्तरक)
- 2. (1) श्री मुत्तीर ब्रह्मद (2) श्रीमित गुलझारूनीसा पेंशन मोहल्ला चिक्सगलोर (3) श्री सी० एम० ब्रन्बर ब्रह्मद (4) श्रीमित फितिमुन्नीसा विजयपुर एक्सटेंशन चिक्सगलोर ।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वों कत संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्मन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र के प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### अनसची

(दस्तावेज सं० 704/82-83 तां० 4/8/1982) 37 1/2 गुंठास भूमि जिसका सर्वे नं० है 30 पी संपत्ति रामनहतली कसवा डोबली, चिकमगलीर ृतालूक में उपस्थित है ।

श्रीमती मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 10-1-1983 मोहरु ः प्ररूप आई. टी. एन. एसं.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णत रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 जनवरी 1983

निर्देश सं० 498/82---83--- श्रतः मुझे, श्रीमित मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक है

और जिसकी सं० मुनसियल नं० 1948/2187 2282/2551, है, तथा जो अंडेक्सराम रोड चिकमगसोर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, चिकमगलोर में रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6/9/1982 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरिती की गर्इ है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक क्ष्म से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था विध्या आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री कें श्रार भरत सन श्रॉफ लेट श्री रामकृणप्या केनरा ब्लांक रोड, चिकमगलोर, (2) श्री कें श्रार कुश कुमार सन श्राफ लेट श्री कें रामकृ-णप्या, चिकमगलोर ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमित सुफीया बानु डी/ओ लेट निशनी प्रब्दुल हिमीम स्योद्धल स्यानेजर स्ट्रीट, चिक्सगलीर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पच्टीक्षरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अन्स्ची

(दस्ताबेज सं० 895/82-83 विनाफ 6/9/1982) खुल्ला जगह 3080 स्के० फीट जिसका मुनसीपल नं० 1948/2187, 2282/2551, संपत्ति अंडेचन्नाम रोड चिकमगलोर में उपस्थित है ।

श्रीमती मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 10-1-1983

मोहर:

# त्ररूप आई.टी.एत.एत.≈------

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, बंगलूर

बंगलोर, दिनांक 10 फरवरी 1983

निर्देश सं० 513/82-83—यतः मुझे, श्रीमित मंजु माधवन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 173/3, 173/4, है तथा जो गळ्बूर ग्राम, हुबली में स्थित है (और इससे उपाबब प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हुबली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 24-9-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किंग्से नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में मृतिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

अी सुरेश पुट्टेस्वामी गोडा कोगोडा मायनियर गार्जियन बाय पिताजी श्री पुट्टेस्वामी गौड महलन गौड कोगोडे गब्बूर ग्राम हुबली तालुक।

(भन्तरक)

2 श्री फकीरप्पा (2) श्री भरमप्पा सन आफ श्री परप्पा कल्लण्णवर, बिडीनाल, हुबली टौन । (म्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेत्र :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवक्ति व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन को भीतर जकत स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1397/82---83 ता० 24-9-1982) 8 एकड़ और 4 गुंठा भूमि जिसका सर्वे नं० है 173/3 और 174/4, संपत्ति गब्बूर ग्राम, हुबली में उपस्थित है।

> श्रीमती मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) , श्रजैन रेंज बेंगलूर

दिनांक: 10-2-1983

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की व धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यौलय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजींन रेंज, बीगलूर बीगलूर दिनांक 10 फरवरी 1983

निर्देश सं० 518/82-83-यतः मुझे, श्रीमिति मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर नं० 1993 है, तथा जो V वार्ड 9,वां डीवजन झावणकीर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुस्वी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जावणकोर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और स्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से एसे दृश्यमान प्रतिकृत का बन्तर प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्षी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा ग्राप्तिकृत, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सिक रूप से कथिस नहीं किया ग्रा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने कें सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात् :--10-46GI/83

 श्री बी० मल्लेशप्पा सन श्रांफ भरमणा वासी श्रमरावती, हरीहर तालुक

(ग्रन्तरक)

2. श्री डी॰ नेमीराजट्या सन ऑफ दगरयया डोर नं॰ 2094 एम सी सी॰ ब्बाक पी॰ जे॰ एक्सटेशन वायणकोर।

(ग्रन्सिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्स्ची

(दस्तावेज सं० 3832/82-83 दिनांक ध्रक्टूबर 1982) खुला जगह डोर नं० 1993, ब्राफ ∤एम० सी०सी० ब्लाक V बार्ड, 9वां डिविजन, लावणकोर में उपस्थित है।

> श्रीमित मंजु माध्यन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्ष ण), भ्रजीन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 10-2-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलुर

बंगलूर दिनांक 10 फरवरी 1983

निर्देश मं० 519/82—83—यतः मुझे, श्रीमित मंजु माधवन,

आयकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उदत बिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 62 है तथा जो हुलीयार रोड हीरीयूर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हीरीयूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-10-1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंारित की गई है और मुफ्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, जसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंत्रक के दायित्व में कमीं करने या उर्दे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---  श्रीमित लक्ष्मम्मा पृत्ति लेट श्री एम॰ तिम्मय्य, हीरीयुर टौम ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एच० वी० श्रीनिवासन सुपुत्त एच० टी० वेंकटप्पा हीरीयूर टौन

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्तु सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति रवारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1020/82—83 दिनांक 4/10/1982) रहने का बंगला जिसका सर्वे नं० 62 वी० पी० के० 65/पी० संपत्ति हुलीयार रोड हीरीयूर में उपस्थित है ।

श्री**मिंद्र** मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 10-2-1983

मोहर :

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. ------

आयकर जिथितिसम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के सभीन सुपना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्तु (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 10 फरवरी 1983 निर्देश सं० 520/82-83-यतः मुझे, श्रीमति मजू माधवन,

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त मिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से मिक हैं

और जिसकी सं० डोर नं० 1993 है, तथा जो 5 वाँ बार्ड 9वां डिबीजन डावणगेरे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीन कर्ती अधिकारी के कार्यालय डावणगेरे में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नयम्बर 1982

को पूर्वीक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है. और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय तया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उल्लेस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम फी भारा 269-ग को अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अथित :---

 श्री बी० भमण्णा सन ग्राफ बालेमरद चन्तवसप्पा, श्रार०/ओ० भ्रमरावती, हरीहर तासूक ।

(भन्तरक)

2. श्री डी॰ नेमीराजस्या सन श्राफ श्रीमान दशरधय्या डोर नं॰ 2094 एम सी॰ सी॰ 'ए' ब्लाक, पी॰ जे॰ एक्सटेंशन डावणगेरे

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्पवितयों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपक अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4509/82—83 तथा नवम्बर 1982) खुल्ला जगह डोर नं० 1993, ऑफ एम सी० सी० "ए" ब्लाक 5वां वार्ड, 9वां डिवोजन, डावणगेरे में उपस्थित हैं।

> श्रीमित मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बंगलुर

दिनांक: 10-2-1983

मोहर:

प्रकृप आई. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जानकर जानुक्त (निरीक्षण) अर्जन रुर्ज-।।, मदास

मदास, दिनांक 4 अप्रैल 1983

निवश सं. 17570--यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्लै, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-रा से अधिक है और जिसकी सं. आर. एस. 156/2, 1ए ही, तथा जो नृगमपासम हाह रोड, मेद्रांस-34 में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णिल है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तीसंटलैंटस (डाक्रूमेन्ट सं. 206/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1982 को पर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्नोंक्स संपृत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिकित उद्वेश्यों से उन्तु भन्तरण लिकित् में बास्तविक रूप से काँ भत नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाय की बाबस, उक्त अधिनिय्व के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कजी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एती किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धम-सर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. जुपिटर रियल एस्टेंट कार्पोरोशन।

(अन्तरक)

(2) जे० के० के० रनगम्माल चेरिटेबल ट्रस्ट (भन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त स्म्यत्ति के अर्थन् के लिए कार्यनाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप: ---

- (क) इस स्थान के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ववधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास शिकित में किए जा सकींगे।

# मन्स् की

भूमि मार० एस० सं० 156/2, 1ए, नुगंमपाखम रोड, मद्रास-34 (डाकुमेंट सं० 206/82)।

> श्रार० पी. पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 4-4-1983

मोहर 🖫

प्रस्त्र बाई. टी. एन. एस. -----

आवकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाव 269-च (1) के न्थीन तुच्छा

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक ग्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्तण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, विनांक 4 ग्रप्रैल, 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4213---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी केने, यह निर्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाचार मृख्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि श्रनसूची में शिखा है तथा जो श्रम्बेदकर नगर जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद प्रमुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथान्थेंक्त संपत्ति का उचित्र बाजार मूल्य से कम के व्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथान्थेंक्त संपत्ति का उचित्र बाजार मूल्य, उतके दश्यमान प्रतिक ते से ऐते दश्यमान श्रीतकान का पंचह प्रतिवास से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और जंतरिती (अन्तरितवार्त) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब वावा गया प्रतिक्षा, निम्निलिखित उत्वर्धय से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिवक स्था से किंवत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाब्त, उक्त वाभिन्तिम के वभीम कर दोने के बन्दरक की यादित्य में कमी करने या उत्तवे वचने में सुनिभा के लिए; बार्ट/मा
- (वा) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अध्य आस्तिवां को, विन्द्वं भारतीय आव-कर निर्मित्रक, 1922 (1922 का 11) या उनत् अधिनियम, या धन-कर वाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में स्विभा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिवयम की भास 269-म की उपवारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

(1) श्री श्रवतार सिंह पुत्र बूटा सिंह वासी श्रवतार मार्कीट श्रम्बेदकर नगर, बी एक्स III-222, बस्ती शेख, जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विलदार सिंह, दलजीत सिंह पुत्र अवतार सिंह, वासी बी० एक्स०-III, 222, ग्रम्बेदकर नगर, बस्ती गेख, जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

जैसा कि नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके बिधभोग में सम्पत्ति हैं)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में घिष रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को सह श्वना चाडी करके पुनाँकत् सम्म्<u>रीत्त्</u> को कर्चन को दिश्य कार्वनाहिकां करता हुं।

उनव सम्मृतिस के वर्षन के बम्बन्ध में कोई भी आधोष्:--

- (क) इस स्वाना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तार्द्रीय से 45 विन की अवधि वा तत्वान्यन्थी व्यक्तियों कर कृषना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यापा;
- (क) इस्त स्थान के प्राक्तित में इकायन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हितवक्ष किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किए जा सकीं में।

स्पश्चीकरणः---इक्षमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यक्षिप्रवृक्षम, के मुख्याय 20-क में वृहैरभाषितः हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

# अमुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3282 दिनोक ग्रगस्त 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जानन्धर ने लिखा।

> जे० एल ० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 4-4-1983

माहर :

प्ररूप आईंटी. एनं. एस ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आक्क्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 भ्रप्रैल, 1983

 निर्देश सं० ए० पी० नं० 4214──यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) शिनसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनसूची में लिखा है तथा जो अम्बेदकर नगर, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाब अम्बेदकर नगर, जालन्धर में स्थित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिक्कारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1982 को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्म से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्म, उसके दरममान प्रतिफल से, एसे दरममान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बोच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अविशियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में अधीन, निम्नीलिक्त व्यक्तिसमा, अधीत् :-- (1) श्री अवतार सिंह पुत्र बूटा सिंह वासी बी० एक्स-III 222, अम्बेदकर नगर, भवतार मार्कीट, बस्ती शेख, जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री दलजीत सिंह पुत्र अवतार सिंह वासी श्रम्बेदकर श्रवतार मार्कीट, बस्सी गोख, जालन्धर। (श्रन्सरिती)
- (3) औंसा कि नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबज्ञ. है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण: -- इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा गया है।

# मन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जोकि विलेख नं० 3283 दिनांक भ्रगस्त, 1982 के रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोज्जग) श्रर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 4-4-1983

मोहर ∄

प्ररूपु आहें, टी. एन. एस. - - - - --

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 ग्रप्रैल, 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4215----प्रतः मुझे,जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अम्बेवकर नगर, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबस अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उच्च हेयों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आयत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरफ में, मैं., उक्त अधिनियम की भारा 269ल की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री श्रवतार सिंह पुत्र बूटा सिंह वासी बी॰ एक्स॰ III-222, अम्बेदकर नगर, श्रवतार मार्किट बस्ती शेख, जालन्धर।
- (2) दिलदार सिंह पुत्र भवतार सिंह वासी बी॰ एक्स॰ III-222, भ्रभ्वेदकर नगर, भ्रवतार मार्किट बस्ती शेख, जालन्धर।
- (3) जैसा नं० 2 में शिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यविहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों. पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पात लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3305 दिनांक ग्रगस्त, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ज़ा ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी । सहायक द्यायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 4-4-1983

मोहर:

त्रक्य आई. टी. एन. एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-म (1) के नभीन सूचना

## भारत करकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक ४ ध्रप्रैल 1983 निर्देश सं० ए० पी० नं० 4216—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विदयस करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उपित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अम्बेदकर नगर, जालन्घर में स्थित हैं (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1982

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मून्य से कम के स्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त औध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व कें कभी करने या उससे बचने में सुविधा कें लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों कहे, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री भवतार सिंह पुत्र बूटा सिंह बी एक्स-III 222, भ्रम्बेदकर नगर, भवतार मार्कीट, अस्ती शेख, जालन्भर।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री बलदेव सिंह, दलजीत सिंह पुत्र ग्रवतार सिंह वासी वी एक्स० III-222, ग्रम्बेदकर नगर, ग्रवतार मार्कीट, बस्ती शेख, जालन्धर। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० सें में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार' में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जनिभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाय;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरों के पास जिन्दित में किए जा सकीने।

स्पच्छीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों और प्यों का, जो उक्त कींध-निवन के स्थ्याय 20 क में पहिशाबित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस् स्थ्याम में दिवा प्या हैं।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3306 दिनांक ग्रगस्त 1982 को र्जिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा।

जे० एल० गिरधर खक्षम प्राधिकार खहायक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 4-4-1983

मोह्नर :

## प्रकर बाई• टी• एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्पना

## भारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक भागकर भागूक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जासन्धर, दिनांक 4 श्रप्रैल, 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4217—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गुस्तेगबहादुर नगर, जालन्धर में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्बा अधिकारी के कार्याअय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1982

को पूर्वेक्ति संपति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण त हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--11--46GI/83

(1) श्री ध्रमृत लाल शुक्ला पुत्र मथरा दास वासी 118, गुरु तेग बहादुर नगर, जालन्धर।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती इन्द्र कौर विधवा उत्तम सिंह वासी लाडोवाली रोड, नजदीक मुक्ताली सोप फेक्ट्री, जालन्धर। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति ही)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (व्ह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध ही)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए एतब्द्वारा कार्यवाहियां करता हुं।

# उन्त सम्पत्ति के गर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो नी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, प्रवोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: भ्रममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रश्याय में दिया गया है।

# अनुसू**चीं**

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3715 दिनांक ग्रगस्त, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालन्घर।

तारीख: 4-4-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस्. ---

**जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा** 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्राजिन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक ४ म्राप्रैल, 1983 निर्देश सं० ए० पी० न० 4218—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किशन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री पुष्प राज बन्धा पुत्न घनम्याम दास वासी डब्ब्यू० जी.-136, पीछे सिविल घस्पताल, जालन्धर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हर्राजन्त्र सिंह पुत्र श्रजीत सिंह और श्रीमित तरसेम कौर पत्नी हर्राजन्त्र सिंह वासी सारानद, तहसील नकोदर, जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्परित है)
- (4) जो व्यक्तित सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उलत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की सामिल से 30 दिन की अवधि, ओ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

# अमस ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4787 दिनांक प्रक्तूबर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 4 श्रप्रैल, 1983

मोहर 🗄

# मुक्य बार् ुटी . एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 4 अप्रैल, 1983 निर्देश सं० ए० पी० नं० 4219—यतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, दिवसका उद्युव्द बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख भ्रक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्स सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री पुष्प राज पुत्र धनश्याम दास वासी इव्ल्यू०-जी॰ 136 पीछे सिवल श्रस्पताल जालन्धर (श्रन्सरक)
- (2) श्री हरजिन्द्र सिंह पुत्र ग्रजीत सिंह और श्रीमती तरसेम कौर पत्नी हरजिन्द्र सिंह वासी सरहिंद तहसील नकोदर, जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा नं० 2 में लिखा है। (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में घिचरखता हो। (बहु व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध ही)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित् के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासोप:---

- (क) इस स्वना को रावपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वे क्या व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर जबत स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास स्थित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4560 दिनांक ग्रक्तूबर, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी जालन्धर ने लिखा।

जे० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख-- 4-4-83 मोहर: प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. ------

नायुकार जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 7 श्रप्रैल, 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4220—यतः मुझे जे० एल० शिरधर

मायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विधिनियम' कहा गया है) कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से विधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिस बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित् में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत् अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बुखने में सुविधा के दिस्ए; आदि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति द्विती चुंचारा प्रकट नहीं किया पंत्रा था या किया जाना आहिए था, जिपाने में सुविधा के दिएए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) को अधीन निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) श्रोमती निशी पुत्री श्री रवबीर सिंह वासी स्रबोहर द्वारा श्री रिवन्दर पाल सिंह पुत्र श्री रचुबीर सिंह जी० ए० वासी प्रापर्टी नं० 943, गऊशाला रोड, श्रवोहर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री गुरपाल सिंह पुत्र श्री रघुनाथ सिंह वासी गांव दुहेवालिल तहसील फाजिल्का पता पिपल बस सर्विस मुक्तसर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है तथा (1) मैससें हिन्दोस्तान डीजल सर्विसेज, 20 मैसर्स श्रमरीक इलैक्ट्रिकल सर्विसेज, 3 बृजलाल इंजीनियरिंग वक्सें और 4, मैसर्स पंजाब स्टेट इलेक्ट्रिसटी बोर्ड वासी गऊशाला रोड, श्रबोहर।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रिच रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृथा कत सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतृर पृश्कित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताकरी के पास तिसत में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषितः हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया हैं।

# अनुसूची

सम्पत्ति सथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 1490 दिनांक अगस्त 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 7-4-1983

मोहर ः।

# प्रकप साई∙ टी॰ एन॰ एस∙-

# आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961का 43) की धार 289व (1) के प्रधीन सूचना

## भारत बदुकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर दिनांक 7 अप्रैल 1983

निर्देशं सं० ए० पी० नं० 4221—अतः मुझे जे० एल० गिरधर,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम आधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्ष्य 25,000/-इ० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 कार्टिन) के अधीन दिनांक सिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार भूस्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूस्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल के ऐसे दृश्यभान प्रतिफल का पश्चह प्रतिकात से प्रसिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिला जिला में वास्तविक कप से कथिन नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रम्तरण से हुई किनी भाग को बाबन, धनक प्रश्लिमियम के भ्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायिश्व में कभी करने वा उससे बचने में मुबिद्धा के शिए; ग्रीर/था
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या मन्य भास्तिगों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर श्रिव्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिव्रिनियम, या धनकर प्रविनियम, या धनकर प्रविनियम, 1967 (1987 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—  श्रीमित शान्ति देवी विधवा श्री नोकीराम श्री राज कुमार और शारदा देवी बच्चे स्व० श्री नोकी राम भटिन्छा ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स स्नोवाईट ड्राईक्लीनरज धोबी बाजार भिटिन्डा द्वारा श्री अशोक कुमार पुत्र श्री चरण दास फर्म का हिस्सेदार।

(अन्तरिती)

 जैसा कि नं० 2 में लिखा है और अशोक कुमार पुत
 श्री तिलक राम गांप नं० 4877 धोबी बाजार, भटिंडा ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका एमाति के धर्जन के वि लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आजेप :----

- (क) इस सूजता के राजपत में प्रकाशन की तारीख के 45 जिन की अविधि या तस्सम्बन्धी श्यक्तियों पर सूचना की तापील में 30 दिन की अविधि, जी भी अविधि अदि में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियां में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तोत्तरणः—इसमें प्रपुत्र शक्दों और पदी का, जो इक्त अधिनियम के घट्याय-20क में परिभाषित है, यही धर्य होगा जो छम ग्राठ्याय में दिया बया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4539 दिनांक सितम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्डा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालघन्र

दिनांक : 7-4-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 7 अप्रैल 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4222---अतः मुझे जे० एस० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स से अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में विशित्त है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके दृश्यमान प्रतिफल के। पन्मह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्षों से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँस/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के जिए;

अतः अब् उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्युक्तियों, अर्थात् :--

- श्री बनारसी दास, अशोक कुमार और विनोद कुमार पुत्र चन्द्र भान वासी धोबी बाजार भटिंडा
  - (अन्तरक)
- 2. मैंसर्स स्नोवाईट ड्राईक्लीनरज धोबी बाजार भटिंडा द्वारा अशोक कुमार पुत्र चरण दास फर्म का हिस्से-वार।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है तथा अशोक कुमार पुत्र तिलक राज शाप नं० 4577 धोबी बाजार भटिंडा ।
  - (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिस्बद्ध है)।

को यह सूचना जारी कारके पृथेक्ति संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि वांच में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए वा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण् ह—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस्क्रभूष्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6011 दिनांक जनवरी 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा में लिखा है।

> जे० एल० गिरघर सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण); अर्जन रेंज, जालकार

दिनांक : 7-4-1983

महिर 🖫

# बक्य बाद. हर्. इद. यस.--

जायकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यात्तम, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 अप्रैल 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4223—अतः मुझे जे० एल० गिरघर

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त विभिन्यमं कहा गया हैं) की भाख 269-च के नभीन सक्षय प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/- का से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के स्थित बाजार मूस्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निस्नीतियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित्त में वास्त-विक रूप से स्थित नहीं किया का हैंड--

- (क) शब्दरण वे सूद्र कियाँ जान की बावत वनन वृधि-तियम के बधीन कर दोने के जन्तरक को दायित्व में कबी कड़ने वा अवदों नृज्ये में तृष्ट्रिश के निवि; शौद/या
- (क्) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोखनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वै तिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—— 1. श्रीमती मिस्रो देवी विश्ववा चन्द्र भान और श्री ओम प्रकाश और सुभाष कुमार पुत्र श्री चन्द्र भान धोबी बाजार, भटिंडा।

(अन्तरक)

2 मैंसर्स स्नोवाईट, ड्राईक्लीनरज धोबी बाजार भटिंडा द्वारा श्री अशोक कुमार पुत्र चरण वास फर्म का हिस्सेदार ।

(अन्तरिती)

3. जैसानं० 2 में लिखा है तथा श्री अशोक कुमार पुत्र तिलक राज मकान नं० 4577 धोबी बाजार, भटिंडा (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताकरी जानता है कि व सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिस की सविधि या तत्सम्बन्धी स्यिन्तयों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अविधि, जांभी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यिक्तयों में किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वोगा नो उस अध्याय में दिया गया है।

## नमुस्पी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6057 विनांक जनवरी 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम• प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जासन्धर

दिनांक : 7-4-1983

मोहर 🥫

गिरधर

प्ररूप आहें .टी. एन् . एस् ......

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

फार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज जालन्धर जाअन्धर दिनांक 6 म्रप्रैल 1983 निर्देश सं० ए०पी० नं० 4224—म्प्रतः मुझे जे० एल०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वासं करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्तन, जिन्नलिबित उद्योध्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उमल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसिन व्यक्तियों, अधीत :—  श्री शाम सुन्धर पुत्र दवारका नाथ जी० ए० श्राफ केवल द्वाम वासी 142, लाजपत नगर, जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती सुनीत वासिल पत्नी शाम सुन्दर वासी 142, लाजपत नगर, जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्राधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष ह-

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारौब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थानतयों में से किसी व्यक्तिय व्यारा;
- (ख) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## अन्सूची

सम्पत्ति **तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख** नं० 3219 दिनांक भ्रगस्त 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), सर्जन रेंज, जालन्धर

**वि**नांक: 6-4-1983

मोहरू 🖫

١.,

प्ररूप आर्दः टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 6 ग्रप्रैल 1982 निर्देश सं० ए० पी० नं० 4225—म्यतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अमुसूची में लिखा है तथा जो रियाजपुर जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अमुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक अगस्त, 82 को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बातत, उक्त , अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अस, उत्कल अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

13 | 46 G]/83

 श्री साधु सिंह पुत्र सूबे सिंह और श्रीमित निरन्जन कौर पितन साधु सिंह ई० जी० 339, मोहल्ला रियाजपुरा जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

 श्रजीत सिंह बैंस पुत्र गुरबचन सिंह वासी 96, रणजीत नगर, जालन्धर ।

(श्रन्तरिती)

जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी)
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उनत संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति गैसा कि विलेख नं० 3207 दिनांक भ्रगस्त 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

> जे. एल . गिर**धर** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>ी</sup>ज जालन्धर

विनांक 6-4-1983 मोहुरु .; प्रकथ आहुँ, ट्री. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सनुायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर दिनांक 6 स्रप्रैल 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4226—असः मुझे जे०एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो रियाजपुरा जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1982 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तरह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वायत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के निए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

जतः अव, उक्त अधिनियम की वारा 269-ग के अनुसरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिक्तित व्यक्तियों, अर्थातः :—— 1. श्री साधु सिंह पुत्र सूबे सिंह और श्रीमित निरन्जन कौर पित्न साधु सिंह वासी ई० जे० 339 रियाज-पुरा जालन्धर ।

(श्रन्तरक)

.2. श्रीमित मोहिन्दर कौर परित ग्रजीत सिंह वासी 96, रणजीत नगर, जाअन्धर ।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में भी अखा है। (बह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। ः .
(वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्साक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्वोंक्स ध्यक्तियों में से किसी स्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकर्य।

## अमुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं े 3208 विनाक अगस्त, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रंधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्रधिकारी, (महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्ध १

दिनांक 6-4-1983 मोहर: प्रारूप जार्द ही एन एस : -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-व (1) को अधीन स्वना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 7 श्रप्रैल 1983

निर्देश सं० ए० पी०/4227—ग्रन: मुझे जे० एल० गिरधर

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर प्रकृति. जिसका जिल्ला वाजार मृख्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो भिटिन्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है ), रिजस्ट्रीकर्मा ग्रिधिकारी के कार्यान्य भिटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम. 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक ग्रगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निश्वत में वास्तिक रूप से काथिश नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त आभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाधिरय में कमी करने ण उससे भवने में मृबिधा के लिए; और/य
- (क) एसी किसी आय था किसी भन या अन्य अस्तियों को भिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं र क्या गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपने में सुविधा की निर्

जतः ज्व, उक्त जीभीनयण की भारा 269-ग के जनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— 1. श्री ध्रजमेर सिंह पुक्ष नारायण सिंह भटिंडा श्री चन्य पुत्र दूआ राम (2) सुखदेव सिंह पुत्र जगीर सिंह (3) घरम पाल पुत्र बाबू राम (4) मलकीत सिंह, पुत्र बलवन्त सिंह (5) तरसेम कौर पत्नि मलकीत सिंह (6) ब्रह्मानन्द पुत्र मनोहर लाल (7) हरी राम पुत्र थाना राम (8) बब्दावर सिंह वासी भटिंडा ।

(भ्रन्तरिती)

3 जैसा कि नं० 2 में लिखा है ।
(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है )।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रिधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )।

स्त्री सह सूचना भारी करके पृत्रीक्त सम्पृत्ति को वर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांद्र भी गावांप:-

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्कृष्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त कर्न्यां और पवां का, जो उक्त अधिनियमं के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

# मन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जसा कि विलेख नं० 4571 दिनांक प्रगस्त 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी भटिंडा में लिखा।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम श्रधिकारी, (सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालन्धर

दिनांक 7-4-1983 । मोहर प्रकृष बाहै , टी., एत्., एस्. ------

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भू (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्ष्य, सहायक मायुकर मायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 7 ग्रप्रैल 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4228—मृतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा से स्थित है (और इससे उपाबत श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिन्त बाजार मूक्य से कम के पृथ्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई दे भीर मुझे यह विश्वास करने का नारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, छसके पृथ्यमान प्रतिकत से एसे पृथ्यमान प्रतिकत का पन्छह प्रतिशत से अधिक है घोर धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मिलित खदेश्य से छक्त अन्तरण निम्मिलित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत कक्त श्रिक्षित्रम के प्रधीन कर देने के प्रकारक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए। भीर/या
- (ख) तेपी कि शिया था जिनी पत्या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या अनकर प्रधिनियम 1987 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुक्त सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बक्षीम. निकासिकत व्यक्तियों बर्गातः—

- 1. श्री करनैल सिंह पुत्र श्रमर सिंह गांव फूरू मिण्डी (श्रन्तरक)
- श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र बिचत्र सिंह गांव फूरू भण्डी, भटिण्डा

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० में लिखा है।
(वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्युह्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हन-

- (क) इस स्वना के ग्रूजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिश के भीतर उक्त क्यावर संपत्ति में
  दितक किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपब्दीकरण !--- इतमें प्रयुक्त सन्धों और पदों का; को उक्त प्रिक्तियम के ब्रांडमाय 20-का में परिक्रांक्ति हैं, वहीं वैथें होगा को उस प्रकास में विकासमा है।

# वन्स्ची

सम्पत्ति तथा ध्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3581 दिनांक ग्रगस्त 1982 की रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी भटिन्डा में लिखा

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, जालन्धर

विनांक 7-4-1983 मोहर ा प्ररूप आर्ड्ड० टी० एन्० एस० क्यायुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन **सुचना** 

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 7 अप्रैल 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4229----यतः, मुझो,जे० एस० गिरधर.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन बिनाक श्रमस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल को ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को ना पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कि थिए नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी भाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिवित व्यक्तियों, वर्धात् ः—  श्री करनैल सिंह पुत्र ग्रमर सिंह गांव फूरू मण्डी, भटिंडा।

(ग्रन्तरक)

2. श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र बचित्र सिंह गांव फूरू मण्डी, भटिन्छा ।

(ग्रन्तरिती)

 जैसा कि नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति हैं)।
 जो व्यक्ति सम्पत्ति में घिष रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्धहैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यनाहियां करता हुं।

उनत् सम्पत्ति के नुर्जन के सम्बन्ध् में कोई भी आक्रोप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्थारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं / अर्थ द्वांगा, जो उस सुध्याय में दिया गया है।

## अंग स ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3604 दिनांक ग्रगस्त 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिंडा में लिखा।

> जे० एस० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर बायुक्स (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जासन्बर

दिनांक: 7-4-1983

मोहर :

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 भ्रप्रैल 1983

निर्देश नं० ए० पी० नं० 4230—यतः, मुझे, जे०एल० गिरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (198 का 16) के श्रिधीन विनांक श्रगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अन्तर्कों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अंतर्भ लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अभिनियम, के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्तसे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अवः, उत्कत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उत्कत अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्रो गुलाब सिंह पुत्र गंडा सिंह वासी पावर हाउस रोड पोछे एस० डी० ओ० पी० एस० ई० बी० (स्विल स्टेशन) भटिंडा ।

(भ्रन्तरक)

 श्री राजपाल सिंह पुत्र जसवन्त सिंह मैन गांव बाम तहसील मुक्तसर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बार में अक्षोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितंबवृष है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टोकरण :--इसनें प्रयुक्त गन्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित दै, बही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

# अनुसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा विलेख नं० 3772 दिनांक ग्रगस्त 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिन्डा में लिखा

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रुज, जालन्धर

दिनांक 7-4-1983 मोहर : पादा आहे . इं. महा भूम . - - -- ----

आयकर अधित्यम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर जाअन्धर, दिनांक 7 श्रप्रैल 1983

निर्देश सं० ए० पी नं० 4231——यतः, मुझे,जे० एल० .

गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिस्त उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिक्ति में बास्तिक इप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण सं हुएं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के जन्तरक के दर्शियल मो कर्मा करने या असरा बचने में भ्विधा के लिए; ऑर्थ/या

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसन व्यक्तियों, अर्थात ---

- कुमारी गुङ्की सरवार प्रेम सिंह गांव गिरुल पट्टी (ग्रन्तरक)
- श्री शमणेर सिंह मुखराज सिंह पुत्र मदन सिंह गिल्ल पट्टी

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवबुध ही)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--- '

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंधी 45 विन की अविधि मा इत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के गीतर पूर्विक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिवा नमा है।

# अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3812 दिनांक ग्रगस्त 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिंडा में लिखा।

> जे. एत. गिण्यर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज, नायस्थर

दिनांक 7-4-1983 मोहर: प्ररूप आई. टी. 'एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (भारीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जासन्धर दिनांक 7 अप्रैल 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4232-यतः मुझे जे० एल गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इससे उपायद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन दिनांक अगस्त 1982 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

 श्री बसेशर सिंह पुत्र भगवान सिंह मुल्मानिया रोड, भटिंडा ।

(श्रन्तरक)

2. (1) बिमला कुमारी पत्नि बहादर सिह (2) सुदेश कुमारी पत्नि हरीण कुमार (3) चन्द रानी पत्नि बहा दस्त आत्मा सिंह पुत्न साहिब दित्ता सिंह (5) कमलजीस सिंह पुत्र श्री बसन्स सिंह वासी प्रताप नगर भटिंछा ।

(अन्तरिती)

3. जैसां कि नं० 2 में लिखा है।
(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है।
कि वह सम्पत्ति में हित्वद्ध है।

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पतः सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

सम्पत्ति सथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3828 दिनांक अगस्त 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 7-4~1983 । मोहु<u>र</u>ु∷ प्ररूप. आइ. टी. एन्. एस. ----

मायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4233—अतः मुझे जे० एल० गिरधर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इससे उपायद में अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तयिक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे क्याने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित न्यक्तियों, अर्थात् :--14---46GI/83

- श्री जगजीत सिंह पुत्र अमर सिंह निवासी भटिंडा (अन्तरती)
- 2. श्रीमित हरजीत कौर पत्नि गुरदेव सिंह वासी गली नं० 21 नजवीक श्रीबी का गुरूद्वारा भटिंडा । (अन्तरिक)
- जैसा कि नं० 2 में लिखा है।
   (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब व्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैंसा कि विलेख नं 3838 दिनांक अगस्त 1982 की रजिस्ट्रीकृती अधिकारी भटिंडा ने लिखा।

> जे ० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, जालन्धर

दिनांक 7-4-1983 । मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 7 अप्रैस 1983 निर्देश में० ए० गी० नं० 4234-असः मुझे जै० एल० गरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थादुर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-रुपए में अधिक हैं।

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार के कार्यालय भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः——

1. श्री तेज राम पुत्र तिलक राम (2) धर्मपाल पुत्र ेतेज राम भटिंडा ।

(अंसरक)

2. श्री गुरदेव सिंह रीमाना पुत्र हरनाम सिंह, भटिंडा (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है

कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )।

को। यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टींकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विशेख नं० 3861 दिनांक अगस्त 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मटिंडा में लिखा ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 7-4-1983

मोहर :

# प्रकृष् नार्षः, टी. एतः एसः --

आयकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म (1) के अधीन सुचना

## नारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालंधर दिनांक 7 अप्रैल 1983 निर्देश सं० ए० पी० नं० 4236—अतः मुझे जे० एल० गिरधर,

शायकर बीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

-और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिशा में स्थित है (और इससे उपाधद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिशा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित शाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की यह है और मूक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोष्य स उकत अन्तरण निखित में अप्तिबिक्त रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वर्षित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी शाम या किसी धन या अस्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :--

 श्री साजन सिंह करतार सिंह और बीबी निहाल कौर गुरदयाल कौर पुल धन सिंह और सुर्जीत सिंह काका सिंह छोटू, बच्चू पुत तथा पुत्र श्रीमती प्रसिन्न कौर पुत धन सिंह गिलपट्टी भटिंडा।

(अन्तरक)

 श्रीमती दलीप कौर पत्नि करतार सिंह गिलपट्टी, भटिंडा ।

(अन्सरिती)

3 जैसा नं 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को गहसूचना जारी करको पृवाचित सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :- ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर शृंचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद गं तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्णिकत स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर संपत्ति में हिस-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निष्यत में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण .--इसमं पर्कत शब्द और पदा का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में विका गमा है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं० 3965 दिनांक अगस्त 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा में लिखा।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख: 7-4-1983

मोहर :

प्रकल् नाहे . ही . एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पार 269-भ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निर्देशण)

अर्जन रेंज, जासन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 अप्रैल 1983

निर्देश सं० ए०पी० नं० 4238—अतः मुझे जे० एल० गिरधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-च के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1808 का 16) के अधीन, दिनौंक सितम्बर 1982

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण कि खित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधानियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दार्थित्व में केबी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिद्ध; बीट/वा
- (क) एसी किसी अप या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय नाब-कर अभिनियम, 1922 (1922 किका 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाडिए था, कियाने में कविथा के लिए;

अतः। श्व, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वें, वें, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की सम्भाता (1) को अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थीत् हु—  श्री बचित्र सिंह पुत्र मुन्शी राम वासी किंगरा तहसील जालन्घर।

(अन्तरक)

2. श्री किशोर कुमार और प्यारे लाल पुत हरी राम वासी एन० बी० 373 मोहल्ला सन्तोख पुरा जालन्धर और रानी डोगरा पत्नि बिशन लाल, 59एल/ए, माडल हाऊस, जालन्धर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )।

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वंह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना चारी करके पूनों कर सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीत से 45 दिन की अनिधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताकारी के पास निवित में किए था सकोंगे।

स्वव्यक्तिपणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों नीर पवों का, जो उक्त निध- ' निक्म के नध्याय 20-क में परिभाषित हैं के बही नर्थ होगा, जो उस नध्याय में दिया गया है।

## **प्रनुस्**ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4/65 दिनांक सितम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 7-4-1983 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एंस. -----

मायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत बरकार

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 7 अप्रैल 1983

निर्वेश सं० ए० पी० नं० 4237--अअतः मुझे जे० एल० गिरघर,

अग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपृत्ति जिसका उन्तिस बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फिरोजपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के काँगीलय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1982

को प्वांक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखिम में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त धिक्षियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी वन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के खिए।

भतः भव, उक्त प्रधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात :—  श्री करमजीत सिंह पुत्र हरीयत्त सिंह वासी ओ० एल० एल० फिरोजपूर छावनी ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रघबीर कौर पत्नि कर्मजीत सिंह वासी मकान नं 127 1/2 ओ० एल० एल० फिरोजपुर, छावनी ।

(अन्तरिती)

, 3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्थाबा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (त) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किया वा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त ग्रीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4779 दिनांक नवम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ने फिरोजपुर लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 7-4-1983 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

# ग्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च (1) के प्रधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 मार्च 1983 निर्देश सं० ए० पी०नं० 4183—-अतः मुझे जे० एल० गिरधर,

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गयी है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा को फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1808 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजा पूर्व पूर्य प कम के द्रुप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे या विष्वास करने का कारण है कि प्रधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूहत, उनके द्रुप्यमान प्रतिफल है, ऐसे द्रुप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निवित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित है वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की मानत, उनत नास-नियन, के अधीन कर देने के मन्तरक के दायित न किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, धीर/मा
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसा धन या मण्य धारिसयां की, जिस्हें नारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1923 का 11) या उकत मिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रक्र≡ नहीं कि । भया था या किया आना चाहिए था खिपाने के स्थिता के लिए;

ग्रत: श्रव, स्वतः श्रीधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रीधनियम की धारा 269-व की स्ववादा (1) है अधीन विभन्निविद्य स्पृतिसम्हों, वर्षात्:—  श्री रिवन्दर पाल सिंह पुत्र सुरिन्दर सिंह वासी मोहल्ला भगत पुरा, फगवाड़ा ।

(अन्तरक)

2. श्री जवाहर लाल पुत्र पशोरी लाल शीला चहुा पहिन परषोत्तम दास वासी लोहा मण्डी, फगवाडा। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उकर सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप >---

- (क) इस पुजरा में प्राप्तात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 वित की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज स 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस पुत्रतः हे राजपत्न में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, ग्राधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यवेदो हरण:----इतन प्रयुक्त अभ्यक्षीर नदी हा, जो उनत धार्षिः त्रियम के प्रश्वाय 20-के में वरिधाषित है, नद्वो अर्थे हामा, जो उस पश्यास ने विया गया है।

### वन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं ० 1330 दिनांक अगस्त 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 24-3-83

मोहर 🚁

## प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सचना

### भारत सरकार 🕐

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 मार्च 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4184-अतः मुझे, जे० एल० राष्ट्रार

पकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 39-ज के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का रण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्य 3,000/- रु. से अधिक है

ौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है सथा जो गवाड़ा में स्थित है (और इससे उपायक अनुसूची में गैर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-य फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1982

ते पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान तिफल के लिए अग्लरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने हैं। कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, सिक दृश्यमान प्रतिफल से ऐने दृश्यमान प्रतिफल का पश्यह तिशत से अधिक है पौर अन्तरक (अग्नरकों) और अन्तरित अंतरितियों) के बीच एंगे अन्तरण के लिए तय पाया नया विफल, निम्नलिखित > उद्देश्य से उनत भूक्तरण लिखित वास्तिक कप में किया नहीं किया गर्य है!—

- (क्कं) अस्तरण के हुइ किसी बाय की अवत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुजिशा के लिए;

जतः जन, उक्त जिभिनियम की भाग 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—  श्री रिवन्दर पाल सिंह पुत्र श्री सुरिन्दर सिंह वासी मोहल्ला सतनाम पुरा फगवाड़ा

(अन्तरक)

- 2. श्रीमिति वेद चड्डा पत्नि अवाहर लालवासी फगवाड़ा, जवाहर लाल पुत्र पशौरी लाल लोहा मन्डी फगवाड़ा (अन्तरक)
- 3. जैसा कि नं 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि

वह सम्पत्ति में हितब ब है )

सते यह सूचना जारी करके पृथानित सम्परित के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हु।

ं उक्त संपरित को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :------

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जबिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों नक सूचना की तामीन से 30 दिन की जबिध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ-होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेखनं । 1487 दिनांक अगस्त 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगनाडा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

**धिनांक** : 24-3-1983

प्रस्कृताई, की. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मुधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जासन्धर

जालन्धर दिनांक 24 मार्च 1983

निर्वेश सं० ए० पी० नं० 4185.—ग्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरणला में स्थित है (और इससे उपावड़ में अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूर थला में रजिट्टीस्करण अधिनियम, 1908 1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1982

को पुनाँकत सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापुनोंकत संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिष्टी (अन्त्रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण् सं हुर्द्दं किसी जाग् की वाबत उक्त बुधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वज्ने में सुविधा के सिए; आर्ट्र/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः असं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमित उषा देवी पित्न हरिमन्द्रा सिंह वासी कपूर-थला द्वारा श्री वृजिन्द्रा सिंह 27 सुन्दर नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

 श्रीमित ज्ञान देई पितन किशान चन्द्रा वासी कपूरयला मोहल्ला शोरियां ।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रिधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को सह बूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित के अर्चन के लिए कार्यश्राहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कार्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यख्टीक रणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख मं० 15/2 दिनांक ग्रगस्त 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी कपूरयला ने खिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), . श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 24-3-1983

मोहर ः

प्ररूप नाई. टी. एत् एस.--

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)की धारा 269म (1) के भंगीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जासन्धर

जालन्धर दिनांक 24 मार्च 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4186---ग्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसके: उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यान्वय कपूरथला में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक अगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निस्ति उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण जिब्त में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आजत उक्त कथित नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उक्से कचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमीं की, जिन्हें आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उमत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा अकट नहीं दिया गया या किया आना चाहिए का, जियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
15—46GI/83

 श्रीमित ऊषा देवी पितन हरिमिन्द्रा सिंह वासी कपूर-यला द्वारा श्री श्रिजेन्द्रा सिंह 27 सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्रो स्वर्ण कुमार पुत्र किशन चन्द वासी मोहल्ला शोरियां कपूरथला ।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है।
(बह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )।

को यह सूचता लारी करके प्रवीक्त सम्पति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सी, उक्त समाति क पर्जन के सम्बन्ध में कीई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस म्बना के राज्यत्व में फकाशन की तारीख से 45 दिन की अपिध या तत्सम्बन्धी क्यिक्तयो पर सूचना की तामील से 50 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोकः व्यक्तियों में से किसी क्येक्त द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्न स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रक्ष अथित द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सुकाँगे।

स्पष्टीकरण:--इमर्ने प्रपृक्त भन्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधितियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जा उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1513 दिनांक भ्रगस्त 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी कपूरथला ने लिखा।

> ृंजे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 24-3-1983

मोहरः

ريان استان مستقام प्ररूप आर्च टी. एन ुएस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज, जाअन्धर

जाअन्धर, दिनांक 24 मार्च 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4187—प्रतः मुझो, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उयस अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कपूर-थला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूधी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याअय कपूरथला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1982

को पूर्वोक्तत संपरित का उचित बाजार मूल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गईं है और मूफ्ते यह यिदवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इदयमान प्रतिफल से ऐसे इदयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित् व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्रीमित ऊषा देवी पत्नि हर्रामन्दर सिंह वासी कपूर-थआ द्वारा श्री बरिजिन्दर मिंह, 27—सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमित कमला वसी पत्नि स्वर्ण कुमार वासो कपूर-थला।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में अखा है। (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्र सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख तं र 1545 दिनांक अगस्त, 1982 को रजिस्ट्री हर्नी अधिकारी क्रूरशना में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्त्रजैन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 24-3-1983।

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 24 मार्च 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4188---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में अखा है तथा जो कपूरथला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्या-लय कपूरथला में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक ग्रगस्त 1982

को पूर्वीयत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से शिथक है और अनतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमिति ऊषा देवी पत्ति हरजिन्दर सिंह वासी कपूरथला द्वारा श्री बरीजिन्द्री सिंह, 27 मुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)]

 श्रीमित ग्ररूणा जन पत्नि सुरेश कुमार वासी कपूर-थला ।

(अन्तरिती)

जैसा नं० 2 में लिखा है ।
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है ) ।
 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है ।
 (वह व्यक्ति जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है ) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करसा हु।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1546 दिनांक भ्रगस्त 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी कपूरथला में लिखा है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहामक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालस्थर

विमान 24-3-1983 भोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 मार्च 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं 4189--प्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके परचातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित वाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो कपुरथला में स्थित है (और इससे उपायद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्या-लय कपुरथला में रजिट्टीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रगस्त 1982।

को पूर्वीक्त संपृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ए'से दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, मैं, उबत अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री दान सिंह उरफ श्रीमती देविका पहिन बीजिन्दरा सिंह वासी कपूरथला द्वारा श्री ब्रीजिन्दरा सिंह, 27-सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्सरक)

2. श्री जसबीर सिंह पुत कर्म सिंह वासी कपूरथला मोहल्ला कसाबा कपूरथला ।

(अन्तरिती)

3. जैसाकि नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )। 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है ) ।

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेण :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्रि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवध्व किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1511 दिनांक अगस्त 1982 को रजिस्दीकर्ता अधिकारी कपूरयला ने लिखा।

> जे०एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 24-3-1983

ओहर 🖫

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 मार्च 1983

निर्देश मं० ए० पी० नं० 4190——श्रतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और ज़िसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कपूर-थला में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध में अनुसूची में और और पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय कपूरथला में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिचत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एमे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत रो अधिय है और अन्तरक (अंतरको) और अविरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्रीमति ज्ञान सिंह उरफश्रीमित देविका पत्नि बीजिन्द्रा सिंह वासी करपूरथला द्वारा श्री बीजिन्द्रा सिंह 27 सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

- श्रीमित राजिन्दर कौर पित राजिन्दर सिंह और मनजीत सहाय पितन जगबीर सिंह वासी कपूरणका। (अन्तरिती)
- 3. जैसा नं० 2 में लिखा है। (यह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा स्कोंगे :

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अससर्च

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1627 दिनांक प्रगस्त 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी कपूरथला ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 24-3-1983

भोहर :

प्रकृप माई. टी. एन्. एस्. ----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मुधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 24 मार्च 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4193—ग्रतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बुलोबाल, होशियारपुर में स्थित है (और-इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिध-कारी के कार्यालय मुंगा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किश्त महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वावत, उक्त अभिनियम के नभीन कर दोनें के अंतरण के दायित्य में कभी करने मा उससे वजने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अब उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के जन्सरण में, में, उक्त विधिनयम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के नभीन, जिल्लिकित व्यक्तियों, नर्भात् क्ष्म- श्री गुरवखन सिंह पुल सुन्दर सिंह गांव लाम्रज़ा जिला होशियारपुर जी० ए० जसवन्त सिंह, हरदियाल सिंह, हरबन्स सिंह और तीरथ सिंह गांव लाबड़ा जिला होशियारपुर।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती कमला सैनी पत्नी रगवेद सिंह गांव बुलो-वाल जिला होशियारपुर ।

(भ्रन्तरिती)

उ. जैसा कि नं० 2 में लिखा है और मैसर्स प्रभ दयाल क्लाथ हाउस गांव बुलोबाल जिला होशियारपुर । (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है )।

जो व्यक्ति सम्मत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में में प्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृवेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति को अर्जन् को सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्चंना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन् में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पुरिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गुपा है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1429 धिनाँक नवम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी भुगां ने लिखा।

> जे० एन० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 24-3-1983

मोहरु 🕄

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च् (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (गिरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर दिनांक 24 मार्च 1983 निर्देश सं० ए० पी० नं० 4:92—अतः मुझे जे० एल० गिरधर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/न रहे से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो बुलो-वाल होशियारपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में और पूर्ण रुप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय भुंगा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सितम्बर 1982

को पूर्वाक्त संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के श्रूथमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे श्रूथमान प्रतिफाल के पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उनते अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरकः के दिनियस्य में कमी करने या उससे तसने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूर्विधा के लिए।

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- 1. श्री गुरबद्धा सिंह पुत्र सुन्दर सिंह गांव आवड़ा, तहसीअ गुंगा जी० ए० श्री हरदियाल सिंह, जसवन्त सिंह, हरबन्स सिंह और तीरथ सिंह गांव लाबड़ा (श्रन्तरक)
- श्री बलदेव सिंह पुत्र म्रामी चन्द गांव बुलोवाल जिला होशियारपुर ।

धन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है और मैसर्स विजय क्लाथ हाउस, बुलोबाल जिला होशियारपुर ।

(बह व्यक्ति, जिसके भ्राधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके वारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (का) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यां का, जों उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विसा गया है।

## अन्स्ची

सम्पत्ति तथा बसन्त जैसा कि विलेख नं 1224 दिनांक सितम्बर 82 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भूगाने लिखा

> जे एल० गिरधर सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 24-3-1983 मोहर: प्ररूप आहूर. टी.' एन एस , ------

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर दिनांक 24 मार्च 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4191---श्रतः मुझे जे० एस० गिरधर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह कि ज्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बुलोवाल होणियारपुर में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यौलग भुंगा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे दश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के तिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी अगय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) दा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- शि गुरबख्श सिंह पुल सुन्दर सिंह गांव लाबड़ा सब तहसील भूंगा जी० ए० जसयन्त सिंह हरदियाल सिंह, हरचरण सिंह और तीर्थ सिंह गांव लावड़ा। (अन्तरक)
- 2. श्री रिगवेद सिंह पुत्र बलदेव सिंह वासी बुलावाल जिला होगियारपुर ।

🖣 (अन्तरिती)

- 3. जैसा नं० 2 में लिखा है और मैसर्ज मेंहगा राम और सन्स, करियाना मरचैंट बुलावाल जिला होणियारपुर (वह व्यक्ति जिसके अधिभीग में सम्पत्ति है )।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह मूचना जारी करक पूर्वांतन सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाद्यि पुरु इस्ता है।

उना सम्बन्धि के खर्जने के सम्बन्ध हैं होई भो प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजगंत्र में प्रकायन की तारीख से 45 विन की अनिवि का तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इन म्चना के राजपत ने प्रकासन की तारीख में 45 दिन के मीतर जकत स्वावर सम्पक्ति में हिसबढ़ किसी अन्य स्पनित द्वारा, भ्रष्नोहस्ताबरी के पास विख्यत में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शहरों भीर पदों का, जो स्वत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेखनं । 1175 दिनांक सितम्बर 2982 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी भुंगाने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सभन प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालक्श्वर

दिनांक : 24-3-1983

मोह~र 🖫

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अजनरोंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 23 मार्च 1983

ं निर्देश नं ० ए० पी० नं ० 4194—यतः मुझे, जे० एल० -गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् एकत अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सहदेव मार्कीट में स्थित है (और इससे उपावड़ में अनुभूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जानन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिकाम, 1908 (1908 का 6) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक रे) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (२०) अन्तरण मे हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त बांध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित में कभी करने या नसस बचने में पुविधा !! लिए, वर्षरत्याः
- (ख) ऐसी फिली आय या किसी धन या मन्य खास्त्यों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गाउँ का मा किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

सतः सबा, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--16-46GI/83

(1) श्री तरसेम लाल पुत गुरदास राम वासी सहदेव मार्कीट, जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दर्शना देवी पत्नी तरसम लाल वासी सहदेव मार्कीट, . जालन्धर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितब ह है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोह भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकी।

स्पष्टिकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3137 दिनांक अगस्त 82 को रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी जालन्धर ने निखा

> जे० एल० गिरघर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

सारीख: 23-3-83

## प्रारूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें**ज**, जानन्धर

जालन्धर, दिनांक 23 मार्च, 1983

निर्देश नं ० ए० पी० नं ० 4195—यतः मुझ जे ० एल० गिरधर, आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सै अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रज़िस्ट्रीवर्ता, अधिशारी के वार्यालय जंलन्धर में रजिस्ट्रीक्रण अधिनियम, 1908 (1908 ना 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1982 को

पूर्शेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रित्तिक के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से किथन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; बार/या
- (का) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर विधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए≀

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निक्तिक व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री हरीपाल सिंह पुत्र उजागर सिंह वासी गांव किंगरा तहसील जालम्बर

(अन्तरकः)

(2) श्री गुरदीप सिंह ढिल्लो पुत्र जोगिन्दर सिंह वासी आदल पुर, जालन्धर

(अन्तरिसी)

(3) जैसा कि नं 2 में लिखा है (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में सभि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितब हु है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उन्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उम्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3170 दिनांक अगस्त 1982 को रिजिस्ट्रीयर्ती अधिकारी जालन्धर ने लिखा

> जे० एल० गि<sup>-</sup>धर सक्षम **प्र**क्षिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख: 23-3-83

त्रक्य बार्च, टी. एन. एस.----

जामकर जिथि नियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धरं

जालन्धर, दिनांक 23 मार्च 1983 •

तिर्देश नं० ए० पी० नं० 4196—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है और जिसकी सं जैसा वि अनुसूची में लिखा है तथा जो राहदेव

और जिसकी सं ० जैसा वि अनुसूची में लिखा है तथा जो राहदेव मार्कीट जालन्धर में स्थित है (और इससे उपायद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारणु है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिकल, कि किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रो हरनाम सिंह पुत बूर सिंह जी० एस० सहदेव सिंह पुत राजेश्वर सिंह, वासी सहदेव मार्कीट, जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्री मनोहर गोपाल पुत्र मुन्शी लाल वासी सहदेव मार्कीट, जालन्धर

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि न० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>‡</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनसची

्रसम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3191 दिनांक अगस्त 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर नै लिखा ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**ख:** 23-3-83 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (क्रिक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 23 मार्च 1983

निर्देश नं० ए० पी० नं० ४१९७—यत. मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सहदेव मार्कीट, जालन्धर में स्थित है (और इसरे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्फ (अन्त्रकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) बनारण से हुई किसी बाय की वावत , उक्स बर्डिपनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक की दायिएन में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की सिए; बरि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तियों को, चिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गुया था या किया जाना जाहिए था, छिपाबे में सुविधा के लिए;

नतः नन, उक्त निमिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त निभिनयम की भारा 269-च की उपभारा (1) के नभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, नभीत् (1) श्री हरनाम सिंह पुत्र बुध सिंह जी० एस० सहदेव सिंह पुत्र राजेश्वर सिंह वासी सहदेव मार्कीट, जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रीता वालिया पुत्नी धर्म पाल वालियः वासी सहदेव मार्कीट, जालन्धर

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्व है)

को यह सूचना आरी करके पृक्त कर सम्मृतिस के अर्थन के तिसू कार्यग्रहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बास्तेष्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्ट्रींकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3192 दिनांक अगस्त 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख़: 23-3-83

मोहर 🖫

प्ररूप आईं. टी. एन. एस. -----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 23 मार्च 1983 निर्देश नं० ए० पी० नं० 4198—यतः मुझे, जे० एल० गरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् अक्क क्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 /- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची और पूर्ण रूप से विणत है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अंगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यीक्तयों, अर्थात् :—

> 1. श्री बलबीर सिंह पुत्र शिव सिंह वासी गांव देहरिया तहसील नकोदर जिला जालन्धर

> > (अन्तरक)

- 2. (1) श्री प्रेम कुमार खन्ना पुत्र ठाकर दास, 279 आदर्श नगर, जालन्धर,
  - (2) रमेश कुमार खन्ना पुत्र ठाकर दास, 279, 'आदर्श नगर जालन्धर
  - (3) वेद भूषण नय्यर पुत्र बलदेव राज, 230, लाजपत नगर,

जालन्धर

(4) श्रीमती किरणं नय्यर पत्नी बेद भूषण वासी जैसा उपरोक्त लिखा है।

- (5) संगीता अरोड़ा और
- (६) जितन्द्र मोहत अरोड़ा पुत्र इष्टण कुमार, 165 न्यू जवाहर नगर, जालन्घर
- (7) जोगिन्दर कौर पत्नी गुरनाम सिंह, 121 बस्ती बावा खेल, जालन्धर, (8) मोहिन्दर सिंह पुत्र ज्वाला सिंह, एन० एन०- 145 गोपाल नगर जालन्धर तथा (9) कुलदीप सिंह पुत्र हरभजन सिंह 121, बस्ती बावा खेल, जालन्धर (10) प्रेम लता पत्नी अमरजीत एन० एच०-38, नीला महल जालन्धर (11) हरबन्स लाल सिक्का ग्रौर (12), मधु सिक्का पत्नी हरबन्स लाल सिक्का न्यू जवाहर नगर, जालन्धर (13) कर्म सिंह पुत्रे आत्मा सिंह एन० एन०-145 गोपाल नगर, जालन्धर (14) श्रीमती प्रेम कान्त पत्नी सुभाष चन्द 84-अमान नगर जालन्धर(15)गुरचरणदास सेलिघ पुत्र दयाल शरण 150, अरबन एसटेट जालन्धर (16) परमजीत सिंह पुत्र जीवनदास 59 विजयनगर जालन्धर(17) दिनेश कुमार जैन पुत्र शान्ति प्रकाश (18) रतीश क्मार जैन पुत्र शान्ति प्रकाश 23 लाजपत नगर जालन्धर(19) शान्ति प्रकाश जैन पुत्र नुनीलाल जैन वासी 23 लाजपतनगरं, जालन्धर

जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4: जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी) जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं ० 3197 दिनाँक अगस्त 1982 का रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा।

जे० एल० गिरधर

स**क्षम प्राधिकारी** 

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेन्ज, जालन्धर

तारीख: 23-3-83

′ प्ररूप वा**र्द**्टी. एन . **ए**स्.-----

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालम्धर, दिनांक 23 मार्च 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4199—यतः मुझे, जे० एल गिरधर,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा पया है। की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है और जो मकसूदपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया शा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री शंकर दास पुत्र अत्तरा द्वारा जी० ए० जोगिन्दर पाल वासी गांव बलन्दपुर तहसील जालन्धर

अन्तरक)

- (2) श्री जोगिन्दर सिंह पुत बुद्ध सिंह वासी 432 आर माडल टाउन जालन्धर
  - (2) ज्योति गांधी पुत्र एम० एन० गांधी और श्रीमती लता मलिक पत्नी के० एन० मलिक वासी 291 न्यू जवाहर नगर जालन्धर
  - (4) रमेश कुमार पुत्र भगवान दास और
  - (5) मोहिन्दर कुमार छाबड़ा पुत्र बिशन दास
     छ।बड़ा वासी 15-शहीद भगत सिंह नगर
     जालन्धर (अन्तरिती)
- (3) जैसा नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पात्त में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अदिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अदिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3206 दिनांक अगस्त 1982 को रृजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दारी **ख**: 23-3-83 मोहर प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 23 मार्च 1983 निर्देण नं० ए० पी० नं० 4200 और 4201—यतः मुझे; जे० एल० गिरधरः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मंपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैना कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती पीरदादखान जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकत अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, श्रगस्त 1982

को पूर्वेक्सि संपरित के उपित नाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्सरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथान नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबस . उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अपने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकत अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का ??) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने सें स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री तत्रा तिह पुत्र हरनत्म सिंह वस्ती पीरवाद खान, जानन्धः

(अन्त्र गक्त)

(2) श्री इन्द्र सिंह पुत्र संता सिंह और किरपाल सिंह मोहिन्दर सिंह वासी बस्ती बर्चा खेल, जालन्धर

(अंतरिती)

(3) जैसा नं० 2 में लिखा है (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में घित्र रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की. अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा औं उस अध्याय में विवा गया है।

### अमुसुची

राम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 3243 और 3244 विनांवा अगस्त 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता प्रिक्तिरों आलन्धर ने लिखा।

जे० एत० गिरधर ाक्षम प्राधिकारी महायंक आधानर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जानन्धर

तारी खं: 23-3-83

माहर :

## प्ररूप धाई० टी० एन० प्रव-----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत संस्कार

कार्यालय, सहामक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्छर, दिनांक 23 मार्च, 1983

निर्देश नं० ए० पी० नं० 4202—यत: मुझे जे० एल० गिरधर,

अकि निमम, 1961 (1981 का 🗚3) (जिसे इसर्वे इसके परवार् 'उकत अधिनियम कहा गया है), को धारः 269-ज अ भगीत तथन प्राविकारी को यह विषया । ११ने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तिः बाबार् र्⊱य 25,00%- ७० से मधिक और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सहदेव मार्कीट में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकता अधिकारी कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख श्रगस्त, 1982 को पूर्वीका सम् 🖰 १ के राजित आ शर पूरुष में कम के दुश्यमान प्रति -फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह किस्वास करते का कारण है कि येपापुरीका सम्पत्ति का खिलत बाकार भूक्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से. ऐमें द्रायमान प्रतिफल का पण्डत् प्रतिपात से प्रधिक हे भीर वन्तरक (भन्तरकों) बीर नम्बरिती (ग्रेस्तरिवियों) के नीच ऐसे बन्तरण के सिमे तम पाना गया व्रतिकास, सिम्त्रिंसित उद्देश्य १ उक्त अग्तरण निक्तित में बास्त्रवित खप पे गर्भग । लहरे किया गया है ५ ८

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के सधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी थाय वा किसी घंत वा अव्य वास्तिय को जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अमोजनार्थ भन्तरिती तारा प्रकार नहीं किया क्या था या किया जाना जातिए था, छियाने में सुविधा के निए।

असः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री परमजीत सिंह पुत्र हरनाम सिंह मुख्नयार खास हरनाम सिंह पुत्र बूर सिंह जी०ए० सहदेव सिंह पुत्र राजेशवर सिंह वासी सहदेव मार्कीट, जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्री हरबिन्दर कौर पुत्री परमजीत सिंह वासी सहदेन मार्कीट जालन्धर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में अन्नोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के चिए कार्ववाहियां चरता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचनाके राजपत पें प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बर्बीध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी धवधि वाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्परही करण :---इमर्गे प्रयुक्त पाठवां और पदों सा, जो उक्त अधिनियम के घड़्याय 20-क में परिकाचित है, वही अर्घ होगा, जो चस अड्याव में दिना पना है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 3702 विनाक प्रगस्त 82 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जे० एल० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर घायक्त (निरीक्षण) ृअर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 23-3-83

प्ररूप आहें. टी. एत्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

काय लिय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 23 मार्च 1983

निर्देश नं० ए० पी० नं० 4203---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर मन्ति, जिल्ला उचित वाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संव जैंसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सहदेव मार्कीट में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उष्ति बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की अबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 17---46GI/83

(1) श्रीमती कर्मजीत कौर पत्नी सोहन सिंह वासी सहदेव मार्कीट, जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्री सोहन सिंह पुत्र मलकीयत सिंह वासी सहदेव मार्कीट, जालन्धर

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में विच रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबग्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>4</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हु<sup>8</sup>।

### मन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3791 दिनांक अगस्त 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्यर ने लिखा हैं।

> जे० एल० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

सारीख: 23-3-83

## प्रकप बाई० टी० एन० एस०----

सायकर स्वितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के स्वीत सूचना

भारत सरकार

कार्यां नय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जासन्धर, दिनोक 23 मार्चे 1983

निर्देश नं० ए० पी० नं. 4204--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 268-ज के ध्रमीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उनित बाजार मूह्य से कम के दूश्यमान श्रीतफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किश्वत नहीं किया गया हैं:—

- (क) भ्रस्तरण से दुई निशी श्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के श्रमीन कर देने के भन्तरक के दायित्य में कभी क्षित्रकारने या उससे बजने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (भ) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिष्टित्यम, 1922 (1922 का 11) या उपत श्रिष्टित्यम, या धन कर भ्रिष्टित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया भाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः सन्, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-न के सनुसरण में, में, उरत अधिनियम की धारा 269-य की सपसाया (1) के सभीत, निजन्तिवित अप्रिक्तियों, सर्थात् हु--- (1) श्री अच्छर सिंह पुत्र सुन्दर सिंह वासी सिंठापुर, जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम पाल, ओम प्रकाश और ज्योती प्रकाश पुत्र हरीचन्द वासी डब्ल्यू० जी० 148 मोहल्ला इस्लाम गंज, जालन्धर

(अन्तरिती)

(3) जैसा नं० 2 में लिखा है (बह ट्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पृत्रों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की कारीस से 45 दिन की अविधि या कत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की ताजील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्री किए व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कन्यों और पर्यों का, जो स्वक्त निधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3773 दिनांके धगस्त 1982 को रिजिस्ट्रीकर्ता, धिधकारी जालन्धर ने निखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 23-3-83

प्ररूप बार्ड ही , एस , एस ,- - - ----

भारा 269-म (1) के अधीन स्पना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 23 मार्च 1983

निर्देश नं० ए० पो०नं० 4205-यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुमूची में लिखा है तथा जो गाव किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनिय 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य., उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल् का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुनिधित व्युक्तियों, मुध्ति :--- (1) श्री दलबीर सिंह पुत्र जोगिन्दर सिंह मार्फत दर्गन कौर जो०ए० वासी गूडा, तह० नकोदर, जिला जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्री हरकेवल सिंह पुत्र गुरवर्शन सिंह वासी ईआर-13-पक्का बाग, जालन्धर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा हैं (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में घित्र रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्साक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के क्र्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकर्णः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अजिनयम के अध्याय 20-क में परिआषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### मनसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 3641 विनांक अगस्त 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज, जालस्वर

सारीख: 23-3-83

मोहर 🖞

प्ररूप बाह<sup>2</sup>. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

. भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 23,मार्च 1983

निर्देश नं ए एपी । नं । 4206—यतः सुद्दो, जे । एल । गिरधर आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि श्रनसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनसूची में और पूर्ण रूप से विणित है, रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रगस्त, 1982

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बांचित्व के कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) एरेसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती दर्शन कौर विधवा जोगिन्दर सिंह मार्फत जी० ए० परमजीत कौर पुत्नी जोगिन्दर सिंह गांव गूडा, तहि० नकोदर

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री धर्म पाल पुत्र जगत राम वासी 466 मोता सिंह, नगर जालन्धर
  - (2) राजिन्यर कौर पुत्नी बूटा सिंह वासी ईम्रार-13-4-पक्का बाग जालन्धर
  - (3) स्नेह नता मूरी पत्नी सुभाष सूरी ईएन-22, रास्ता मोहना, जानन्धर
  - (4) पूनम सेठी पत्नी विजय कुमार सेठी, ईजे-258, चहार बाग-जालन्धर

(ग्रन्तरिती)

- (.3) जैसा कि नं० 2, में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोंहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्पी

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 23-3-83

## प्रकप् कार्ड .टी .एन .एस . ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 23 मार्च 1983

निर्वेश नं० ए० पी० नं० 4207---यतः मुझे, जे० एल० श्रिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित्त बाजार मृल्य 25,000/- ए. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनसूची में लिखा है तथा जो खुरला में स्थित है (और इसमें उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख श्रगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह बिश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री कुल भूषण
पुत्र मुलख राज,
विनोद सुमन पुत्र उजागर दास
व सरिता गुप्ता पत्नी ओ०पी० गूप्ता
व राम चन्द छाबड़ा पुत्र काला राम
मार्फत स्टेट बैंक भ्राफ इंडिया,
सिविल लाईन, जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण लास पुर्वे परस राम वः श्रीमती गिंदर कौर पत्नी कृष्ण लास वासी गुड़ा तहसील नकोदर, जिला जालन्धर

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके ब्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबंद्ध है

का यह सूचना जारी करके पूर्वाचत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के धास लिखित में किए जा सकागे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त धन्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्त्री

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नंः 3358 दिनांक ग्रगस्त 1982को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जासन्धर ने लिखा है।

> जै० एल ० गिरधर सक्षम श्रीधकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 23-3-83

प्ररूप आर्भ, टी. एन. एस , ------

मायफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यामय , सहायक वायकर भायुक्त (निर्देशका)

श्रर्जन रेंज, जासन्धर

जालन्धर, दिनांक 23 मार्च 1983

निर्देश नं० ए०पी० नं०: 4208-4209--यतः मुझे, जे०एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो खुरला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण 'प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वेक्त संपातित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान, प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्टह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरित्यों) के जीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:---

- ि (क) अम्बरण से हुई किसी साय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के जिए; औह/या
  - (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिहिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ल की उपभारा (1) चे अधीन, मिम्नुसिखित व्यक्तियमें, अर्थात् ः— (1) श्री गुरवियाल सिंह व सवरन सिंह पुत्न समुन्द सिंह, वासी खुरला तहि० जालन्धर

(श्रन्तरक)

(2) मैंसर्ज महा लक्षमी को-म्राप-हाउस (खुरला) बिलंडिंग सोसायटी लि० जालन्धर द्वारा वी जालन्धर मार्बल कं०: नकोवर रोड, जालन्धर

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्तिमें रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्तिमें हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जात सम्परित के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिस हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसभी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं०: 3209 व 3210 दिनांक भगस्त 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी जालन्धर ने लिखाहै।

> जे० एल० गिरधर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 23-3-83

मुख्य<sub>ः</sub> वाद्द्रं, टी., एन., एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

## कार्यालय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर,दिनांक 24 मार्च 1983

निर्देश नं० ए० पी० नं० 4210--यत: मुझे, जे० एल० गिरधर,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसू इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मकसूद पुर में स्थित है (और इसमें उपाब इ में अनुसूची में और पूर्ण रूप में बिणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जासन्धर में राजिस्ट्रीकरण अधिकारमा 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उधित वाजार मूल्य से काम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्निलिशित उद्देष्य ने उक्त अंतरण जिल्हित में बास्त्रीक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के सन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध्य के लिए;

असः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री स्वर्ण सिंह पुत्र दलीप सिंह वासी नागरा, तहसील जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्री राम लाल और हरबिलास पुत्र मिलखी राम वासी मकसूदपुर, जालन्धर

(अन्तरिती)

X(3) जैसानं 2 में लिखा है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

X(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्साक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकींगे।

स्पण्टीकरण: -- धनमे प्रगुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस् मुख्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3599 दिनांक अगस्त 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धरं ने निखा।

> जे० एल० गिरघर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

**गारीख**: 24-3-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 मार्च 1983

निर्देश नं० ए० पी० नं० 4211—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उपित बाजार मध्य 25,000/- कि से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मकसूद-पुर में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के जिवत बाजार मूल्य से कम के स्प्यमान् प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्टास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिवत बाजार मूल्य, उसके स्व्यमान प्रतिकाल से, एमे स्व्यमान प्रतिकाल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रम्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री स्वर्ण सिंह पुत्र दलीप सिंह वासी गांच नागरा तहसील जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित चन्नो पत्नी चरण सिंह वासी मकसूदपुर तहसील जालन्धर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबढ़ है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र 😁

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्माक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 3600 दिनांक अगस्त 1982 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी जालन्धर ने लिखा।

जे० एन० गिरधर मक्षम प्राधिकारी [सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

**तारीख:** 24-3-83

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाँक 24 मार्च 1983

निर्देश नं० ए० पी० नं० 4212—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह चिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मकसूद-पुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की श्रावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री स्वर्ण सिह पुत्र दलीप सिह दासी गांव नागरा तहसील, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री दिलबाग सिंह पुत्र तारासिंह वासी गांव मक्सूदपुर तहसील जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में लिखा है। (थह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पक्ति में घनि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अघोस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितब इहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यथाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में फ्रित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनमची

स्म्पिश्त तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3632 दिनांक अगस्त 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जे.० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

वारीख: 24-3-83

प्ररूप वार्चः, टी., एन., एस.,-----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-II, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 मार्चे 1983

निवेश नं० पी० आर० नं० 2105— यतः मुझे, आर० आर०

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राभिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अभिक हैं

और जिसकी सं ं नं 2, है। तथा जो उगरी में स्थित है (और इससे उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता आधिकारी के कार्यालय, कोच में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्दोस्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिभ-अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और्/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य अमिस्तरों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1)' के सधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीन् हि—- (1) श्री असमाल मुसे अहमद, मोती हुंग्री, होश

(अन्तरकः)

(2) श्री इक्नाहिम वाली ईसमाइल मार्किटिंग यार्ड के सामने शमसुसर रोड, शोच।

(अन्वरिती)

को यह सूचना जारी करके दुवें क्षित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### सतसरी

मिलकत जो एस० नं० 2, डुँगी बांच सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में अगस्त , 1982 में रजिस्ट्री की गई है।

> आर०, आर० साह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II; अहमधाबाद

तारीख: 3-3-1983

मोहर 🖫

## प्रकृ बाद'्टी प्रवृत्ता ।

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-न (1) के बधीन स्वना

### MIST STREET

कार्मालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्थन रेज-II, अष्टपदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 मार्चे 1983

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाह 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/रा. है, अधिक हैं

बौर जिसकी सं अपर एस नं 454/ए/2—वैसारा है। स्था जो गानवेथी में स्थित है (और इससे उपावक अनुसूची में बौर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गानवेबी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16 के अधीन अगस्त, 1982

को पूर्वोक्स सम्मस्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए कृत्तरित की गृह है जार मूक्त यह विश्वास, करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्स सम्मस्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिद्यात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मृन्त्रण के निए तब पामा ग्या प्रतिक्ष्म, निम्निविद् उत्वेष्य से उसल अन्तर्भ सिविद में बास्तीयक क्ष्म से कार्यन मुद्दा किया प्रा है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तर्क के सायत्व में कमी सुर्व वा उब्हें ब्यूने में बृष्धि। से लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-का बरिपान्त्य, 1957 (1957 का 27) के प्रवृत्या बन्दिरती बनारा प्रकट नहीं किया बना वा वा किया जाना जाहिए वा, कियाने में सुविधा के निए;

बतः बद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नितिश्वत व्यक्तियों, वर्षात् :—

 श्री अनील हरनाम रासतोगी
 त्री, विलक्षण अस्टामेंट रोड, बम्बई--400026

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक यशवनतराव रणविवे, सोनल कन्सट्टक्शन, विकीमोरा-396321

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू कारता हुं।

सकत सम्पत्ति के वृत्ति के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इव बुजमा को राजपण में प्रकाशन की तारीश श्रं 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्चथ किसी जन्म स्थावत ब्वारा, जभोइस्ताकारी को पास सिवित में किए का सकों में।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### No trade

मिलकत जो आर० एस० न० 454|v|2—देसारा गाम- देवी सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में प्रगस्त 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायम ग्रायकर पायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंप-11, अहमदाबाद

तारीख: 3-3-83

मोहर 🕹

## प्रकृप बाई॰ ही॰ एव॰ एव॰----

ग्रायसर प्रविनियम, 1961 (1961 मा 43) की बारा 269-व (1) वे प्रवीन त्वना

बार्ख बरकार

कार्याल्य, सहाबक नायकर नाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिमांक 3 मार्च 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2107/एकवी-23/II/82-83 अतः मुझे आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु से अधिक हैं

और जिसकी सं० नं० 195 (पी) देसारा है तथा जो बिल्ली मोरा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गानदेवी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विद्वास करने का भारण है कि बधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उन्तर प्रधि-निवस के बधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने का उससे अवने वें बुविका के थिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाव या किसी घन या धान्य धारितयों को जिन्हें भारतीय धायकर धांबानियम, 1922 (1923 का 11) या उत्तर धांबानियम, या धन-कर बांबानियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ धन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के शिए;

भ्रतः श्रव, उनत प्रविनियम की बारा 269-न के प्रनुसरण भी, जबत प्रविनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन-निम्निणियित स्पिकत्यों, नुर्वात् :---

- (1) 1. वीजयाबेन कीकाभाई परागजी का पुँती
  - 2. ताराबेन अरविन्द भाई मेहता
  - 3. जमनाबेन गोबिन्द मेहसा
  - 4. अरिवन्द माई गोविन्द मेहता मोज देश भाता रोड, ता० गानवेबी

(अन्तरक)

(2) सैनाय श्री लैंड कार्पोरेशन बिल्ली मोरा। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाहा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनसनी

मिलकत जो एस० नं० 195, देसारा गानदेवी सबरजिस्ट्रार के कार्यालय में भ्रगस्त, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> आर० आर० माह **एकम** प्राधिकारी सहायक झावकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख : 3-3-1983

प्रकृप. शाष्ट्रं. टी. एन. एस. -----शायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमवाबाद, विनांक 3 मार्च 1983ू

निषेश सं० पी० आर० नं० 2108/एकवी----23/II/82-83----अतः मृझे, आर० अ४र० शाह,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हो

और जिसकी सं ं नं 284/2, टी ं पी ं नं 48 है। तथा जो नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त. 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया वया है:——

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी नाय या किसी भन मा अन्य अमिस्त्यों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री विमल बायु भाई माह नारायण लाला होसींग सोसायटी नवसारी।

(अन्तरक)

(2) पुष्पम एपार्टमेन्ट को-ओ-हो-सोसायटी का प्रमुख श्री दीनुभाई प्रभाभाई पटेल, मरोलिया, सानेटोरियम, नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां क रता हूं

उक्त संपास के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्धें और पवों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### असत्त्वी

मिलकत जो एस० नं० 284/2, टीका नं० 48, नवसारी भगस्त, 1982 में रिजस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-II, अहमदाबाद

तारी**ख** : 3—3—1983

मोहर 🛭

## प्रकार आहें <u>व्याप्त प्रकार प्रकार</u>------

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

### मारत सरकार

कार्यासम्, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

थर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अञ्चमदाबाद दिनांक 3 मार्च 1983

निवेश सं०पी० भार० नं० 2109/एकवी-23/II/82-83-अतः मुझे आर० आर० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं अार एस नं 632, टिका नं 50 है तथा जो नयसारी में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में है और पूर्ण रूप से विजित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कर्यालय, ' नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गड़ है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्मरित का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विधानवज्ञ के अभीन कर दोने के बन्दरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; ब्रीड/वा
- (क) ऐसी किसी आय मा किसी धन या बन्स आस्तियों को, चिन्हें भारतीय बायक र विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण के, में, स्वत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, दिल्लीकिक क्विताओं, वर्षात :—

(1) श्री रेमेमचन्द्रा हीरालाल माह आयुर्वेदिक हास्पीटल के पास, सूरत।

(अन्तरक)

(2) भी भेरमल दोलतराम जोगीभाणी राईचन्व बिलडर्स स्टेशन रोड, नवसारी।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोंक्स सम्पृत्ति के अर्थन के ज़िए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

चनत् बम्पत्ति के नर्जन् के सम्बन्ध् में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खं से 45 दिन की अवधि या तत्समंत्री व्यक्तियों पर बृचना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि, वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्वाकारण:----इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गुमा है।

### मन संची

मिलकत जो एस० नं० 632 टिका नं० 50, नवसारी, अगस्त 1982 में रजिस्ट्री की गयी हैं।

> आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारी**ख**: 3-3-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के जंधीन सूचना

### भारत सरकार -

कामलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

## अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 मार्च 1983

निदेश र्स० पी॰ आर॰ नं ॰ 2110/एकवी/23/ /82-83----अस; मुझे आर॰ आर॰ शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 2 (पी) काछीयावाडी है। सथा जो नवसारी में स्थित है (और इससे उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और बन्तरक (जन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाना गवा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण निवित्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गवा :——

- (क) जन्तरण ते हुई किली जाय की वाबत, उक्त जीभीनवस के अधीन कर देने के जन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/मा
- (क) एसी किसी नाव वा किसी भग वा बच्च शास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उच्त अधिनियम की धारा 269-ण के अभूतरण में, में, उच्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्रीमती दीवाली बेन, भीखाभाई—-श्रीवा भाई का विधव
  - 2. धीरू भाई भीखा भाई
  - 3. धनसुखभाई भीखा भाई
  - 4. धयाभाई भीखाभाई उनके कुलमुखलबार मगन भाई प्रभुभाई पटेल कोवीसी फलीया, काछीयावाकी स॰ नवसारी

(अन्तरक)

- (2) 1. बच्चमाई परागमाई पटेस, काडीपार, स० नवसारी
  - 2. श्री मिथी परागभाई पटेल,
  - श्री छिबुभाई राम भाई पटेल, नागधारा, ता० नवसारी
  - 4. सुर्यावदन मगनलाल, नवसारी
  - प्रवीण भाई राम भाई पटल, काछियायाडी स० नवसारी
  - सुकरभाई धयाभाई नायिक,
     कासबापार, त० नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इत त्याना के राजपन में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात सिसित में किए जा सकेंगे।

स्वाच्यीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों जरि पदों का, वा उवका जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाविक हैं, वहीं जर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

### अनुसूची

मिलकत जो काछीयावाडी आर० एख० नं० 2 (पी) नवसारी में अगस्त 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, शहमदाबाब

**तारीख: 3-3-198**3

## प्ररूप नाइ. टी. एत. एस.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन सूचना

### भारत सरकार

## कार्यास्य, सहान्क भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रहमदाबाद, दिनांक 3 मार्च 1983

पि० ग्रार० नं० 2111-एक्यु०-23/II/82-83—ग्रतः मुझे भार० ग्रार० गाह,

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी सी० एस० नं० 4384, ढिका नं० 93 है। तथा जो नवसारी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूचि में ग्रीर पूर्ण र रूप से विणित है), रिजिट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन श्रगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अभिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्निलिचित उच्चेक्य से उक्त अंतरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण से हुई किसी जान की बानत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बाँड/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिल्थित व्यक्तियों, स्थीत् मे—

- (1) 1. मोहन भाई जीवानजी पटेल,
  - 2. रेमेश भाई जीवानजी पटेल,
  - 3 श्री ईश्वर भाई जीवानजी पटेल, जनके कुल मुक्तयार ग्रमबाबेन जीवानजी पटेल, काठीयावाडी, तः नवसारी। (ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रकाश कल्लयाण भाई साँमपी, श्री प्राणव को भो० हौ० सोसायटी का श्रध्यक्ष, कादमपरी सेन्टर, स्टेशन रोड़, नवसारी। (अन्तरिती)

को सह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में स्समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरण: ----इसमें प्रयुक्त वाक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## ननुसुची

मिलिक्यत जो सी० एस० नं० 4384 (पी०) ढिका नं० 73 नवसारी, धगस्त, 1982 में रिजस्ट्री की गयी है।

> म्रार० मार० माह सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेज  $\Pi_{r}$  महमदाबाद

तरीख: 3-3-1983

मोहर ः

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्ीक्षण) कर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

श्रहमदाबाव, दिनांक 3 मार्च 1983

पौ० मार० नं० 2112/एक्वी०-23/H/82-83—यतः मुझे मार० मार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं विशेष नं 1238, बाई नं 3, हैं तथा जो गोलवाड सूरत में स्थित है (भौर इससे उपायश्च अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता धिषकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त, 1982

को पूर्वोक्स संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुफे यह निकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----19—46 GI/83

- (1) 1. श्री मोहनलाल नरभेराम खुद श्रौर मेनेजर, संयुक्त हिन्दु कुटुंबा का रक्षकर्ता, इन्द्रपुरा, खन्नीवाड, सूरत ।
  - 2. श्रशवीन मोहनलाल खुद श्रौर श्रव्यस्क बच्चा सनदीप का रक्षकर्ता, इन्द्रप्रा, खतीवाड, सूरत ।

(भन्तरक)

(2) श्री भगवानवास हरकीणनदास जरीवाला, नवापुरा, बातनीपीठ, सूरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लगरील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>क</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बर सची

मिलकत जो नोंध नं० 1238, इन्द्रपुरा, गोलवाड, सूरत; ग्रागस्त, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

म्रार० म्रार० माह, सक्ष म प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जैन रेंज-II, श्रहमदाबाद ।

तारीख: 3-3-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

क्षायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 3 मार्च 1983

पी० श्रार० नं० 2113/ए<sup>4</sup>वी०-23/॥/82-83—श्रतः मुझे श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 21, नवसरजन एपार्टमेन्ट है तथा जो बी०-70.4, वार्ड नं० 2, सूरत में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रमुस्ची में भीर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता भ्रमिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण भ्रमिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रमीन भ्रगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथोंपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पेक्स प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है रे—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बीर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री विनेशकुमार के विक्षित, नवसरजन एपार्टमेन्ट बिलर्डिंग नं० 4, फ्लेट नं० 21, साग्रामपुरा, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री सनमुखलाल रनछोडदास,
श्री किशोर सनमुखलाल, सहता,
सिम्पल एपार्टमेन्ट,
सी-2-10, प्रभात कोलोनी, टी०पी० एस०-5
रोड न० 2, शान्ता कूज, पश्चिम धम्बई-400055।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यचाहियां करता हूं।

उक्त सम्प्रत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्यूध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

ं मिलकत्त जो फ्लेट नं० 21 नवंसरजन एपारटमेन्ट बिलंडिंग नं० 4, साग्रमपुरा, भगस्त , 1982 में रिजस्ट्री की गयी है।

> श्रार० श्रार० शाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, महमदाबाद ।

तारीख: 3-3-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्णन रेंज-II, श्रहमधाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 मार्च 1983 पी० ग्रार० नं० 2114/एक्वी०-23/II/ 82-83—अतः मुझे ग्रार० ग्रार० ग्राह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं जाद नं के 2410, याड नं जा है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबज्ज श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है); रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या नकर अधिनियम, या नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीरा, निम्नतिचित कहिन्तों, अर्थात्ः—

- (1) श्री हारमासीखान शेराली श्रागा फैसाली सैयव श्रांगा हसन सैयद गुलाम हसन की पुत्री, गौरंग, सैयद हसन सैयद गुलाम हसैन की विधवा, मोहम्मद सलीम श्रव्वास सैयद हसन, माहंप्रवीन उमे अञ्बासीवेगम, सैयद हसन की पुत्री, वरीयाली, बेजार, काली वाड सूरत। (श्रन्तरक)
- (2) श्री अबदुल सैयद अबदुल गफार कणुगा, कुलमुखत्यार:-
  - ग्रव्यस्क बच्चा फखरूदीन गफार कणुगा ।
  - 2. भ्रव्यस्क बच्चा ६ खसानाबान् गफार कणुगा।
  - श्रव्यस्क बच्चा मोहम्भद राफीक गफार कणुगा ।
  - 4. ध्रव्यस्क बच्चा मोहमद सलीम गफार कणुगा ।
  - भ्रव्यस्क बच्चा मोहम्मद साजीद गफार कणुगा।
     बारीयाली बचार, कोलीवार्ड। सूरत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उसअध्याय में दिया गया है।

# जन्सूची

मिलकृत जो नींधनं० 2310, वार्ड नं० 11, सूरत अगस्त , 1982 में रिजिस्ट्री की गयी है।

> श्रार० श्रार० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-II, प्रक्षमदाबाद ।

तारीख: 3-3-1983 मोहर क्ष

# प्रकृ वाद् . दी ्थन् . एस् , नवननननननननन

मायकर म्पितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत वरकात

कार्यान्य, सञ्चयक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज-II, महमवाबाद

हुम्रमदाबाद, दिनांक 3 मार्च 1983

पी० बार० नं० 2115/एक्वी-23/II/82-83—ब्रतः मुझे ब्रार० ब्रार० शाह,

शासकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी सं० नोद नं० 1149 वार्ड, नं० 5 हान पुलीया है। तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाधक अनुसूची में धीर धीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन श्रगस्त, 1982

को प्यामित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृन्य उसके ध्यमान प्रतिफल के एसे ध्रमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) बौर जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बासाबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्त्रस्य से शुर्ध किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भग या कृत्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया मया था या किया वाजा वाहिए था, जियाने में स्विभा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के मधीन, निम्निवित्त स्वित्तां, नुषात् ुें च (1) श्रीमती जयाबेन, दयाभाई लल्लु भाई की पुत्री, (2) तनमनबेन, दयाभाई लल्लु भाई की पुत्री हरीपुरा, हाट फलीया, सूरत ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कानतीलाल उकाजी शाह, हरीपुरा, हास फलिया, सूरत।

मन्तरिती)

स्त्रे यह सूचना चारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के कर्वन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं व से 45 दिन की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिंध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना को राजपत्र में पकाशन की सारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जींभीनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में विवा स्था ही।

# **अनुसूची**

मिलकत जो नोद नं० 1149, हान पुलीया, वार्ड नं० 5, सूरत भगस्त, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> म्नार० मार० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) म्रर्जन रेंज-II, महमवाबाद।

तारीख: 3-3-1983 I

प्रकृप कार्षः दी , युन् , एस , ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक भायकर भायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 3 मार्च 1983

नायकर जिभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परिकों, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रंग से जिभिक हैं

श्रौर जिसकी सं० नोद नं० 1449- थार्ड, नं० 1 है, तथा जो सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन भ्रगस्त, 1982 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजौर मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह श्रीतखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण ये हुई किसी आय की वायत जन्छ अभिनियम औं अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिल में कभी करने या उससे वचने वें सुनिभा के सिए; जरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसिताँ को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री मनसुखलाल छगनजाल सुखारामवाला, सोनी फलीया, दीवानजी खानछो गोपीपुरा, सूरत। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री राजेश भीखा भाई ठाकर, वादा चौता, नागर सेठ पोल, सूरत।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त स्म्मृत्ति के अर्थन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- व्याप्त किसी मन्य स्थित व्याप्त, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्त्रवी

मिलकत जो रूशीकेश को ग्रो० हों० सोसायटी, छटी मंजिल में, एपार्टमेस्ट नं० 2, बार्ड नं० 1, सूरत ग्रगस्त, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> श्रार० ग्रार० ग्राह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ता**रीख**: 3-3-1983 ।

मस्य वाद<sup>\*</sup>. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, अहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 3 मार्च 1983

निवेश सं० पि० म्रार० नं० 2117/एक्बी०-23/II/82-83—-म्रतः मुझे, म्रार० म्रार० माह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को., यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० नं० 1722, वि० पि० एस० 4 है तथा जो नवागाम में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1982

को पूर्वोंकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं. और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपरित का उचित् बाजार मूल्य, उसके दश्मान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिवात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निन्ति चित उद्योग्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त अधि-निवस के अधीन कर येने के जन्तरक के बाबित्व में कभी करने या उससे बचने में त्रिका के लिए; और/या
- (स) एोसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उचत अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) श्री कान्सीलाल चातुर भाई। बरोदा पीपुलस को० ग्रा० हो० सोसायटी, बरोदा। (धन्तरक)
- (2) श्रीमती चन्दादेवी रामकुमार, मानिश नगर, श्रन्देरी, बम्बई। (श्रन्तरिती

को यह सूचना जाड़ी करके पूजांकर सम्परित के जुर्जन के जिल्ल कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ए--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षणी हे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणंड—- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या ही।

### अनुसूची

भिलकत जो एस० नं० 1722, वि० पि० एस० 4, नेहरू नगर, भ्रागस्त, 1982 में सूरत सबरजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गयी है।

> श्चारं० श्चार० शाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

सारीख: 3-3-1983

प्रकृष **आह् . टी . ए**स् . एस . -------

आयकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व्य (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमादाबाद; दिनांक 3 मार्च 1983.

सं० आर० पी० नं० 2118 एक्वी-23/II/82-83—अतः मुझे, आर० आर० शाह,

प्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-च के अधीर सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव नंव 20-3-ए 21 — 2-बी (पीव) है तथा जो उम्रा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन आगसत 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) बार अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्त्रण संहुई किसी नाय की बायल, अक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वाजित्य में कभी करने या उससे वचने में सृत्धि के सिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अध्यक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के सिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखिए व्यक्तियों, मर्थात् :---

- 1. (1) श्री सनमुखलाल मनगलदास जारीवाला।
  - (2) श्री परशकुमार सानमुख लाल जारीवाला।
  - (3) श्री दीलीपकुमार सानमुखलाल जारीवाला।
  - (4) श्री भीखु, भाई सानमुखलाल जारीवाला बेगामपुरा, घुघारा शेरी, सुरत।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री माहेश मनहरलाल वखारीवा।
  - (2) श्री राजेन्द्रा मनहरलाल वखारीवा।
  - (3) श्री नीरनजन मनहरलाल वखारीवा।
  - (4) श्री अश्ववीन मनहरसाल वखारीवा नवापुरा, काडवा रोड़, सुरत।

(अन्तरिती)

मा यह सूचना जारी करके पृत्राँक्त सम्मित् के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

# उनत सुम्पृतित् के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी शक्षीप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तानील से 30 दिन की जविध जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्स्ची

मिलकत जो सर्वे नं० 20-3-ए०-21—2-ई (पैकी), उम्प्रा, सुरत सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में ग्रगस्त, 1982 में यथाविधी रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० **गाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अ**हमदाबाद** 

**सारीख: 3-3-1983** 

प्ररूप मार्चे टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) क्री धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबादा, दिनांक 3 मार्च 1983 निर्देश सं० आर० नं० 2119/एक्वी-23/ /82-83----अतः मुझे, आर० आर० शाह,

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त, अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 237 टी० पी० एस०, 5, उम्रा है, तथा जो सुरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी , के कार्यालय सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्विक्त सम्पित्त के उचित धाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके उत्यमान प्रतिफल से, एसे उत्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री कनयालाल भगवान वास पटल, 6-परांग एपार्ट-मेंट्स श्रतवा लैनस, सुरत।

(अन्तरक)

 (1) श्रीमती कमलाबेन ईम्बरलाल,।
 (2) श्रीमती गैरीबन जेकिनदास, मेथिन रोड़, सग्रामपुरा, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्ची

मिलकत जो सी० एस० नं० 237 टी०पी० एस० 5, एफ० पी० 79, सब-प्लाट 38, उम्रा, सुरत अगस्त, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> आर० आर० **गाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदानाद

तारी**ख**ः 3-3-1983

प्रकप आहें. टरे. एन्. एस . -------

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 मार्च 1983

निर्येश सं० पी० आर० नं० 2120 /एक्वी-23/II/82-83—यतः मुझे आर० आर० शाह,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) वित्ते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ,नोट नं 594, बाटर्ड नं 6, है। तथा जो सुरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1982

को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित् वाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान गित्रफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का द्रिह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती जंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्का अन्तरण लिखित में वास्तिविक हम से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त जींभीमवन की जभीन कर दोने की अन्तरक को वायित्व में कनी करने ना उससे वचने में सुविधा को निए; बॉर्/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में स्विभा के लिए;

बतः कव, उकत अधिनियम की धारः 269 ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् हिन्स ---46GI/83

- 1 (1) श्री नीतीनकुमार कनयालालाल।
  - (2) श्री सुधीरकुमार कनयालाल।
  - (3) श्रीमपी हसुमती, कनयालाल बापुलाल की विधवा।
  - (4) श्रीमती फुलगुनीबन कनयालाल।
  - (5) श्रीमती नलीनीबन, कनयालाल गीरीशकुमार की विधवा, वाडा पाडा—क्योच।

(अन्तरक)

- 2. (2) श्री ईशवर सिंह कपसीनह आटोदरिया। (अन्तरिसी)
  - (2) श्री दीलीप भाई ईशवरसिंह लालदरवाजा, मोती शरी मुरत।

(अतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वतरा;
- (ख) इस सूजना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्तं स्थावर संपत्ति में हितबद्ध, किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास, लिखित में किए जा सकोंगे।

ल्पध्दिकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उनते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुवि अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

मिलकत जो नोट नं० 594 , वार्ड नं० 6, सुरत , अगस्त , 1982 में यथाविधी रजिस्ट्री की गयी है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख: 3-3-1983

मोहर 🕃

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के.अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमवाबाद
अहमदाबाद, टिर्नाक 3 मार्च 1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० 249/5 गाबीर गांव हैं। तथा जो सुरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1980 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्मियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री रनछोड़ भाई दुरलभजी पटेल।
  - (2) श्री जेरामभाई दुरलभ जी पटेल
  - (3) श्री क्या भाई दुरलभजी पटेल।
  - (4) श्री वल्लभभाई बालाभाई पटेल।
  - (5) श्रीमती लीला बेन गोविन्दभाई पटेल के द्वारा उनके कुलमुकत्तयार सेवानतीलाल कीरतीलाल परीख, चन्द्रा विहार एपार्ट-मेंट सुरत ।

ं(अन्सरक)

 श्री दोलतराई गेनगाराम पानचाल चम्पा बिहार एपार्टमेंट नानपुरा सुरतः ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थीं उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मिलकत जो एस० नं० 249/5, गवीर , अगस्त, 1982 में सुरत सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गयी हैं।

> आर० आर० गाह, सक्ष′म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II,अहम**य**ाबाद

**तारीख**: 3-3-1983

प्रस्प ग्राई० टी • एन० एस •---

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा <sub>2</sub>69-ज् (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमवाबाव

अमहदाबाद, दिनांक 1 मार्च 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2122/एसवी-23-II/82-83---यतः मुझे आर० आर० शाह, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की प्रारा 269-खं हे अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का लारण है कि स्थावर संग्री, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क० में मधिक है

और जिसकी सं आर एस के 514-ए 515 (पी) है। तथा जो भागवावा, बलसाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वलसादा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्निरा की गई है प्रोर गुन्ने यह निण्या । करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त संगति का उचित बाजाण मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एंसे दृष्यमान प्रतिफन का पन्स प्रतिशत से श्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और धन्तरिक्ष (श्रन्तरित्यों) के बीच ऐस श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिखित उद्देश्य स उक्त प्रन्तरण निखान में श्रम्नीयक क्ष से किंबत नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनयम के बधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या प्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधनियम, या धन-कर ग्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा अकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में, सुविधा के लिए;

. बत: अथ उसत मधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में में, उसत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) से अधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, स्थात :---  श्री गभुरभाई उसमान भाई पंियरख, रांभ्रानली पोर बारगा, नाना पारसीवाई, बलसाड ।

(अन्तरक)

2. श्री धनसुख रतीलाल गीयाला रचना बांनक बेरोझ को-ओ-हौ-सोसायटी वलसाड का प्रमुह ।

(अन्तरिती)

को प्रश्वनता नारा करके प्रॉक्त जमानि के **मर्जन के लिए** कार्यनाहियां करता हूं।

उना सम्पाल क अर्जन के सम्बन्त में कोई मो आक्षेप:--

- (क) इन सूचना के राज्यत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की पंत्रिया नस्थम्बन्धी आदिनामं पर अक्षे पूचना को नामील से 30 दिन की अविधि, जो भा प्रविधि तार में पंत्रापन होती हो, के भीतर पूर्वीस्त व्यक्तियों में न किया व्यक्ति द्वारा.
- (अ) इस भूवना क राजरत्र में प्रकाणन का नारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्वावर सम्पत्ति में हिनबद किसी प्रकार व्यक्ति द्वारा, व्यक्तेहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकेंगे:

स्थर-डीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रविनियम के शब्यार 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रॉर्ट होगा, जो उस अध्यय में दिया गया है :

### अनुसूची

मिलकत जो आर. एस. नं. 594-ए-575 (पी) भागावादा आगसढ, 1982 में वलसाड सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में रिजस्ट्री की गयी है।

आर. आर. घाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-। १, अहमदाबाद

तारीख : 1-3-1983

म्रूक्प् आइ. टी. एन्. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 1 मार्च 1983

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 2123/एक्यी-23 II/ 82-83—-यतः मुझे श्रार० श्रार० शाह

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भ्रार० एस० नं० 574-ए 575 (पी) तथा ज भागवाद वलसाड में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्-सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वलसाड में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख भ्रगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं कया मया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर विभिन्न के न्थीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उन्तर वचने में सुविधा के लिए; वौर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर त्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27), के प्रमोजनार्थ मन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, जन्म अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मों, मों, जन्त अधिनियम की धारा 269-घ की जपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—  श्री गभुर उसमान घेनिख, रोशनली पीर दारगा के पास नाना पारसीवार्ड, वलसाड ।

(ग्रन्तरक)

 श्री उदय जन्नवत मारजादी सपना को ओ० ही सोसायटी का प्रमुह, महात्मा गांधी मार्ग, वलसाड्यां। (श्रम्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वों कर सम्मृतित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्पृत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्?--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वाग्र अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मिलकत जो भ्रार० एस० नं० 574-ए० नं० 575 (पी) भागवादा, श्रगस्त, 1982 में वलसाड सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गयी है।

> भार० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन र्रेज II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 1-3-1983

मोहर 😘

# प्ररूप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर **प्रविक्यित, 1961 (1961** क: 43) की भारा 26 क्य (1) के अवीत सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक बायकर बायूक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 1 मार्च 1983

निदश सं० पी० श्रार० नं० 2124 (एक्वी-23-1)/82-83—यतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह शायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्स अधिनियम' नदा गया है), की धारा 269-क के श्रधीन सर्कम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- व्यये से बिधिन है

और जिसकी सं आर एस नं 574-ए+575 (पी) है तथा जो भागावाधा, वलसाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, वलसाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1960 (1960 का 16) के अधीन, सारीख अगस्त 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिस्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रश्र प्रतिशत से प्रक्रिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरभ के लिए क्ष्य पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) धन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त धार्मियम के प्रश्नीम कर देने के प्रन्तरक के दायस्थ में धर्मी करने या उससे बजने में सुविधा के सिए धोर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय था किसी घन या प्रस्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर प्रश्निनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रश्निनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, श्रियाने में सुविधा के निए;

भतः अब, बक्त अजिनियम की घारा 169-ग के अनुसरण में, मैं, चक्त सर्जिनियम की धारा 269-म की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अमित्।—~  श्री गभुर उसमानजी वेलेरवा रोशनली पीर दरगाह, नानां पारसीवार्ड।

(अन्तरक)

 श्री श्रासीकान्त एत ग्रामबाणी वीद्यानगर्ुमो साईटी को० प्रमुह तीतभ रोड़ वलसाड ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवित्र या तक्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवित्र जो भी भवित्र वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीचा से 45 विन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इंसमें प्रयुक्त गर्न्दां और उदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाचित हैं, बही धर्च होगा जो उस अध्याक में विद्या गया ।

# श्रनुसूची

मिलकत जो भार० एस० न० 574- ए-+575 (पी०) भगवाद, श्रगस्त, 1982 में बलसाद सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में रिजस्ट्री की गयी है।

> म्रार० मार० शाह सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक म्रायकर म्रायुक्त) मर्जन रेंज-II, भ्रहमदाबाद

तारीखाः 1-3-1983

Ç.

मोहर ः

प्ररूप आहाँ .टी.एन.एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 10 मार्च 1983

निर्देश सं० पी० भ्रार० नं० 2125 /एक्बी-23/II/82-83—यतः मुझे, भ्रार० श्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्रार० एस० नं० 581, भागदाबादा है, तथा जो वलपाड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय बलसाड में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रगस्त 1983

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्वों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्रीमती सोमीबेन बावा भाई प्रहीर।
  - (2) श्री भीखा भाई बाबा भाई ग्रहीर।
  - (3) चमपाबेन बाबा भाई महीर
  - (4) सक्षिताबेन बाबाभाई ग्रहीर
  - (5) श्रीमती लेकक्षमीबेन बावा भाई प्रहीर।
  - (6) श्री छीनुभाई बाबा भाई ग्रहीर भागावादो, वलसाड

(भ्रन्तरक)

 श्री नाथजी को० ओ० सोसायटी, गोपा तालाब के पास तिलक रोड वलसाड।

(बन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्यक्तियों।
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अस्य ची

मिलकत जो एस० नं० 581, भागादवाद वलसाइ सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में श्रगस्त, 1982 में रिजस्ट्री की गयी है।

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

्ता**रीख**: 10-3-1983

प्रकृष आर्च. टी. एन. एस.------

**गांगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269-घ (1) के अर्थाल सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 10 मार्च 1983

निर्वेश सं० पी० श्रार० नं० 2126 /एक्यी-23/U 82-83—यतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह

गायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 200 तीत्तल है : तथा जो वलसाड में स्थित है (और इससे उपवड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वलसाड में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के स्थीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-च के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् ;--- 1 (1) श्री मणेक भाई श्रतमाराम वाशवाणी—खुद और संयुक्त हिन्दू बुडुंबा का कर्ता, श्री रेमेण भाई श्रतमाराम वशवाणी. श्रीमनी हमुमती हिमतनाल शाह। श्रीमतो वमीताबेंन मनसखलाल शाह टेली-फोन एक्सचेनज के सामने बलसाड। श्री सतीश ईशवरलाल कापडीया, खुद और नानी महतावार्ड संगुक्त हिन्दू कुडुंबा का कर्ता, बलसाड।

(ग्रन्तरक)

2 श्री प्रभुदास गुमनमल गेनगनानी, खुद और हिन्दु संयुक्त कुंडुंबा का कतो, षीआबेन प्रभुदास गनागाण। नादक्मार प्रभुदास गनगानाणी बिल्लीमोरा

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

े उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेष्टस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्मर्व्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्वो का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिशा

# अनुसूची

मिलकत जो एस० नं० 200, तीत्तल, वअसार्ड श्वगस्त, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> म्रार० ग्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाद

नारीख: 10-3-1983

प्ररूप भार , टी., एत. एस. -----

श्रायकर प्रक्षिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आथकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II, भ्रहमदाबाद भ्रहमदाबाद, दिनांक 10 मार्च 1983

निर्वेश सं० पी० ग्रार० नं० 2127/एक्वी-23/II/82-83—यतः, मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० नं० 200, तीलल, है तथा जो वलसाड़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, वलसाड़ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रगस्त 1982

को पूर्वांवत सम्पत्ति के विवित बाजार मृह्य से कम के वृश्यमान प्रतिपन्न के लिए अन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके वृश्यमान प्रतिपन्न से, ऐसे वृश्यमान प्रतिपन्न का उन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है घौर प्रस्तरक (अन्तरकों) घौर अन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच वस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपन्न, निम्नविधित से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपन्न, निम्नविधित से अन्तरण है :---

- (क) जन्तरण से हुए किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबिश्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (स) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अवः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री मानक भाई भातमाराम वासवाणी खुद और हिन्द संयुक्त कुटुम्ब का कर्ता श्री रेमेशभाई श्रात्माराम वासवाणी, श्रीमती हसुमती बेन हिमतलाल शाह, श्रीमती वनीताबेन मनसुखलाल शाह, टेलीफोन एक्सचेन्ज के सामने, बलसाइ, श्री सतीश ईशवरलाल कापडीया, खुद और संयुक्त हिन्दु कुटुंबा का कर्ता, नानी मेहता वार्ड, बलसाड ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रेवाबेन चगनलाल पटेल खाली वार्ड के पीछे बलसाड ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्मति हे अर्थन ह सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की संबंधि यो तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की व्यक्ति, जो भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से सिसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तमासि में हितवब किसी प्रना कावित द्वारा, प्रजोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर वर्षों का, जो उक्त भूषि-नियम के ग्रध्याय 20-क में विराशित है, वहीं भूयें होगा, जो उस मध्याय में वियासमा है।

### मनुसूची

मिलकत जो एस० नं० 200, तीत्तल, बलसाड, ग्रगस्त, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

श्रार० ग्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

तारीख: 10-3-1983

प्ररूप आई. टी. एन्. एस :------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज $^{-II}$ , अहमदाबाद अष्टमदाबाद, दिनाफ 10 मार्च 1983

निर्देश सं पी० आर० नं 2128/एक्वी०-23/II/82-83-अत: मुझे, आर आर० शाह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का अगरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 200, तीनल है तथा जो वलसाज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वलसाड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्ति उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिश्तित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री मनेखभाई आतमाराम वासवाणी खुद और संयुक्त हिन्दू कुटुम्ब का कर्ता, श्री रेमेशभाई अंतराम वासवाणी, श्रीमती हसुमतीबेन हिमत लाल शाह, श्रीमती वनीताबैन मनसुखलाल शाह, टलीफोन एक्सवेंज के सामने, वलसाड, श्री सतीश ईश्वरलाल कापजिया खुव और जानी महताबाई संयुक्त कुटुम्ब का कर्ता, वलसाड।

(अन्तरक)

(2) श्री मनहरलाल ईश्वरलाल पासटागीया, नवीचन्द्रा ईश्वरलाल पासटागीया, अशोकुमार ईश्वरलाल पासटागीया, सुरेन्द्रा ईश्वरलाल पासटानीया, दशरनकुमार ईश्वरलाल पासटागी था, आजाद चौक, वलसाड्डा

(अन्सिरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

# बन्द सुभ्यत्ति में वर्षन् के बस्तन्य में खोदी भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्यव्यक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

# अनुसूची

मिलकत जो एस० नं० 200, नीयल, आगस्त, 1982 में बलसाड सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में रिजस्ट्री की गई है।

> आर० आर० **शाह** सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आय्वत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

नारीख: 10-3-1983

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

जायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 10 मार्च 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2129/एक्यी-213/II/ 82-83—अतः मुझे, आर० आर० शाह अयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिस्की स्रं नं 11/1-ए, वेजलपुर है सथा जो बीध में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीध में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1982

को पूर्वोक्ष्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि अभाग्योंक्त संगरित का उचित बाजार मून्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तब बाबा गया प्रतिफल निम्नलिक्षित उद्देश्य से उन्तर जन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथात महीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीत कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती बाई साकीना, हाजी मुसा मोहम्मदकी (अन्तरक)
- (2) अमीनाबेन मुसा मोहम्मद,
- (3) जमीलाबन मुसा मोहम्मद,
- (4) अबदुल हाक मुसा मोहम्मद,
- (5) मोहम्मद कासीम मुखा मोहम्मद
- (6) अबदुल पाकसाल मुसा मोहम्मद बेंजलपुर, सिविल लाइन्स, कीच।

(अन्सरक)

(2) श्री दाऊद मोहम्मद पटेल, कमबोली, तहसील क्रोच।

(अन्सरिती)

ंको यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्जन के लिए कार्यगाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्वींकरा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ्(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरो।

स्वस्थिक रण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# मन्त्ची

मिलकत जो एस० नं 11/1-ए, बेंजलपुर अगस्त, 1982 में, ब्रोच सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में रिजस्ट्री की गई है।

> आर० आर० णाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारी**ख**ः 10-3-1983

प्ररूप भाई . टी . एन . एस . ------

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यान्य, सहायक आयक्तर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

े अहमदाबाद, दिनांक 14 मार्च, 1983

निर्वेश सं० पी० आर० नं० 2130/एक्वी-23/II/ 82-83—अतः मुझे, आर० आर० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं नोद नें 3374, वार्ड ने 1, है तथा जो गोपीपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषत नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिषत नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में कास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से शुद्ध किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्लूने में सूविधा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्वक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री कीरतीलाल पोपटलाक्ष शाह, दूसरा मंजिला, जौनय एपार्टमेंट दीवाली भाग, सूरत।

(अन्तरक)

- (2) 1. लक्षमी बेन उर्फ शान्तिबेन कीका भाई 2. मंजुलाबन वसतलाल,
- (3) चमपाबेन बाब्भाई, बादेखान चखला, दीनगली फलिया, सुरत ।

(अन्तरिती)

- (4) बलवंतिंसह कम ल सिंह जोगिया,
  - (2) हरशदराय कमलसिंह जोगीया,
  - (3) यशवन्त कमलसिंह जोगीया, नोद नं ० 3374, काजी मदान, गोपीपुरा, सूरत । (यह व्यक्ति, जिसके बारे में अघो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबढ़ हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सच्यत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से '30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किये था सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, भो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुजा हैं।

## अनसची

मिलकत जो नोद नं० 3374, वार्ड नं० 1, कार्जि मदान, गोपीपुरा, पहले से "विशाल बिल्डिंग" नाम से जानते थे, अगस्त, 1982 में सूरत सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में रिजस्ट्री की गयी है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-,II अहमदाबाद।

सारीख: 14-3-1983

प्ररूप आर्ड. टी. एन्. एस. ----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 14 मार्च 1983

निदेश सं पी० आर० नं • 2131/एक्बी-23/II/ 82-83—अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रतिधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० प्लाट-वी (पी) 129-ए और बी है तथा जो उधना उद्योनगर, उधना, सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1982 को पूर्वोंकत सम्पित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने

का कारण है कि यथापुन्नों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

गतः अब उक्त अधिनियम की धार 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) शिवदासभाई कानजीभाई पटेल,17/ए० राम निवास माटुंगा, बम्बई-400019।

(अन्तरक)

- (1) 1. श्री रामभाई हेमराज रत्तनानी,
  - 2. श्री चीतरंजन सोमा भाई पटेल,
  - श्री गोलाभाई पी० पटेल, कृष्णकुन्ज सोसाइटी, सूरत।
  - श्री मनोहर गोपालकृष्ण द्रीकानन्द, प्रकाण सोसाइटी, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

# वमुसूची

मिलकत जो ज़्लाट **बी** (पी) 129-ए और बी, **ए**प्रना उद्यक्तोगनगर सहकारी संग्रह, अगस्त, 1982 में रिजस्ट्री की गई है।

> आर० आर० माह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, अद्वमदाबाद

तारीख: 14-3-1983

मोहर 👙

प्ररूप माइं. टी. एन. एस.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन तुचना

### भाइत बहुकाह

# कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 14 मार्च 1983
निदेश सं० पीं० आरं नं० 2132/एक्बी०/23- /
82-83—अतः मुझे, आरं आरं गाह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नोद नं० 1225 बी० है तथा जो नानपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1982

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उर्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्र कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्त्रपन् से हुई कियी जान की नावत उत्तत अधि-विनव के बणीन कह दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने मा उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अच्य आस्तियों को, प्रेजन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिभा के लिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिंखत व्यक्तियों, अधीन:—

(1) डा॰ जाल फरेदुन लाफा खुद और नजीर फरदन लाफा का कुलमुक्त्सला, मणकजी, हैस्ट्रीट, नानपुरा, सरस।

(अन्तरक)

- (2) (1) श्रीमती ईकाबेन नगीनभाई ईसवाल, गीता एपार्ट-मेन्ट, सातवी मंजिल, ब्लाक नं० 7-बी, पालिया मोहल्ला, नानपुरा, सूरत।
- (2) हेमलेताबेन प्रकाशभाई ईतनवाला, सचीन धर के पीछे, नवसारी बाजार, संग्रामपुरा, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्थन के लिए कार्य-वाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपश्च में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# थनुसूची

मिलकत जो नोद नं० 1225-बी, मणुक्र<mark>जी</mark> स्ट्रीट, नानपुरा, अगस्त, 1982 में सूरत सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गयी है।

> आर० आर० शाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 14-3-1983

भोहर:

प्ररूप्. आर्ड्: दी. एन. एस. -----

काय्कर ब्रिधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

### भारत् सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I<sup>I</sup> अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 14 मार्च 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2133एक्वी/23/II/82-83—अत; मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकीं सं० नोंद नं० 1733, सोणी फलीया है तथा जो वार्ड नं० 16, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की जानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्ट्या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब्, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) की अधीन, निम्नलिकित व्यक्तिस्तां, अर्थात् ः --

- (1) 1. नानवागौरी अम्बालाल श्रिवेदी,
  - (2) श्रीमती हेमलता हसमुखलाल पटेल,
  - (3) मीनोक्षीबेन अम्बालाल विवेदी, उर्फ मीनाक्षीबेन, सुधीरकुमार ओक्षा. सोनी फलीया, सूरत।

(अन्तरंक)

(2) एनी बेसन्ट एपार्टमेंन्ट्स को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी का अध्यक्ष श्री तुषार रमेशचन्द्रा देशाई, 4-नवचेतन एपार्टमेंन्ट, पोर मोहल्ला, नान-पुरा, सूरत।

(अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नम्स्ची

मिलकत जो नींद नं० 1737, वार्ड नं० 10, एनी बीसेन्ट एपार्टमेंन्ट को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, अगस्त, 1982 में सुरत सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में रिजस्ट्री की गयी है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 14-3-1983

# **इक्रम् आर्<u>ड.</u> टी<sub>ल</sub> पुत्र<sub>ा</sub> पुत्र<sub>ा</sub> राज्याना**

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर म्रामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 मार्च 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2134/एक्वी-23/II/
82-83—अतः मुझे, आर० आर० शाह
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-स के जभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य
25,000 हुए. से अधिक है

और जिसकी सं ेटी जिंगे एस वं 3, एक पी 515 है तथा जो आनन्द में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनन्द में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-8-1982

को प्वेंक्रित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निजियित उद्वंद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक कृप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) क्लाइम के हुई किसी नाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सुविधा के लिए; और/का
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अवस-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

- (1) श्री अमबालाल पणभाई पटेल, आनन्द (अन्तरक)
- (2) श्री उमेदभाई हरनभाई पटेल, गांव सलुण, तहसील नडीयाड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्थन के तिए कार्यगाहियां करता हूं।

जनत कम्परित के बर्चन के तस्वत्थ में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस त्यना के राष्प्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्वक्तियों वर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाविष हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया हैं।

### अनुसूची

जमीन जिसका माप 827 कौरस मीटर, जो टी० पी० एस० 3,3एफ० पी० नं० 515, बदली का प्रमाणपत्न जिसका नं० 3110 पर तारीख 5-8-1982 में सब रिजस्ट्रार, आनन्द के कार्यालय में रिजस्ट्री की गई है।

> आंर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर जायूक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 3-3-1983

प्रक्ष जाह .टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, कार्यालय अहमदाबाद अहमदाबाद, विनांक 3 मार्च 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2135/एक्वी-23/II/ 82-83--अतः मुझे आर० आर० शाह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रा. से अधिक है और जिस्की सं० 532/73बी, प्लाट नं० 72/1 है तथा जो बरोडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरोडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-8-1982 को को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गुई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे क्यूने में सुविधा के सिए; जौर/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिश्चित व्यक्तियों, अधीन :---

- (1) श्री कृष्णकान्त जयन्तीलाल पटेल, स्वस्तिक लात्रा कारपोरेशन का भागीदार, वाडी, हमेली पोल, बरोडा।
- (2) जलोतीबन मनहरलाल पटल, कुलमुकडयार हरेग्द्रा शान्तीलाल पटल, वाडी, चलीपोल, बरोडा। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती बीनावन भूपेन्द्रा पनचाल, स्वस्तिक एपार्टक मेन्ट, विश्वास कालोणी, अलकापुरी, बरोधा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (▼) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याम 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया शया है।

### अनुसूची

प्लाट जो अलकापुर एस० नं० 532/73-बी, प्लाट नं० 72/1 जिसका माप 1022 चौरस वार बवली का प्रमाणपा नं० 2574 में तारीख 17-8-1982 में सब रिजस्ट्रार बरोज के कार्यालय में रिजस्ट्री की गयी है।

आर० आर० ग्राह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-<sup>I</sup>I, अहमदाबाद

तारीख : 3-3**-1**983

मोह्रर 🗓

प्ररूप आर्धः टी.एन.एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 3 मार्च, 1983

निवेश सं पी० आर० नं 0 2136/एक्वी 0-23/11/

82-83—अतः, मुझे आर० आर० गाह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 122/2 है सथा जो जेनलपुर (बरोडा) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरोडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-8-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाज निम्निसित उद्वोदय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

खतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 22--46GI/83

(1) श्रीमती कलावतीबेन गीरीशभाई पटेल, 19, सम्पतराव कोलोणी, बेरोडा-5।

(अन्तरक)

(2) श्री मनहरभाई एस० बारोट के द्वारा अवन्ती बिरुडर्स, ए-14, लघु उद्योग केन्द्र, I बी, पटेल रोड, गोरेगांव, बम्बई-63।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

### बनसंची

जमीन और मकान जो जेतलपुर (बेरोडा) एस० नं० 122/2, बदली का प्रमाण-पन्न सब-रजिस्ट्रार, बेरोड़ा के कार्यालय में नं० 2840 पर तारीख 13-8-1982 में रजिस्ट्री की गयी हैं।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्€ा; अहमदाबाव

तारीख: 3-3-1983

मोहरु 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

# धायकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के घंधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 मार्च 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2137/एक्वी-23/II/ 82-83--अत:, मुझे, आर० आर० शाह, म्रायकर अधिनियम 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ब्रिधिनियम' ऋहा गया है)। की धारा 269-ख के ब्रिधीन सक्षम प्राधिकारीको, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25.000/- इ॰ से अधिक है और जिसकी सं० नं० 36/2 प्लाट नं० 26, है तथा जो द्मकोटा (बेरोडा) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेरोडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन 17-8-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य सेकम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण निधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं क्यिंग गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वाचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रश्चिनियम, या धन-कर प्रश्चिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भूतिधा के लिए।

अतः अव, उकत अभिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण मों, मों उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् (1) श्री इन्दुकुमार दादुभाई पटेल, (2) श्रीमती प्रभुलाबेन ईन्दुकुमार पटेल, के द्वारा श्री नवनीत लाल आम्बा लाल पटेल, इन्दिरा नगर, अरुणोदय सोसायटी के सामने, बेरोडा।

(अन्तरक)

(1) श्री प्रवीणभाई मणीलाल सोलंकी, (2) श्रीमती जयाबेन मणीलाल सोलंकी, भेषदूत सोसाइटी, कारेलीबाग, बरोडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सवंभी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिम को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्ति रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन जिसका माप 428 चौरस मीटर, अकोटा, एस० नं० 36/2 प्लाट नं० 26, बदली का प्रमाण-पन्न नं० 5003, तारीख 17-8-1982 में सब-रजिस्ट्रार, बरोडा के कार्यालय में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाब

नारी**ख: 3-3-1**983

प्ररूप बाई. टी. एव. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाव

अहमदाबाद, दिनांक 3 मार्च, 1983

- निवेश सं पी० आर० नं 2138/एक्सी-23/II/ 82-83--अतः, मुझे, आर० आर० शाह,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 638 है तथा जो नडीयाड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित्त है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नडीयाड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24/25-8-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त कृत्तरण लिखित में वास्तिवक क्यू से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सीमिन्स के सभीन कर देने के ज़लुरक के बायित्व में कमी करने वा उससे सचने में सृविधा के लिए; और/शा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया बा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः सव, उक्त मधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप्भारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—--

- (1) श्री पीताम्बरदास जगजीवनधास, दलवाडी, बुझाल बाजार, काडीयावाड, नडीयाड।
  - (अन्तरक)
- (2) अश्रवीनभाई छोटाभाई पटेल, कोसड सटोरेज एण्ड आईस का भागीबार, चकलाशी, स० नडीयाड।

(अन्त*िरती*)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्ष 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्थळीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, को स्वर्क्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

जमीन जो नडीयाड एस० नं० 638 जिसका माप 9106 जीरस मीटर बदली का प्रमाण-पद नं० 7107 और 7113 पर तारीख 24,25/8/1982 में सब-रजिस्ट्रार नडीयाड के कार्यालय में यथाविधि रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : ⁻3-3-1983

# प्रकप माई० टी• एम• एस•---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमवाबाव
अहमदाबाद, दिनांक 3 मार्च 1983
निदेश नं० पी० आर० नं० 3139/एकवी-23/II/
82-83---यत:, मुझे, आर० आर० शाह,

धायकर बिधिनयमः 1981 (1981 का 43) (धिसे इसमें इसके परचात् 'छक्त अधिनियम' कहा चया है); की धारा 28% के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का चारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका छिन्त बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिसकी सं० 2798 है तथा जो नडीयाड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नडीयाड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-8-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धग्तरित की वर्ष है धौर मुझे यह विश्वास करने का का रण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित प्रदेश्य के उच्त अन्तरण लिखित में बाह्तविक उप से कियत नहीं किया गया है । ---

- (क) अन्तरण से हुई नियी जाय की बाबत, छक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर घषिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घषिनियम, या धन-कर घषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती शारा घक्तट नहीं किया यथा वा या किया जाना चाहिए वा, छिपान में सुविधा के बिए;

अतः अवः, उनतं अधिनियमं की धारा 26% में अनुसरण में, में, उनतं अधिनियमं की धारा 26% मंगे उपधारा (1) के अधीन. तिस्तिविधितं अपनितयों असीत् :-- (1) श्री भूपेन्द्रा भाई भीखाभाई पटेल, सायमदी चकला, नडीया।

(अन्तरक)

(2) श्री वसन्तकुमार काशीभाई पटेल, अध्यक्ष, विख्य ण्योत को० आ० हा० सोसाइटी लिमिटेड, नडीयाड।

(बन्तरिती)

की यह सूचना जारी नरके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

**एक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--**

- (क) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीख से 45 विन की अवधि या तत्सक्वकी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवित, जो भी धविध बाद में समाप्त हीती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर श्रम्पत्ति में दितवब किसी प्रम्य अमिकत दारा, प्रश्लोहस्टाझरी के पास श्लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरणश्र--इसम प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क परिभाषित है,वही धर्व होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मभूस्ची

जमीन जो नडीयाड एस० नं० 2798 जिसका माप ए 2, जी-29 बदली का प्रमाण पन्न सब रजिस्ट्रार, नडीयाड के कार्यालय में नं० 6395, 6396, और 6396 पर तारीख 7-8-1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-🍱, अहमदाबाद

तारीखा: 3-3-1983

मोहर ः

प्रैक्य भाइरं. टी. एन्., एस.----

आयकर अभिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की 269-म(1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 मार्च, 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2140/एक्वी-23/II/ 82-83—-यतः, मुझे, आर० आर० णाह;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० नं० 238 है तथा जो कड़ी में स्थित है (और इससे उपाबद जैनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कड़ी में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-8-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने वा उसके क्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन- कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा शकट महीं किया ग्या था किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री बापूभाई देवराज वाग्री,
  - (2) दलसुखभाई देवराज भवाग्री,
  - (3) श्री शान्तुभाई देवराज वाग्री
  - (4) रेनछोड़लाल देवराज बाग्री
  - (5) बाबाभाई वेवराज वाग्री
  - (6) श्रीमती जाडीबेन बेळरभाई घाघरी, वागरीवास, कडी, तहसील कडी।

(अन्तरक)

(2) अमीकुंज को० आ० हो० सोसाइटी (प्रस्तावित) के द्वारा श्री बाबूलाल अम्बालाल पटेल, कुण्डाल, तहसील कडी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के शम्बन्ध में कोई भी जाओप:--

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताशील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त इक्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया भवा हैं।

### मनुसुची

जमीन जो कडी एस० नं० 238 जिसका माप 10625 चौरस भीटर पर बदली का प्रमाण पन्न नं० 1324 पर तारीखा 24-8-1982 में सब रजिस्ट्रार कडी के कार्यालय में रजिस्ट्री की गयी है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज- , अहमदाबाद।

तारीख: 14-3-1983

मोहर 🖫

प्रारूप आइ. टी. एन. एस .------

**आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

# बार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्धिक)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 14 मार्च, 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2141/एक्वी-23/II/

82-83---यतः मुझे, आर० आर० शाह

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित गाजार मृत्य 25,000/- रुड. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 238 है तथा जो कड़ी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कडी में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-8-82 को

को पूर्वीक्त संपर्तिक के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और मन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उत्वेष्य से उत्कत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के जिए; जीर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय अधिकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, साधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थायाकियाजानाचाहिए भा, क्रियाने में स्विभा 🖷 लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री बापुभाई देवराज वाग्री
- (2) श्री शान्तु भाई देवराज वाग्री,
- (3) रेनछोडभाई देवराज वाग्री
- (4) दलस्खभाई देवराज नाग्री
- (5) बाबा भाई देवराज वाग्री,
- (6) बाबा भाई देवरी वाग्री,
- (7) श्रीमती जाडीबेन बेछरभाई घाग्री, वाग्रीवास, कडी, तहसील मेहसाना।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स गजार और पटेल एसोसिएट्स, कडी, जिला महसाना ।

(अन्तरिती)

को यहसूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी मविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति युवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पटकोक रण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उसे अध्याय में विया गया है।

# अनुसूच

जमीन जो कडी एस० नं० 238 जिसका माप 5969 **चौरस मीटर बदली का प्रमाणपत्न नं० 1323 पर तारीख** 24-8-1982 में सब रिजस्ट्रार कड़ी के कार्यालय में यथा-विधि रिणस्ट्री की गयी है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, ग्रहमवाबाव

तारीख: 14-3-1983

माहर:

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 26 मार्च, 1983
निवेश सं० पी० आर० सं० 2142/एक्टी०23/II/
82-83--यतः मुझे, आर० आर० शाह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का

25,000/-रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० नं० 137/1, 139/1, 138 और 141/2 है तथा जो कोबा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-8-1982

कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

को पूर्वोक्स संपृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की लपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) 1. श्रीमती शान्ताबेन नारभवनदास
  - श्रीमती कोकीलाबेन नारभवनदास
  - 3. श्रीमती वीजयाबेन नारभवनदास
  - 4. श्रीमती सवीताबेन नारभवनदास
  - श्रीमती सीताबेन नारभवनदास कोबा तहसील और जिला गांधीनगर।

(अन्तरक)

(2) कृष्ण कमल को० आ० हा० सोसाइटी लिमिटेड, अध्यक्ष रमेशचन्द्रा ईश्वरलाल, के द्वारा नवज्योत क्रिक्स मैनुफैक्चरिंग कों०, नव बाडज, अहमदा-

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उसे अध्याय में दिया गया है।

#### अनस ची

जमीन जो कोबा जिसका सं० नं० 137/1, 139/1, 138, और 141/2 बिकीखत सं० 1655 पर तारीख 17-8-1982 में गोधीनगर सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गयी है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 26-3-1982

मोहर 🖫

प्रकृप आर्घ .टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 मार्च, 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2143/एक्वी-23/II/82-83 बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 38 है तथा जो बेरोडा में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेरोड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-8-1982 को

को प्वाँकत संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम को क्यमान प्रतिफल को लिए जन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ग) और अंतरिती (अंतरितियाँ) को बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियंत्र, के वधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण में, में उक्त अधिनियम को भारा 269-घ की उपभारा (1) डे अधीन निम्नुलिखिय व्यक्तियों, अर्थात् ह—— (1) श्री रमेणचन्द्रा त्रिभुवनदास शाह, मोदी खाना, काक्षीया खड़की, बेरोडा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उषाबेन जानककुमार शाह, सरदार नगर, बेरोडा।

(अन्तरिंती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की रारीच हैं

  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध
  किसी जन्य व्यक्ति द्वारा नधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यध्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जॉ उक्त अभिनियम, को अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा, को उस अध्याम में दिया पसा है।

#### अनसची

जमीन और मकान जो एस० नं० 38 बेरोड जिसका माप 67 चौरस बार जमीन और चार मंजिला मकान बिकीखत नं० 5071 पर तारीख 3-8-1982 में बेरोड-सब रजिस्ट्रार के कार्यालय रजिस्ट्री की गयी है।

> आर० आर० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 26-3-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) हे अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज १, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 5 मार्च 1983

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 2379-23-I/82-83—यतः मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के लधीर सक्षम प्राधिकारी की, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० वार्ड नं० 3 सी० एस० नं० 3358 है तथा जो जनता जीनीग फैक्टरी ध्रीम्राधा, जिला सुरेन्द्रनगर में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ध्रागंध्रा रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने हा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, पके छ्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहर्भ प्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बंतरिं ों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, जिम्निलिसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक छूप से कृष्यत वृद्धि किया गया है :--

- (क) अन्तरण संहुइ किसी बाय की वावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिये; कीर्या
- ्ष) होनी किए प्राय हा जिल्ली धन यह अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-क्राण अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरती दशारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चरिहए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
23—46GI/83

- 1. श्री मुलशंकर मोहनलाल दवे 16, श्रीभाली सोसायटी, स्टेडीयम नजदीक, नवरंगपुरा, अहमदाबाद। (अन्तरक)
- 2. मैंसर्स कैलास को० ओ० हा० सोसायटी के/ ओ भरत पेट्रोल पम्प स्टेशन रोड़, ध्रागंध्रा, जिला—सुरेन्द्र नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इंस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृजेंक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उच्न श्वात्र संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उवत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 4621.47 वर्ग मीटर है जो ध्रांगंध्राजिला सुरेन्द्रनगर में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार ध्राग्रंध्रा रजिस्ट्रीकर्ता विकीखंत नं० 1316/अगस्त 1982 है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ुंअर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

तारीख: 5-3-1983

मोहर ः

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना /

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 5 मार्च 1983

् निर्देश सं० पी० आर० नं० 2380-23- /82-83—यतः

मुझे आर० आर० णाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० प्लाट नं ० ए०/7 है तथा जो आदीनाथ एपार्टमन्ट राधाकृष्णा रोड़ कोलेनवाड़ी 2, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजकोट के कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 अगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत उर्केस अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभित्:---

 मैंसर्स चीतलीया कंस्ट्रकशन कम्पनी कार्मशीयल शम्बर, पराबजार, राजकोट।

(अन्तरक)

2. श्रीमती हीरालक्ष्मी गौतमलाल में हता प्लाट नं ० ए०/ 7, आदीनाथ एपाटमेंट, राधाकिश्त रोड़, कोलज वाडी, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्णीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुधी

फ्लेट नं० ए०/7, क्षेत्रफल 1034 वर्ग फीट है जो आवी-नाथ एपार्टमेन्ट कोल्ज वाड़ी राजकोट में स्थित है तथा सब-रिजस्ट्रार राजकोट रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 5673/21-8-82 है।

> आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी .सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

ता**रीख** /: 5-3-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 23 मार्च 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2381-23-1/82-83---यतः मुझो, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 104-1, पैकी हिस्सा नं० पैकी प्लोट नं० 4 है। तथा जो 509 वर्ग यार्छ, मेमनगर, सीटी तालुका अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 अगस्त 1982 को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया है: ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भृषिधा के लिए; और/
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

श्री मीनेषभाई चंपकलाल शाह की ओर से कुल मुखत्यार श्री आनंबप्रकास नाथालाल मेहता, 42, स्वस्तीक सौसायटी, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

- 2. मसर्स आनंदगीव को० ओ० हा० सोसायटी की ओर से प्रोमोटर
  - (1) श्री अणोककुमार प्रहलादभाई पटेल अक्षगंगा सोसाग्नटी वाडज, अहमवाबाद और
  - (2) श्री धीपक कुमार आहाभाई पटेल, अशोक वाटीका, शाहीबाग, अहमदाबाद।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम. के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

मिलक्त जिसका सब रजिस्ट्रार अहमवाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं 12048/16-8-82 है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, अहमवाबाद

तारीच : 23-3-1983

प्ररूप बाई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 23 मार्च 1983

निर्देश सं० पी० आर० न० 2382-23-1/82-83—यतः
मुझे आर० आर० शाह
ग्रामकर ग्रामिनयन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
परचात् 'उक्त ग्राधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
ग्राभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि
स्थावर संगत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से
ग्राधिक है

और जिसकी सं वर्षे नं 46, हिस्सा नं 2 थलतेज सीमा 607.44 वर्ष याई है तथा जो मेम नगर टी पि० एस० 2, एफ० पी० 18 ए० पैकी तालुका दसफोई अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है): रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन, तारीख 18 अगस्त 1982

को पूर्वोस्त संयति न उजित बाजार बहुय से कम के दृश्यमान अतिकार के लिए अन्तर्रत को पद्दे हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोस्त संगीत का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से स्थित है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरिक्षित) के बीच ऐसे अन्तर्द के लिए, तय पाया गया प्रतिकल निम्नतिश्वित उद्देश्य से उक्त यातरण निश्वित में वास्तविक इस ने कथि। वहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण स हुई किसा आप की वाबत उक्त प्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में क्सी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिक्षिम्म, या धनकर भिक्षिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तियी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के सिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग.के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---  श्रीमती वीनाबेन प्रफुलचंद्र वीमल प्रकाश सोस स्टेस्डीयम, नजदीक अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. मैंसर्स न्यु शाश्वत को०-ओ० हा० सोसायटी लिमिटेड चेयरमैन जीतेन्द्र रावजीभाई पटेल 11, हरसिष्घ चेम्बर्स फर्स्ठ फ्लोर, आश्रमरोड़, अहमदाबाद (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उका सम्पत्ति के ग्रावेंन के नम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इंग सूचना है रावन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविश बादमें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा
  - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहेस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

मिलकत जिसका सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्री-कर्ता विक्रीखत नं० 12126/18-8-82 है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 23-3-1983

### प्ररूप धाई • टी • एग • एस • --

भ्रायकर भ्र**धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार**। 269-थ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 23 मार्च 1983 निर्देश सं० पी० आर० नं० 2383-23-1/82-83---यंतः मुझे आर० आर० शाह

भाग हर प्रश्नित्यम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकाद 'उक्त प्रश्नित्यम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- द० ते अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 104-1, पैकी हिस्सा नं० 2, पैकी प्लोट नं० 3, है तथा जो 509 वर्ग यार्ड, मेम नगर सीम, अहमदाबाद में स्थित है (और इंससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यावय, अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 अगस्त 1982

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया है:—~

- (क) स्तरण ये हुई किसी आय की कावत उनत सिंदन निषय के प्रधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुनिधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या प्रत्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय णायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उका अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के परोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था दा कियां जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्रीमती नीनाबेन चंपकलाल पटेल की ओर से कुल मुखत्यार

श्री आनंद प्रकाश नाथालाल मेहता स्वस्तीक सोसायटी नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. मैंसर्स आनंदशीय को० ओ० हा० सोसायटी की ओर से कुल मुखात्यार

> (1) श्री अशोककुमार प्रहलादभाई पटेल, अक्षगंगा सोसायटी बाडज, अहमदाबाद।

(2) श्री दीपककुमार जसाभाई पटेल अणोक वाटीका, णाहीबाग, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह पूजना जारा हरके पूर्वका नम्याव ए प्रकेश के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी भाकीप :---

- (क) इस ल्वन के राजपत में प्रकाणन को तारीख से 45 वित की प्रवित या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर पूजना की तामील से 30 दिन की श्रवित, जो भी प्रविधि वाद में स्थापत होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से विभी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूजना क राजपत्न में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध के भीति अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इ.ज. प्रयुक्त मुक्त और गर्भ का, जो उक्त प्रक्षितियम के प्रश्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गर्भाते।

### अनुसूची

मील्कत जिसका सब राजस्टार ग्रहमदाबाद, राजस्ट्रीकर्ता विकाखत नं 12057/16-8-72 है।

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-I श्रहस्वाजाद

**सारीख: 23-3-1983** 

मोहर 🚶

(अन्तरक)

प्रकृष भार् : दी . एन् . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारतं मरकार

### कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक २३ मार्च 1983
निर्देश सं० पी० आर० नं० 2384/प्रर्जेन रेंज-23-I/8283---यतः मुझे, आर० आर० णाह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं
इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह निरवास करने का
कारण हैं कि स्थाप सम्पत्ति जिसका अधित बाजार मुस्य

और जिसकी सं० सर्वे नं० 104-1, पैकी हिस्सा नं० 2, पैकी प्लाट नं० 5 है तथा जो 509 वर्ग थाई, मेमनगर सीम, सीटी तालुका, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से प्रणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिदारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 16 अगस्त 1982

25,000 ∕- रत. से अधिक हैं।

(1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 अगस्त 1982 को पूर्वेक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त समाति का उपित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उप्रदेश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्कत्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अभिनियम, या भनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था था किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा के लिए;

नतः अयं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के ननुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-णं की उपधारा (1) के अभीन, निम्मित्रिविद स्पृतिदार्गी, मुर्थात् :---

- श्रीमती रीताबेन चंपकलाल शाह की ओर से कुल मुखत्यार श्री आनंदप्रकाश नाथालाल महेता 42, स्वस्तीक सोसायटी, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।
- मैसर्स आनंदणीय को० ओ० हा० सोसायटी की ओर से प्रोमोटर
  - (1) श्री अशोककुमार प्रहलादभाई पटेल, अक्षगंगा सोसायटी वाङज, अहमदाबाद।
  - (2) श्री दीपककुमार डाह्माभाई पटेल अशोक याटीका, शाहीबाग, अहमदाबाद। (अन्तरिसी)

### का यह सूचना चारो करके पूर्वों कत् सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उनसा सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध मो काई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की लगीब ता नहतं वैद्या व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्पित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### भनुसूची

मिलकत जिसका सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 12056/16-8-82 है।

> आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 23-3-1983

मोहरु 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाय, विनांक 23 मार्च 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2385/23-I/82-83---यत: मुझे, आर० आर० शाह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० एफ० 11, फर्स्ट फ्लोर वी-टाइप, 90 वर्ग यार्ड है। तथा जो चीराग एपार्टमेन्ट केम्प रोड, शाही-बाग, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देष्यों से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरणः से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री गोरधन भाई चंद्रभाई पटेल 674/3/4, बेनीदाम का महोल्लो, जुना असाखा, अहमदाबाद। (अन्तरक)
- 2. श्री मोतीलाल बकतावरमलजी जैन चीराग एपार्ट-मेन्ट बाहीबाग, केम्प रोड, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज़पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित**यव्ध** किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसची

मिलकत जिसका सब र्जिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं॰ 11363/2-8-82 है।

> . आर० आर० गाः । सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 23-5-1983

मोहार:

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) 🦈 धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमेदाबाद, दिनांक 23 मार्च 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2386-म्रर्जन रेंज-23 I/ 82-83--यत: मझे, आर० आर० शाह,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भायकर अधिनियम, इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे नं० 551, प्लाट नं० 3 और 4 पैकी 1/2 हिस्सा है तथा जो 6095 वर्ग यार्ड, वाडज सीम, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3 अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्रे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापवींक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (स) एसे किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, ग्रा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को लिए।

अनत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री अवीताम णिवकमार भास्त्री साह का लोनी माहपूर, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री प्रवीनचंद्र भगवतलाल पटेल चेयरमैन---देवालय एपार्टमेंट ओनर्स एसोशियेशन सुभापष्रीज, साबरमती, केणवनगर, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के शर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखितं में किए जा सकेगं।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, णां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मिलकत जिसका सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्सा बिकीखत नं० 11418/3-8-82 है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ं अर्जन रेंज- 1. अहमदाबाद

तारीख: 23-3-1983

मोहार:

प्रक्ष बाह्य हो । एत् एस्.---

• जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीत सूचना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाक्षाद अहमदाबाद, दिनांक 23 मर्ग्च 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2387/ग्रर्जन रेंज-23-1/82-83—-यतः मुझे, आर० आर० शाह,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- एउ. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 364-1 और 364-2 पैकी 28856 वर्ग रिडर जमीन है तथा जो सैजपुर बोधा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबंद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से पिता है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3 अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्य में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा में लिए;

अतः शव, उक्त् विधिनियम की पारा 269-ग के जनसरक जो, जो उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---24-46 GI/83  श्री प्रहलादभाई कुबेरवास मोदी कुबी नीवास रायखाक अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री जीतेन्द्र अमृतलाल शाह 103, क्रुष्णानगर सैजपुर बोधा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहेस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्दों का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

### **अ**न्स्की

मिलकत जिसकी सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं 11518, 11519, 11520, 11521, 11522, 11523, 11530, 11531, 11532, 11533, 11534, 11525, 11526, 11527, 11528 और 11529/11524, 3-8-1982 है

> आर० आर० **गाह्** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहम ग्राबाद

तारीखः 233-83

महेहरः

प्ररूप आहं. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमवाबाव

अहमदाबाद, विनाक 23 मार्च 1983

निर्वेश सं० पी० आर० नं० 2388/म्रर्जन रेंज-23-1/82-83 ----यत: मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुट. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 281 से 284, 301, 302, 304-1, 304-2, 305-1, 305-2 है। तथा जो 360 पैकी 16279 वर्ग मीटर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख 5 अगस्स 1982

को पूर्वों क्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के यीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (का) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्थित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्रीमती शमीबेन लक्ष्याक्षाई मालाभाई की विधवा पत्नी ओढव, सीटी तालुका, अहमदाबाद। (अन्तरक)
- मैसर्स राजीवपार्क ओढव को० ओ० हा० सोनायटी लिमिटेड.

चेयरमेन—श्रीितन बी० शाह 53-62 कर्भचारीनगर घाटलोडिया, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यग्रहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तिस्तां में से किसी व्यक्ति द्वाम;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विथा गया है।

### अनुस्**ची**

मिलकत जिसका सब रिजस्ट्रार अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 11572/5-8-82 है।

> आर०आर० णाऱ् सक्षम प्रार्धिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 23-3-1983

मोहरू 🗓

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमधाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 मार्च 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2389—शतः मुझे आए० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिल इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं ० सर्वे न० 281 से 284, 301, 302, 304-1, 304-2, 305-1 305-2 और 360, है । तथा जो ओंढव सीम, सीटी तसुना, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण में विणित है); रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 इस. 16) के अधीन, तारीख 5 अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, वैश्वित्र (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धने-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनीय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :--

- 1. श्रीमती शमीबेन लखाभाई मालाभाई की विधवा परनी ओढव, सीटी तालुका, अहमदीबाद। (अन्तरक)
- 2. श्री मनुभाई एव० शाह 15, श्रेताम्बरनगर पालीयाद नगर, नारनपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तिरती /

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

मिलकत जिमका सब रजिस्टार अहमवाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं 11577/5-8-82 है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, अहमवाबाद

तारीख: 23-3-83

मोहर ः

प्ररूप आहे, टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

### भारत सुरकारु

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाय, दिनांक 23 मार्च 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2390 231-82-83-यक्षः मझे, आर० आर० शाह,

कायकर अधिनियमें, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा से अधिक है<sup>\*</sup>

और जिमकी सं० सर्वे नं० 281 से 284, 301, 302, 304-1, 304-2, 305-1, 305-2, और 360 है तथा जा पैकी 16873 वर्ग मीटर ओढव सोम, अहमदाबाद में स्थित है (भ्रोर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीयर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 छ। 16) के अधीन, तारीख 5 अगस्त 1982 •

को पुर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह पतिरात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कश्वित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आगकी बाबत, विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (अत) एोसी किसी आग या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भीरतीय आय-कर अधिकारी, 1922 (1922 का 11) या उक्तु अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्रे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🖫 —

1. श्रीमती शमीबेन लखाभाई मालाभाई की विधवा पत्नी ओखव, सिटी तालुका, अष्टमदाबाद।

(अन्सरक)

 मैससं सुरजबाग ओढव को० ओ० हा० सोसायटी लिमिटेड के/ओ चेयरमेन श्री विनोद के० शाह ं 37, सर्वोदयनगर सोसायटी, शाहपूर, अहमदाबाद। (श्रंदरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जनुके लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (ब) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी युन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अ**ग्**स्ची

मीलकत जिसका सब रजिस्ट्रार घहमदाबाद राजरपूर-कर्ता बिक्रीखत न० 11572/5-8-1982 है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी - सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण<u>)</u> धर्जन रेंज-1, अहमधाबाद

तारीख 23-3-1983 मोहर 🖫

प्रक्य बाह्र टी.एन्.एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घं (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनौंक 23 मार्च 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2391 23-/82-83-यतः मझे, आर० आर० शाह

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 281 से 284, 301 302, 304-1, 304-2, 305, 30-12 और 3560- है तथा जो पैकी 16447 वर्ग मीटर श्रांढव सीम, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबंद्ध अनुसूची में आर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिकारम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ग्रारीख 5 अगस्त 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के ध्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृन्य, उसके ध्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वत उद्देश से उक्त क्तरण लिखित में वास्तिवृद्ध कुम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धून या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1. श्रोमतो शमीबेन लखाभाई मालाभाई की विधवा पत्नी ओढव, सीटी तालुका अहमदाबाख। (अन्तरक)
- 2. मैंतर्स मनीलक्ष्मीनगर ओढव को० ओ० हा० सोसायटी लिंगिटेड के/आ चेयरमेन—श्री रमेश एस० अमीन 7, अबीकार्देवी सोसायटी नवा वार्डज, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृथाँक्त, सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है धे 45 दिन की अविध या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकौंगे।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनस ची

भामनकत जिसका सब रजिस्टार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकत्ता बिकीखत नं ० 11573/5-8-82 है।

> आर० आर० माह्य मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I

तारीख: 23-3-1983

🗸 प्ररूप आहें. टी. एन्. एस. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च् (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 23 मार्च, 1983

ि विश सं० पी० आर० नं०2392/अंजन रैंज-23नां/82-83--अतः मुझे, आर० आर० शाह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, बिरका उनित कावार सूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

अरेर जिसकी मं० सर्वे नं० 281 से 284, 301, 302, 304-1, 304-2, 305 और जो 360 पैकी 32938 वर्ग गीटर, है। तथा जो आंढव सीम अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्व अनुमूची में और पूर्ण करा से विणित है), रुजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के सार्याचय, अहमदाबाद में रियत है (और इससे अधिकारी के सार्याचय, अहमदाबाद में रियत है के अधिकार के सार्याचय, अहमदाबाद में रियत है अगस्त, 1982 को पूर्वोक्त सम्गति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविद्यत उद्योगों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क्क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नृष्टी किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुमरण में में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन निम्निसित व्यक्तियों, अभीत् :---

 श्रंतमित रामीवेन लखाभाई मालाभाई की विधवा पत्नी श्रोदन, सीटी तालुका, अहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

 अरीहंतबाग ओढव की० ओ० हा० मीसायटी लिमिटेंड चेयरमैंस--श्री दीपक बुधाभाई शाह, अका तेठ कुवाजी पोल, अहमवाबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सें 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे (1)

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्**स्**ची

मिल्कियत जिसका अब-रॉजस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं ० 11574/5-8-82 है।

> अत्रः आर० णाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख: 23-3-1983

प्रस्प शह: . टी. एन. एस -----

कामकर अधिनियम, 10%1 (1961 का 42) की धारा 269 (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्वापवर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेज-I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 23 मार्च 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2393/अर्जन रेंज-23-1/ 82-83- ग्रतः, मुझे, आर० आर० शाह, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स्ट को अबीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं० डी० नं० 281 से 284, 301, 302, 304-1, 304-2, 305-1, 305-2 है तथा जो 360 पैकी 19620 ं वर्ग यार्ड. ओढव शिर्ट, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के नार्थालय, अहमदाबाद में जिल्हीसरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर त रीख 5 अगस्त, 1982 को पर्वोक्त सम्परित के उचित वाजार मल्य से कम के स्थमान प्रतिफाल को लिए अन्तरिय की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुत्रभू, जाराते राज्यसार अधिएकेट से. गुरेगे द्वासार प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (सन्ती रोनियां) के लोच एसे अल्यरण के निग् तम गुधा गया गति -फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बंडित, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारित्व मों कभी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अल्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उटोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा दि ए जाना नाहिए था, जियाने में निवधा के लिए:

बत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्रीमती रामीबेन लखाभाई मेंग्लाभाई की विधवा पत्नी ओढव, सीटो तालुका, अहमदाबाद।
- 2 इन्दीरापार्क ओढ़व को० ओ० हा० सोसायटी लिमिटेड चेयरमैन---श्री अरबींदभाई केशवलाल देशाई 14, उर्मी ज्योत सोसायटी नारायनपुरा, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

### उचत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस पृष्टना के राजपन मों प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना वी नार्याल में 30 दिन की अवधि, जो भी लतिथ बार सा समाधा होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मिल्किया जिल्ला सब-रिजस्ट्रार अहमदाबाद रिजस्ट्री-नर्ता बिक्रीखत नं० 11576/5-8-82 है।

> आर० ग्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सह्यह अप्रकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंप-I, अहमदाबाद

जरीख: 23-3-19**8**3

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

### कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद अहमदाबाह, दिनांक 23 मार्च 1983

निर्देश सं०पी० आर० नं० 2394/प्रार्जन रेंज/23-1-82 -83—यतः सुझो, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 281 में 284, 301, 302, 304-1, 304-2, 305-1, 305-2. है सथा जो और 360 पैकी 16783 वर्ग मीटर है। तथा जो ओल्ड सीम, अहमदाबाद में स्थित है (और इसरे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से धणिस है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के स्पर्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5 अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ भर्ने जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना था, छिपाने में सिविधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्वित्तरों, अधीत् :---

- 1. श्रीमती शमीबेन लखाभाई मालाभाई की विधवा पत्नी, ओल्ड सीटी धालुका अहमदाबाद। (अन्तरका)
- 2. मैसर्स नेहलदाक आल्ड को० ओ० हा० सोमायटी लिमिटेड चेयरमेन--श्री अजय जे० पटेल 111, मानेकबाग सोसायटी, आबावाड़ो, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पंध्योकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मील्कत जिसका सब राजिस्ट्रार अह्मदाबाद राजिस्ट्रीकर्ता विकिखित नं० 11575/5-8-82 है।

> आर० आर० ग्राह् सक्षम प्राधिकारी महायक आयजर आयुक्त (निरीक्षण) ृैअर्जनरेंज I, अहमदाबाद

भारी**ख: 23-3-1983** 

प्रस्प नाइ कटी, एनं, एस्,------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 मार्च 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2395, 23-1/82-83-यतः मुझे आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् आजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स॰ सर्वे नं॰ 281 से 284, 301, 302, 304-1, 304-2, 305-1, 305-2, और 360 ओढ़म सीटी तालुका जो अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित ) रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 5 अगस्त 1982

को पूर्वोक्स संपति के उचित बाजार मत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह जिल्लास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- '(क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबत्, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के तिए;

- 1. श्रीमती शजीबैन लखामाई मालाभाई की विधवा पत्नी, ओढव, सिटी तालुका, अहमदाबाद।
- 2. मैंसर्लैनिशितपार्कं को० ऑ० हा० सोसायटी लिमिटेड चेरमेन--श्रोमहेश पी० पटेल, आकाशेड कुवाकी चोल, रायपुर अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिः के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 किन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 किन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ज) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को अक्द अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

#### वनसची

भिरुकत जिसका सब रजिस्टार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 11578/5-8-82 ।

आर० आर० शाह्र सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख: 23-3-1983

मोहर 🛭

प्ररूप भार्द. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 23 मार्च 1983 निर्वेण सं० पी० आर० नं० 2396, 23-I/82-83---यतः मुझे आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिषक साजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं टी॰ पी॰ एस॰ 3, एफ॰ पी॰ नं० 440, पैकी एस॰ पी॰ नं० 1, 2234.13 वर्ग यार्ड है। तथा को नंगीनपुर, सिटी तालुका, अहदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है); रिजस्ट्रीव सा अधिकारी के कार्यालय प्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीव रेण अधिनियम: 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 अगस्त 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् है----

- (1) (1) श्री चद्रवृद्धन हर्षदलाल सोधन।
  - (2) श्री कुलदीप सी० सोधन।
  - (3) श्री चौराग सी० सोधन।
  - (4) श्री ज्योतीन्द्र एच० सोधन ।
  - (5) श्री गोकुल जे० सोधन।
  - (6) श्री रभेशकुमार एच० सोधन।
  - (7) श्री पराग अ।र० सोधन पंचेवटी, गुजरात कोलेज के पीछेपंचवटी एपलाईमेन्ट के नजवीक, आंबावाली, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

- 2. जैमेषयार्क ओनर्स असोसीयेशन
  - (1) चेयरमैन श्री अमरीण करनसी परमार शलीक सीनेमा, शीलीक रोड़ अहदाबाद।
  - (2) श्री नरेन्द्र 'रतीलाल पटेल, भुदरपुरा अहमदा-बाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ झोगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुसुची

मिलकत जिसका सब रिजस्ट्रार अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 11 509/7-8-82 है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (नरीक्षण) अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीखा: 23-3-1983

मोहार 🕾

प्ररूप आहू . टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 28 मार्च 1983

निवेंश नं पीआर० नं 2397 23-1/82-83—यतः म्झे आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीनका क्षेत्रफल 300 वर्ग घाई सर्वे नं० 29/2 है। सथा जो टी० पी० एस० 6, एफ० पी० 55, वासना सीम अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाश्वद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2 अगस्त 1982

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रातिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्छे हेय से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरा से हुई किसी आय की बायत, उनत अधिमियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

- 1. (1) श्रीमती कुमुमबेन शान्तीलाल।
  - (2) श्री किरोटकुमार मान्तीलाल।
  - (3) श्री पंकजकुमार शान्तीलाल।
  - (4) श्रीमती प्रतीमाबेन शान्तीलाल।
  - (5) श्रीमती चुमाबेन शान्तीलाल शान्ती नोकेतन सोसययटी एलिसक्रीज, अहमदाबाद। (अन्तरक)
- 2. मैंसर्स रोशनी शोपींग सेन्टरओनर्स एसोसियेशन पालडी अहमवाबाट।

(अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मनुसूची

मिलकत जिसका सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्टीकर्ता बिकीखत नं० 11356, 11351 और 11360/2-8-83 है।

> आर० आर**० गःह** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-<sup>I</sup>, अहमदाबाव

तारीख: 28-3-1983

मोहर 🖫

प्ररूप बाह् . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2398/म्रर्जन रेंज् 23-I/82— 83— यदाः मुझे, आर० आर० साह,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त व्यधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इस के वधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त वाजार मृत्य 25,000/- रु. से विधिक है

और जिसकी संव सर्वे नंव 371-1, 371-2 और 371-3, 3430,1533 और 1785 है। तथा जो वर्ग यार्ड जमीन का क्षेत्रफल, सैजपुर बोधा नरोड़ा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपायक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 अगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित माजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितंपल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उक्द स्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुन्हैं किसी आय का अक्स, उक्स अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के किए, और/मा
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—  श्री नरेशचंद्र प्रहलावभाई मोदी, कुबेर नीवास, रायखड़, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. मैंसर्स विश्वास को० ओ० हा० सोसायटी लिमिटेड, चेयरमन—श्री उमेश विदुरभाई अमीन मोदी हमामकी पोल, घी कांटा, अहमदाबाव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुनाँक्त सम्पत्ति के नुर्धन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वों कर मा इतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितववृध किसी जन्म स्थित ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीभीनवार के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में विया गया हैं।

### अनुसूची

मिलकत जिम्नका सब रजिस्टार अहमदाबाव रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 11885, 11886, 11887 और 11888/ 10-8-1982 है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 26-3-1983

मोहर 🖫

25,000/- ए० से भ्राधिक हैं

प्रकृप झाई० हो। एन। एक०---

मायकर अधिनियम, 1963 (1961 का 43) की घार। 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1983

निर्देश सं० पी० आर० न० 2399/म्रर्जन रेंज-23-1/82-83 ----यतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य

और जिसकी सं० सर्वे नं० 369-2 और 369-5, सैजपुर बोधा है तथा जो 1 एकड़, 35 गुंठा 9075 वर्ग यार्ड अहमदा-बाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदा-बाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित् बाजार मृत्य, उसके कृष्यनान प्रतिफल से, एंस पृथ्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत से यश्चिक है भीर प्रम्तरक (धन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) ग्रन्तरथ से हुई किसी बाग की वावत उन्त ग्रिधिनियम के धक्षीत कर है है के सम्हर्स के दार्थित में कमी करने या इससे बचनें में सुविवा के लिए; और/गा
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अण्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय धायकर धिंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, 180मने में सुविधा के लिए।

कतः वृत्र, उक्त विधिनियम की बारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को वृत्रीय, निकालि वित् व्यक्तियों, अधात्ः—  श्री प्रहलादमाई कुबेरदास मोदी, कुबेर नीवास, रामखड़, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

 मैसर्स चींतननगर को० ओ० हा० सोसायटी लिमिटेड चेथरमेत--श्री दीलीप चंद् तुभाई पटेल, गांव---नारनपुरा, नारतपुरा, अहमवाबाद।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजवध में प्रवासन की तारीख 45 दिन की अवधि मा वस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील है 30 दि की वयत्रि, जो भी प्रविध बार में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोनत व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की वारीस से 45 दिन के भीतर कक्त स्थावर सम्पत्ति में दिसक्क किसी अण्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

मीलकत जिसका सब रिजस्ट्रार अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 11893, 11892, 11891, 11882 और 11890/10-8-82 है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 26-3-1983

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस. -ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2400/ग्रर्जन रेंज-23-I/82-83 –-यतः मुझे, आर० आर० शाह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी करे, यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

25,000/-रुट. से अधिक **ह**ै

और जिसकी सं० वार्ड नं० 7, साय नं० 223, सनद नं० 2051 पैकी है। तथा जो प्लाट नं० 25, ब्लोक बी, कालुभा रोड़, गुत्रनेंमेंट सर्वेन्ट सोसायटी भावनगर में स्थित है (और इससे उपादक अनम्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 भ्रगस्त 1982 का पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मुख्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे धश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उबुद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए आर∕था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) क्षे अभीन निम्नलिसित व्यक्तियाँ 🗗 अर्थात् 🖫 —

1. श्री वनेचंद प्रेमचंद मलानीया डी०डी० ओ० बगलो,पीर दरगाह के सामने, नानपुरा चोपाटी, अटवा लाइन्स

(अन्तरक)

2. श्रीमती भारतीबेन नीरंजन भाई ध्रुव 25, गवर्नेमेंट सर्वेन्ट सोसायटी कालुभा साहेब बंगला के पीछें, कालुभा रोड़, भावनगर

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अधिधा, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्यास अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मिलकत जिसका सब रजिस्टार भावनगर रजिस्टीकर्ता बिक्रीखरा नं् 1925 /16-8-82 है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 26-3-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद .

अहमदाबाद दिनाँक 26 मार्च 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2401/23-1/82-83—यतः भि आर० आर० शाह

यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें के पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 39-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का रण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5,000/-रु से अधिक है

गैर जिसकी सं बोर्ड नं 5, सर्वे नं 1775/सी प्लोट नं 2643 है। तथा जो जमीन प्रभुदास तालाब के नजदीक, नोर्थ कृष्णानगर, भावनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची । और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के गर्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ज 16) के अधीन तारीख 2 अगस्त 1982

ो पूर्वोक्त संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान तेफल के लिए जन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ल्या, उसके इश्यमान प्रतिफल सं, एसे इश्यमान प्रतिफल का इश्वित संपरित को जीर अंतरिती तिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक सं, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक ए से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् ६—

- (1) रामजीभाई भगवान जी भाई पटेल ढोला——जिला भावनगर ।
  - (2) श्री मुलजीभाई रनछोड़भाई पटेल पीयरीया, तालुका--शिहोर।

•(अन्तरक)

2. श्री नरेन्द्र कुमार बी० महेता साई दरसन, 6, फलोर, सरदार वल्लभभाई रोड़ सांताश्रुज (बेस्ट) बोम्बे 58।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हंू।

उनत सम्पत्ति को अर्जन् को सम्बन्ध में कोई भी अक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के साजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मिंकत जिसका सब रजिस्टार भावनगर रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 2195/2-8-82 है।

> ् आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

तारीख: 26-3-1983

मोहर 🔞

प्रकृष बाइं. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

### कार्याख्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद अहमदाबाष, दिनांक 26 मार्च-1983

निर्देश सं पी आर नं० 2402/23-1/82-83---यतः मुझे आर० आर० णाह

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मृन्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 6 एफ० पी० नं० 539, 879 वर्गयार्ड, जमीन है। तथा जो और 409 वर्ग यार्ड बांधकाम एरीया थालडी अहमादाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 क 16) के अधीन तारीख 7 अगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य उसके द्रथमान प्रतिफल का प्रचे द्रथमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी साय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/जा
- (क) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

मृत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अधीत :---

- श्री अश्विन कुमार जी देसाई नुतन सोसायटी, सुवीधा कोर्मशीयल सेन्टर के पीछे, थालड़ी, अहमदाबाद (अन्तरक)
- 2 मैसर्स गीत गुोविंद ऐपार्टमेन्ट ओनर्स एसोसियेशन रिजिस्टई तं 753-दिनांक 321-4-82 के श्रो सेकेटरी—श्री हेमन्तकृमार ध्यामसुन्दर 16, वसंतकुंज सोसायटी सहजीवनी मार्ग, थालड़ी अहमदाबाद।

को यह सूचना भारी करके पृथांकत संप्रित के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यांकितयों में ये किमी क्यांकित द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुस्'ची

मिलकत जिसका सब रजिस्टार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 6611/7-8-82 है।

> आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज 1, अहमदाबाद

तारीचा: 26-3-1983

गोहर:

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

### भारत संस्कार

कार्यासय, सहायक जायकर जायकर (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनौक 26 मार्च

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 2403/अर्जन रेंज 23-1/82-83~ यतः मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1, फल्ट फ्लोर सरयु को० ऑ० हा० सोसायटी लिमिटेंड हैं तथा जो मीठाखली, सिक्स रस्ता के नजदीक महमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद मनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण भ्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 24 भ्रगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रि. जल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अंतरण सिचित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आयु की बाबसू, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अभीत् ह  श्रीमती पुष्पाबेन कान्तीलाल मेहता के/ओ श्री के० एन० मेहना, विशष्ट बील्डिंग, निलक रोड, राजमार्ग, घाटकोपर, बम्बई।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जयनारायन इन्दराजमल भ्रग्नवाल, 1, सर्यु पलैट, मीठाखली , छ रस्ता नजदीक, ग्रहमवाश्राह । (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यव्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्मा करण: --इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

### अनुसूची

मील्कत जिसका सब रजिस्ट्रार श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं 12497/24-8-82 है।

> श्रार० भार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ा, श्रहमदाबाद

तारी**च**: 26-3-1983

प्ररूप आहे. टी. एन. एस् \_-=--=

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निर्धाक्षण) श्रुर्जन रेंज-I, श्रह्मदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1983

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 2404/धर्णन रेज-23-1/ 82-83---श्रतः मुझे, श्रार० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 8 पैकी एफ० पी० नं० 29, नोर्थ साइड 800 वर्ग यार्ड पैकी 500 वर्ग यार्ड है सथा, जो थलतेज सीम, दसकोर भाईकाकानगर में स्थित है (और इससे उपाबद प्रमुखी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 27 ग्रगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिपत्न के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिपत्न से, एसे स्वयमान प्रतिपत्न का पन्द्रह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्न निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती बवारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्री विकम लाढो गंगवानी, ब्लाक नं० 456, ए-सरवारनगर, पोस्ट सींधी कालोनी, श्रहमवाबाद। (श्रन्तरक)
- 2. श्री प्रमुखलाल शकरलाल पादशाह, 32, साँ मील सोसायटी, स्वामीनारायन गुरुकुल के नजदीक, कृष्दन-रन-रोड़, प्रहमवाबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

मीस्कत जिसका सब रिजस्ट्रार श्रह्मदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं 12654/27-8-82 है।

श्वार० शाह,

■ सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)
श्रजनरेज-I, श्रहमदाबाद

तारीख: 26-3-1983

### भूकम् वार्षं . टी . एन् . एस् . -------

भायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1983

निर्वेश सं०पी० म्रार० नं० 2405 अर्जंम रेंज 23-I/82-83----अतः मुझे, म्रार० म्रार० सार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/रु से अधिक है

और जिसकी सं टी॰ पी॰ एस॰ नं॰ 3, एफ॰ पी॰ नं॰ 926-1, एस॰ पी॰ नं॰ 1 ए, 668 वर्ग यार्ड है तथ जो पालडी सिटी तालुका अहमवाबाव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, अहमवाबाद में रिजस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31 अगस्त 1982

को पूर्वो क्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण से लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निम्बत में वास्तिक स्वय से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कभी करने या उत्तसे व्यने में सुविधा के निष्; और/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाड़िए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जतः अन्, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री मुकुन्दभाई जीकमलाल मारफतीया
  - (2) श्रीमती सवगुना मुक्दंशाई
  - (3) श्रीमती चींतन मुकुंदभाई
  - (4) श्री राहल मुकुन्दभाई
  - (5) श्री श्रपूर्व मृकुन्दभाई
    26, पारेख बिल्डिंग सेकंड फ्लोर, वालकेश्वर रोड़,
    वस्वई ।
    (श्रन्तरक)
- 2 श्री प्रवीत बी० शाह, प्रमुख—सुभद्रा एपार्टमेंटस ओनर्स एसोसिएशन 7/10 गोदावरीनगर, बाग, महमवाबाद।

(म्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा नशाहस्ताकारी के पास निविद्य में किए जा सकोगे।

स्वध्वकिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस, अध्याय में दिया विश्व हैं।

### अमुसूची

मीलकत जिसका सब रजिस्ट्रार ग्रहमवाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं 012850/31-8-82 है।

> मार० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, महमदाबाद

तारीख: 26-3-1983

भोहरु 🖫

त्रक्ष भार्दः सी . **वृत् . एव** .,-----------

आयुक्तर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 200-म (1) के सबीम सूचना

#### मारत बंदकार

कार्याल्य, सहायक भायकर जायुक्त (पिरीक्षण) अर्जन रेंज-I, शहमदाबाव

श्रहमदाबाद, दिनांक 28 मार्च 1983

नायक विश्विमम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रवाद जनत अधिनियम कहा गया है, की बारा 269॰ के संधीत समाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका खिंचत बाजार मूख्य 25,000∤- द∘ से बाधिक है

और जिसकी सं टी॰ पी॰ एस॰ 19, एफ॰ पी॰ नं 148 सब प्लोट नं 19 है। 123 वर्ग यार्ड, तथा जो मेमनगर, मोहन एपार्टमेन्ट, महमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद भ्रमुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद, में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, 10 ग्रगस्त 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यभापूर्विक्त तंपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यभान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पिकन, निम्नितिश्वित उद्देश्य से अक्त अन्तरण जिल्ला में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; ब्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी जाप या किसी धन या अध्य आस्तियों को; जिन्हें चारतीय धाय-घर मिनियम; 1922 (1922 का 11) या चक्त अधिनियम; या कन-कर अधिनियम, या कन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, जिपाने में तुविधा के लिए;

ज्त:, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. प्रभा ट्रेडींग कम्पनी, 32, हरीवल्लभ सोसाबटी, नरोडा, श्रहमदाबाद।

(अन्तरक)

 श्रीमती कुसुमबेन कुमुदचन्द्र परीख, 6, मोहन एपार्ट-मेन्ट, मेमनगर, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी कड़के पूर्वोक्त स्म्यत्ति की वर्धन के शिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्तु संपृत्तिः ने नर्जन् की संबंध में कोई भी नाक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की जबींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबींच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब तं 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध फिसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकी।

स्पाचनीकारण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गुमा है।

### मनुसूची

मील्कत जिसका सब रजिस्ट्रार प्रहमदाबाव रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं ॰ हैं 1863/10-8-82 है।

> न्नार० मार० मार० मार सक्षम प्राधिकारी स**हायक मायकर मायुक्त** (निरीक्षण) मर्जन रेंज <sup>I</sup>, भ्रहमदाबाद

तारीच: 28-3-1983

प्ररूप बाहै, टी. एन. एस...---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 28 मार्च 1983

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 2407/श्रर्जन-रेंज 23-1/82-83—यत:, मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उर्वित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संव टीव पीव 19, एफव पीव 148, सब प्लांट नव 19, 123 वर्ग यार्ज है सथा जो ममनगर, मोहन एपार्टमेंट भहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भ्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 10 श्रगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके रव्यमान प्रतिफल से, ऐसे रव्यमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाग की वाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में., मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्निनिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- प्रभा ट्रेंडिंग कम्पनी (ब्रार० एफ०) 32, हरीवल्लभ सोसायटी, नरोडा, ब्रह्मदाबाद। . (अन्तरक)
- 2. श्रीमती श्रवनाबेन भुलाभाई पटेल 3, मोह्न एपार्टमेन्ट मेमनगर, अहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनसची

मील्कत जिसका सब राजस्ट्रार ग्रहमदाबाद राजस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं 0 1184/10-8-82 है।

> आर॰ मार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज I, महमदाबाद

तारीख: 28-3-1983

### 

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमवाबाव अहमवाबाद, दिनांक 28 मार्च 1983 निर्देश सं० पी० आर० नं० 240/ध जैन रेंज 23-I/82-83—श्रतः मुझे, आर० आर० शाह, भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राविकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार • पृत्य 25,000/- धपथे से घिषक है और जिसकी सं० टी० पी० एस० 3, एफ० पी० नं० 673/2, एस० पी० नं० 4, 716 वर्ग यार्ड है। तथा जो कोधख पालड़ी सीम, सिटी तालुका, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23 अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिभत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) प्रौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप स कबित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण में हुए किया जाय को शक्त सदस अधिन नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किया प्राय या किसी घन या प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें मारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिलाने में मुविधा के लिए।

ग्रत: मब, उनत भिष्टिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में उनत प्रधिनियम की धारा 269-थ की जपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री चंद्रवदन हर्षदलाल सोढान
  - (2) श्री कुलदीप चंद्रवदन सोहान
  - (3) श्री रोशनकुमार हर्षदलाल सोठान पंचवटी, एलीसक्रीअ, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. पंचवटी एस्टेट ओनर्स एसोसीएशन चियर मैन--श्री बीपीनचंद्र मफतलाल ओल्ड सचिवालय के नजदीक, 14/1, विश्वरक सोसायटी सेक्रेटरी--श्री विजयनटबरलाल शाह, 5 संजय सोसायटी, शाहीबाग, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

्को यह सुचना चारी कर्ज पृत्राँक्त सुम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चनत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप ।→

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 वित की अवधि या तरसंबंधी क्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किये जा सकेंगे !

स्यब्दीकरण 1--इसमें प्रयुक्त शक्यों श्री र पर्यो का, जो उक्त शिव-नियम के खक्ष्याच 20-क में परिभावित है, बही सर्च होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है !

### अनुसूची

मल्कित जिसका सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं 11539/23-8-82 है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) , अर्जन रेंज- , अहमदाबाद

तारीख: 28-3-1983

प्रकृष **वाह**्य दी<sub>ल</sub> एम्<sub>ल</sub> एस्<sub>लावनवार</sub>

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के स्थीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाव, दिनाक 28 मार्च 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2409 ब्रर्जन रेंज 23-I/82-83—-श्रत: मुझे, आर० आर० भाह,

ष्ट्रायकर श्रिभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000∕-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० टी० पी० एस० 3, एफ० पी० नं० 673/2, एस० पी० नं० 8, 2711 वर्ग यार्ड, 1/3 हिस्सा है तथा जो पालडी सीम सिटी तालुका, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपादद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23 अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को जिसत बाजार मुख्य से कम को द्रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गईं है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित को वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाद की वावत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के सिए; बार/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में मिश्री के लिए;

् अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

 श्री ज्योतिन्द्र हर्षदलाल सोठान श्री गोकुल ज्योतिन्द्र सोढान पंचवटी एलीसब्रीज, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. पंचवटी एस्टेट ओनर्स एसोसीएशन चेयरमेन--श्री बीपीनचंद्र मफतलाल शाह 14/1, विश्वरक सोसायटी, ओल्ड सचिवालय के नजदीक, अहमदाबाद । सेश्रेटरी--श्री विजय नटबरलाल शाह, 5 संजय सोसायटी, शाहीबाग, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत अविकाशों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मित्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 - क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

मील्कत जिसका सब रजिस्ट्रार अहमदाबा बिकीखत न 11550/23-8-82 है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 28-3-1983

मोहर 🖫

प्ररूप वाद .टी. एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

### मारत चरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण ं अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 मार्च 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2410 मर्जन रेंज 23-1/82-83—-म्रत: मुझे, आर० आर० गाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० टी० पी० एस० 3, एफ० पी० नं० 673/2, एस० पी० 1, 1064 वर्ग थाई है तथा जो कोचरब पालडी सीम, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23 अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे ब्रथमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिय तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्देश्य से धक्त अन्तरण मिषित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुद्दै किसी अाम की गामत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के बारिय में कनी करने या उसते अधने में सूबिधा के बिए; बीहर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया थाना थाहिए था, जियाने में संविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के आरीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थास् ;—

 (1) श्री चंद्रवदन हर्षदलाल मोढान, पंचवटी, एलीसब्रीज, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. पंचवटी एस्टेंट ओनर्स एसोसियेशन चियर मैन--श्री बीपीनचंद्र मफतलाल शाह 14/1, विश्वरफ सोसायटी ओल्ड सचिवालयके नजदीक, अहमवाबाद सेक्रेटरी--श्री विजय नटवरलाल शाह, 5 संजय सोसायटी, शाहीबाग, अहमदाबाद ।

(अन्सरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

### वक्तु सम्मृतिक के ज़र्बन के सुम्बन्ध में कोई भी बालीप:--

- (क) इस सूचना के राष्पत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाय में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इत त्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन के भीतर बक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नथाहस्ताक्ष्टी के पाड़ विक्रित में निगर का सकींगे।

स्वक्षांकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### and the second

मील्कत जिसका सब रजिस्ट्रार अहमदाबाव रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं ० 11516/23-8-82 है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

तारीख: 28-3-1983

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 मार्च 1983

निर्देश सं०पी० आर० नं० 2411 अर्जन रेंग 23-1/82-

83——अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-क के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० एस० 3, एफ० पी० 673/2, एस० पी० 3, 1099 वर्ग यार्ड है। तथा जो कोचरब पालडी सीम. सिटी तालुका, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23 अगस्त 1982

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविंक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुइ किसी जाय की वाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर धीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बॉर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 27---46GI/83

 श्री चीराग चंत्रबह्न सोबदानढ, पंचवटी, एलीसन्नीज, अहमदाक्षाद।

(अन्तरक)

यं चवटी एस्टेट ओनर्स एसोसियेशन चेयरभैन-श्री बीपीनचद्र मफतलाल शाह, 14/1, विश्वरक सोसायटी, ओल्ड सिचवालय नजदीक के अहमदाबाद। सेक्रेटरी--श्री विजय नटवरलाल शाह, 5, संजय सोसायटी, शाहीबाग, अहमदाबाद। (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :~~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कृष्यों और पदौका, जोक उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूर्य

मिल्कत जिसका सब रजिस्ट्रार ब्रिअहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखन नं० 11537/23-8-82 हैं।

> आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 28-3-1983

मोहर∹

प्रक्म काइं, टी. एन. एस्.

जायकर जिभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यामय, सञ्चायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजैन रेंज-1, श्रह्मदाबाद श्रह्मदाबाद, दिनांक 28 मार्च 1983 निर्देश सं० पी० श्रार० न० 2412 23-1/82-83—एक्यू यत: मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं टी॰ पी॰ एस॰ 3, एफ॰ पी॰ 673/2, एस॰ पी॰ नं॰ 5, सबलोट 6 (पी) है। तथा जो 1582 वर्ग यार्ड, कोचरव पालडी सीम, प्रहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय प्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 23 प्रगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास कारने का जारण है कि यथापूर्वोक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल की निम्नसिकित उद्देश्य से उकत अन्तरण निम्निति के सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ने हुई किसी नाय की बाबत, उबत अधिप्रयंत्र के व्योग कर दोने के अन्तरक के वास्तित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के विद्युष्ट अदूर/था
- (स) ऐसी फिसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त जिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: जब, जिल्ह अधिनियम, की धारा 269-ग के जनूसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नसिशित व्यक्तियों अर्थात है——  श्री रोशन हर्षवदन सोठान पंचवटी, एलीसब्रीज, अहमदाबाद।

'(अन्तरिसी)

2 पंचवटी एस्टट ओनर्स असोसिएशन
चेयरभैन-श्री वीधानचंद्र मफतलाल शाह
14-1 विचरक सोसायटी ओल्ड सचीवालय
नजदीक,श्रहमदाबाद।
सेकेटरी-श्री विजय नटबरलाल शाह 5, संजय
सोसायटी शाहीबाग, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उच्छ सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश से
  45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि को भी
  जबिभ शव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
  व्यक्तियों में से किसी स्पनित बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जनत स्थापर संपरित में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सैकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्सूची

मीस्कत जिसका सब रजिस्ट्रार ब्रह्मदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नै० 11546 और 11541/23-8-82 है।

> स्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन-रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 28-3-1983

प्ररूप बार्षः टी. पुन्ः एस .------

आयुक्तर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-व् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 28 मार्च 1983

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 2413/एक्यू०23/1/82-83---यतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इत के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० एस० 3, एफ० पी० नं० 673/2 एस० पी० नं० 2, 1102 वर्ग यार्ड है। तथा जो पालडी सीम, सिटी तालुका, महमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय म्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम; 1908

(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 3 प्रगस्त 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, इस दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंति, रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेंश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है.—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः कृत्, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात्ः—  श्री कुलदीप चंद्रवदन सोठान पंचवटी, एलीसब्रीज, प्रक्षमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

2. पंचवटी एस्टेट ओनर्स एसोसीएशन चेयरमेन — श्री बीपोनचन्द्र मफतलाल शाह, 14-1, विखरक सोसायटी ओल्ड सचीवालय के नजदीक, श्रहमदाबाद, सेन्नेटरी—श्री विजय नटवरलाल शाह 5, संजय सोसायटी, शाहीबाग, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सुम्परिष्य के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इंतारा, अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शृद्धों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनस सी

मील्कत जिसका सब रजिस्ट्रार ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं 11535/23-8-8'2 है।

भार० ग्रार० भाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, भ्रहमदाबाद

तारीख: 28-3-1983

मोहर 🕄

दस्थ **बाह**े टी. एन. एस.-----

# भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 28 मार्च 1983 निर्देश सं० पी० भ्रार०नं० 2414/एक्यू० 23-1/82-83— यतः मुझे श्रार० श्रार० शाह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुट. से अधिक हैं

और जिसकी संव टीव पीव एसव 3, एफव पीव नंव 673/2, एसव पीव नंव 716 (पी) है। तथा जो 428 और 1580 वर्ग यार्ड, कोचख पाअडी सीम, महमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाधक प्रानुभाव में प्रीरपूर्ण हप से वर्णित है); रिकस्ट्रीकरण प्राधिकारी के कार्यालय, महमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण प्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख 23 प्रगस्त 1982

को पूर्वोक्त सुम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर धने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्थित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री पराग रोशनकुमार सोठान एलीस्क्रीज, पंचवटी, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

2. पंचवटी एस्टेट ओनर्स एसोसिएशन चेयरमेन— बीपीनचंद्र मफतलाल शाह 14-1, विखर सोसायटी, ओल्ड सचीवालय नजदीक ग्रहमदाबाद। सेकेटरी—श्री विजय नटवर लाल शाह, 5, संजय सोसायटी शाहीबाग, श्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित, में किए जा स्लोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस शध्याय में विया गया हैं।

#### अनसची

मिल्कत जिसका क्षेत्रफल (जमीनका) 1580 वर्ग यार्ड है तथा जिसका सब रिजस्टार घहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिक्री-खत नं० 11548 और 11544/23-8-82 है।

> म्नार० मार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमवाबाद

तारीख: 28-3-1983

प्ररूप आर्ष. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, ग्रह्मदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 30 मार्च 1983

निर्देश सं० पी० श्रार० न० 2415/23-1/82-83—स्यतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इल्फ्रें पश्चात् 'जन्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे न० 433-1, पैकी एस० पी० नं० सी० एरीया 4553 है। तथा जो पैकी प्लोट नं० 3, 910 धर्ग मीटर वेजलपुर, ग्रहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाधड़ अनुसूची में और फूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 17 प्रगस्त 1982 को पूर्वोक्त राम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल रो एरो इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर धने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचनें में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम गा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अताः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :--  श्री गुलाबजी अंजारजी ओपेरा हाउस रीलीफ सीनेमां के पीछे ग्रहमदाझाद।

(अन्तरक)

 श्री भगवानभाई चतुरभाई पुरोहित और श्री शिवराम भाई चतुरभाई पुरोहीत बी० एम० पी० टेक्सटाइल्स नारोल, श्रहंमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हिस- ब्रुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बाधोहुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीरो।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

मिल्कत जिसका सब रजिस्ट्रार श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 10936/17-8-82 है।

> स्रार० भ्रार० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, स्रहमदाबाद

तारीख: 30-3-1983 `

प्ररूप बाई• ही० एव॰ एस०----

### भायकर **मधिनियम, 1961 (1961 का 48)** की बारा : 269-व (1) के समीन सूचना

मास्त संस्कार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-1, श्रहमदाबाद्य श्रहमदाबाद, दिनोक 30 मार्च 1983

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 2416 एक्यू० 23-1/82-83—यतः मुझे, ग्रार० ग्रार० ग्राह
धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परवाद 'छका अधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-ख के अधीन सक्षम शांधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
वाजार मूल्य 25,000/- रुपये से यिषक है
और जिसकी सं० शहर कोटडा सिटी तालुका, एक० पी०
नं० 16 पैकी शोप न० 111 है। तथा जो 62.71 वर्ग मीटर
मस्कती क्लोथ डीर्लस सोसायटी, ग्रहमवाबाद में स्थित है (और
इससे उपाबद ग्रनुस्वी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम; 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 13
ग्रगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से अधिक हही किया गया है:——

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा ज़ससे बजने में सुविधा के लिये; और/मा
- (प) एसी किसी जाय या किसी धन अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना आहिए था स्थिपने में सृजिधा के जिए;

जतः ज्या त्रक्त विभिनियम, की भारा 269-ग के जनुसूरण जो, मी, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को सभीन निम्मतिक व्यक्तियों वर्भात् स्—

- 1. मैसर्स जमनादास हीरालाल (आर० एफ०),
  - (1) श्री नवीनचंद्र जमनादास ।
  - (2) श्री पन्नालाल जमनादास।
  - (3) श्री राजेन्द्र जमनादास
  - (4) और रोनाल दीव्याकांत सुप्तरीया बिल्डिंग, वी० एस० अस्पताल के सामने एलीसब्रीज, अहमवाबाब।

(अन्तरक)

- 2. मैसर्स प्रीटेक्ष कार्पोरेशन
  - (1) श्री चीमनलाल सोमाभाई।
  - (2) श्री रमनलाल सोमाभाई।
  - (3) श्री संजय ठाकोरलाल।
  - (4) श्रीमती मालतीबेन नरेशभाई।
  - (5) श्रीमती प्रफुलाबेन हसमुखभाई।
  - (6) श्रीमती बीनाबेन प्रकाशभाई मीठाखली, छ रस्ताके नजदीक एलीसक्रीज अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क;रता हुं।

उरून सम्पति के पर्धन है सम्मन्त्र में कोई भी भांक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की धर्वाध मा तत्सवंद्यी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धर्वाध, जो भी घर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (आ) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन केभीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदा किसी क्रन्य व्यक्ति द्वारा; बोहरकारीक्त सम्पत्ति के पास लिखिय में किये जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण।—इसमें त्रयुक्त त्रक्षे भीर पर्दो का, को उन्त भित्रियम के भव्याय 20-क में परिभावित है, वहीं सर्व होगा, जो उस भव्याय में दिया नवा है।

### नन्स्यो

मील्कत जिसका सब रजिस्ट्रार अहमवाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं 11981/13-8-82 है।

आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारी**ख**ः 30-3-83

मोहर 🗓

प्रक्ष बाइ .टी. एन. एस. ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्भाना

### भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयक्त सायक (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 मार्च 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2417एक्यू०23-1/82-83---यतः मुक्तेः आर० आर० शाह,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं क्यें नं 184, 185 पैकी एफ पी 21 और 27 टी पी एस -1 है तथा जो एफ पी 537, 687 वर्ग मीटर कोचरब पालडी अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्का अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके प्रयमान प्रतिफल से, ऐसे प्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उज्जत अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की वाबस, उन्तर अभिनियुम् के जभीन कट बोने के अन्तरक के दावित्व में कनी करने या उद्युत्ते बुचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियान में सुविधा के निष्ट;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र--

- (1) श्रीनन्द किशोर रमन लाल परीख
  - (2) श्रीमती उषाबेन रमनलाल परीख
  - (3) श्रीमती मंजुलाबेन आर० परीख 15, पाटीदार सोसायटी एलीसब्रीज अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. पूजा एपार्टमेन्ट ओनर्स एसोसीयेशन प्रपोजङ--के/ओ ओर्गेनाइजर श्री हरेशकुमार एम० पंडया हरसीध चेम्बर्स आश्रमरोड़, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को महस्पना जारी करके पूर्वोक्स संपृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकार्शन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकैंगे।

स्यष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वप्सूची

मीस्कत जिसका सब-रजिस्ट्रार अहमदाबाद ॄैरजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 12795/30-8-82 है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 30-3-1983

भोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 30 मार्च 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2418 एक्यू० 23-1/82-83-यतः, मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- का से अधिक हैं
और जिसकी सं टीं पीं एसं 22,एफं पीं 162, ब्लोक बीं , जीं एफं है तथा जो फ्लेट नं 1 बाला एपार्टमेन्ट पालंडी अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिंगत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 अगस्त 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई हैं और मूर्फ यहिवश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित दाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतर्क (अंतरकों) और अंतर्रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रविफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स्र) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना शाहिए था, छिपाने में गुविशा के सिए।

अतः अव, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिन्त्रित व्यक्तियों, अर्थात्:——

 श्री चंद्रकान्त रामप्रसाद जबेरी 1, सरल एपार्टमेन्ट, नारायन नगर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

 श्रीमती इन्दीराबेन छगनलाल आचार्य 2635, चार शेरी, पखालीज पोल, रायपुर, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मील्कत जिसका सब-रिजस्ट्रीर अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं 0 12473/16-8-82 है।

> आर० आर० शाह मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाव

तारीख: 30-3-1983

प्ररूप आर्थ . टी . एव . एस . -----

# आयक**र धक्षिनियम, 1961 (1961 का 43)** की घारा **269-म**(1) के **धधीन स्थ**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सम्भयक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 30 मार्च 1983 निर्देश सं० पी० स्रार० नं० 2419 एछपू० 23-1/82-83-यतः मुझे, आर० आर० गाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लोट नं० 2108 सी० 490 वर्ग यार्ड, जमीन और मकान है। तथा जो घाघवाडी मुख्य बार्डे भावनगर में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 अगस्त 1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति को उष्टित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उष्टित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर जिथितियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्थ में कामी करने या उससे बचने में सूबिधा के निष्ह, और /या
- (क) ऐसी विसी वाय या किसी धन या जन्य बास्तियों को, जिन्ह भारतीय बाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तल अधिनियम, धा धन-कर बिधिनियम, धा धन-कर बिधिनियम, पा धन-कर बिधिनियम, पा धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गुनिभा के सिए;

 श्रीमती निर्मलाबेन प्रवीनचन्द्र रायमगीय कनबीवाड बांकडीया की गेरी भावनगर।

(अन्परक)

 शाह कान्तीलाल जयंतीलाल भगा तलाव, डबगरवाली शेरी डंडी खडकी भावनगर। -

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अतस ची

मील्कत जिसका सब रिजस्ट्रार भावनगर रिजस्ट्रीकर्ता बिकीखत न० 2360/23-3-82 है ।

आर० आर० माह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 30-3-83

मोहर 🗀 🏢

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद दिनांक 30 मार्च 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2420 एक्यु० 23-1/82-83---मतः, मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का.43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- र. से अधिक है

और जिसकी सं टी पी एस नं 6 सर्वे नं 223 पैकी एफ पी नं 269, है। तथी जो एस पी नं 25-बी थालडी, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के तारीख 5 अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रव्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्र्यमान प्रतिफल से, एसे श्र्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय. की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंत्रक के दायित्व में कमी अंतरे या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भूविधा के लिए;

अप्न. अब, उक्त अधिनियम की धारा \* 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्री नरेन्द्र वाडीलाल गाह 25-बी, गुजरात ब्रहामशास्त्री को० ओ० हा० सोसायटी लीमीटेड पालडी, अहमदाबाद-7।

(अन्तरक)

 श्री अमरचंद जानकी दास अग्रवाल श्री नारायन ग्रमरचन्य ग्रग्रवाल न्यु मश्रुपुरा इन साइड, अहमदाबाद।

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिविदत में अन्य किए जा सकोंगे।

स्थळीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जनसंची

मील्कत जिसका सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 11587 /5-8-82 है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–1, अहमदाबाद

तारीख: 30-3-1983

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत, सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमबाबाद

अहमदाबाष, दिनांक 28 मार्च 1983

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 471-की कांत करूपा बंगला 533.61 वर्ग मीटर है। तथा जो प्रभुषास तालाब, नजदीक भावनगर में स्थित है (आर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भावनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13 अगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपर्तित के उपित बाजार मूल्य से कम के सर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उप्देश्य से उपत अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से काथस नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अतः जनत अधिनियम की भारा 269-न कें, अनुसरण में, मैं, जनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री वीरेन्द्रभाई कान्तीशंकर भट्ट, एच० यू० एफ० के कर्ता श्री वीरेन्द्रभाई कान्तीशंकर भट्ट, प्लाट नं० 9-A मानिकवाडी स्टेशन के सामने भावनगर। (अन्तरक)
- 2. श्री गुजरनार गेराबानु ऐरेच्या ए० उमरीगर वारसवारो—श्रीमती जीनीबेन एन० पटेल श्रीमती महेरोबेन जे० उमरीगर मिलेस रशीदाबानु एस० उमरीगर प्लोट नं० 471-बी, प्रभुवास तालाब के नजदीक, भावनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावंर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, हानी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## मनसूची

मिह्फित जिसका सब-रिजस्टार भावनगर रिजस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 2286/13-8-82 है।

> आर० आर० जाह सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त** (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहुमदाबाव

तारीख: 28-3-1983

मोहर 🖫

प्रकृष वार्द. टी. एन्. एस्, -----

भायकर मिथिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नुभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाव दिनांक 30 मार्च 1983

निर्देण सं० पी० आर० नं० 2422-23-1-82-83---यतः ् मुझे आर० आर० गाह

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-क के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 31/1/1 पैकी एफ० नं० 72 क्षेत्रफल 443 वर्ग मीटर है । तथा मेमनगर सीम सोटी तालुका, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबक्क अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17 अगस्त 1982

को पृश्वेषित सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारणहै कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, ऐसे रूरयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशा से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) नगरण से हुए किसी नाम की नायक, उपल निवित्तम के नभीन कर देने के जन्तरक के बाह्मिए में कमी कड़ने मा उससे बचने में सुनिवा के सिए; जोड़/बा
- (ह) एसी किसी आय या किसी धृत अन्य आस्थियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में स्विधा के सिए

अतः अन, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्ग में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निस्निलिश्वत व्यक्तित्यों, अर्थात् :--- 1. श्री कालीवास रनछोडभाई प्रजापती और श्रीमती गंगाबेन कालीदास रनछोडभाई मेमनगर अहमदाबाद

-(अन्तरक)

2. मैसर्स न्यू नारायन को० ओ० हा० सोसायटी प्रोमोटर --श्री वीपीनभाई रनछोड़भाई पटेल महाहाखली अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

का ग्रह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्प्रित् के अर्थन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सम्बां और पवाँका, जो उपस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मील्कत जिसका सब रजिस्टार अहमदोबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 12129/27-8-82 हैं।

> आर० आर० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

तारीखा: 30-3-1983

# प्ररूप नार्च, दी, एन, एस.------

जायकर ज्यिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

अहमवाबाद दिनांक 31 मार्च 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2423-23-I/82-83---यतः, मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सिटी सर्वे नं० 1/जी०/5 प्लान नं० 1 प्लोट नं० 5 -ए हैं। तथा जो 4488 वर्ग मीटर कोच हाउस रोड़ स्वस्तीक सोसायटी नजदीक जामनगर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जामनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1008 का 16) के अधीन तारीख 13 अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वश्येष्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उच्छ अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बादित्य में कमी कड़ने वा उध्ये अपने में बुविधा के लिए; जाड़ि/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भागा जाहिने था, छिपाने में सविभा के लिए;

कतः जब, उक्त जिथिनियमं की भारा 269-न के जनुसरन में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपभारा (1) के अधीन, निम्नितियित व्यक्तियों, जर्मात् :---  पूष्पाबेन शांतीलाल अंजारीया 'देवान' 6-पटेल कोलोनी, जामनगर।

(अन्तरक)

2. श्री मोहनलाल मथुरदास कोटेचा एच० यु० एफ० के० कर्ता मोहनलाल मधुरदास कोटेचा चि० यु० एफ० के० श्री भगनलाल मथरदास कोटेचा एच० यु० एफ० के० कर्ता मगनलाल मधुरदास कोटेचा ग्रेन मारकेट, जामनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पर्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

# उक्त सम्पर्तित के अर्थन के संबंध में कोई आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र कें प्रकाशन की तारी ख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया हाँ।

## **मन्**स्ची

मील्कत जिसका सब रजिस्टार जामनगर रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 2572/13-8-82 है।

> आर० आर० माह सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

तारीख: 31-3-1983

मोहर 🐠

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयुकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाव, दिनांक 31 मार्च 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 242423-I/82-83----यतः मुझे आर० आर० शाह

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्वात जिया अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन हिस्सा नं० 9, 6, 2, 5, 8, 3, 7, 1 और 4 सिटी एस नं० 1558 है। तथा जो शीट नं० 169, 4006 वर्ग यार्ड, बोर्ड नं० सिटी सालुका, भावनगर में स्थित है और इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1008 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17 अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया नृया है एन

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा कै लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ण के अनुसरण में, मैं, जक्त अधिनियम की भाग 269-ण की उपभाग (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— 1. श्री मोहमद हुसेन फेमीली ट्रस्ट नं० 11 की ओर से ट्रस्टी मोहमद हुसेन ए० मरचंट श्रीमती मेरी महमद-हुसेन मरचंट मीस जुवेदा अब्दुल हुसेन बोम्बे। (अन्तरक)

2. विजय सी० ग्रेठ — चेयरमेन फेन्डस पार्क को० ओ० हा० सोसायटी लिमिटेड भावनगर , भावनगर। (अन्सरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भूर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुरा है।

### जनसंची

मीस्कत जिसक सब रिजस्ट्रार भावनगर रिजस्ट्रीकर्ती बिकीखत नं $\circ$  2317, 2323, 2322, 2321 2320, 2319 2318, 2316 और 2315/17-8-1982 है।

आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, अहमवाबाद

तारीख: 31-3-1983

मोहर 🏭

प्ररूप भार्ड . टी. एन. एस. - - - ----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, अष्ठमदाबाद

अहमवाबाय, विनांक 2 अप्रैल 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2425 23-1/82-83—यतः मुझे, आर० आर० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव टीव पीव एसव 2, एकव पीव 52 पैकी है । तथा जो भावनीपूरा, राजपुर हीरपुर अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अब उक्त अधिवियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री बीपीन कुमार रनछोड़लाल पटेल दालाची बिल्डिंग एलीसब्रीज मंगलदास टाऊन हाल के सामने अहमदाबाद। (अन्तरक)
- 2. श्री चीमनलाल गुलीपराजभाई कपुरीया जनयंत चोक, जगाभाई शेहफी पोल आस्टोडिया ढाल की पोल, अन्नमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के. भर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

### अंतराधी

जमीन जिसका क्षेत्रफल 605 वर्ग यार्ड है जो भावनीपुरा, कांकरीया टी० पी० एस० 2, अहमदाबाद से में स्थित है तथा बन रजिस्ट्रार महमवाबाद रिजस्ट्रीकर्ती बिकीखत नं० 11639 मीर 11645/5-8-82 है।

आर० आर० णाह् सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, अहमवाबाद

तारीख: 2-4-19832

मोहर 🎉

बरूप माइ. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैहबराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1982

निर्देश आर० ये० सी० नं० 21/83-84——यतः मुझे एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रवात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के सधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विख्वास करने का कारण हैं कि रशावर सम्हरित, जिसका उचित वाजार सून्य 25,000/रा. से प्रधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लट नं० 301 है जो नारायणगूडा, हैदराबाद स्थित है (और इससे उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चौक कडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख अगस्त 1982

को पूर्वित्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विद्यास करने के कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के सीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किश्रत नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण से हुद्दं किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के ,दाशित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अन्, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ए के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् हु——  मैंसर्स विनायक यंटरप्राइजेस, बाई श्री एम० विनायक 3-4-536, वरकतपूरा, हैवराबाद।

(अन्तरक)-

2. श्री विशमजी खमजी करानी, 301, यअरबस अपार्ट मेन्ट, 3-5-585 हीमायतनगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध , जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी नन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में निग्र जा सकेंगे।

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

### अनुसूची

पलट नं० 301 एम० नं० 3-5-585 और 586 नारायण-गूड़ा हैवराबाव विस्तीर्ण 1177 चौ० फूट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 829/82 रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी चीककडपल्ली हैदराबाद ।

> . एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख: 4-4-1983

प्ररूप वाह्र टी. एन. एस. -----

कायकर मुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 4 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 22/83-84—यतः मुझे एम० जेगन मोहन

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूठ. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 403 है जो नारायणगृङा हैदरा-बाद में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय चौक्कडपल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधिम तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिस्त उद्देश्य से उन्त अन्तरण मिचित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत्, उक्त अधिनियम के धधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन-या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय्-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा सविधा के लिए;

अतः अष, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 29—46 GI/83  मैसर्स विनासक इंटरप्राइजेस, वाई० श्री एम० विनासक 3-4-536, बरकतपूरा, हैवराबाव।

(अन्तरक)

2 श्री संजय बी० आस्वानी पिता बी० के० आस्वानी, 3-5-585, हीमायतनगर, हैवराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त घट्यों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

प्लाट नं० 403, एम० नं० 3-5-585 और 586, नारायणगुड़ा, हैदराबाद, विंस्तीर्ण 1187 चौ० फूट, रजस्ट्री-कृत विलेख नं० 830/83-84-रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीक्कड-पल्ली, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण अर्जन रेंज, हैवराबाद

ता**रीख**: 4-4-1983

# प्रकप भाई • टी • एस • एस •---

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाव हैदराबाद, दिनांक 4 श्रप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 23/83-84---यतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ूब को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 210 है, जो नारायणगुड़ा हैदराबाद में स्थिति है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है, रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चीक्कड-पल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को प्रांचित सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) की अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---  नैसर्स विनायक इंटरप्राइजेस, वाई श्री एम० विनायक 3-4-536-बरकतपूरा, हैदराबाव।

(अन्तरक)

 श्रीमती ई॰ मचेट पित पी॰ सी॰ मचेट, 4-1-1210, बगुलकुंटा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारी वासे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्राय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाम लोखन में किए का सकर्ण।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लेट नं० 210 एम० नं० 3-5-585 और 586, नारायण-गुड़ा, हैवराबाद, वितीर्ण 1006, चौ० फूट, रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी चीक्कडपल्ली, हैदराबाद।

> एम० जेगन `मोहन सक्षम मित्रकारी सहायक श्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-4-1983

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

पायक्त प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का आरः 289**-व (**1) के **भवी**त सुचना

### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 सप्रेमेल 1983

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 24/83-84---यतः मुझे एम० जेगन मोहन

कायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उमत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-खा के अधीन सक्षम प्रधिकारी को या विश्वाप करने का कारण है कि स्थानर तंपलि जिसका उचित दाजार मूल्य 23,000/- द॰ से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 408 है, जो नारायणगुडा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चिक्कडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कर के दृश्यमान प्रतिपत्त के लिए मन्तरित की गई है पौर पृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत्ते, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पखह प्रतिशत से प्रधिक है प्रीर अन्तरक (प्रश्तरकों) घौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्तलिखित उद्देश्य न उक्त अन्तरण लिखित में बाक्तिबक एक से कि पित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण सं हुई किसी आध को बागर वक्त मिति-नियम के अधीन कर वेन के मन्तरक के वायक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ब) ऐसी कियो प्राय या किसी धन **या प्रत्य बास्तियों** को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर **प्रधितियम, 1922** (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर प्रश्नितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, जियाने में सुविधा के सिए;

ज्ञतः प्रश्न, उक्त श्रिष्ठितियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, इक्त श्रीष्ठितियमं की धारा 268-न की उपधारा (1) के अधीन, गिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  मैसर्स विनायक इंटरप्राइनेस, बाई श्रो ए १० विनायक 3-45-36, बरकतपूरा, हैवराबाव।

(अन्तरक)

 श्रीमती के० कोंडम्मा पती रामचंद्रारेड्डी, फ्लेट नं० 408, 3-5-585 नारायण गुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बर्गेत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां जुरु करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इत भूवना व राजपत्र में प्रकाणन की नारील में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जोभी अविधि बाद में जमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ब) इस पुत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन नक किसी अन्य व्यक्ति शारा अधीतस्ताक्षरों के पास लिखिन में किए का सकरें।

स्यव्होश्ररण---इसमें प्राप्तत गर्भा प्रौर पर्यो का, जो उन्त प्रवित्यय क्षत्रक्ष्याय 20-क में परिभाषित है, को अब होता, जो उन्तर्याय के जिला गया है।

## अनुसूची

पलेट नं० 408, एम० नं० 3-5-585 और 586, नारायण-गुड़ा, हैवराबाव, विस्तीर्ण 1187 चौ० फूट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 832/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीक्कडपल्ली, हैदराबाद ।

> एम ० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-4-1983

मोहर 🕄 🥆

# प्रकप भाई• टी• एन• एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैवराबाय हैवराबाय, विनाक 4 भग्नेल 1983

निर्देश सं० आर० ये०सी० नं० 25/83-84---यतः

मुझे एम० जेगन मोहन

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 208 है, जो नारायणगुडा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चिक्कडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से काम के ख्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ख्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्नसिक्ति उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी गाय की बाबत, उन्तर वृधिनियम के अभीत कर दमें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन वा खन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ज्लारती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----  मैसर्स विनायक इंटरप्राइजेस, वाई श्री एम विनायक, 3-4-536, बरकतपूरा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री तौफीक आहेमद पिता श्री शफीआ हेमद, 20-1-282, इनसाइड ओल्ड बिज, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सुचना पारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेषित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनसची:

फ्लेट मं॰ 208, एम॰ 3-5-585 और 586, सारायण-गूडा, हैवराबाद, विस्तीण 1187, चौ॰ फूट॰ रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 833/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीक्कडपल्ली, हैवराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रिधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाव

तारीख: 4-4-1983

मोहर ः

प्ररूप भार्द्रा. टी. एन. एस. -----

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के मुधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर बायुक्त (निर्धाक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 26/83-84---यतः मुझे एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं ० फ्लेट नं ० 209 है, जो नारायणगुडा, हैदराबाय में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रींकर्ता अधिकारी के कार्यालय जिक्कडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रींकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्ते अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ए'से किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयक र अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के निए;

ज्तः अब, छक्त जिधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,

मैससं विनायक इंटरप्राइजेस, वाई श्री एम॰ विनायक,
 3-4-536, बरकतपुरा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री सी० पिल्लेस्वर राव पिता श्री संत्यनारायणमूर्ती, 3-5-585 , हीमपयननगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तब्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ----इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसुची

फ्लेट नं० 201 एम० नं० 3-5-585 और 586, नारायणगुडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1177, चौ० फूट रजिस्ट्रीकृत, बिलेख नं० 834/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चीन्कडपल्ली, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रीधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदरासाय

तारीख: 4-4-1983

प्रकल काइ. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 4 अप्रैल, 1983

निर्देण सं० आर० ये० सी० नं० 27/83-84--यतः मझे एम० जेगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रीत, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 306 है, जो नारायणगुडा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपायक अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चौक्कडपल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वो कत संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के अवस्थान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरका (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी जाय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्थ अन्तरिती वृतारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थत् हि—-

 मैसर्स विनायक इंटरप्राइजेस, बाई श्री एम० विनायक, 3-4-536, बरकतपूरा, हैवराबाव।

(अन्तरक)

 श्री एम० विनायक पिता एम० गोविंद, 3-4-536, बरकतपूरा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति होता है।
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थाँ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनसची

फ्लेट नं० 306, एम० नं० 3-5-585 और 586, नारायणगुष्ठा, हैवराबाद, विस्तीर्ण 1177, चौ० फूट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 836/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीनकडपल्ली, हैदराबाद।

एम०जेगन मोहन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 4-4-1983

मोहर 🕉

प्रकप गार्थं ही । एन । एस •---

भागकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की भाग 269-प(1) के मजीन सूचना

### ज्ञारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मन्नेल, 1983

निर्देश सं. आर० ये० सी० नं० 28/83-84—यतः मुझे एम० जेगन मोहन

स्रायकर सिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात् 'उन्त बाह्यिनियम' कहा गया है), की द्यारा 269-ख के सधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्ष 25,000/- व॰ से सहिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 401 है, जो नारायणगूडा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्णेरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चीक्कडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को प्वॉक्त संपत्ति के उणित नाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिये जंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित नाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रश्चिक है जोर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के शीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण जिखित में नास्तिक अप से कवित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उकत जिथ-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे वजने में स्विधा के स्मिए; और/या
- (व) ऐसी किसी वाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविभा के निए;

अतः अस्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों मुक्ति — 1. मैसर्स विनायक इंटरप्राइजेस, वाई श्री एम० ब्रिनायक 3-4-536, बरकतपुरा, हैदराधाद।

(अन्तरक)

श्रीमती व्ही० मुसीलावेवी पति व्ही० हरीनाथराव, 3-5-585, हीमायतनगर, हैदराबाव

(अन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वीक्त सन्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाद्वियां करता हूं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचितस स्थायता में से किसी व्यक्ति हथारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाम लिखिश में किए जा सकरेंगे।

स्यब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची:

फ्लेट नं॰ 401, एम॰ नं॰ 3-5-585 और 586, नारायण-गुडा, हैवराबाद, विस्तीर्ण 1177 चौ॰ फूट, रजिस्ट्रीकृत विलेख मं॰ 835/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीक्कडपल्ली, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम भ्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-4-1983

मोहर 🖫

# प्रक्प नाइ. टी. एम. एस. - - - ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाध

हैदराबाद, दिनांक 4 ग्रप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० 29/83-84---यतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० 105 है, जो नारायणगुष्ठा, हैदराबाद स्थित है (और इससे उपावश्व अनुसूची में और पूर्णेरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चीक्का पल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह श्वरवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कभित नहीं कि ा गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था कियाने में सृविधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिक्स व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मैसर्स विनायक इंटरप्राइजेस, वाई श्री एम० विनायक 3-4-536, बरकतपूरा, हैवराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री के॰ ग्रार॰ आजयरेड्डी पिता नरसीरेड्डी, 6-1-284/5, पवमारावनगर, सिंकंदराबाद।

(अन्तरिली)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपीत के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 50 दिन को अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्ति या त्रिंग में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जनसंभी

पलेट नं० 105, एम० नं० 3-5-585 और 586, नारायण-गुड़ा, हैवराबाय, विस्तीर्ण 1006 चौ० फूट रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 837/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीक्कडपल्ली, हैवराबाद।

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-4-1983

मोहर 🕄

# प्रका धाई । ही । युग्न एस •-- -

भाषफर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मं (1) को अभीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 स्राप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 30/83-84—-यतः भुक्षे एम० जेगन मोहन

नायकर सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 304 है, जो नारायणगुडा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चिक्कडपल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कम निम्नीसिचत उद्देश्य से उन्तर अन्तरण निवित में बास्तविक स्म से कमित महीं किया नया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाद की बादत उदत बीध-निमम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारियाद में कमी करने या उससे दवने में स्विधा के लिए; और/वा
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता बाहिए था, कियाने में स्विधा के सिए;

नतः सन, यसत मिणियम की भारा 269-ग को, अनुसरण नो, मी, उक्त मिथिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को नभीतः निम्निलिकित स्वितियों, सर्थातः —— 30—46 GI/83 मैसर्स विनायक इंटरप्राइजेस बाई एम० विनायक,
 3-4-536, बरकतपूरा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्रय सुख्वारामी रेड्डी पुन्न श्री राधवारेड्डी राजाजी स्ट्रीट, जी० एन० टी० रोड़, नेलौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वाँक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अवधि या तत्सकानधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-विद्धा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकिस में किए जा सकने।

स्पद्धिकरेंग:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस कथ्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लेंट नं० 304 एम० नं० 3-5-585 और 586, नारायण-गुडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1177 ची० फूट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 838/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीक्कडपल्ली, हैदराबाद।

> (एम० जेगन मोहन) सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-4-1983

प्ररूप आहाँ. टी. एत. एस. -----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) को अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 ध्रप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 31/83-84—यतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार, 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मस्य 25,000/- रा. सं अधिक हैं

और जिसैकी सं० फ्लेट नं० 308 है, जो नारायणगुडा, हैयराबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीक्कड्रपल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के सिए तय पावा गया प्रतिक्त फर में अधित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत छक्त लिध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और/या
- (ब) ऐसी किमी जाय था किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती हवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में मुविधा के किए:

ं अतः अब उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः:--  मैसर्स विनायक इंटरप्राइजेस, बाई० ऐम० विनायक, 3-4-536, बरकतपूरा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री सी० बी० न्यूटन पुत्र भूषनम, बंगला नं० 3, कोपरी कालोनी ठाना, बम्बई:

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और वर्षों का, जो जनत अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### अतसची

फ्लेट मं० 308, एम० 3-5-585 और 586, नारायण-गुड़ा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1187 चौ० फूट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 824/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीक्कड्रपल्ली, हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षय प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैमराबाद

तारीख: 4-4-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1983

निर्वेश सं० आर० ए० सी० न० 32/83-84---यतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 405 है, जो नारायणगुडा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाश्वद्ध, ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जिक्कडपस्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिर्म के बास्त में बास्तविक क्यू से कथित नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण से हुईं किसी आज की वानत, जन्त जिभिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोपनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

 मैसर्स विनायक इंटरप्राईजेस, वाई० एम० विनायक, 3-4-536, बरकतपूरा, हैवराबाव।

(अन्तरक)

 श्रीमती एम० गीलारानी पति एम० विनायक, 3-5-585 और 586, हीमायतनगर, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरः करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचर्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लेट नं० 405 एम० नं० 3-5-585 और 586, नारायण-गुड़ा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1006 चौ० फूट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 825/83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीक्कडपल्ली, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अग्रयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:---

तारीख: 4-4-1983

मोहर 🖫

# प्रकृष बाई । टी । एन । एस ----

# भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के सभीत सुकता

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर अ आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 श्रप्रैल 1983

यतः मुझे एम जेगन मोहन
आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संग्रमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी केक ार्यालय हैदराबाद

में भारतीय रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16)

के अधीन, तारीख अगस्त 1982
को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पम्झह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त खिलियम के अधीन कर देने के अञ्चरक के दायिस्य में कमी करने वा खनमें में मुविधा के लिए और/मा
- (ख) ऐसा फिसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिस्ते नारतीय आय हर अधिनियम, 1922 (1922 हा 11) पा उक्त प्रविनियम, बा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्रिता और। प्रकट नहीं किया गया था ना किया जाता वाहिए था खिलाने में सुविधा क निया;

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के ब्राधीण, निम्निलिखित व्यक्तिस्यों, व्यक्ति :---  मैसर्स धनंनजय होटल प्रा० लि० बाई० डाइरेक्टर, श्री ए० जीतेंद्रानाथ नं० 5-9-12, सइफाबाद, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. मैसर्स लक्ष्मी रेंटलस, बाई ० के० वी० एल० एन० प्रसाद, प्लेट 'सी' फस्ट फ्लोर, 5-9-12, सङ्फाबाद, हैवराबाद।

(अन्तरिती)

उपस सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) एन गूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, क भीतर पूर्वीवत स्वितयों में से निसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस युवना है राजपन में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिसबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हवन्द्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पतीं का, जो उक्त श्रीयतियम के श्रष्टणम्य 20-त में परिभाषित है, बही श्रक्षे होगा जो तथ ग्रहमा में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लंट नं. 'सी' एम. नं.  $5^9-12$ , सइफाबाद, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1820 ची. फूट. रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 5564/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>े</sup>ज, हैंदराबाद

तारील : 4-4-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैवराबाद

हैयराबाद, विनोक 4 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 34/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उच्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० सी' बी' है, जो सङ्फाबाद हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबक्क अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक श्रगस्त, 1982।

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स मुधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :—— (1) मेसर्स धनंनजय होटल प्रा० लि० बाइ डाइरेक्टर, श्री ए० जितेन्द्रनाथ नं० 5-9-12, सङ्काबाद, हैवराबाद।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स लक्ष्मी रेटल्स, फूट 'बी' फस्ट फ्लोर, 5-9-12, सङ्फाबाद, हैंदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्प्रत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं  $\circ$  'बी' एम  $\circ$  नं  $\circ$  5-9-12, सइफाबाद, विस्तीर्ण 1900 चौ  $\circ$  फुट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं  $\circ$  5565/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैंदरबाद

दिनांक: 4-4-1983

प्ररूप बाहु . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 35/83-84---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और िसकी सं॰ फ्लैंट नं॰ 'सी' 'ड' है तथ्य जो सद्दफाबाद, हैंदराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक श्रगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से एसे स्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिक्त उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कृषित नहीं किया गया है ;—

- (क) अन्तरण से हुर्ड किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अवृ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) मेसर्स धननजय होटेल प्रा० लि० बाइ डाइरेक्टर, श्री ए० जीतेंद्रानाय, नं० 5-9-12, सङ्गाबाद, हैदराबाद।
  - ं (अन्तरक)
- (2) मेसर्स लक्ष्मी रेटल्स, बाइ के० वी० एल० एन० प्रसाद रोड नं० 12, बंजारा हील्स, हैं बराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अत्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पलैट नं ॰ 'श्री' प्रथम तल, एम॰ नं ॰ 5-9-12, सङ्फाबाद, हैंदराबाद, विस्तीर्ण 1681 चौ॰ फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं ॰ 5563/82, रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी हैंदराबाद।

एम० जोंगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैयराबाद

दिमांक: 4-4-1983

त्रक्ष बाह'. टी. एस. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराक्षाद

हैवराबाद, विनांक 4 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 36/83-84---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातः 'उकत अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्तित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000'-रापये हैं अधित हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 'एच' है तथा जो सइफाबाद, हैंदराबाद में स्थित है, (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता, ग्रंधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक ग्रंथस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ब है और मभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में गम्तिक रूप में किंग्य नहीं किंग्य गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेसर्स धनंनजय होटल, प्रा० लि० बाइ डायरेक्टर, श्री ए० जीतेन्द्रनाथ, नं० 5-9-12, सङ्फाबीद, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स लक्ष्मी रेंटल्स, के० एल० एन० प्रसाद, रोड नं० 12, बंजाराहीलस्, हैंदराधाय ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ण।

स्पाद्धीकरणः -- इसमें प्रयासत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनसची

फ्लैट नं० <sup>'</sup>एच०' एम० नं० 5-9-12, सङ्फाबाद, हैंदराबाद, विस्तीर्ण 1122 औ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5562/82, रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी हैंदराबाद ।

> . एम० जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 4-4-1983

प्ररूप आहर्ष, टी, एन. एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 37/83—84——यतः मुझे, ए स० इंग्न मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्णात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

'और जिसकी सं० 'डी' 7वीं मंजिल है तथा जो सहफाबाद, हैंबराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, हैंबराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1982

को पूर्वा क्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफ के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल सं, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति रही द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मेसर्स धननजय होटल प्रा० लि० बाइ आयरेक्टर, श्री ए० जितेन्द्रनाथ, नं० 5-9-12, सङ्फाबाद, हैंदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री मसुद हुशनी कांचनवाला पिता खयाम हुशनी, हैदरगुडा, हैदराबाद ।

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पृथोंक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैंट मं० 'डी' एम० नं० 5-9-12, सइफाबाद, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1052/82, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5561/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैवराबाद

दिनांक: 4-4-1983

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायक र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 38/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

मायकर धिमियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है); की धारा 269 का के पश्चीन सकम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यन्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- २० से प्रधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट 'इ' 7वीं मंजिल है तथा जो सहफाबाद, है दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, है दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक श्रगस्त; 1982।

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेष्य से उच्च अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त भिष्ठितियम, या धन-कर भिष्ठितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिएं।

बत: अब., उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ बधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--31—GI4683 (1) मेसर्स धननजय होटल प्रा० लि० बाइ डायरेक्टर, श्री ए० जितेन्द्रनाथ नं० 5-9-12, सङ्फासाद, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स लक्ष्मी रेंटलस्, के० एल० एन० प्रसाद, रोड नं० 12, बंजाराहीलस्, हैंवराबाद

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के धर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन कि अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कि सी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म क्यक्ति द्वारा अभोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्मक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अबंहोगा, जो उस मध्याय में दिया गया है

## अमुसुची

प्लैट नं० 'इ' एम० नं० 5-9-12 सङ्फाबाद, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1052 चौ० फुट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5560/82, रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराझाद

दिनांक: 4-4-1983

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 39/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित भाजार मृत्य, 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्रलैट नं (भी 6वीं मंजिल है तथा जो सइफाबाद है दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, है दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1982।

को पूर्वों क्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि बथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ने) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृष्धा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1972 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अभः अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिलित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेसर्स धनंनजय होटल प्रा० लि० बाइ डायरेक्टर, श्री ए० जितेन्त्रनाथ, नं० 5-9-12, सङ्फाबाद, हैंदराबाद।

(अन्तरक)

(2) डा॰ कृष्णामूर्ति आल्लूरी, पिता लेट भूजंग राव, 76, एम॰ आई॰ जी॰ एच॰ मेहदीपटनम, हैंदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित- बद्ध किसी अन्य क्यक्ति हत्या अपाहरनाक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकारी।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त श्रीभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गैया है।

# अनुस्ची

फ्लैट नं० 'सी' एम० नं० 5-9-12, सङ्फाबाद, है वराबाद, विस्तीर्ण 1088 चौ० फुट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5559/82, रजिंस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी हैंदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 4-4-1983

प्रस्प बाइ . टी. एन. एस्.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 40/83-84-यतः मुझे एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और

अौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1 और 2 है तथा जो सइफाबाद, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्षित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक प्रगस्त, 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुन्दें किसी आय की बाबत उक्त जिथ-निवम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के निये; और/सा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बस्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के ब्योग, निस्नृतिकित व्यक्तियों, वृज्ति ४-- (1) मेसर्स धनंनजय होटल प्रा॰ लि॰ बाइ डायरेक्टर श्री ए॰ जितेन्द्रनाथ नं॰ 5-9-12, सइफाबाद, हैं दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० राजागोपाल राजू पिता ए० पुल्लमराजू, पंजागृद्दा आफिसर्स कालोनी, हैंदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुने।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त . क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 1 और 2 एम० नं० 5-9-12, सइफाबाद, हैदराबाद, विस्तीर्ण 580 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5558/82, रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैंदराबाह

विनांक: 4-4-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 31 मार्च 1983

निर्देश सं० सी ए 5/827/एस म्रार कल्याण/82-83— यतः, मुझे, भशिकांत कुलकर्णी,

आयक द्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें . इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं अर्थे नं 208-1-1 ए/2, 154/13, हिस्सा नं 6 क्रौर 14 सी अस्वनं 5339, 5344 श्रौर 5348 विलेज जोले है, तथा जो बोंबिवली तालुका, कल्याण जिला ठाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रुनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, कल्याण में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जलाई 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी आय की वावत छक्त धाँध-नियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के वायित्व में जमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए। घौर/बा
  - (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए।

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में ,मैं उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अचीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सूर्थात् ६ श्रीमती जयलक्मी के० कृष्णमहल, बार्क दाजी कास रोइ, माटुंगा, बाम्बे-19

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री टी० के ्रइंगले
  - (2) श्रीबी० के० झोपे
  - (3) श्री के० टी० इंगले
  - (4) श्री जी० के० महाजन मसर्स किरन बिल्डर्स एण्ड श्रागेनाइजर 14, मान्स कोग्रापरेटिव सोसाइटी लि०, जोशी हाई स्कूल के पीछे डोबिवली (ईस्ट) जिला ठाना (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सर्वे नं० 208-1-1 ए/2, 154/13, हिस्सा नं० 6 और 14, सी० सं० नं० 5339, 5344 और 5348, विलेज चोले, डोबिवली, तालुका—कल्याण जिला—ठामा । क्षेत्र—1596 स्कवे० यार्ड

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 1431, जो जुलाई 82 को दुय्यम निबंधक कल्याण के दफ्तर में लिखा है) ।

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 31-3-1983

मोहर 🕒

## संघ लोक सेवा प्रायोग

## गोटिस

# मिमाजित रका सेना परीका, अन्दूबर, 1983

## नई विल्ली, विनांक 30 समैल 1983

सं • एक • 8/8/82 प • I (च)—संघ लोक सेवा प्रायोग हारा निक्नोंकिन कीसों में प्रवेश हेतु 23 अक्टूबर, 1983 से एक सम्मिसित रखा केवा परीक्षा ग्रायोजित की जाएगी :---

#### रिक्तियों की संमाधित सं० कोर्स का नाम मोर 150 (एन० सी० सी०) सेना स्≉ंध भारतीय सैग्य प्रकाशमी, वेहरावून जुलाई, 1984 "सी" प्रमाण पक्ष प्राप्त अम्मीववारों के लिय धारिक्षतं 32 रिक्तमा में प्रारम्भ होने वाला 7 7वा सम्मिसित है। कोर्स (2) नौसेना प्रशावनी, कोचीन (जुलाई, 1984 में प्रारम्भ हो रहा कोसै)] (क) सामान्य सेवा an (एस० फी० सी०) नौसना <del>स्या</del>न्ध>"सी" प्रमाण प**स** धारियों के चिए 6 (धारकित रिक्तिया सम्मिलित है) (ख) बीसेना विमानन : 30 (3) वायुसेना प्रकावमी ए०एफ० 25 (एन० सी० सी० बायु सेना ए० सी०, कोयम्बलूर (जुलाई, स्कंख के "शी" प्रमाणपद्ध धारियों 1984 में प्रारम्भ होने वाले केलिए 10 भारतित रिक्तियाँ 136 वें एफ ० (पी०) को सै के सम्मिलित 👸 🏋 सिए उड़ानपूर्व प्रशिक्षण कोर्स) (4) मधिकारी प्रशिक्षण शाला, मन्नास (भवद्बर, 1984 में प्रारम्भ होने वाला 40वां एस० एस० सी क्र) एन०टी० (कोर्स)

विशेष ध्यान:—— (I) उम्मीववार को घाषेवन पत्न के कालम 8 में यह स्पष्ट रूप से बताना होगा कि वह किम सेवाफों के लिए भरीयता कम में विश्वार किए जाने का इच्छुक है। उसे यह भी सलाहबी जाती है कि वह घपनी इच्छानुसार जितना चाहे उतनी वरीयताओं का उल्लेख करें ताकि योग्यता कम में उसके रैक को ज्यान में रखते हुए वियुक्त करते समय उसकी वरीयताओं पर क्रकों भांति विश्वार किया जा सके।

उम्मीदवारों को ज्यान में रखना चाहिए कि नीचे विशेष ज्यान (II) की व्यवस्था की छोड़कर उन पर फेचल उन्हीं कोसों में नियुक्त हुतु विचार किया जाएगा जिनके लिए वे वरीयता निर्विष्ट करते हैं प्रस्थ कोसें (कोसों) में नियंक्त हेतु नहीं ।

अम्मीववार द्वारा घपने छावेवन पत्न में पहले निर्दिष्ट वरीयताओं में वृद्धि/परिवर्तन हेतु किसी प्रनुरोध को धायोग द्वारा प्रस्वीकार नहीं किया जाएगा ।

विशेष ह्यानः (II) स्वायी कमीशन प्रदान करने के लिए भा० सैन्य
प्रकारमी कोसे के इस परीक्षा से बचे हुए उमीववार मिंब बाद में झल्पकालीम सेवा कमीशन (गैर तकमीकी) कोसे के लिए विचार किए जाने के इच्छुक हैं तो निम्नलिखित शर्तों के अभीन झल्पकालीन सेवा कमीशन (गैर तक्षणीकी) प्रदान करने के लिए विचारण बीग्य ही सकते हैं। बाहे उन्होंने अपने भावेषन पत्नों में इस कोर्स के लिए अपनी पसन्य नहीं बताई है:---

- (I) यदि प्रस्यकाशीय सेवा कभीषान (गैर तक्नीकी) कोर्स के लिए प्रतियोगी सुमी उम्मीदवारों को खेने के बाद भी कभी है, गौर
- (II) जो उम्मीदवार ग्रम्भकाशीन भेवा कमीशन (गैर तक-तीकी) होतु वरीयता व्यक्त न करने पर भी प्रशि-अण के लिए मेजे जाते हैं, जुन्हें योग्यता सूची के कम में उस श्रंतिम उम्मीदवार के बाद रखा जाएगा जिल्होंने इस कोर्स के लिए विकल्प सूचित किया है, नयोंकि ये उम्मीदवार उस कोर्स में प्रवेश पा जाऐंगे जिसके लिए वे व्यक्त वरीयता के श्रनुसार हकदार महीं हैं।

नोठ 1---एन० सी० सी० (सेना स्कन्ध)/वायू सेना स्कन्ध (वरिष्ट ब्रमाग)/(नौसेना स्कन्छ) के "सी" प्रमाण पत्न प्राप्त उम्मीव-बार ग्रत्यकालिक सेवा कमीशन (गैर सक्तीकी) कोसी की रिक्तियों के लिए भी प्रतियोगिता में बैठ सकते हैं। चूकि जमी तक उनके लिय इस कोर्स में कोई घारकाण नहीं है। यतः इस कोर्स में रिक्तियों को भएने के लिए छण्हें सामान्य कम्मीववारों की तरह समझा जाएगा । जिन कम्मीव-बारों को समी एस० सी० सी० 'सी' प्रमाण-पक्न (क्षेता स्कन्ध)/(वायु सैना सकन्ध का अरिष्ठ प्रभाग) (नौसेना स्कन्ध) की परीक्षा उत्तीर्ण करनी है, किन्तु झन्पया घे बारिखित रिमित्तर्यों के लिए प्रतियोगिता में बैठने के पास हों, सो वे भी भाषेदन कर सकते हैं किन्सू उन्हें एन० सी० स्ती॰ 'सी' प्रमाण-पत्न (क्षेत्रा स्कन्छ)/(वास्, क्षेत्रा स्कन्छ)/ (नौ सेना स्कन्ध का वरिष्ठ प्रभाग) की परीक्षा उत्तीर्णं करने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा जो कि ब्राई० एम० ष्०/एस० एस० सी० (एस० टी०) प्रथम विकल्प वाले उम्मीद्रधारों के माश्रमें में सेना मुख्यालय मर्ती 6 (एस० पी०) (६०) नई दिल्ली-110022 तथा नौसेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में नौ सेना मुख्यालय/ भार ० एण्ड भार ०, सेना भवन, मई विल्ली-110011 को भीर बायु सैना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामली में बायु सेना मुख्यालय पी० घो०-3, वार् सेना प्रवम, मद्री दिल्ली- 110011 को 30 जून, 1984 तक पहुंच সপাত্।

श्रीरक्षित रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता की पावता हेतू उम्मीदवार ने राष्ट्रीय कवेट कीर में जो सेवाकी हो वह सीनियर डिवीजन सैना स्कन्ध में 2 शैकाणिक वर्षों थे कम न हां भीर सीनियर डिवीजन वायु-सेना/नीसेना स्कन्ध में 3 शैकाणिक वर्षों से कम न हो भीर भायोग के कार्यालय में भावेदनों की प्राप्ति की ग्रन्तिम तारीख को उसे राष्ट्रीय कैंडेट कोर से मुक्त हुए भारतीय सन्य ग्रकावमी/नीसेना ग्रकावमी/वायुसेना अकादमी कोर्स के लिए 24 मास से ग्राह्मक न हुए हों।

नोट II—भारतीय सना प्रकादमी कोर्स/वायु सैना प्रकादमी कोर्स/नी सेना भ्रकादमी कोर्स में एन० सी० सी० (सेना स्कन्ध/सीनियर विश्वीजन वायु सेना स्कन्ध/नीसेना स्कन्ध) के 'सी' प्रमाणपद्ध धारी उम्मीदवारों के लिए प्रारक्षित रिक्तियों को भरने के लिए प्रारक्षित रिक्तियों को भरने के लिए प्रशिक्त परिचाम के प्राधार पर प्रकृताप्राप्त इन उम्मीदवारों के पर्याप्त संक्या में न मिलने के कारण न भरी गई भ्रारक्षित रिक्तियों की धनारक्षित समझा जाएगा भीर उन्हें सामाध्य उम्मीदवारों से भ्रारा जाएगा।

धायोग ारा प्रायोजित होने वाली लिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा भयन बोर धारा लिखित परीक्षा बोर्ड में योज्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिए हायोजित होदिक धौर व्यक्तित्व परीक्षण के परिणाम के धायार पर उपर्युक्त कोर्सों में प्रवेश दिया जाएगा । (क) परीक्षा की योजना, स्तर धौर पाठ्नचर्मा, (ख) धकादमी/शाल। में प्रवेश शृत शारीरिक कमता स्तर तथा (ग) प्रारतीय सेना धकादमी, नौ सेना धकादमी धिकारी प्रियाक्षण शाला और बायु सेना धकादमी में प्रवेश पाने वाले उम्भीदवारों की सेवा प्राप्त की क्षित्त सूचना के सम्बन्ध में कमशः परिशिष्ट I, II, धौर विस्तार स समझाया गया है।

नोट: परीक्षा के असरते विश्वयों के प्रश्न पत्नों में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे आयों। नभूने के प्रश्नों सहित विस्तृत विवरण कृपया परिणिष्ट V पर "उन्मीदवारों को सुवनार्थ विवरणिका में" देखिए !

2. परीक्षा के कांद्र :--- प्रगरतला, धहमवाबाव, ऍजल, इलाहाबाव, वंगलीर, भोपाल, वस्वई, कलकला, वस्वीगढ़, कोचीन, कटक, विस्ली, विस-पुर (गोहाटी), हेदराबाद, इस्फाल, ईंटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, प्रशस नागपुर, पणजी (गोबा), पटना, पोटेंब्नेयर, रावपुर, शिलांग, शिमजा, श्रीनगर, तिकपित, विवेदम और विशाखापटनम ।

प्रामोग यदि जाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केंद्रों तथा तारीकों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लियें उनकी पसन्द के केन्द्र देंनें के सभी प्रयास किय जायेंगे तो भी प्रायोग परिस्थित कर किसी उम्मीदवार की अपनी विवक्षा पर धलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों की उक्त परीक्षा में प्रवेश से दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी देवी जाएगी (तीचे पैरा 11 देखिए)।

उम्मीदबार को ध्यान रखना याहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से संबद्ध प्रमुरोध को सामान्यतय। स्वीकार नहीं किया आएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदबार ग्रपने उस केन्द्र नं परिवर्तन बाहता है को उसने उक्त परीक्षा हेतु प्रपने आवेदन में निर्विद्ध किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा धौचित्य बताते हुए एक पत्र रिजस्ट डाक से भवन्य भेजना नाहिए कि वह फेन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे भन्देशों पर गुणवसा के आधार पर विचार किया आएगा किन्तु 23 सितम्बर, 1983 के बाव प्रान्त अनुरोधों को किसी भी स्थित में स्वीकार नहीं किया आएगा।

- 3. पाचता की सर्वें :<del>---</del>
  - (क) राष्ट्रिकताः

उम्मीदवार या सो

- (i) भारत का नागरिक हो, या
- (ii) भूटान की प्रजाहो, या
- (iii) नेपाल की प्रजा हो, या
  - (iv) तिब्बती शरणार्थी, जो स्थायी रूप से भारत में रहने के इरावे से 1 अनवरी, 1982 से पहले का गया हो,या
  - (v) भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, धर्मा, श्रीलंका, और पूर्वी अफ्रीकी देश जैसे कील्या, उगांबा तथा तंजानिया का संयुक्त गणराज्य भूतपूर्व टांगानिका और अंजींबार, जाम्बिया, मालाबी, जैरे और इधियोपिया और वियतनाम से प्रवजन कर साथा हो ।

परस्तु उपर्युक्त वर्ग (iii), (iv) और (v) के अन्तर्गत आने वाला अभ्भोटवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पाळता प्रमाण-पद्ध प्रवाद किया हो ?

पर नेपाल के गोरखा उम्मीदवारों के लिए यह पालता प्रमाण-पक्ष खाबनवर्क नहीं होगा ।

श्रिस उम्मीदवार के लिए पात्रता प्रमाण-पत्न आवश्यक है उसे खब्त परीक्षा में इस सर्व पर मंतिम कप से प्रवेच विया वा बकता है कि सरकार द्वारा उसे आवश्यक प्रमाण पत्न संघ लोक सेवा आयोग द्वारा परिणास की मोचणा से पहले दे दिया जाए ।

- (ख) आयु-सीमाएं लिंग या वैवाहिक स्थिति :---
- (i) भा० से० सकादमी, नौसेना और वायु सेना अकादमी के लिये: केवल अविवाहित पुरुष उम्मीदवार पाल है जिनका जन्म 2 जुलाई, 1962 के पहले और 1 जुलाई, 1965 के बाद न हुआ हो।
- (ii) अधिक्कारी प्रशिक्षण माला के लिये: केवल वही पुरुष जम्मीव-बार (विवाहित या अविवाहित) पाल हैं जिनका जन्म 2 जुलाई, 1961 के पहले और 1 जुलाई, 1965 के बाद न हुआ हो ।

नोट: -- जन्म की तारीख केवल वही मान्य होगी जो मैट्रिकुलेशन/हायर सेकेप्यरी या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत क्ष सिखी गई हो। जिन उम्मीदवारों ने भा० से० सकावमी/मौ सेना और बायु सेना के लिये पहली पसंद बताई है, उन्हें चयन स्टाफ द्वारा सत्यापन के प्रयोजन हेतु सेवा जयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार के लिये उपस्थित होते समय आयु का प्रमाण (मूलक्ष्प में) प्रस्तुत करना है।

- (ग) शैक्षिक भोग्यतार्थे :---
- (i) भारतीय सेना अकावमी, नौ क्षेत्रा अकावमी और अधिकारी प्रशिक्षण आला के लिये किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की विषी या समकक योग्यता,
- (ii) वायुसेना अकावमी के लिए :— किसी माध्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय की बिग्नी या समकक्षा । किन्तु गर्त यह है कि बिग्नी या समकक्षा को में प्रवेश सेने से पहले उम्मीदवार को हायर सैकेन्बरी, परीक्षा (पुराना पैटर्न) या स्कूली शिक्षा के 10 1/2 पैटर्न के अन्तर्गत 12 में स्तर की परीक्षा गणित और भौतिकी परीक्षा विषय के इप में लेकर अवश्य उत्तीर्ण की है ।

नौसेना/वायु सेना की पहली पसंव वाले स्नातकों को ग्रेजुएमान के प्रमाण के कप में प्रीविजनल सर्टीफिकेट सेवा "चयन बोर्ड पूरा होने के दो सप्ताहों के अन्वर कमशः सेना मुख्यालय (रिक्ट्रिंग) (६ एस० पी०) (६)/ नौसेना मुख्यालय (आर० एण्ड आर० सेक्सन)/वायुसेना मुख्यालय—डाकथर 3 (ए) को प्रस्तुत करना है।

जो उम्मीदवार अभी बिग्नी, परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले हैं, वे भी आवेवन कर सकते हैं, परन्तु उनकी बिग्नी परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण बाई० एम० ए०/एस० एस० सी० (एन० टी०) प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में सेना मुख्यालय मर्ती 6 (एस० पी०) (हैं) नई दिल्ली-110022 तथा नौसेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में तो सेना मुख्यालय/आर० एण्ड आर०, सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को और बायु सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में बायु सेना मुख्यालय पी० ओ०-3, वायु सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को निम्नलिखित तारीख सक पहुंच जाए जिसके न पहुंचने पर उनकी उम्मीदवारी रद्ध हो जाएगी।

- (i) चा० से० अकादमी, नौ सेना तथा नाथु सेना अकादमी में प्रवेच के लिये 30 जून, 1984 तक या उससे पहले।
- (ii) श्रीवकारी प्रविश्वष्यशाला, मश्रास में प्रवेश के लिए 15 सितम्बर, 1984 तक या जससे पहले ।

जिन उप्मीवकारों के पास आधसायिक और तकनीकी योग्यतायें हों, जो सरकार द्वारा व्यावसायिक और तकनीकी किन्नी के समकक्ष मान्यता प्राप्त हों के भी परीक्षा के लिए पास होंगे।

अपनाद की परिक्रियतियों में आयोग किसी ऐसे उम्मीदनार को इस नियम में निर्धारित योग्यताओं में से किसी से युक्त न होने पर भी, शैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है जिसके पास ऐसी योग्यताएं हों जिनका स्तर आयोग के विचार में, इस परीका में प्रवेश पाने बोग्य हो ! नोट I—ऐसे उम्भीचवार जिन्हें त्रिप्ती परीक्षा में अभी अहँता प्राप्त करनी हैं और जिनको संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में बैठने की अनुमति वे दी है, उन्हें नोट कर लेना चाहिए कि उनको दी गई यह विशेष छूट हैं। उन्हें डिग्री परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख नक प्रस्तुत करना है और बुनियावी अहंक विश्वविद्यालय परीक्षा के देर से आयो-जित किये जाने, परिणाम की घोषणा में विक्रम्ब या अन्य किसी कारण से इस तारीख को और आगे क्काने से सम्बद्ध किसी भी अनुरोध को स्थीकार नहीं किया जाएगा।

नोट∭:──जो उम्मीदवार रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा सेवाओं में किसी
प्रकार के कमीशन से अपविभिन्न हैं, वे इस परीक्षा में
प्रवेश के पाज नहीं होंगे । अगर प्रवेश दिया गया तो उनकी
उम्मीदवारी रह की आएगी ।

नोट III :- विशेष सेवा नाविकों को छोड़कर वाकी नाविक (जिनस किशोर और कारीगर प्रशिक्ष सम्मिलित हैं), जिनकी अपने नियत कार्य पूरा करने में छह महीने से कम समय वाकी है, इस परीक्षा में बैठने के पाल नहीं होंगे। जिम विशेष सेवा नाविकों को अपने नियत कार्य पूरे करने में छह महीने से कम समय वाकी है, उनके आवेदन पत्न क्यी लिये जायेंगे जब वे उनके कमांबिंग अफसरों के द्वारा निर्धारित अमुशंसित हों।

4. आवेदन के साथ देय मुल्क : ६० 28,00 (अट्टाईस क्यमे) (अनु-पूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों) के लिये १० 7.00 (सात ध्यए) जिन आवेदन-पत्नों के साथ यह निर्धारित मुल्क नहीं भेजा जाएगा उनको एकदम अस्थीकार कर दिया आएगा ।

5. मुल्क से छूट: प्रायोग यदि जाहे तो, निर्धारित गुल्क में छुट वे सकता है जब जनको इस बात का आश्वासन हो कि आवेवक मृटान, पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला वेश) से वस्तुत: विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1964 और 25-3-1971 के बीच की अवधि में मारत में प्रव्रजन कर आया है या तत-कालीन पश्चिम पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है जो पहली जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के बीरान प्रवर्णन कर मारत प्राया वा या वह वर्मी से बस्तुत; प्रत्याविति भारतीय भूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत में प्रवजन कर आया है या वह व्यक्तिका से वस्तुत: प्रत्यावितित भारतीय मूलत: व्यक्ति है जो अवदूबर, 1964 के भारत-कीलंका समझौते के अन्सर्गत । प्रवस्त है जो अवदूबर, 1964 के भारत-कीलंका समझौते के अन्सर्गत । प्रवस्त है जो अवदूबर, 1964 के भारत-कीलंका समझौते के अन्सर्गत । प्रवस्त है जो अवदूबर, 1964 के भारत-कीलंका समझौते के अन्सर्गत । प्रवस्त है जो अवदूबर, 1964 के भारत-कीलंका समझौते के अन्सर्गत । प्रवस्त है जो अवदूबर, 1964 के भारत-कीलंका समझौते के अन्सर्गत । प्रवस्त है जो अवदूबर, 1964 के भारत-कीलंका समझौते के अन्सर्गत । प्रवस्त है जो अवदूबर, 1964 के भारत-कीलंका समझौते के अन्सर्गत । प्रवस्त है जो अवदूबर, 1964 के भारत-कीलंका समझौते के अन्सर्गत । प्रवस्त है जो अवदूबर, 1964 के स्वति में नहीं है ।

6. जावेदम कैसे किया जाए : केवल सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा जनदूबर, 1983 के लिये निर्धारित पन्न में छपे हूए आवेदन-पन्न ही लिये जायेंगे जो इस परीक्षा के मीटिस के साथ लिये हुए हैं। आवेदन-पन्न भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई विल्ली-110011 को भेजे जाने चाहिए । आवेदन प्रपन्न और परीक्षा के पूरे विवरण निम्नांकिस स्थानों से प्राप्त किए जा सकतें हैं।

- (i) दो वपए का मनीआर्डेंट या संध लोक सेवा आयोग के सचिव को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टस आर्डेंट भेजकर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, घौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के यहां से डाक द्वारा ।
- (ii) वो रापए नकद देकर आयोग के कार्यालय के काउंटर पर ।
- (iii) निकटतम भर्ती कार्यालय, मिलिटरी एरिया/मब-एरिया मुख्यालय, एनं० सी० सी० निवेशालय, नौसेना सथा वायु सेवा प्रति-ष्ठानों के यहां से नि:शुल्क ।

कावेदन प्रपत्न तथा पावती कार्ड उम्मीदवार के हाथों द्वारा स्याही वाली कलम या बालपेन से द्वी भरे जाने चाहिए। सभी प्रविष्टियां शक्दों में होनी चाहिए, रेखाओं या बिन्दुओं में नहीं। अधूरा या ग़लत भरा हुआ आवेदन पक्ष रहकर दिया जाएगा ।

उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि आधेदन-पत्नों को भरते समय भारतीय अंकों के अन्तराष्ट्रीय रूप का ही प्रयोग किया जाता है। वे इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आधेदन-पन्न में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट और सुपाद्य हों। यदि प्रविष्टियां अपाट्य या ध्रामक होगी तो उनके निर्वेचन में होने बाले भ्रम तथा संदिग्धता के लिए उम्मीदवार उत्तरदायी होंगे।

उम्मीदवारों को घ्यान रखना चाहिए कि आयोग द्वारा आवेदन-पक्त में उनके द्वारा की गई प्रविध्टियों को बदलने के लिए कोई पत्र आदि स्वीकार नहीं किया जाएगा । इसलिए उन्हें आवेदन-पत्न सही रूप में भरने के लिये विशेष सामधानी बरतनी चाहिए।

सभी उम्मीदवारों को, चाहु वे पहले से ही सरकारी नौकरी में हों, या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उपक्रमों या इसी प्रकार के संगठमों में काम कर रहे हों या गैर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, आयोग को सीधे आयेदन-पत्न मेजने चाहिएं। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आयेदन-पत्न अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंच जाए तो उस आयेदन पत्न पर विचार नहीं किया जाएगा, मले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दैनिक वर कर्मजारी से इतर स्थायी या अस्थायी हैसियत से या कार्य भारित कर्म-भारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं या ऐसे कर्मजारी जो लोक उद्यमों में कार्यरत हैं। उन्हें यह परिवचन (अय्बरटेकिम) प्रस्तुत करका होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विमाग के अध्यक्ष को सुचित कर विया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिये आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा उनकी उम्मीदवारी रह कर दी जाएगी।

शशस्त्र सेना में काम कर रहे उम्मीयवार अपने अधिवन पत्र अपने कर्मा-जिंग अफसर के माध्यम से प्रस्तुत करें जो पृथ्ठीकन (देखिए आवेदन प्रपक्त के भाग 'ख') को भर करके आयोग को मेर्जेंगे।

7. मरा हुआ आवेषण पढ प्रावश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संब लोक सेवा प्रायोग, घौलपुर हाउस. नहें दिल्ली-110011 को 27 जून 1983 (27 जून, 1983 से पहले की किसी तारीख से प्रसम, मेथालय, प्रकणावल प्रत्रेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, तिपुरा, सिक्किम, प्रमू प्रीर काश्मीर राज्य का लहाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल भौर स्पीति जिले शंबमान भौर निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप भौर विवेशों में रहने वाले उम्मीववारों के घौर जिन उम्मीदवारों के प्रावेदन उपर्युक्त में सिकसी एक इलाके से डाक द्वारा प्राप्त होते हैं, उनके मामले में 11 जुलाई 1983) तक या उससे पहले बाक द्वारा प्रवश्यक भिजवा दिया आए या स्वयं भागोग के काउंटर पर झाकर जमा करा दिया आए। निश्चरित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी भावेदन पन्न पर

ग्रसम, मेथालय, ग्रक्षणंचल प्रवेश, मिजोरम, मिणपुर, नागालैण्ड, जिपुरा, िक्किम, जम्मू ग्रीर काश्मीर राज्य के लहाज प्रधान, हिमाचल प्रवेश के लाहोल ग्रीर स्पीति जिले ग्रंबमान ग्रीर निकोशार द्वीप समृद्ध या लक्षद्वीप ग्रीर विदेशों में रहने वाने उम्मीदवारों से ग्रायोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तृत करने के लिए कह सकता है कि वह 27 जून, 1983 से पहले की किसी तारीख से ग्रसम, मेवालय, ग्रवणाचल प्रदेश, मिजोरम, मिणपुर, चागालैण्ड, विपुरा, सिकिम, जम्मू ग्रीर काश्मीर, राज्य के लहाज प्रमाण हिमाचल प्रदेश के लाहील ग्रीर स्पीति जिले ग्रंडमान ग्रीर निकोबार ग्रीपसमूह या लक्षद्वीप या विदेशों में रह रहा था।

- टिप्पणी (i):--जो उम्मीदवार ऐसे अंक्षों के हैं जहां के रहने वालें हा वेदन की अन्तुति हुन समय के हकतार हैं उन्हें धारेदन पल के संगत कालम में अपने पतों में अति-रिवत समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात् असम, मेघालय, जम्मू तथा काम्मीर राज्य का लहाज प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्विष्ट करना चाहिए अन्यया हो सकता है कि उन्हें धारिरिकत समय का लाभ न मिले।
- टिप्पणी (ii): उम्मीववारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने आवेदन पत्न को स्वयं संव्लोव सेव आव के काउंदर पर जमा कराएं श्रीव्या रिजस्ट आक द्वारा भेजें! आयोग के किसी अन्य कर्मवारी को दिये गयें आवेदन-पत्नों के लिए आयोग उत्तरवायी नहीं होगा।

प्रलेख जो भावेदन के साथ भेजे जाएं।

# (₩) सभी अम्मीदवारों द्वारा :

(i) द० 28.00 (धट्टाईस कपये) [धनसूचित व्यासियों/जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए द० 7.00 (साल रुपये)] का शुरूक जो रिधव, संबं लोक सेवा धायोध को नई विल्ली प्रधान ढाक घर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल धाईए के रूप में हो या सचित्र, संबं लोक सेवा धायोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा, पई विल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किय गये रेखांकित बैंक इंगस्ट के रूप में हो।

हिप्पची: -- उम्मीवनारों को धपने सावेबन-पक्क प्रस्तुत करते समय बैंक ने कृपन की पिछली कोर निर्दे पर धपना नाम तना पता लिखना चाहिए । पोस्टल बाढरों के मामले में उम्मीवनार पोस्टल झाडर के पिछली मोर इस प्रमोजन के लिए निर्धा-रित स्वान पर धपना नाम तना पता किखें।

निवेश में रहने नाले उम्मीरशारों को बाहिए कि वे प्रपने यहाँ के चारत के उच्चायुक्त या राजदूत या विदेशी प्रतिनिधि के कार्याक्षय में निर्धारित गुरूक जमा करें जिससे वह "051 जोक सेना भागोग" परीक्षा गुरूक के खाते में इन प्रकार जमा हो आए और उसकी रसीव धानेवन-पद्ध के साथ मेज दें।

आयु के सम्बन्ध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्मकुंबली, शपयपत, नगर निगम के सेवा अभिनेख से प्राप्त जन्म संबंधी उद्धरण, तथा अन्य ऐसे श्री प्रमाण स्वीकार नशीं किय जायेंगे।

धनुदेशों के इस भाग में भाग हुए "मद्रिकुलेशम/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्त" वाक्योश के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण पक्ष सम्मितित हैं। कभी-कभी मैट्टिकुलेगन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पक्ष में जम्म की तारीख नहीं होती या धाय के केवल पूरे वर्ष या वर्ष भीर महीने ही विए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्टिकुलेणन/उच्चतर माध्य-मिक परीक्षा प्रमाण पक्ष की प्रमुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के धितिरकत उस संस्थान के हैड मास्टर के लिये गयप्रमाण पक्ष की एक प्रनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी धाहिए जहां से उसने मैट्टिकुलेणन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीलिप भेजनी धाहिए जहां से उसने मैट्टिकुलेणन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तील की हो। इस प्रमाण पक्ष में उस संस्था के वाक्षिला रिजस्टर में दर्ज की गई उसकी जम्म की तारीक्ष या वास्तिक्ष प्रायु लिखी होनी वाहिए। उम्मीदवारों को वेतावनी दी जाती है कि यवि प्रावेदन पक्ष से साथ इन प्रनुदेशों में यथा निर्धारित ग्रायु का पूरा प्रमाण नहीं मेजा गया तो भावेदन पक्ष शस्तीकार किया जासकता है।

- हिष्पणी (i) : जिस जम्मीववार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाव प्राप्त मान्यमिक विद्यालय प्रमाणपद्ध हो, उसे कैवल झायु से संबंद प्रविष्टि वाले पृथ्ठ की सन् प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिसिपि भेजवी चाहिए ।
- टिप्पणी (ii) : उम्मीवनार यह अ्थाल रखें कि साबोग उम्मीववार की जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि साबेवन पख प्रस्तुत करने की तारीख को मैंद्रिकु लेशन/उज्वतर माज्यमिक परीका प्रमाण पछ या समकक परीक्षा के प्रमाण पछ में कर्ज है सीर इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी सन्देश पर व तो विचार किया जाएगा सौर न उसे स्वीकार किया जाएगा सौर न उसे स्वीकार किया जाएगा ।
- विष्पणी(iii): उम्मीक्वार यह भी तोड कर लें कि सनके द्वारा किसी
  परीजा में प्रवेश के लिय जन्म की तारीक एक बार कोवित
  कर येने और धायोग द्वारा एसे धपने ध्रमिलेक में वर्ण कर जेने के बाद स्थमें बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की धनुमति नहीं वी आएगी।
- (iii) वैजित योग्यता के प्रमाणपङ्क की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति

जम्मीवनार छो बंध मान्य के प्रमाण-पक्ष की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति अवस्य प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसके पास पैरा 3 (क) मैं
निहित योग्यताओं में एक योग्यता है या उम्मीवनार द्वारा बसके इस
प्रकार अंजित कर लेने की संमावना है कि पैरा 3 (ग) मैं निहित
तारीख तक इसको उत्तीर्ण करने का प्रमाण विया जा सके। जो प्रमाण
पक्ष प्रस्तुत किया जाए वह वहीं हो। जो योग्यता विश्व को देने बाले
प्राधिकरण (अवीत्) निश्विक्षालय या अन्य परीक्षा निकाय द्वारा जारी
किया गया हो। यनि ऐसे प्रमाण-पक्ष की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति
प्रस्तुत नहीं की जाती है तो उम्मीवनार को उसके प्रस्तुत म करने की वजह
बतानी बाहिए और ऐसे अन्य प्रमाण प्रस्तुत करने बाहिए जो वह
अपेक्षित योग्यता रक्षने के वाने के समर्थन में प्रस्तुत कर सकता है। धानोग
इस प्रमाण पर गुणवत्ता के आधार पर निकार करेगा पर इसे पर्याप्त
मानने के लिए बाध्य महीं होगा।

वायुसेना अकावमी कीर्स हुतु प्रतियोगी उम्मीववारों को बिग्नी परीक्षा उत्तीर्ण करने के प्रमाण-पक्त की धनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति के प्रतिरिक्त हायर सैके-बरी परीक्षा (पुराना पैटन)/12 में स्तर की परीक्षा (स्कूली शिक्षा के 10-2 पैटने के धन्तर्गत) उत्तीर्ण करने के विश्वविद्यालय/ बोर्ब के प्रमाण पत्न की एक धनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति धवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए । यवि हायर सैकेण्डरी परीक्षा (पुराना पैटनें)/12 में स्तर की परीक्षा (स्कूली शिक्षा के 10-2 पैटनें के धन्तर्गत) उत्तीर्ण करने पर विश्वविद्यालय/वोर्ड के प्रमाणपक्ष की धन्तप्रमाणित/प्रमाणित प्रति में परीक्षा विश्ववी का उत्मीच नहीं है तो सम्बद्ध प्रिसियल के प्रमाणित की धनु- धनाणित प्रति में परीक्षा विश्ववी का उत्मीच प्रति में परीक्षा

ण्या हो कि उम्मीवबार ने परीक्षा विश्वयों रूप में गणित झीर भौतिकी के साथ उक्त परीक्षा उत्तीर्णकी है।

- (iv) उपस्थिति पत्नक (मावेदन प्रपक्ष के साम संग्लन) विश्वित भरो हुमा ।
- (v) अम्मीयवार के हाल ही के पासपोर्ट झाकार (लगमग 5 सें अीं ० × 7 सें ० मीं ०) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियों जिनके उपरी हिस्से पर उम्मीयवार के हस्ताकार विधिवत् श्रीकृत हों।

फोटो की एक प्रति आनेवन प्रपत्न के पहले पुष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थित पत्रक में विये गए मिर्धारित स्थान पर विपका देनी चाहिए।

- (vi) लगमग 11.5 से० मी०×27.5 सें० मी० झाकार के बिना टिकट लगे दो लिफाफे, जिम पर झापका पता लिखा हो ।
- (ख) <u>मनुसूषित जातियों/धनुसूषित जनजातियों के उम्मीववारों हारा</u>-धनुसूषित जाति/धनुसूषित जनजाति के होने के वावा के समर्थन में यहां उम्मीववार या उसके माता पिता (या जीवित माता या पिता) धाम तौर पर रहते हों, उस जिले के (किसी प्रमाण पत्र के नीचे उल्लिखित) सक्षम् प्राधिकारी से परिशिष्ट IV में दिए गए प्रपन्न में लिए गए प्रमाण-पत्र की धनुष्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ।

(ग) मुल्क से छूट चाहने वाले उम्मीदवाशों के द्वारा !

- (i) किसी जिला प्रधिकारी या राजपिकत प्रधिकारी या संख या राज्य विद्यान मण्डल के सबस्य के लिए गए प्रमाण पक्ष को धनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि उम्मीदवार निर्धारित मुख्क देने की स्थिति में नहीं है।
- (ii) वस्तुतः विश्वापित/प्रत्यावर्तित व्यक्ति होने के दावे के समर्वन
  में निम्नलिखित प्राधिकारियों से लिए गए प्रमाण-पढ की
  सनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ।
- (क) चूतपूर्व पूर्वी शाकिस्तान से विस्वापित व्यक्ति ।
- (i) वरवतारक्य परियोजना के द्रीजिट केन्द्रों या विश्विक्त राज्यों के राहत ।
   विविध्ये कारिमिंग संचालक

### प्रवृक्ष

- (ii) उस इताके का जिला मजिस्ट्रेट जहाँ पर वह फिलहाक रह ्रहा हो ।
- (iii) स्रपने जिले के गरणार्थी पूनर्यास काप्रभारी स्रतिरिक्त जिला सर्जिस्ट्रेड
- (iv) सब डिविजनल अफसर अपने अधीनस्य सद-विजीजन कीसीमा तक । अथवा
- (v) शरणार्थी पुनर्वास अपायुक्त पश्चिमी बंगाल/निवेशक (पुनर्वासक), कलकत्ता ।
  - (च) श्री लंका से प्रत्यावर्तित :--श्री लंका में भारत का उच्चायुक्त ।
  - (ग) वर्मा से प्रत्यावतित ।--

भारतीय राजदूतावास, रंगृत या जहां का वह रहने वाला हो, उस क्षेत्र का जिला मजिस्ट्रेट ।

- (व) तत्काल}नके पश्चिमी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति (i) विधिश्व राज्यों के प्राजिट केंद्रों तथा राहत शिविरों के केम्प क्षमावेट।
- (ii) उस इलाके का जिला मजिस्ट्रेडश अहा वह, फिलहास रहता हो
- (iii) बपने विले के सरवार्थी पूर्ववाध के बचारी व्यतिरिक्त विका नविक्कृत

### - वयपा

(iv) प्रश्ने वेकार वे मक-विकियन के कावर स्वक्षियमक समितानी। 32—46GI/83

#### सम्बद्धाः

(v) शरणार्थी पुनर्वास खपायुक्त ।

(क) मा० सेना अकदामी और वायू सेना अकादमी और नौसेना
अकदामी कोर्स में अतिरिक्त रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता
में माग लेने वाले एन० सी० सी० (सी०) प्रमाण-पल
(सेना स्कन्ध)/(वायु सेना स्कन्ध) का वरिष्ठ प्रमाग/(नौ
सेना स्कंध) प्राप्त उम्मीदवारों द्वारा :

यह विकान के लिए कि उनके पास एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पन्न (सेना स्कंछ)/वायु सेना स्कंध का वरिष्ठ प्रभाग/नौ सेना स्कंध है अथवा वह एम० सी० सी० 'सी' प्रमाण-पन्न (सेना स्कन्ध)/वायु सेना स्कंध का वरिष्ठ प्रमाग नौसेना स्कंध परीक्षा में प्रवेश ले रहा है/ प्रवेश ले चुका है, इस आशय के प्रमाण-पन्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित उन्न लिपि ।

टिप्पणी:--- ७क्सीदवारों को आवेदन-पत्न के साथ भेजे गए सभी प्रमाण पत्नों की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों पर हस्ताक्षर करके तारीख लिखनी हैं।

9. शुल्क की वापसी :--आवेदन के साथ आयोग को अदा किया गया गुल्क वापस करने के किसी अनुरोध पर नीचे की परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जासकता और न वह किसी दूसरी परीका या चयन के लिए सुरक्षित रखा जा सकता है :--

- (i) जिस उम्मीवनार ने निर्धारित गुल्क वे विया है पर जिसको आयोग ने परीक्षा में बैठने नहीं विया उसको ६० 15.00 (पन्त्रह रुपये) १ (अनुसूचित जातियां/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीवनारों के मामले में ६० 4.00 (चार रुपये) । धापस कर विया जाएगा । परन्तु यदि कोई आवेदन यह सूचना प्राप्त होने पर भस्वीकार कर विया गया हो कि उम्मीवनार दियी परीक्षा म अनुतीणें हुआ है या बिग्री परीक्षा म उसीणें होने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा तो उस उम्मीवनार को शुल्क नापस नहीं किया जाएगा ।
- (ii) जो उम्मीववार विसम्बद, 1982 या मई, 1983 में झायोजित सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा में बैठा हो और उनमें से
  किसी परीक्षा के परिणाम के आधार पर किसी कोर्स के
  लिए उसका नाम अनुशंसित हुआ हो तो उसके मामले में
  द० 28.00 (अट्टाईस रुपये) [ अनुसूचित जातियों
  अनुसूचित जनजातियों के मामले में द० 7.00 (सात
  रुपए)] का शुल्क वापस किया जा सकता है, पर यह
  जकरी है कि अक्तूबर, 1983 की सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा
  के लिये अपनी उम्मीववारी रह कराने और शुल्क वापस
  पाने के लिये उस उम्मीववार का अनुरोध आयोग के
  कार्यालय म 31 मार्च, 1984 को या उससे पहले
  पहुंच जाए।
- 10. व्यवेषत पत्न की पानती :—आयोग के कार्यालय में वेर से प्राप्त बावेषत-पत्नों सहित प्रस्पेक बावेषत-पत्न की पानती दी जाती है तथा कावेषत-पत्न की प्राप्त के प्रतीस के कप में उम्मीयबार की वावेषत-पत्न की एजिस्ट्रेशन सं० जारी कर बी जाती है। यदि किसी उम्मीयबार की अवेषत-पत्न अपने परीक्षा के बावेषत-पत्न प्राप्त करने के लिए निर्धारित अंतिम तारी बसे एक मास के अन्तर पानती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल बायोग से पानती हेतु सम्पन्न करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार को मावेदन-पक्ष की रिजस्ट्रेणन संख्या कारी कर की गई है अपने आप यह अर्थ वहीं है कि आवेदन-पक्ष संखी अकार पूर्व है और बायोग हारा स्वीकार कर लिया गया है।

1.1. बावेबन का वरियाम:—वगर किसी वन्धीवतार को लबके के बावेक्स के वरियाम की श्वमता गरीका मुंक श्वीत की वारीक के वक नहीं के पहली तक बावोब के बाब्ध के हुई को कई गरियाम को बावकारी के शिव् आयोग से तत्काल सम्पर्क करना चाहिए । अगर इस बात का पालन नहीं हुआ तो उम्मीदवार अपने मामले में विचार किए जाने के झुधिकार से बंचित हो जाएगा ।

12. परीक्षा में प्रवेश :— किसी उम्मीववार की पालता या अपालता के संबंध में संघ लोक सेवा आयोग का निर्णय अंतिम होगा। आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पक्ष के जिना किसी भी उम्मीववार को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

13. कवाचार के वोषी। उम्मीवनारों के खिलाफ कार्रवाई :— उम्मीव-बारों को चेलावनी वी जाती है कि वे आवेवन पक घरते समय कोई गलत विवरण न दें और न किसी महस्वपूर्ण सूचना को छिपाएं । उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी भी प्रलेख या उसकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति में किसी भी हालत में वे किसी परह का संगोधन या परिवर्तन या कोई फेर-बवल न करें और न ही फेर-बवल किए गए घड़े हुए प्रलेख को वे प्रस्तुत करें। अगर इस प्रकार के वो या इससे अधिक प्रलेखों में या उनकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों में कोई अगुद्धि या असंगति हो तो इस असंगति के बारे में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिए ।

जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निस्नांकित कदाचार को दोषी घोषित कोता है या हो चुका है :—

- (i) किसी प्रकार से अपनी जम्मीववारों का समर्थन प्राप्त करना;या
- (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत शोमा ; या
- (iii) अपने स्थान पर किसी वूसरे को प्रस्तुत करना ; या
- (iv) जाती प्रलेख या फेर-अवल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना; या
- (v) अमुद्ध या असस्य वन्तन्य देना या महस्वपूर्णं सूचना को छिपाकर रखना ; या
- (vi) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीववारों के संबंध में ; किसी अनियमित या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना ; या
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित सरीके अपनाए हों, या
- (viii) उत्तर पुस्तिका(क्रों) पर असंगत वार्ते लिखी हों जो अक्लील भाषा या अमन आगय की हों; या
- (ix) परोक्षाभवन में और किसी प्रकार का कुर्यावहार किया हो ; या
- (क्र) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेणान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो ; या
- ्ंxi) जम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंबन किया हो; या
- (Xii) ऊपर के खण्डों में जिल्लिखित सभी या किसी कवाचार की ओर प्रवृत होना या ऐसा करने के लिए किसी को उत्तेजित करना।

प्रहुंअपने को दण्ड अभियोजन का शिकार बनाने के अतिरिक्त :—

- (क) वह जिस परीक्षा का जम्मीववार है जसके लिए आयोग द्वारा अयोग्य ठहराया जा सकता है अथवा
- (ख) (i) आयोगद्वारा उनकी किसी भी परीक्षाका चयन के लिए ।
  - (ii) केंद्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्ति
     के स्थायी रूप से या कुछ निर्विष्ट अवधि के निए अपवर्णित किया जा सकता है; और
- (ग) अगर वह पहले से सरकारी नौकरी में हो या उचित नियमावली के अमुसार अनुशासनिक कारवाई का पान

हांगा। किन्तु शतंयह है कि इस नियम के अधीन को शास्ति तब तक नहीं वी जाएगी जब तक —

- (i) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अभ्या-बेदन जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर विया गया हो, और
- (ii) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

14. मूल प्रमाण-पत्नों का प्रस्तुतीकरण :—सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार में अहंता प्राप्त करने वाले उम्मीववारों में से, आई० एम० ए०/ एस० एस० सी० (एन० ठी०) प्रथम विकल्प वाले उम्मीववारों के मामले में सेना मुख्यालय/भर्ती 6 (एम० पी०) (ई), नई दिल्ली-110022 को तथा नौ सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीववारों के मामले में नौसेना मुख्यालय/आर० एण्ड आर० सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को या बायू सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीववारों के मामले म बायू सेना मुख्यालय/पी० घो०-3, वायू सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को अपनी प्रैक्षणिक योग्यताओं आदि के समर्थन में अपने मूल प्रमाण पत्न सेवा वयन बोर्ड के साक्षात्कार के पूरा होने के दो सप्ताहों के अन्वर और 30 जून, 1984, [एस० एस० सी० (एन० टी०) के मामले में 15 सितम्बर, 1984 तक] प्रस्तुत करने होंगे। उक्त प्रमाण-पत्नों की सत्य प्रमुप्तमाणित प्रतिलिपियों या फोटोस्टेट प्रतियों किसी भी स्थिति में स्वीकार महीं की आएंगी।

15. "भावेदन के संबंध में पत्न व्यवहार"— प्रावेदन के सम्बन्ध में सभी पत्न व्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा प्रायोग, घौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पते पर करना चाहिए धौर उसमें निम्नांकित विवरण प्रवस्य होना चाहिए:-

- (1) परीक्षाकानाम ।
- (2) परीक्षा का वर्ष भौर महीना ।
- (3) धावेदन-पत्न की रजिस्ट्रेशन संख्या/रोल नम्बर या जन्म की तारीख (धगर प्रावेदन पंजीकरण सं०/रोल मम्बर महीं मिला हो)।
- (4) उम्मीदवारों का <u>नाम (पूरा भौर साफ लिखा हु</u>मा)।
- (5) पत्र-व्यवहार का पता जैसा ग्रावेवन-पत्र में विया है।

विशेष घ्यान--(i) जिन पन्नों के साथ उत्पर का क्यौरा नहीं होगा हो सकता है, उस पर कोई कार्यवाई न हो।

- (ii) यदि किसी परीक्षा की समाप्ति के बाद किसी उम्मीद-बार से पत्न/पत्नादि प्राप्त होता है तथा इसमें उसका पूरा नाम भौर अनुकर्माक नहीं दिया गया है तो उस पर ज्यान नहीं दिया जाएगा भौर उस पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।
- 10. पते में परिवर्तन : -- उम्मीदवार को इस बात की ब्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके प्रावेदन-पत्त में दिए पते पर भेजे जाने वाले पक्ष प्रावेद प्रावेद पर पिजवा दिए जाएं। पते में जो भी परिवर्तन हो उसे उपर के पैरा 15 में उल्लिखित विवरण के साथ प्रावेग को यथाशीझ सुचित कर देना चाहिए।

सेवा चयन बोर्ड के साक्षारकार के लिए आयोग द्वारा धनुशंतित उम्मीदवारों ने अगर परीक्षा के लिए आवेदन करने के बाद अपना पता बदल दिया हो तो उन्हें परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाते ही अपना नाम पता तत्काल सेना मुख्यालय, ए० औ० आंच रिक्टिंग 6 (एस० पी०) (ई०) (ii) वेस्ट ब्लाक 3, वर्ग 1, रामाकृष्णपुरम, नई दिक्खी-110022 और वायु सेना मुख्यालय (पी० भो०-3) नई दिल्ली-110011 को सूचित कर देना च।हिए । जो उम्मीदवार इन भावेशों का पालन नहीं करेगा वह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए सम्मन-पत्क न मिलने पर भ्रपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

यद्मपि प्राधिकारी इस प्रकार के परिवर्तनों पर पूरा-पूरा ध्यान देते हैं फिर भी इस सम्बन्ध में वह अपने ऊपर कोई जिम्मेदारी नहीं ने सकते।

17. लिखित परीक्षा में योग्य उम्मीदवारों के साक्षात्कार के सम्बन्ध में पूछताछ:—जिन उम्मीदवारों के नाम सेवा ध्यन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए धनुशंसित हैं उनको अपने साक्षात्कार के सम्बन्ध में सभी पूछताछ और अनुशंसित हैं उनको अपने साक्षात्कार के सम्बन्ध में सभी पूछताछ और अनुशंसि सीधे सेना मुख्यालय, ए० जी० बांच रिक्टूटिंग 6 (एस० पी० (६०) (Н) वेस्ट ब्लाक 3 विंग, 1, रामाकृष्णापुरम, नृष्ट दिल्ली-110022 और वायु सेना उम्मीदवारों के लिए वाय सेना मुख्यान्त्रय (पी० भो०) नई दिल्ली-110011 के पते पर लिखने चाहिए।

उम्मीदवारों को साक्षास्कार के लिए घेजे गए सम्मन-पत्न द्वारा सुचित की गई तारीख को सेवा चयन थोडे के समक्ष साक्षास्कर हेतु रिपोर्ट करनी है। साक्षास्कार को स्थिगत करने से सम्बद्ध अनुरोध पर केवल यथार्थ परिस्थितियों में भीर प्रणासनिक सुविधा को ध्यान में रखकर ही विचार किया जाएगा जिसके लिए निर्णायक प्राधिकरण सेना मुख्यालय/वास् सेना मुख्यालय/वास् सेना मुख्यालय/वास् सेना मुख्यालय होगा।

- विभिन्न सेवा चयन केंद्रों पर सेवा चयन कोई के समक्षा साक्षास्कार हेतु बुलाए गए उम्मीदवार ग्रंपने साथ निम्नलिखित वस्तुएं लाएंग:---

- (क) सफेव कमीज में पासपोर्ट धाकार फोटो की 6 प्रसिया।
- (ख) बिस्तर भीर कम्बल (मौसम के भनसार)।
- (ग) सफोद कमीजों भौर हाफ पेंटों के दो जोड़े।
- (घ) एक जोड़ी पी० टी० के सफेंद जूते भीर वो जोड़े सफेद मीजे।
- (अ) पैंटों भीर कमीओं के वो जोहें।
- (वा) फाउन्टेन पेन स्याही भीर पेंसिल ।
- (छ) बृट पालिया भौर सफेव भ्लेकों। '
- (ज) एक मच्छरवानी ।

18. लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा, योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों का साक्षात्कार, प्रतिम परिणाम की घोषणा धीर प्रतिम रूप से योग्य पाए गए उम्मीदवारों का प्रशिक्षण कार्स में प्रवेश :--

संघ लोक सेवा धायोग ग्रापनी निवक्षा से लिखित परीक्षा के लिए निर्धारित न्यूनतम धंक प्राप्त करने वाले उम्भीववारों की एक सूची तैयार करेगा । वे उम्मीववार उनमें भी प्रविष्टियों के लिए जिनके लिए उन्होंने बर्तता प्राप्त की है बौद्धिक तथा व्यक्तित्व परीक्षाओं के लिए सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होंगे।

को उम्मीदवार आई० एम० ए० (डी०ई०) कोर्स मीर/मा भौसीना (एस०ई०) मीर या या मुसना अकादमी कोर्स की लिखित परीक्षा में महंता प्राप्त करते हैं, चाहे वे एस० एस० सी० (एन० टी०) कीर्स के लिए महंता प्राप्त करें या नहीं उनको मार्च/अप्रैल 1984 में सेवा चयन बीर्ड के परीक्षणों के लिए भेजा जाएगा भीर जो उम्मीदवार केवल एस० एस० सी० (एल० टी०) कोर्स के लिए महंता प्राप्त करते हैं, उनको जून/जुलाई 1984 सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों के लिए मेजा आएगा।

उम्मीवबार सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर अपनी हो जोखिम पर वहां के परीक्षणों में शामिल होंगे और सेवा बोर्ड में उनका जो परी-क्षण होता है उनके दौरान या उसके फलस्वरूप प्रगर उनको कोई घोठ पहुंचती है तो उसके लिए सरकार की घोर से कोई छतिपूर्ति या सहा-यता पाने के वे हकवार नहीं होंगे, चाहे वह किसी ध्यक्ति की लापरवाही से हो या दूसरे किसी कारण से हो। उम्मीववारों को घावेवन पक्ष के साथ संस्कृत प्रपक्त में इस झागय के एक प्रमाण-पक्ष पर हस्साक्षर करने हींगे।

स्वीक्षृति हेतु उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा तथा (ii) सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में मलग-मलग ग्वृमतम सर्वक अर्थक वाष्त्र करने होंगे जो कि झायोग धारा उनके निर्णय के धनुमार निश्चित किए जाए गें लिखित परीक्षा तथा से० च० बोर्ब के परीक्षणों में प्राप्त कुल झंकों के साधार पर उम्मीदवारों की योग्यता कम में रखा जाएगा । झलग- झलग उम्मीदवारों की परीक्षा के परिणाम किस कप में और किस प्रकार सूचित किये जाए इस बात का निर्णय झायोग झपने झाप करेगा और परिणाम के सम्बन्ध में उम्मीदवारों से कोई पत्त क्यवहार नहीं करेगा।

परीक्षा में सफल होने मात्र से भारतीय सेना मकादमी, नौसेना मकादमी, वायु सेना अकवामी या अधिकारी प्रशिक्षणणाला में जसी स्थिति हो प्रवेश का कोई अधिकार नहीं मिलेगा। अन्तिम चयन शारीरिक क्षमता भीर अन्य सभी बातों में उपर्यक्तता के अतिरिक्त उपलब्ध रिक्तियों की संख्या को वृद्धि में रखते हुए योग्यता के कम से किया जाएगा।

नोट:—आयुक्तिना के प्रश्येक उम्मीदवार की पायलंट संबंधी अभिविध्व का परीक्षण केवल एक बार किया जाता है। अतः पहले पराक्षण में उसने जो ग्रेड प्राप्त किया है उसको बायुसेना चयन बोर्ड में लिए जाने वाले बाद के प्रश्येक साक्षात्कार में स्वीकार किया जाएगा । जी उम्मीदवार पायलट संबंधी प्रभिविच के पहले परीक्षण में फेल हो जाता है वह मारतीय सेना की (पी) काखा हेतु प्रवेश के लिए आवेदन नहीं कर सकता।

19. प्रशिक्षण कोसं में प्रवेश के लिए धर्हताएं :---जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा धकावमी, भारतीय सेना धकावमी, रायु सेना उडुयन महा विद्यालय, नौ सेना धकावमी कोचीन भीर प्रधिकारी प्रशिक्षणशाला मदास में पहले प्रवेश पा चुके हैं पर धनुशासनिक धाधार पर वहां से निकाल विए गए हैं उनको भारतीय सेना धकावमी, नौ सेना धकावमी, वायुसेना धकावभी या बलसेना छकावमी में धल्पकालिक सेना कभीशन में प्रवेश देने की बात पर विचार महीं किया जाएगा ।

जिन उम्मीववारों को एक प्रधिकारी से प्रपेक्षित लक्षणों के प्रभाव के कारण पहले भारतीय सेना प्रकादमी में वापस लिया गया हो उनको भार-तीय सेना प्रकादमी में प्रवेश नहीं विया जाएगा।

जिन उम्मीदवारों को स्पेशल एण्ट्री नेवल कैंडेट्स के रूप में पहले चुन लिया गया हो पर बाद में एक मिनकारी में मपेकित लक्षणों के मधाव के कारण राष्ट्रीय रक्षा मकादमी या नौसैना प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों से वापस लिया गया हो वे भारतीय नौ सेना में प्रवेश के पाल नहीं होंगे।

जिन उम्मीदवारों की एक प्रक्रिकारी में प्रपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण भारतीय सेना प्रकादमी, अधिकारी प्रशिक्षणशाला, एन० सी० सी० तथा स्नातक कोर्संसे चापस लिया गया हो उनके बारे में यल सेना में अस्पकालक सेवा कभीशन देने की बात पर विचार महीं किया जाएगा।

जिन उम्मीदनारों को एक प्रश्निकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण, एन० सी० सी० तथा स्नातक कोर्न से पहले वापस लिया गया हो, उनको भारतीय सेना अकावनी में प्रवेश नहीं दिया आएगा ।

20. भारतीय सेना प्रकादमी या नौ सेना प्रकादमी या बायू सेना प्रकादमी में प्रशिक्षण के समय विवाह पर प्रसिखन्छ : -- भारतीय सेना प्रकादमी थीर नौ सेना प्रकादमी या वायू सेना प्रकादमी के कोर्स के उम्मीदवारों को इस बात का बचन देना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा, तब तक वे शादी महीं करेंगे। जो उम्मीदवार प्रपने प्रावेदन की तारीख के बाद शादी कर लेता है उसको प्रशिक्षण के लिए जुना नहीं जाएगा चाहे वह इस परीक्षा में या प्रगली किसी परीक्षा में भले ही सफल हो। जो उम्मीदवार प्रशिक्षण काल में शादी कर लेगा उसे बापस भेजा जाएगा भीर उस पर सरकार ने जो पैसा खर्च किया वह सब उससे वसूल किया जाएगा। प्रस्पकालिक सेवा कमीशन (एन० डी०) के पाठ्यक्रम का कोई उम्मीदवार:

- (क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति के साथ शादी की हो या शादी के लिए संविदा कर श्री हो जिसकी पहला से कोई जीवित पति/ परनी है या वा
- (चा) जिसने, पहले से जीवित पित/पश्नी होते हुए भी किसी व्यक्ति से गादी की हो मा गादी के लिएसंविदा कर जी हो ।

स्रधिकारी प्रशिक्षणशाला में प्रवेश/झल्पकालिक सेवा कमीशम की प्राप्ति का याक नहीं क्षोगा ।

परम्तु, यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि इस तरह की सावी ऐसे व्यक्तियों के लिए भीर शादी की दूसरी तरफ के व्यक्तियों के लिए लागू व्यक्तिगत कानून के धनुभार धनुभोदनीय है भीर ऐसा करने के ग्रन्य ठोस कारण हैं तो किसी व्यक्ति को वह इस नियम के ग्रनपालन में छूट दे सकती है।

21. मारतीय सेना अकादमी या नो सेना अकावमी या बायू सेना अकावमी में प्रशिक्षण के समय अन्य प्रतिबन्ध:—भारतीय सेना अकावमी, सी सेना अकावमी, या बायू सेना अकादमी में प्रवेश प्राप्त करने के बाद, अम्मीक्वार किसी दूसरे कमीशन के लिए विचार योग्य नहीं होंगे। भारतीय सेना अकादमी या नौ सेना अकावमी या बायू सेना अकावमी में प्रशिक्षण के लिए अन्तिम रूप से उसका ध्यम हो जाने के बाद उनकी और किसी भी साक्षारकार या परीक्षा में उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

जो उम्मीदलार मा० से० घकावमी/नौसैना मकादमी/बायू सेना घकावसी से इस्तीफा दे देते हैं उन्हें किसी भी परिस्थिति में घष्टिकारी प्रशिक्षणभाका, मद्रास में भामिल करने पर विचार महीं किया जाएगा ।

22. संघ लोक सेवा आयोग ने "संघ लोक सेवा आयोग की वस्तुपरक परीक्षाओं हेतु उम्मीदनार विवरणिका" शीर्षक से एक समूल्य पृस्तिका छापी है। इसका डिजाइन ऐसा है जिससे संव लोव सेव आव की परीक्षाओं या चयमों के भावी उम्मीदवारों को सहायता मिल सके। यह पुस्तिका प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, वेहली-110045 के पास बिकी के लिए सुलभ है और इसे उनसे सीधे मेल आवंश द्वारा या नकव भुगतान पर प्राप्त किया जा सकता है। इन्हें केवल नकव भुगतान पर (I) किताब महल, रिवौली सिनेमा के सामने, एम्पीरिया बिल्डिंग, "स " इलाक बाबा खड़ग सिह मार्ग, नई विस्ली-110001 और (II) उद्योग भवन, नई विस्ली-110011 पर स्थित प्रकाशन माखा का बिकी काउन्दर और (III) गवनैमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8-केव एसव राय रोड, कलकत्ता-700001 से भी लिया जा सकता है। मैनुअल भारत सरकार के प्रकाशनों के विभिन्न मुफसिल शहरों में स्थित एजेंटों से भी उपलब्ध है।

एम० बालाकृष्णम्, उप सन्निव

## परिशिष्ट I

## (परीक्षा की योजना, स्तर भीर पाठयविवरण)

### क परीक्षाकी योजना

- 1. प्रतियोगिता परीका में निम्नलिखित सम्मिलित होगा:---
- (क) नीचे के पैरा 2 में निर्दिष्ट रीति से लिखित परीका,
- (ख) उन उम्मीवनारों का बुद्धि और व्यक्तिगत परीक्षण (इस परिणिब्ध के भाग ख के भनुसार) के लिए साक्षात्कार जिन्हें किसी भी एक सर्विसेज मलेक्शन सैंटर में साक्षात्कार के लिये बुलाया जाए।
- 2. सिखित परीक्षा के विषय, उनके लिये दिया जाने बाला समय ग्रीर शरकेश विषय के लिए नियत ग्रीधकतम श्रंक निम्नलिखित होंगे:--

## (क) भारतीय सेना झकादमी में प्रवेश के लिए

विषय	<b>प्रवि</b> ष	मधिकतम मंक
1. संग्रेजी	2 चण्डे	100
2. सामान्य शास	- 2 परहे	100
3. शारम्बक गणित	३ पन्हे	100

## (ख) नी सेना शकादनी में प्रवेश के लिए

विषय	नियत समय	प्रधिकतम प्रंक
घनिवार्यः		
1. धंग्रेजी	2 वण्डे	100
<ul> <li>थ. सामान्य ज्ञान</li> </ul>	2 चण्टे	100
<b>बैक</b> स्पिक <b>े</b> :		
* 3. प्रारम्भिक गणित या	प्रार-	
म्भिक भौतिकी	2 धण्डे	100
* 4. गणित या भौतिकी	२ घण्टे	. 150

\*जो उम्मीदवार प्रारम्भिक गृंगणित लेंगे उन्हें चौथे प्रश्न पत्न में भौतिकी विषय लेना होगा तथा जो उम्मीदवार प्रारम्भिक भौतिकी लेंगे उन्हें चौथे प्रश्न-पत्न में गणित विषय नेना होगा।

## (ग) अधिकारी प्रशिक्षणशाला म प्रवेश के लिए -

विषय	नियत समय	ग्रधिकशम भंक
1. धंग्रेजी	2 धण्डे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घण्डे	100
(घ) वायु सेना प्रका	दमी में प्रवेश के लिए	—. — — — —

विषय	मयधि	ग्रधिकतम श्रेक
1. मंग्रेजी	2 चण्डे	100
2. सामाध्य शान	2 भग्हे	100
3. प्रारम्भिक गणित	2 चण्डे	100

लिखिल परीक्षा भौर साक्षात्कार के लिये जो प्रश्लिकतम श्रंक नियत किये गये हैं वे प्रत्येक विषय के लिये समान होंगे शर्यात् भारतीय सेना श्रकावमी, नौसेना श्रकादमी, प्रफसर ट्रेनिंग स्कूल भौर बायु सेना श्रकावमी में मर्ती के लिए लिखिल परीक्षा और साक्षात्कार के लिये नियस श्रश्लिकतम श्रंक क्रमजः 300, 450 भीर 200 भौर 300 होंगे।

- 3. समस्त विषयों के प्रश्न-पत्नों में केवल वस्तुपुरक प्रथन पूछ जावेंगे । नमूने के प्रश्नों सहित विस्तृत विवरण कृपया परिशिष्ट V पर उम्मीदवारों को सुवनार्थ विवरणका में वैखिये।
- प्रश्न पत्नों में जहां भी झात्रश्यक होगा केवल तोल झीर माप की मीटरी पद्धति से संबंधित अभ्मों को ही पूछा जाएगा।
- 5. उम्मीयवारों को प्रशन-पत्नों के उत्तर अपने हाय से लिखने चाहिए। किसी भी दशा में उन्हें प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिये लिखने वाले की सहायता सुलभ नहीं की जाएगी।
- परीक्षा के एक या सभी विषयों के प्रहुंक प्रकों का निर्धारण प्रायोग की विवक्षा पर है।
- . ७. उम्मीदवारों को वस्तुपूरक प्रकापनों (परीक्षण-पुस्तिकाओं) के उत्तर देने के लिए कैलकुलेटर का प्रयोग करने की धनुमति नहीं है । धतः वे उत्ते परीक्षा-भवन में न लाव।

## था. परीक्षा का स्तर और पाठ्य विवरण

### स्तरः

प्रारम्भिक गणित के प्रश्न पत्नों का स्तर मैट्रिकुलेशन परीक्षा का होगा, प्रारम्भिक भौतिकी के प्रश्न पत्नों का स्तर उच्चतर माध्यमिक परीक्षा जैसा होगा।

सम्य विषयों में प्रथन-पक्षों का स्तर समस्य वही होगा जिसकी किसी धारदीय विश्वविद्यालय के स्थातक से धवेखा की जा सकती है।

इनमें से किसी भी विषय में प्रायोगिक परीका वहीं होगी।

### पाठ्य विवरण प्रोजेजी (कोड सं० 01)

प्रश्नपक इस प्रकार होगा कि जिससे उम्मीदवार की संग्रेजी और संग्रेजी के सक्दों के बोझ की परीक्षाली जासके।

### सामान्य शान (कोड सं० 02)

सामान्य ज्ञान तथा साथ में समनामयिक घटनाओं धीर दिन प्रतिदिन देखें धीर धनुभव किसे जाने वाले इसी तरह के मामलों के वैज्ञानिक पक्ष की जानकारी जिसकी किसी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से प्रपेक्षा की जा सकती है, जिसने किसी वैज्ञानिक दिषय का विशेष ध्रध्ययन न किया हो। प्रश्न पत्न में भारत के इतिहास धीर भूगोल से संबंधित ऐसे प्रश्न भी होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवारों की, उन विषयों का विशेष ध्रध्ययन किसे बिना देना चाहिए।

### प्रारम्भिक गणित (कोड सं० 03)

### संक गणित

संख्या पद्धतियां :--वनपूर्णं, संख्यायें, पूर्णांक, परिमेय भौर वास्तविक संख्यायें, मूल संक्रियायें --जोड़, घटाना, गृणन भौर विभाजन, वर्गं मूलदशमलव भिन्न ।

एकिक विधि:--मभय तथा दूरी, समय तथा कार्य प्रतिशतता, साधारण तथा चक्रवृति व्याज में प्रनुप्रयोग, लाभ तथा हानि, प्रनुपात धीर समानुपात विचरण।

प्रारम्भिक संख्या सिद्धांत: --विमाजन की कलन विधि, धमाज्य धौर बाज्य संख्यार्थे, 2, 3, 4, 5, 9 घौर 11 द्वारा विभाज्यता के परीक्षण घपवस्य भौर गुणन खण्ड/गणन खण्डन प्रमेय/महत्तम समापवर्तक तथा लघुत्तम समाप-वर्तक, युक्लिड की कलन विधि ।

भाधार 10 तक लबुगणक, लबुगणक के नियम, लघु-गणकीय सारणियों का प्रयोग।

### वीज गणिन

माधारभूत संक्षियाथ : माधारण गुणन खण्ड 1 शेष फल प्रसेम, बहुपदों का महत्तम समापवर्ग किया समापवर्ग मिद्धांत । द्विच सभीकरणों का हल इसके मूलों ग्रीर गुणांकों के बीच सम्बन्ध (केवल वास्तविक भूल पर विचार किया जाय ) । दो प्रज्ञात राशियों में युगपत रैखिक समीकरण—विश्लेषण ग्रीर प्राफ सम्बन्धी हल । दो चरों में युगपत रैखिक असमिकायँ ग्रीर उनके हल प्रायोगिक प्रश्न जिनसे दो चरों में ये युगपत रैखिक समीकरण या ग्रसमिकामें बनती हैं या एक घर म दिवात, समीकरण तथा उनके हल, समुक्य मावा तथा समुच्चय ग्रंकन पद्धति, परिमेय व्यंजक तथा सप्रतिबन्ध तत्समक वात्तीक नियम । विकाणमिति :

ण्या  $\times$ , कोटिज्या,  $\times$  स्पर्श रेखा  $\times$  जब 90°  $\angle \times$   $\angle$  90° ज्या  $\times$ , कोटिज्या  $\times$ , स्पर्श रेखा  $\times$  का मान क्योंकि  $\times$   $-0^\circ$ , 30°,

45°, 60° भीर 90° सरल विकोणमितीय तत्समकः। विकोणमित्तीय सारणियों का प्रयोगः।

कंचाइयों घौर पृतियों के सरल कोण।

### ण्योमिति :

रेखा और कोण, समतल और समतल माकृति : निम्नलिखित पर प्रभेय :-- (i) किसी बिन्धु पर कोणों के गुण धर्म, (ii) समांतर रेखाएं, (iii) किसी बिन्धु पर कोणों के गुण धर्म, (ii) समांतर रेखाएं, (iii) किसी बिन्धु को भुजाएं धौर कोण, (iv) तिमुजों की सर्वीगममता, (v) समकप विमुज (vi) माध्यकाओं भौर शीर्ष, लम्बों का संगमन, (vii) समानौतर कत्भुंजों, आसात और वर्ग के कोणों, भुजाओं के विकणों के गुण धर्म, (viii) वृत्त और अनेके गुण धर्म जिसमें, स्पर्श रेखा तथा धिमलम्ब भी शामिल हैं, (ix) स्थानिक संक ।

### विस्तार कलनः

वर्गी, भायतों, समानांतर चतुर्भुजों, क्रिमुजों भीर वृत्तों के क्षेत्रफल । उन भाइतियों के क्षेत्रफल जो इन भाकृतियों में विभाजित की जा सकती हैं। (क्षेत्र

वहीं) जनामों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा भायतन/लम्ब वृक्षीय शंकुकों भीर वेलनों का पार्व-पुठाय तथा ग्रायनन/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा भायतन ।

### सोष्यिको :

सांक्रियको सच्यों का संप्रहण. तथा सारणीयन । द्वालेखी निक्ष्पण-बारम्बारता अतुमुज ग्रायत जिल्लाणलाका चार्ट पाई चार्ट ग्राव्य केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप रेखाग्री के भीच कोण ।

### प्रारम्भिक भौतिकी (कोड सं० 05)

- (क) विस्तार कलन : मापन के माश्रक, सी० जी० एस० ग्रीर एम० के०एम० माश्रक। ग्रावेश ग्रीर संदिण। बल ग्रीर वगका संयोजन तथा नियोजन। एक समानत्वरण। एक समानत्वरण के ग्रधीन ऋजुरेखीय गति। न्यूटन का गति नियम। बलकी संकल्पन बलके माश्रक। माश्रा ग्रीर भार।
- (स्त्र) पिण्ड का यल जिजान :---गुरुत्व के प्रधीन/समानान्तरण **षल ।**गठरव केन्द्र साम्यवस्था/साधारण मशीन/विग अनुपात ग्रानत समतल/पंच ग्रीर गियर सहित विभिन्न साधारण मशीनं/घर्षण, वर्षणकोण, धर्षण, गुणीक कार्य शक्ति श्रीर ऊर्जा/स्थिनिज ग्रीर गतिज ऊर्जा।
- (ग) तरल गुणधर्मः :---धाव न्नीर प्रणोद/पास्कल का नियम । धार्कमिबीज का नियम । धार्कमिबीज का नियम । धनरव ग्रीर विशिष्ट गुरुख पिडों भीर द्वव्यों के विशिष्ट गुरुखों को निर्मारित करने के लिये प्रार्कमिडीज के नियम का अनुप्रयोग । ब्लवन का नियम के गैस द्वारा प्रयोग में लाये गये वाब का मापन । बोली नियम/वायु पस्प ।
- (श) ताप: ---पिडों का रेखिक विस्तार और द्रव्यों का धनाकार विस्तार।
  द्रव्यों का धास्तविक तथा श्राभासी विस्तार। ट्रूचार्स्स नियम परम शून्य वायल
  और चारस नियम, पिडों और द्रव्यों का विशिष्ट ताप, कलो-रीमित/ताप का संघरण,
  धातुओं की ताप संवाहकता। स्थित परिवर्तन। संलयन और वाष्पन की गुप्त
  कल्मा। एस ०पी० बी० पी० नमी (श्रादंता श्रीसांक और धापेकिक स्राहेता)।
- (४) प्रकाश :- ऋज्देखीय संचरण। परावर्तन के नियम। गोलीय वर्षण, अपवर्तन, अपवर्तन के नियम, लैन्स, प्रकाशित यह कैमरा, प्रक्षेपित, पारापार चित्रदर्शी दूरवीन, सूक्ष्मदर्शी, वाहनीक्यूलर तथा परिदर्शी। प्रिज्म, प्रकीणें के माध्यम से अपवर्तन ।
- (च ) ध्यति :--ध्यति संचरण, ध्वति परावर्तेन, मनुमाद/ध्यति धामीफोन का भ्रभिलेखन ।
- (छ) चुस्वकत्व तथा विद्युत चुस्वकत्व के नियम, चस्वकीय क्षेत्र चुस्वकीय बल रेखायें, पाधिक चुस्वकत्व । चालक भीर रोधी । भोमनियम, पी० की०, प्रतिरोधक विद्युत चुस्वकीय बल, श्रेणी पाश्व में प्रतिरोधक । विभवमापी विद्युत चुस्वकीय बल की तुलना । विद्युत धारा का चुस्वकीय प्रभाव, चस्वकीय क्षेत्र में संवाहकता । फलमिंग का बाम हस्तिनयम । मापकयंत्र-धारामापी एमीटर, बोल्ट/मीटर, वाटमीटर, विद्युत धारा का रासायनिक प्रभाव, विद्युत लपन्, विद्युत् चुस्वकीय प्रेरण, फेराडे नियम, बेसिक ए० सी० तथा की० सी० जनित्व ।

### भौतिकी (कोड सं००६)

### पदार्थं के सामान्य गुण और यात्रिकी :

यूनिर्दे भीर विभाएं, स्केलर भीर वेक्टर, मासायें, जड़रब, आधार्ण, कार्य कर्जा और संवेग। यांत्रिकी के मूल नियम, वृणीं गति; गुरुलाकर्षे । सरस भावतें गति, सरल भीर प्रश्नरल कोलक, प्रत्यास्थता; प्रष्ठ तनाव, द्रव की शयानता, रोटरी पन्य।

### 2. इवनि :

अवसंदित, प्रणोदित और मुक्त कम्पन, तरंग-गति, बाप्लर प्रभाव, विन्तं तरंग वेग, किसी गैस में ध्वनि के वेगपर दाव, तापमान और/प्रावंता का प्रभाव, होरियों, झिल्लियों और गैस स्तम्भों का कम्पन, अननाद विस्पंव, स्थिर तरंगें। ध्वनि का प्रावृति वेग तथा तीव्रता। पराश्रव्य के मून तस्व। ग्रामोफोन, टाकीज भीर लाउड स्पीकरों के प्रारम्भिक सिद्धांत।

### 3. ऊष्मा भीर गतिविज्ञान

तापमान और उसका मापन; तापीय प्रसार, गैसों में गमतापी तथा रवोध्य परिवर्तन । विशिष्ट ऊष्मा और ऊष्मा चालकता; द्रव्य के धनुगति सिद्धांत के तत्व; बोस्टसमन के वितरण नियम का भौतिक बोध, श्रांकरवाल का धवस्था ममीकरण, जल याम्यभन प्रभाव, गैसों का द्रवण; ऊष्मा वृंधन; कार्मोटप्रेमेय, ऊष्मागति-विज्ञान के नियम और उनका सरल धनुप्रयोग। कृष्णिका विकिरण

### 4. प्रकाश

ज्यामितीय प्रकाशिकी । प्रकाश का येग, समतल भीर गोलीय पृष्ठों पर प्रकाश का परावर्तन भीर भपवर्तन। प्रकाशीय प्रतिबिक्यों में गोलीय भीर बणिक वीच भीर उनका निवारण। नेत्र भीर भ्रन्य प्रकाशित यंत्र। प्रकाश का तरंग सिकात, व्यक्तिकरण।

### विश्वृत् भीर चुम्बकत्व

विद्युत् क्षेत्र के कारण कर्जा, प्रथ्य के वस्त् ग्रीर चुम्बकीय गुण धर्म, हिस्टे-रिसस चुम्बक्शीलता भीर चुम्बकीय प्रवृत्ति; विद्युत् धारा से उत्पन्न चुम्बकीय क्षेत्र; मूबिंग मेग्नेट एण्ड मूबिंग क्यायल गलवे :भीटर; दारा श्रीर प्रतिरोध का मापन; रिएक्टिय सर्किट एलिमेंट्स के गण ग्रीर धर्म श्रीर अनवा विधारण; ताप विद्युत प्रभाव, विद्युत् चुम्बकीय प्ररण, प्रत्यायलीं धाराक्री का उत्पादन/दीसफार्मर भीर मोटर; इलैक्ट्रानिक वाल्य श्रीर अनवा नरक ग्रन्थ्योत।

### 6. प्राधुनिक मौतिकी

बोर के परमाणु सिद्धांत के तत्व, इलीक्ट्रांस, गैसीं द्वारा विधुत का विसर्जन, क्योंबर । रेडियोऐक्टिक्ता, कृतिम रेडियो एक्टिक्त। ग्राइसीरोप किखंडन धीर संलयन की प्रारम्भिक श्रारणा।

गणित (कोड सं० 04)

### 1. बीज गणित:

समुज्जयों का बीजगणित, सम्बन्ध भीर फलन, फलन का प्रतिलोभ, युक्त फलन, तुल्यता सम्बन्ध; परिमेयसूचकांक के लिए द-मीयवर का प्रमेय भीर उसकाः सरल भन्त्रयोग।

### 2. मेंद्रिसेस

मैट्रिसेम की बीजिकिया, सार्गणक सारणिकों के सरल गुण, सारणिकों के गुणनफल, सहखण्डजधाध्यृह; भैट्रिसेसों का प्रसिलोधन, मिट्रिक्स की जिति । रिखक सभीकरण के हल निकालने के लिए मैट्रिसेसों का प्रमुप्रयोग (तीन प्रज्ञात संख्याओं में)

### 3. विश्लेषिक ज्यामिती

विजिम की विश्लेषिक ज्यामिति, सरल रेखायें, सरले रेखायों की जोड़ी, मूल, वृत्त निकाय, परक्लय दीर्घवृत्त प्रतिपरिक्लय (मुख्य ग्रंशों के सन्दर्भ में) विजीय ग्रंश समीकरण का मानक रूप में लघुकरण। स्पर्शरेख। ये श्रीर ग्रंभिलम्ब। विजिम की विश्लेषिक. ज्यामिति:

समतल, सीधी रेखाएं धौर गोलक (केवल कार्सीय निदेशांक)

### फलन (कैलकुलस) और विभिन्न समीकरण :

अवकल गणितः सीमांत की संकल्पना, वास्तविक चर फलन का सांतत्व और अवकलनियता, मानक फलन का अवकलन, उत्तरांत्तर अवकलन रोल का प्रमेय । मध्याधान प्रमेय; मैक्लारिन और टेलर सिरीज (प्रमाण आवध्यक नहीं है) और उनका अनुप्रयोग परिमेय । सुचकांकों के लिए व्रिपदप्रसरण चरषा-तांकी प्रसरण, लघुगणकीय क्रिकोण-वित्तीय और अति परिकलियक फलन । अनिर्धारित रूप । एकल चर फलन का उच्चिष्ट और अलिपष्ट, स्पर्शरेखा, असिलम्ब, अधः स्पर्शी अधोलम्ब, अनत्तरपर्शी बक्का (केवल कालींय निर्देशांक) और ज्यामितीय अनुप्रयोग । एनक्लेप प्रांशिक अवफलन । समांगी फलनों के संबंधित आयलर प्रमेय ।

समाकलन -गणित :--समाकलन की मानक प्रणाली । सतत फलन के निष्यित समाकलन की रीमान-परिभाषा । समाकलन गणित के मूल सिद्धांत । परिशोधन, क्षेत्रकलन, आयतन और परिक्रमण बंनाकृति का पृष्ठीय क्षेत्रफल । संख्यारमक समाकलन के बारे में सिम्प्समन का नियम ।

भवकल समीकरण: प्रथम कोटि के मानक अवकल समीकरण का हल निका-लना। नियम, गुणांक के साथ द्वितीय और उच्चतर कोटि के रेखक समीकरण का हल निकासना। वृद्धि भीर क्षय की समस्याभों का सरल भनुप्रयोग, सरल हारमोनिक रूपान्तरण। साधारण पेन्डलम और समीदिश।

### 5. यांत्रिक (येक्टर पद्भति का उपयोग किया जा नकता है)

स्थिति विज्ञानः समतलीय तथा रागामी असों की साम्यवस्था की स्थित । साधारण सत्यों के गुरुत्व केन्त्र । स्थितिक वर्षण, साम्यवर्षण और सीमान्त वर्षणा- वर्षण कोण । दक्षकानत समतलापर के कण की साम्यावस्था कस्पित कार्य (दी आयामों में)।

गति विज्ञानः शुद्ध गति विज्ञान-कण का त्वरण, वेग, चाल और विस्थापन, आपेक्षित वेग। निरन्तर त्वरण की अवस्था में सीधी रेखा की गति। न्यूटन गति सम्बन्धी सिद्धांत। केन्द्र कथा। सरल प्रसवदा गति; (निर्वात में) गुरुवा-वस्था में गति। आवेग कार्य और ऊर्जा रैखिक संवेग और ऊर्जा का संरक्षण। समान वर्तल गति।

सांख्यिकी-प्राधिकता :—प्राधिकता की शास्त्रीय और सांख्यिकीय परिभाषा, संचयात्मक प्रणाली की प्रायिकता का परिकलन, थोग एवं गणन प्रमेम, सप्रतिबंध प्राधिकता । यावृच्छिक चर (विविवत और अविरत) धनत्व, फलन, गणितीय प्रत्याशा ।

मानक वितरण: द्विपद वितरण, परिभाषा, माध्यम और प्रसरण वेषम्य सीमांत रूप सरल अनुप्रयोग। प्यासों वितरण परिभाषामध्य और प्रसरण योज्यता, उपलब्ध आंकड़ों में प्यांसों बटन का समंजन। सामान्य वितरण, सरल समानुपात और सरल अनुप्रयोग, उपलब्ध आंकड़ों में सामान्य में प्रसामान्य बहुन का समंजन।

द्विचर वितरण: यह संबंध दो चरों का रैखिक समाश्रवण, सीधी रेखा का समंजन,परवलयिक और चलघाताकी, बक, सह संबंधित गुणांक के गुण।

सरल प्रतिदर्श वितरण और परिकल्पनाओं का सरल परीक्षण, यावृष्टिक प्रतिदर्श (सांक्यिकी, प्रतिवर्शी बंटन और मानक बुटि) मध्य पदों के अन्तर की अर्थवत्ता के परीक्षण में प्रसामान्य टी०, सी० एच० आई०, (CHI2) और एफ० का सरस बितरण।

टिप्पणी : उम्मीववारों को दो विषयों—सं० 5 यांक्रिकी और सं० 6 सांख्यिकी—में से किसी विषय पर प्रश्नों के उत्तर लिखने का विकल्प होगा।

### बुद्धितया व्यक्तित्व परीक्षण

उम्मीदयारों की बुनियादी बुद्धि की जांच करने के लिए साक्षात्कार के भतिरिक्त मौधिक तथा लिखित बुद्धिपरीक्षा की जायेगी। उनके प्रूपपरीक्षण भी किये जाएंगे जैसे प्रुप परिचर्चा, प्रुप योजना, बिहरंग प्रुप कार्यकलाप तथा उन्हें निर्विष्ट विषयों पर संक्षिप्त क्याख्यान देने के लिये कहा जायेगा। ये सभी परीक्षा उम्मीदवारों की मेचा शक्ति की जांच के लिए है। मोटे तौर पर यह परीक्षण बास्तव में न केवल उसके बौद्धिक गुणों की जांच के लिये है अपितु इससे उनकी सामाजिक विशेषताओं तथा सामाजिक घटनाओं के प्रति दिलचस्पी का भी पता चलेगा।

### परिशिष्ट 🎞

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के लिये उम्मीदवारों के शारीरिक मानक

टिप्पणी: -- उम्मीदवारों को निर्धारित शारीरिक मानकों के अनुसार शारीरिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है। स्वस्थता संबंधी मानक नीचे दिये जाते हैं।

बहुत से अर्हुताप्राप्त उम्मीदवार बाद में स्वास्थ्य के आधार पर मस्वीकृत कर विये जाते हैं। अतः उम्मीदवारों को उनके अपने हित में सलाह दी जाती है कि वे अन्तिम अवस्था पर निरागा से बचने के लिए आदेदन-पक्त भेजने से पहले अपने स्वास्थ्य की जांच करा कीं।

- 1. सेवा चयन बोर्ड द्वारा अनुशंसित उम्मीदवार को सेना के चिकित्सा अधिकारियों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा करानी होगी । अकादमी या प्रशिक्षणालय में केवल उन्हीं उम्मीदवारों को प्रवेश दिया जाएगा जोकि चिकित्सा बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित कर दिये जाते हैं। चिकित्सा बोर्ड की कार्यवाही गोपनीय होती हैं जिसे किसी को नहीं विखाया जाएगा । किन्तु अयोग्य/अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित उम्मीदवारों को उनके परिणाम की जानकारी चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा दे वी जाएगी तथा उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड से अपील का अनुरोध करने की प्रक्रिया भी बता दी जाएगी। उम्मीदवारों के लिए नीचे संक्षिप्त रूप में दिए गए निर्धारित शारीरिक मानकों के अनुसार स्वस्थ होना आवश्यक है:---
  - (क) उम्मीवबारका शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य ठीक होना चाहिए तथा उन्हें ऐसी बीमारी/अशक्ता से मुक्त होना चाहिए जिससे अनके कुशनकापूर्वक कार्यकरने में बाबा पड़ सकती हो।

- (का) उनमें कमजोर शारीरिक गठन/दैहिक क्षेत्र या स्थूलता नहीं होनी चाहिए।
- (ग) कद कम से कम 157.5 सें०मी० का हो (नौसेना के लिए 157 सें०मी० तथा वायु सेना के लिए 162.5 सें० मी०) । गौरखा भौर भारत के उत्तर-पूर्व क्षेत्र के पर्वतीय प्रदेशों, गढ़वाल तथा कुमायूं के व्यक्तियों का 5 सें० मी० कम कद स्वीकार्य होगा। लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम कद में 2 सें०मी० की कभी भी स्वीकार की जा सकती है। कद और वजन के मानक नीचे दिये जाते हैं:—

कद और वजन के मानक

सेंटीमीटरों में कद	किलोग्राम में घणन			
(बिमा जूता)	18 वर्ष	20 वर्ष	22 वर्ष	
152	44	46	47	
155	4.6	48	49	
157	47	49	50	
100	48	50	51	
162	50	52	53	
105	52	53	5.5	
168	53	55	57	
170	5.5	57	58	
173	57	59	60	
175	59	61	62	
178	61	Ø 2	63	
180	63	64	65	
183	65	67	67	
185	67	69	70	
188	70	71	72	
190	72	73	74	
193	74	76	22	
195	77	78	78	

उपर्युक्त सारणों में दिये गये मौसत बजन से 10 कि॰ मा॰ कम-ज्यादा (नौसेना के लिये 6 कि॰ मा॰ कम-ज्यादा) वजन सामान्य सीमा के मन्दर माना जाएगा; किन्तु मारी हड्डियों वाले लम्बे चौड़े व्यक्तियों तथा पतले पर मन्यपा स्वस्य व्यक्तियों के मामले में गुणवत्ता के माधार पर इसमें कुछ सूत्र दी जा सकती है ।

- (व) छाती मली प्रकार विकसित होनी चाहिए तथा पूरा सौस लेने के बाद इसका श्यूनतम फैलाव 5 सें० मी० होना चाहिए । माप इस तरह फीता, लगाकर की आएगी की इसका निचला किनारा सामने चूचक से लगा रहे और फीते का उत्परी भाग पीछे स्कन्ध फलक (कोल्डर स्नेड) के निम्न कोण (लोधर इन्लिस) को छुते रहना चाहिए। छासी का एक्सरे करना जरूरी है । इसे यह जानने के लिय किया जाएगा कि छाती का कोई रोग तो नहीं है।
- (क) प्रारीर में हिंदुयों भीर जोड़ी का कोई रोग नहीं होना चाहिए।
- (च) उम्मीदवार के सम्बन्ध में मानसिक विकृति या वौरा पड़ने का पूर्ववृत नहीं होना चाहिए।
- (छ) जम्मीवनार समान्य रूप से धुन सके । उम्मीवनार को इस योग्य होना चाहिए कि धह शांत कमरे में प्रत्येक कान से 610 सें० मी० की दूरी से जोर की कानाफूसी धुन सके। कर्ण नासिका कंठ की पिछली या ग्रंब की बीमारी का कोई। प्रमाण न हो।
- (ज) ह्रवय या रक्त वाहिकाश्रों के संबंध में कोई कियारमक या श्रांगिक रोग नहीं होना चाहिए । रक्त वास सामान्य हो ।
- (स) उदरपेगियां मुविकसित हों तथा जिगर या तिल्ली बढ़ी हुई न हों। उदर के झांतरिक झंग को कोई बीमारी होने पर उम्मीदवार झस्थीकृत कर दिया जाएगा।
- (का) यदि किसी उम्मीदवार को हरिया है धौर उसकी शस्य चिकिस्यान की गई हो तो वह उम्मीदवार धनुपयुक्त होगा। यदि हरिया की शस्य विकित्सा हो गई हो तो वह वर्तमान

- परीक्षा में कम में कम एक वर्ष पहले हुई हो जिलका जन्मम पूर्वतरह ठीक हो कुका हो।
- (ट) हाइड्रांसीच देरिकासील या पाइल्स का रीग नहीं होना चाहिए।
- (ठ) मूल की परीक्षा की जाएगी और यदि इसमें कोई असामान्यता मिलती है तो इससे उम्मीदवार अस्वीकृत हो जाएगा।
- (ड) उम्मीदवर को दूर वृष्टि चार्ट में प्रत्येक श्रांख से ऐनक सिष्टत या ऍनक जिना (नौसेना तथा वामू सेना के लिये केवल ऍनक बिना) 6/6 पढ़ने में समर्थ होना चाहिए। मायोपिया 3.5 डी तथा हाक्रपरमेट्रोपिया 3.5 डी (एस्टिंगमेटिंजम) सिहत से श्रीक्षक महीं होना चाहिए। यह जानने के लिये कि श्रांख में कोई रोग तो नहीं है श्रांख की शांतरिक परीका श्रोपथलमोस्कोप से की जाएगी उम्मीदवार के दोनों नेवों की वृष्टि श्रव्छी होनी चाहिए। वर्ण वृष्टि की मानक सी० पी-3 होगा। उम्मीदवार में लाल व हरे रंगों को पह-भानने की क्षमता होनी चाहिए।

नौसेना हेतु उम्मीववारों का दृष्टि स्तर निम्न प्रकार होना चाहिए:---दूरधृष्टि 6/6, 6/6 तक सुधार योग्य 6/9 निकट दृष्टि एन— 5 प्रस्थेक प्रांख वर्णदृष्टि एम एस० टी० द्वारा सी० पी०---1

मायोपिया 0.5 डायोप्ट्रेम से अधिक न हो भोर हानपरमेट्रोपिया भण्छी शांख में 1.50 डायोप्ट्रेस से तथा बुरी भ्रीख में 2.50 डायोप्ट्रेस से प्रधिक न हो ।

### मेल-पेशी सन्तुलन

4

मेड्डोक्स रोष टेस्ट के साथ हेट्रोफोरिया निम्नलिखित से बिल्कुल प्रधिक न हों :--

- (ii) 30 से० मीटर पर------ ऐबसाक्षीरिया 16 प्रिज्म डायोप्ट्रेस एसोक्षीरिया 06 ,, ,, हाध्यरकोरिया ,, ,,
  - (ढ) उम्मीदवार के पर्याप्त संख्या में कुररती व मजयूत वात होने जाहिए । क्ष्म मे कम 14 वात विरद्ध वाला उम्मीदवार स्वीकार्य है । जब 32 वात होते हैं तब कुल 22 वात विन्दु होते हैं । उम्मीदवार को तीथ पायरिया का रोग नहीं होना चाहिए ।
  - (ण) छाती की एक्स-रे परीक्षा में प्रेय पशुंका की उपस्थिति हेतु ग्रेय सेक्दण्ड के निचार भाग की परीक्षा भी शामिल होगी। सेना जिल्लिस बार्ड द्वारा जरूरी समझने पर मेक्दण्ड के ग्रम्म भागों की एक्स-रे परीक्षा की जाएगी।
- 2 केवल बायू ऐना के उम्भावयारों के लिये अपर्युक्त के साय-साय निम्नलिखित विकित्स। मानक भी लाग होगे:--
  - (क) बायसेना के लिए स्वीकार्य पानव देह सम्बन्धी माप निम्न प्रकार है :—

**मत:** 162.5 सें० मी०

दोगकी लम्बाई: कम से कम 99 से॰ मी॰ भीर प्रधिक से प्रधिक 120 सें॰मी॰

मत्तको लम्बाई: अधिक से अधिक 64 पें० मी०

बैठकरऊं वार्धः कम से कम 81.5 में श्री श्रीर प्रधिक से प्रधिक 96 सेंश्यी०।

- (क्र) मेरदंड का एक्सरे कटिकिक किया जाएगा । एक्सरे में प्रकट निम्नालिखित शर्में प्रनहेंक होंगी:---
  - (i) सेक्दंड का कणिकागृल्मीय रोग
  - (ii) ब्राबार्हाटम/स्पोडिलोसिस
  - (iii) मंद से प्रपेक्षाहत प्रधिक कामफोसिस/लश्रोसिस स्को-लियोगिम काब--पद्धति द्वारा 15° से भ्रधिक प्रस्थी-छुति का कारण बनेगा ।

- (iv) स्पाॅबीलोलिसस येसिस/स्पाॅबीलोखिसिस
- (v) ह्रिप्टिक न्यूकिनियम पक्षपोसम
- (VI) कशेरका कासम्पीडन प्रस्थिनग
- (vii) स्वेयर मेन का रोग
- (viii) प्रदर्शनीय तंत्रिकीय या परिसंचरणीय धमान के साच ग्रेवं पण्का
- (ix) कोई अन्य अपसामान्यता, जिसे कोई विशेषक ऐसा **ठहराए** ।
- (ग) छातीका एक्स-रेजरूरी है।
- (घ) दुष्टि

दूर की वर्षिट : 6/6, 6/6 तक मुघार योग्य 6/9

पास की वृष्टि: प्रत्येक श्रांख की एस० 5

वर्णं पृष्टि : सी० पी०--। (एम० ग्राई० एन०)

मेनीफेस्ट हाइपरमेट्रोपिया--2.00 डी॰ से ग्रविक न हो। नेक्ष पेशो सन्तुलन ।

मेश्रोक्स रोड़ टैस्क के साथ हैटरोफोरिया निम्नलिखित से प्रधिक न हो :---

(1) 6 मोटर पर

एक्सोफोरिया ६ प्रिज्म डायोप्ट्रेस एसोफोरिया 6 प्रिज्म डायोप्ट्रेस

(ii) 33 सें ॰मीटर पर

एक्सोफोरिया 16 प्रिजम बायोप्ट्रेस ऐसोफोरिया 6 प्रिज्म बायोप्ट्रेस हाइपरफोरिया 1 प्रिज्म हायोप्ट्रेस मायोपिया, कुछ नहीं एस्टिगमेंटिज्म + 0.75 और मिर्फ

द्विनेत्री वृष्टि---भक्छी द्विनेत्री दृष्टि का होना भनिवार्य है (क्यूजन तथा स्टरवोसिस तथा साथ में भ्रज्छा भ्रायाम व गहनता )

- (इ) मानक
- प्रत्यक कान से 610 सें० से (i) बाकपरीक्षण: कानाफुसी सुनाई दे।
- (ii) अंज्यतामितिक 250 एच० एक्स तथा 4000 एक जैड के बीच की प्रावतियों में परीक्षण: श्रद्यतामितिक कमी 10 डी० बी० से प्रधिक न हो।
- (च) इटीम ई ० सी ० जी ० सथा ई ० ई ० जी ० सामान्य सीमा में
- नौसेनिक विमानन शाखा क उम्मीदवार हेतु स्वास्थ्य मानक वही होंगे जो वायुसेना के उड़ान ख्यटी हेतु अम्मीदवारों के हैं।
- 4. किसी एक सेवा के लिए निर्धारित विशेष परीक्षण किए जाने के दौरान यदि किसी प्रक्रमता का पता चलता है तो मेडिकल ओर्ड द्वारा प्रवहुँक **ठहराए** जाने की स्थिति में वह प्रकामता उम्मीदवार को प्रस्थ सेवा (सेवाग्रों) के लए भी अयोग्य ठहरा सकती है।

### वरिशिष्ट 🎹

सेवा भावि के संक्षिप्त विवरण नीचे दिये गये हैं :--

मारतीय सेना प्रकादमी बेहराधून में प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारी के लिए:--

- 1. भारतीय सेना प्रकादमी में भर्ती करने से पूर्व :--
  - (क) उसे इस ध्रामय का प्रमाण पत्न देना होगा कि वह यह समझता है कि किसी प्रशिक्षण के दौरान या उसके परिणाम-स्वरूप यदि उसे कोई घोट लग जाए ऊपर निर्दिष्ट किसी कारण से या धन्यया धावश्यक किसी सर्जिकल धापरेणन या संवेदना हरण दशाओं के परिवामस्वरूप उसमें कोई शारीरिक

- मजनता था जाने या उसकी मृत्युही जाने पर वह या उसके वैज उत्तर।धिकारी को सरकार के विक्ञ किसी मुझावजे या झन्य प्रकार की राहत का दावा करने का हक न होगा।
- (**क**) इसके माता पिला-या संरक्षक को इस ब्राग्नय के बन्ध-प्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि यदि किसी ऐसे कारण 🖣 जी उसके नियंत्रण में समझे जाते हैं, उम्भीववार-पाठ्यक्रम-पूरा होने से पहले नापस झाना चाहता है या कमीशन अस्वी-कार कर देता है तो उस पर शिक्षा शुल्क, भोजन, वस्त्र भोर किए गए ध्यय तथा दिये गये वेतन और भत्ते की कुल राशि या उतनी राशि जो सरकार निश्चित करै उसे वापस करनी होगी।
- 2. भन्तिम रूप से चुने गए उम्मीदवारों को लगभग 18 महीनों का प्रशिक्षण दिया जाएगा । इस्हीं उम्मीदवारों के माम सेना ग्रधिनियम के मधीन "जैंटलमेन कडेट" के रूप में दर्ज किये जायेंगे । 'जेंटलमेन कैंबेट" पर साधारण प्रनुशासनात्मक प्रयोजनों के लिये भारतीय सेना प्रकादमी के नियम भौर विनियम लागृहोंगे।
- गर्बाप, ग्रावास, पुस्तक, वर्वी, बोर्डिंग भौर चिकित्सा सहित प्रकि-क्षण के कार्च का भार सरकार वहन करेगी; लेकिन यह ग्रामा की जाती है कि उम्मीदवार प्रपना सार्च खुद वर्षाम्तं करगे। मारतीय सेना प्रकादमी में (अम्मीदवार का न्युनतम मासिक व्यय 55.00 ६० से झिंबक होने की संभावना नहीं है) । यदि किसी कैंबट के माता पिता या संरक्षक इस खर्च को भी पूरा या ग्रोशिक रूप में बर्गारत करने में ग्रसमर्च हों तो सरकार द्वारा उन्हें वित्तीय सहायता दी जा सकती है। उम्मीववारों के माता पिता या संरक्षक की मासिक माय 500.00 व • या इससे मधिक हो,वे इस वित्तीय सहायता के पादा नहीं होंगे वित्तीय सहायता की पावता निर्धारित करने के लिये प्रचल सम्पत्तियों ग्रीर सभी साधनों से होने वाली भायकाभी ध्यान रखा जाएगा।

यदि उम्मीदवार के माता पिता/संरक्षक किसी प्रकार की वित्तीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक हों तो उन्हें प्रपने पुत्र/संरक्षित के भारतीय सैना धकादमी में प्रशिक्षण के लिये श्रंक्षिम रूप से चुमे आने के तुरन्त बाद <mark>धपने</mark> जिला के जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से एक मावेदन पत्त देना चाहिए जिसे जिला मजिस्ट्रेट अपनी धनुशन्सा सहित मारतीय सेना प्रकादमी देह रादून के कमाण्डेल्ट को अग्रेषित कर देग्रा ।

4. भारतीय सेन। प्रकावनी में प्रशिक्षण के लिये प्रतिम रूप से चुवे गए अम्मीदवारों को ग्राने पैर, कमार्ण्डेंट के पास निम्नलिखिल राशि जमा करामी होगी:--

> (क) प्रतिमास ६० 55.00 के हिसाब से पांच महीने काजेब खर्च

275.00

(ख) वस्त्रातयाउपस्कर की मदों के लिये

800,00

योग

1075.00

उम्मीवभारों को वित्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपर्युक्त शाह में से नीचे लिखी राशि वापिस कर दी आएगी:---

> 55.00 र ॰ प्रतिमास के हिसाब से पांच महीने का जेब 275.00

- भारतीय सेना झकावमी में निम्नलिखित छात्रवृत्तियां उपलब्ध हैं:—
  - परशाराम भाक पटवर्धन छात्रवृत्ति :—यह छात्रवृति महा-राष्ट्र तथा कर्नाटक के कैंबेटों को दी जाती है। इस छालवृक्ति की राशि अधिक से अधिक 500.00 द० प्रति वर्ष है जो कि कैडेटों को मारतीय सेना मकादमी में रहने की मवधि के दौरान दी जाती है बशर्ते कि उसकी प्रगति संतोध-अनक हो। जिन उम्मीदबारों को यह छाववृत्ति मिलती है वे किसी घन्य सरकारी वित्तीय सहायता के हकदार व होंगे।

(2) कनंस्र केंग्रल फींग मभीरियल छात्रवृत्ति :--- हम छात्रवृत्ति छ। राणि 360/-- ठ०मा प्रति वर्ष है घीर यह किसी ऐसे पाल मराठा केंग्रेट को दी जाती है जो किसी भ्रमपूर्व मैनिका का पुत्र हो । यह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्त होने वाली किसी वित्तीग्र सहायता के अनिरिक्त होती है ।

6 मारतीय सेना श्रकादमी के प्रत्येक कैंडेट के लिये सामास्य शाली के धन्तर्गत समय-समय पर लागू होने वाली दरों के धनुसार परिधान सत्ता सकादमी के कमॉडेंट को सौंप दिया जाएगा। इस भत्ते की जो रकम खर्च होगी वह :

- (क) कैंबेट को कमीशन दे विये जाने पर दे दी जाएगी।
- (ख) यदि कैंडेट को कमीशन नहीं विया गयातो भक्ते की यह रकम राज्य को वापस कर वी जाएगी।

कमीक्षम प्रवाम किये जाने पर इस कत्ते में खरीरे गये वस्त्र तथा सम्य सावश्यक कीज कैडेट की व्यक्तिगत सम्मत्ति सन जाएगी । किन्तु यदि प्रशिक्षणाधीन कैडेट त्यागपत दे दे या कभीक्षन से पूर्व उसे निकाल विया जाए या वापस बुला लिया जाए तो उपर्युक्त बस्तुकों को उससे वापस ले खिया आएगा । इस बस्तुकों का सरकार के सर्वोत्तम हित की दृष्टिगत श्वते हुए निपटान कर दिया जाएगा।

ग. शामान्यतः किसी उम्मीववार को प्रशिक्षण के वौरान स्थागपक देने की अनुमति नहीं श्री जाएगी । लेकिन प्रशिक्षण के बौरान स्थागपक देने वाले जेंटिलमैन कडेट को यल सेना मुख्यालय द्वारा उनका त्यागपक स्वीकार होने तक घर जाने की आक्षा वे दो जानी चाहिए । उनके अस्थान से पूर्व उनके प्रशिक्षण, भोजन तथा सम्बद्ध सेवाओं पर श्लीने वाला खर्च उनसे बसूल किया जाएगा । धारतीय सेना अकावमी में उम्मीववारों को भर्सी किये जाने से पूर्व उनके भाता पिता/अभिभावकों को हथ आयाय के एक बांड पर हस्ताक्षर करने श्लीगे । जिस जैंडलमेन कैंडेंट की प्रशिक्षण का सम्पूर्ण कोर्स पूरा करने के योग्य नहीं समझा जाएगा उसे धना मुख्यालय को अनुमित से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है । वन परिस्थितियों में सैनिक उम्मीववार को अपनी रेजिमेंट या छोर में वापस भेज विया जाएगा ।

8. यह कमीशन प्रणिक्षण को सफलतायुर्वक करने वर ही विधा आयेगा । अमीशन देने की तारीख प्रक्रियण की सफलतायुर्वक प्रा शरन की तारीका से प्रगले दिन से शुक्त होगी ? यह कमीकन स्वामी होगा।

9. श्रमीशान देने के बाद उन्हें सेना के नियमित ध्रफसरों के समान वेतन भीर भने, पेंशन भीर फुट्टी की जायेगी सथा सेवा की ध्रम्य शर्तें भी वही होंगी जो सेना के नियमिन अफसरों पर समय समय पर लागू होंगी।

### I प्रशिष्यणः---

10. मारतीय सेना धकावमी में धार्मी कैतेट की "जेंटलयेन केंक" का नाम विया जाता है तथा उन्हें 18 मास के लिये कड़ा सैनिक प्रिया क्षण विया जाता है ताकि वे कंकेंद्री के उप-यूनिटों का नेतृत्व करने के योग्य बन सकें। प्रशिक्षण की सफलतापूर्वक पूरा करने के उपरांत जेंटल- सैन केंद्रेटों की शैकिन्द्र लेंपिटवेंट के रूप में कमीमन प्रवान किया जाता है बालें कि एस० एक०ए०पी०ई० शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।

∏ सेवाकी शर्तः ∹−−

(i)	वेतन
-----	------

- <del>रोंक</del>	वेतनमान
सिकिण्ड लिप्टर्नेट	750-790
सेफ्टिनेंड	830-950
बैप्टन 😓	1100-1550
मेजर	1450-1800
मेजर (भयन ग्रेड वेतन)	1800-50-1900
लेपिटर्नेट-कर्नल (चयन धारा)	1750-1950
लेपिटनेंट कर्नल (चयन ग्रेड वेतन)	2000-50-2100

गेतनमान ,	
1900 नियन	
1950-2175	
2200-2400	
2500-125/2-2750	
3000 प्रतिमास	
3250 प्रतिमास	
	1900 नियन 1950-2175 2200-2400 2500-125/2-2750 3000 प्रतिमास

### (ii) योग्यता, वेतन और अनुदान\_

लैंक्टिनेंट कर्चल ग्रीर उससे नीचे के रैंक के कुछ निर्धारित योग्यता रखने वाले ग्रीधकारी प्रपनी योग्यताओं के ग्राधार पर 1600 द., 2400 द., 4500 द. प्रथम 6000 द. के एक मुख्त श्राचुदात के हकदार हैं। उड़ान प्रशिक्षक (वर्ग 'ख') द. 70 की दर पर योग्यता वेसन के ग्रीधकारी होंगे।

### Ⅲ मत्तेः—

- (iii) वेतन के अतिरिक्त श्रफसरों की इस समय निम्निस्थित चर्चे मिसर्ते हैं :--
  - (क) सिविशियन राजपुत्रिक्त भफसरों पर समय-समय पर खायू वरों ग्रीर शर्ती के धनुसार दर्म्हें भी नगर प्रतिकर तथा संहुगाई भक्ते दिये जाते हैं।
  - (खा) 75 २० प्रतिमास की वर से किट बनुरक्षण भत्ता।
  - (ग) भारत के बाहर सेवा करने पर ही प्रवास भक्ता मिलेगा। यह विदेश मत्ते की तवनरूपी एकल वर का 2.5 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक होगा।
  - (व) वियुक्ति भक्ता जय विवाहित प्रफसरों को ऐसे स्वानों पर तैनात भिया जाता है जहां परिवार सहित नहीं रखा जा सकता है, तथ वे प्रफसर 140/~ ६० प्रतिमास की वर के वियुक्ति मसा प्राप्त भरने के हकवार होते हैं।
  - (क) सज्जा भत्ता :-- प्रारंभिक सज्जा बत्ता व 2100 है। प्रथम कभीशन की तारीख से प्रत्यक सात वर्ष के बाव व 0 1800 नये सज्जा असे का वावा किया जा सकता है।
  - (च) यज्ञ सेना में कर्मल के स्तर तक मुक्त रायन दिया जाता है।
  - (iv) तैवाती

वल सेना स्रफसर भारत में या विदेश में कहीं भी तैनात किये जा सकते वें:--

(४) प्योच्चतिः

### (क) स्यायी पवीचति ।

चण्यतररेंकों पर स्थायी पदोश्रति के लिये निम्मलिखित सेवा सीमावं हैं:--

समय वेतनमान से	
लैपिटर्नेट	2 वर्षं कमीशन प्राप्त सेवा
<b>चै</b> प्टन	6 वर्षे कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर	। 3 वर्षं कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर से सैफिटनेंट कर्नल यदि	
चयन द्वारा पदोक्षति न हुई हो	25 वर्षे कमीशन प्राप्त सेवा
चयन द्वारा	
नैपिटमेंट कर्नेस	16 वर्षे कभीशन प्राप्त सेवा
कर्तस	20 वर्षं कमीशन प्राप्त सेवा
विगेवियर	23 वर्षं कमीशव प्राप्त सेवा
. मे <b>जर जनरख</b> े	2.5 वर्ष कमीशन प्रात सेवा
वैपिटनेश्ट अनरल	28 वर्षे कमीश्वत प्राप्म सेवा
ज <b>रनल</b> ः	कोई प्रतिबन्ध नहीं।

### (स) कार्यकारी प्रवासि :

निम्नलिखित न्यूनतम सेवा सीमाएं पूरी करने पर अफसर अण्यतर रैंकों पर कार्यकारी पदोक्षति के लिये पास होंगे बसलें कि रिक्तिया उपलब्ध हों :---

<del>धैप्टन</del>	3 वर्ष
मेखर	5 वर्षे
चैपिठलेंड कर्मस	6 के वर्ष
फर्मस	8 <mark>है</mark> वर्ष
विवेशियर	1 2 <b>वर्ष</b>
मेजर जनरख	20 वर्ष
वैपिटनैंड जनरल	25 वर्ष

- (का) वीसेना प्रकाषमी कोचीन में भर्सी क्षोने वाले उम्मीयवारों के लिये:--
- 1 (क) जो उम्मीवबार धकावमी में प्रसिक्षण के सिये धीतिम क्यें से चुन लिये आर्थेचे, उन्हें मोसिना की कार्यकारी जासा में कैबेडों के रूप में विमुक्त किया आएगा । उन्न उम्मीववारों को बोसेना धकावभी कोचीन के मचारी धक्तर के पास निम्नलिखित राशि जमा कराबी होगी ।
- (1) जिन समीक्तारों ने सरकारी नित्तीय सहायता के लिये झावेदन-पण नहीं विद्या हो :---
  - (i) 45.00 रुपये प्रति मास की वर से पांच मास के लिये जेब खर्च

225.00 ₹0

(ii) कपड़ों झौर मज्जा-सामग्री के

লিত

460.00 To

जो।

685.00 To

- (2) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी विश्वीय सहायता के लिखे छावे-वच पक्ष विया हो:---
  - (i) 45.00 इन्प्रितिमास की वर से दो भास के जिमे जब खर्च

90.00 ₹∘

(ii) कपड़ीं भीर सञ्जा-सामग्री के लिए

460.00 ₹◎

जोड

550.00 ₹∘

- (ख) (i) चुने हुए उम्मीदवारों को कैडेटों के रूप में नियुक्त किया नाएगा तथा उन्हें नीसेना अहाओं और प्रतिच्छानों में नीचे दिया गया प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा :--
  - (भ) भैबेट प्रशिक्षण तथा 6 मास का नौकार्थ प्रशिक्षण 1 वर्ष

(का) मिडशिपमैन नौक। यें प्रशिक्षण

6 मास

(ग) कार्यकारी सब-लैंपिटनेंट तकनीकी कोर्स

12 भास

(भ) सथ-लीपिटर्नेट:

स्थयपुन्त प्रशिक्षण पूरा होने के बाव, प्रशिकारियों को नौबहुन निगरानी सर्वधी पूर्ण प्रमाण-पत्र नेते के लिये भारतीय नौसैनिक जहाओं पर नियुक्त किया आएगा, जिसके लिय कम से कम 6 माम की ग्रवधि ग्रावश्यक है।

(ii) भी-सेना प्रकावमी में कैंबेटों के लिये शिक्षण, प्रावास और संबद्ध सेवाधों, पुस्तकों, वर्दी, भोजन तथा डाक्टरी इलाज का खर्च सरकार बहुन करेगी । किन्तु कैंबेटों के माता-पिता/ धर्मिमावकों को उनका जेव खर्च धीर निजी खर्च बहुन करना होगा । यवि कैंबेट के माता-पिता/धर्मिभाषकों की मातिक धाय 500 दे ते कम हो धीर वह कैंबेट का जेव खर्च पूर्णतया प्रथम प्रशिक्ष रूप से पूरा न कर सकते ही तो सरकार कैंबेट के लिये 55 द० प्रति मास वित्तीय सहायता स्वीकार कर सकती है । वित्तीय सहायता स्वीकार कर सकती है । वित्तीय सहायता स्वीकार कर सकती है । वित्तीय सहायता स्वीकार कर सकती है ।

- का इश्कृत उम्मीवदार अपने चुने माने के बाट शीक्ष ही प्रपने जिला मजिस्ट्रेट के मान्यम से बावेदन-पत दे सकता है। जिला मजिस्ट्रेट उस बावेदन-पत को अपनी अनुवैसा के साथ निदेशक, कार्मिक सेवा, नौसेना मुख्यालय, नई विस्ली के पास भेज देगा। यदि किसी माता पिता/अभिभावक के दो अवदा उससे अधिक पुत्र या अधित नौसेना अहाजीं/ प्रतिष्ठानों में साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हों तो उन सभी को साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने की अवधि के लिये उपर्युक्त विसीय सहायता थी जा सकती है बसतें कि माता-पिता/अभिभावक की मासिक धाय 600/— ६० छ अधिक न हो।।
- (iii) बाव का प्रशिक्षण भारतीय नौसेना के जहाजों धीर स्था-पनाधों में भी उन्हें सरकारी बार्च पर दिया जाता है । सकावभी छोड़ने के बाव उनके पहले छह सास के प्रशिक्षण के दौरान उन्हें उपर्युक्त पैरा (ii) के धनुसार सकावभी में प्रशिक्षण प्राप्त अपने नाओं को मिलने नानी विश्वीय सहायता के समान सहायता ही जाएगी । मारतीय नौसेना के जहाजों धीर उनके प्रतिष्ठाचों में छह माम का प्रशिक्षण प्राप्त कर लेने के बाव जिन ग्रीडेटों की सिडिशिएयन के रैंक में पदोष्ठित कर ही जाएगी धीर के बेतन प्राप्त करने खरेंगे, तब उनके माता-पिता को उनका कोई खर्च वहीं देता होगा।
- (iv) कैंग्रेटों को सरकार से निःशुरूक वर्षी मिलेगी किन्तु उन्हें इसके अलावा जुछ भौर कपड़े भी लेने होंगे । इन कपड़ों के सही ममूने उनकी एक कपता को सुनिक्तित करने के लिये, ये कपड़े नौसेना सकावमी में तैयार किये जावेंगे तथा उसका अर्थ कैंग्रेटों के माता-पिता/प्रामिमायकों को बहन करना होगा । वित्तीय सहायता के लिये प्रावेदन-पद्य दने वाले कैंग्रेटों को कुछ कपड़े निःशुरूक या उधार दिये जा सकते हों । उन्हें कुछ निशेष कपड़े ही खरीवने होंगे।
- (v) प्रशिक्षण के दौरान सर्विस कैडेटों को प्रपने मूल रैंक के बही बेतन और वही सत्ते मिलेंगे जो कैडेटों के चूने जाने के समय नाविक या सेवक या धर्मेटिस के पव पर काम करते हुए प्राप्त कर एहें होंगे । यदि उन्हें उस रैंक में बेतन वृद्धि की जानी हो तो वे उस बेतन वृद्धि को पाने के भी हकदार होंगे यदि उनके मूल रक का बेतन भीए मत्ते सीधे मत्ती होने वाले कडेटों को मिलने वाली वित्तीय सहायता से कम हों तथा वे उस सहायता को प्राप्त करने के पाछ हों तो उन्हें उपर्युक्त दोनों राशियों के ग्रन्वर की राशि भी मिलेगी।
- (vi) सामान्यतः किसी कडेट की प्रशिक्षण के दौरान स्याग-पक्ष देने की अनुमति नहीं दी जाएगी । जिस कैडेट की पारतीय मौसिना जहां जो प्रति प्रतिष्ठामों में कोर्स पूरा करने के योग्य नहीं समझा जाएगा उसे सरकार के अनुमोदन से प्रशिक्षण से घापस बुलाया जा सकता है तथा उसे प्रशिक्षण से हटाया भी जा सकता है । इन परिस्थितियों में किसी सर्विस कैडेट को उसकी मूल सर्विस पर वापस भेज दिया जाएगा । जिस कडेट को इस प्रकार प्रशिक्षण से हटाया जाएगा या मूल सर्विस पर वापस भेज दिया जाएगा या मूल सर्विस पर वापस मेजा जाएगा, वह परवर्ती कोर्स में दुबारा वाखिल होने का पाल महीं रहेगा । किन्तु जिन कैडेटों को भुछ कडणाजन्य कारणों के प्राधार पर स्थागपल देने की अनुमित सी आनी है उनके मामलों पर गुणावगुण के प्राधार पर विचार किया ालीं है
- किसी उम्मीदवार के भारतीय सौसेना में कैडेट चुने जाने से पूर्व माता-पिता/प्रधिभावक की:
  - (क) इस माशय के प्रमाण-पत्न पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भक्को मांति समझता है कि यदि उसके पूर्व को या माधित

को प्रशिक्षण के बोरान या उसके कारण कोई चोट लग जाए या शारीरिक दुवेंजता हो जाए या उपर्युक्त कारणों या धन्य कारणों से चोट लगने पर किये गये धापरेशन से या धाप-रेशन के बौरान मूछित करने की धौषधि के प्रयोग के फलस्थक्ष्य मूर्यु हो जाए हो उसे या उसके पुत्र या धाश्रित को सरकार से मुझाबजा मांगने के बाबे या सरकार से धन्य सहायक्षा मांगने का कोई हक नहीं होगा।

(का) इस मायाय के बांध पर हस्ताकार करने होंगे कि किसी ऐसे कारण से जो उनके नियंखण के मधीन हो, यदि उम्मीवकार पूरा होने से पहले वापस जाना चाहे या यदि कमीयान दिये जाने पर स्वीकार न करेशो शिक्षा, गुरूक मोजन, वस्ख, वेतन तथा भरो, जो कैबेटों ने प्राप्त किये हैं, उनका मूल्य या उनका वह मंत्रा जो सरकार निर्णय करे, कुकाने की जिम्मेवारी वह नेता है।

### 3. बेतन धीर पर्छ

(क) वेशन	,
<b>T</b> 'F	वेतनभाष
	सामान्य सेवा
	क्पए
मि <b>क्षांप्रमे</b> ष	560.00
एक्टिंग सब-नेपिटर्नेट	750.00
स <b>द-ने</b> फ्टिनेंट	830-870
लेपिटवेंड	1100-1450
लेपिक्सेंट कमोडोर	1450-1800
क्रमाण्कर (चयन मान द्वारा)	1750-1950
क्षमांबर (समय वेतनमान द्वारा)	1900.00 (नियत्त)
चेष्यत	1950-2400 वपए (कमोबोर वह वेतन प्राप्त करता है जिसके लिये वह कैप्टन के कप में वरिष्ठता के
यर ए <b>ब</b> मिरल	स्राक्षार पर हकदार होता है।) 2500-125/2 2750 वर्षए
काइस एडमिरल	3000 रपए

### (क) पत्ते

वेसन के अतिरिक्त अफसरों को निम्नलिखित भर्ते भिलैंते हैं:--

- (i) सिविलिधन राजपित अफसरों पर समय-समय पर लागू दरों और भक्तों के अनुसार उम्हें भी नगर प्रतिकर तथा मेह-गाई भक्ता भिलता है।
- (ii) 75/- क० प्रतिमास की वर से किट अनुरक्षण मत्ता (कमो-बोर रैंक के सथा उनसे नीचे के रैंक के अफसरों को)।
- (iii) जब अफसर भारत के बाहर सेवा कर रहा हो, तब धारित रैंक के अनुसार 50/- रुपये से 250/- रुपए तक प्रतिमास प्रवास भसा ।
- (iv) 140/- द० प्रतिमास के हिसाब से इन अफसरों को नियमित सभा मिलेगा :---
  - (क) जिन विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर **उ**नात किया जाएगा जहां वे परिवार स**हित नहीं** रहे सफते।
  - (का) जिन विवाहित अफसरों को आई । एन । जहाजों पर तैनात किया जाएगा अथवा जितनी अवधि के जिए के क्सेस पसनों से दूर जहाजों पूर रहेंगे।
- (v) (क) परिमञ्जा भत्ताः प्रारंभिक परिसञ्जा सस्ताः ६० 2400/ है।

- (धा) नवीकरण परिसञ्जा मत्ता र० 2100/- है।
- (vi) जितनी अवधि के लिये बेस पत्तनों से दूर जहाजों पर रहेंगे, उतनी अवधि के लिये उन्हें मृपत रामन मिलेगा ।
- (vii) चौसेना में कैंग्टन (भारतीय मौसेना) के स्तर तक मुक्त रामन विमा जाता है।
- िटप्पणी I:— ' खपर्युक्त के बलावा संकट ⊺ समय काम करने की राधि पनकुक्ती खत्ता, पनदक्ती वेतन, सर्वेदाण, वान्-तोषिक/अर्द्धता वेतन/अनदान तथा गोताखोरी वेतन जैसी कुछ विशेष रियायत थी अफसरों को वी खा सकती है।

टिप्पणी II:--अफसर पनहुब्बी तथा विभानन सेवाओं के लिए अपनी सेवाएँ अपित कर सकते हूं। इन सेवाओं म सेवा के लिये चुने असे अफसर बरे हुए बेतन तथा असों को पाने के हकवार होते हैं।

#### . 4. पदोन्न**ि**

(क) समय बेतनमान द्वारा सिद्यक्तिपमेच से एक्टिंग

> स**ब-बै**फिन्चेंड तक ऐक्तिम सब-नेफिन्चेंड से सब-बैफिट्चेंट तक

. \_\_

1/2 44

सब-बैपिटमेंट से

१ वर्षे

सैपिडनेंट तक

ऐक्टिंग और स्थापी सब-नेफ्टिनेंट (नरिष्ठता के लाम/समपहुरण के अधीन) कप में 3 वर्ष

सैफ्टिनेंट के रूप में 8 वर्ष की वरिष्ठता

लैफ्टिनेंड से लैफ्टिनेंड कमीडोर तक लैफ्टिनेंड कमीडोर से कमीडोर तक

2 4 वर्ष की संगणीय

(यवि चयन द्वारा पदोस्नति न हुई हो)

कमीशन प्राप्त सेवा

(क) चयम द्वारत लैंपिटनेंट कमोबोर से कमोबोर तक

जैपिटनेंट कमोबोर के रूप में 2-8 वर्ष की अरिष्टता ।

कमोडोर के रूप में 4 वर्ष की वरिष्ठला।

कमोडोर से कैप्टन तक कप्टन से रियर एडमिरस और उससे ऊपर तक

कोई सेवा प्रतिबन्ध नहीं ।

### 5. वैनाती

अफसर भारत और विदेश में कहीं भी तैनात किये जा सकते हैं।

ि किपणी:— यदि किसी और सूचना की आवयकता हो तो यह निदेशक
कार्मिक सेवा नोरीना मुख्यालय, नई दिल्ली-110011 से प्राप्त
की जा सकती है।

- (ग) अफसर ट्रेनिंग स्कूल सें भ्रसीं होने वाले उम्मीदवारों के लिये :---
- इससे पूर्व कि उम्मीदबार अफसर ट्रेनिंग स्कूल मद्रास, मद्रास में अर्ची हों:→
  - (क) उसे इस आयंग्र से प्रमाण-पक्ष पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भली भीति समझता है कि उसे या उसके वैद्य बारिसों को सरकार से मुआवजे या अन्य किसी सहायता के दावे का कोई एक नहीं होगा, यदि उसे प्रशिक्षण के दौरान कोई वौट या सारीरिक दुर्जलता हो जाए या मृत्यु हो जाए या उपर्युक्त कारणों से चौट अगने पर किए गए आपरेशन या आपरेशन के दौरान मूळित करने की बौषधि के प्रयोग के फलस्वरूप ऐसा हो जाए।
  - (थ) उसके माता-पिता या अभिभावक को एक बाण्ड पर बुस्ता-क्षर करने होंगे कि किसी कारण से जो उसके नियंत्रण के बाबीय मान लिया जाए याँव अम्मीयकार कोसपुरा करके छ

पूर्व वाभिन जाना चाह्य या यात्र विसे जाने पर कमीशान स्वीकार स करे या अफसर द्वेनिंग स्कूल सं प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए शादी कर ले तो उसे सिक्षा, साथा, वस्क सीर बेतन तथा भत्ते जो उसने प्राप्त किये हैं, उनकी लागत मा जनका वह अंस जो सरकार निर्णय करे चुकाने के जिम्मे-वार होंगे।

- 2. जो उम्मीववार अंतिम रूप से चुने आएंगे उन्हें अफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 महीने का प्रशिक्षण कीसे पूरा करना होगा । इन उम्मीववारों को "सेना अधिनियम" के अन्तर्गत जैण्डलमैन कैडेट के रूप में नामांकित किया जाएगा । सामान्य अनुशासन की बृष्टि से ये जेण्डलमैन कैडेट अफसर ट्रेनिंग स्कूल के नियमों तथा विनियमों के अन्तर्गत रहेंगे।
- 3. प्रक्रिक्षण की लागत जिसमें आवास पुस्तक वर्षी व भोजन तथा विकित्सा सुविधा शामिल है सरकार वहन करेगी और उम्मीदवारों को अपना जेव वर्ष स्वयं वहन करना होगा । कमीयन पूर्व प्रक्रिकण के दौरान स्पूनतम 55 का प्रतिमास से अधिक कार्ष की संमानना नहीं है । किन्तु यक्ष उम्मीदवार कोई फोटोग्राफी, शिकार खेलना, सैरसपाटा हत्यांक का जीक रखता हो तो तब उसे अतिरिक्त धन की आवश्यकता होगी । यदि कोई कैबेट यह न्यूनलम व्यय भी पूर्व या आंशिक कप में वहन नहीं कर सके तो उसे समय-समय पर परिवर्तनीय वरों पर इस हेतु विलीय सहायता दी का सकती है अगर्त कि कैबेद और उसके माता/पिता अभिभावक की बाय 500 वर प्रति मास से कम हो । वर्तमान आवेषों के अनुसार विलीय सहायता प्राप्त करने का इण्डुक है उसे प्रशिक्षण के लिये अंतिम कप से चुने जाने के बाव निर्धारित प्रयुत्त पर एक आवेदन अपने जिले के जिला मैजिस्ट्रेड को मेजना होगा जो अपनी सत्यापन रिपीट के साय आवेदनपढ़ को कमांबेंट अफसर ट्रेनिंग स्कूल महास की बेज देगा।
- 4. अफसर ट्रेनिंग स्कूल में अंतिम रूप से प्रशिक्षण के लिये चुने गए सम्मीयवारों को यहां पहुंचने पर कमाबेंड के पास निम्नलिखित धन राप्ति समा करनी होगी:----
  - (क) 55.00 रु प्रति मास की दर से दस महीने के लिये जेव सर्थ

550.00 रूपये

(क) वस तथा उपकरण के लिये

500.00 **ध्यमे** 

पोग

1050.00 चपमे

यदि कैंडेटों की वित्तीय सहायता स्वीकृत हो जाती है तो उपर्युक्त शिश में से (ब) के सामने दी गई शिक्ष वापस दी जाएगी।

 समय-समय पर जारी फिये गये क्षावेशों के अन्तर्गत परिवान चत्ता मिलेगा ।

कमीशन मिल जाने पर इस मधे से बारीदे गये बस्न तथा अध्य आध्यस्यक चीजें केंद्रेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जायेंगे । यदि कैंद्रेट प्रशिक्षणाधीन अवधि में स्याग-पत्न दे दे या उसे निकाल दिया जाए या कमीशन से पूर्व बापस बुला लिया जाए तो इन वस्सुओं को उससे बापस ने सिया जाएगा । इन बस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हित को वृष्टिगत रखते हुए निपटान कर दिया जाएगा ।

- 8. सामान्यतः किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान त्याग-पक्ष देने की अनुमति नहीं दी जाएगी । लेकिन प्रशिक्षण प्रारम्भ होने के बाद त्यागपक्ष देने वाले जैन्टिलमैन कैंबटों को थल सेना मुख्यालय द्वारा उनका त्यागपक्ष स्वीकृत होने तक घर जाने की आज्ञा दी जा सकती है । प्रस्थान है पूर्व उनसे प्रशिक्षण घोजनें तथा सम्बद्ध सेवाओं पर होने वाला धर्म वसुस्त किया जाएगा । अफसर प्रशिक्षण स्कूल में उम्मीदवारों को घर्मी किये जाने से पूर्व उन्हें तथा उनके मादा-पिता/अभिभावकों को इस आध्य का एक बांब धरना होगा ।
- 2. जिस/जेंदलमैच कीरेड की प्रशिक्षण का सम्पूर्ण कीर्स करने क योग्य नहीं समक्षा जाएगा उसे सरकार की अनुमति से प्रशिक्षण से हटाया जा

मकता है। इस परिस्थितियाँ मं सैनिक छम्पाधवार को जनका राजमंद्र कोर में बापस धेज दिया जाएगा।

 क्षमीलन प्रवान कर विये जाने के बाद वेतन तथा भक्ते पेंचन सुरुदी तथा अन्य सेवा शर्ते निम्न प्रकार होंगी।

### 9. प्रशिक्षण

1. चुने यये उम्मीक्ष्यारों को सेना अधिनियस के अन्तर्गत अंष्टलमैन कैंडेटों के रूप में नामांकित किया जाएगा तथा वें अफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगमग 9 मास तक प्रशिक्षण कीसंप्रा करेंगे। प्रशिक्षण सफलता पूर्वक करने के उपरास्त अंष्टलमैन कैंडेट को प्रशिक्षण कें सफलतापूर्वक पूरा करते की तारीख से सेकेंड लेगिटनेंट के पब पर अल्पकालिक सेवा कमीशन प्रदान किया जाता है।

### 10. सेवा की शहें

### (क) परिवीक्षा की अवधि

कमीयान प्राप्त करने की तारीख से अफसर 6 मास की अविद्य तक परिवीक्षाधीन रहेगा । यदि उसे परिवीक्षा की अविद्य के दौरान कमीजन ●धारण करने के अनुपयुक्त बताया गया तब उनकी परिवीक्षा अविध के धमाप्त होने से पूर्व या उसके बाद किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त किया जा सकता है।

### (ख) तैनाती

अरूपकालिक सेवा कमीसन प्राप्त करने पर उन्हें भारत या विदेश में कहीं भी नौकरी पर तैनात किया जा सकता है।

### (ग<u>)</u> नियुक्ति की अवधि धया पदोद्यति

नियमित यस सेना में अल्पकालिक सेवा कमीशन पांच वर्ष की अविधि के लिये प्रवान किया जाएंगा औ अफसर सेना में पांच वर्ष के अल्पकालिक सेवा कमीशन की अविधि के बाद सेवा में सेवा करते के इच्चून हीये यदि हर प्रकार से याज तथा स्पयूक्त पाए गए तो सर्विधत नियमों के अनुसार स्वतंक अल्पकालिक सेवा कमीशन के अंतिम वर्ष में उनको स्थाई कमीशन प्रवान किए जाने पर विचार किया जाएंगा। जो पांच वर्ष की अविधि के यौरान स्थायों कमीशन प्रवान किए जाने की अहंता प्राप्त सहीं कर पाएंगे समूहें वी वर्ष की अविधि के यौरान स्थायों कमीशन प्रवान किए जाने की अहंता प्राप्त सहीं कर पाएंगे समूहें पांच वर्ष की अविधि पूरी होने पर नियंक्त कर विधा वाएंगा।

### (भ) वेतम जॉर असे

अल्पकालिक सेना कमीवन प्राप्त अफसर वहीं वेतन और वर्श प्राप्त करेंगे जो सेना के वियमित अफसरों को प्राप्त होता है। सैकेण्ड सेपिटनेंट और लेपिटनेंट के वेतन की वर इस प्रकार है:—

सैकेण्य वेपिटमेंट--- 750-790 र० प्रति मास

<del>चेपिटरोंट---</del>830-950 रू॰ प्रति मास

तथा अन्य भरो जो नियमित अफसरों को मिलते हैं।

### (छ) स्टूटरी

छुट्टी के संबंध में ये अफसर अल्पकालिक सेवा कमीशन अफसरों के लिये, लागू नियमों से शासित होंगे जो सेना अवकाश नियमावली खण्ड-1 बल सेना, के अध्याय पांच में उल्लिखित हैं। वे अफसर ट्रेनिंग स्कूल के पासिंग आउट करने पर तथा ब्यूटी शहुण करने से पूर्व अकत नियम 81 में दी गई ब्यवस्थाओं के अनुसार भी छुट्टी के हुकवार होंगे।

### (प) कमीशन की समाप्ति

अरूपकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अफसर को पांचा वर्ष सेवा करनी होगी किन्तु भारत सरकार निम्नलिखित कारणों से किसी भी समय उसका कमीखन समाप्त कर सकती है ---

- (i) खपचार करने या संतोषजनक रूप से या सेवा करने पर ; या
- (ii) स्वारूप्य की वृष्टि के अयोग्य होने पर ;
- (iii) उसकी सेवाओं की ओर अधिक आवश्यकता व शोबे पर; या
- (iv) चसके किसी विद्यारित परीक्षण या कोर्स में श्रह्मता प्राप्त करने में श्रह्मता रहने पर।

तीन महीने का नोटिस देने पर किसी अफसर की करणाअन्य कारणों के बाधार पर कमीशन से त्यान-पन्न देने की अनुमति दी जा सकती है। किन्तु इसकी पूर्णतः निर्णायक भारत सरकार ही होगी। करणाजन्य कारणों के आधार पर कमीशन से त्याग-पन्न देने की अनुमति प्राप्त कर लेने पर कोई अफसर सेवांत उपवान पाने का पान नहीं होगा।

- (≢) पेंशन लाभ
- (i) ये प्रभी विजाराधीन है।
- (ii) अल्पकालिक सेवा कमीशन अफसर 5 वर्ष की सेवा पूरी करने पर 5000,00 का सेवांत उपवान पाने के हकवार होंगे।
- (अ) रिजर्वमें रहने का वाधित्व

5 वर्ष की अरुपकालिक सेवा कमीशन सेवा या बढ़ाई गई कमीशन सेवा पूर्ण करने के बाद से 5 वर्ष की अवधि के लिये या 40 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, रिजर्व में रहेंगे।

### (ল) বিবিঘ:—

सेवा संबंधी अन्य सभी शर्ते जब तक उनका उपयुक्त उपवंशों के साथ भेद नहीं होता है वही होंगी को नियमित अफसरों के लिये लागू हैं।

(घ) बायु सेना अकादमी में प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारों के लिये

### 1. चयन :---

भारतीय वायु सेना की उड़ान शाखा (पाइलट) में वौ प्रकार से मर्ती की बाती है। अर्थात् संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से बायरेक्ट एण्ड्री और एम∙ सी० सी० वायु सेवा स्कंध वरिष्ठ प्रभाग के माध्यम से ।

- (क) डायरेक्ट-एण्ट्री--आयोग लिखित परीक्षा के आघार पर चयन करता है, ये परीक्षाएं एक वर्ष में सामान्यतः वर्ष में दो बार और मई और नवम्बर मे ली जाती है सफल उम्मीदवारों को बायु सेमा चयन बोर्ड के सामने परीक्षण और साक्षात्कार के लिये भेजा जाता है।
- (चां) एन क्सी कि सी कि के माध्यम से प्रवेश—राष्ट्रीय कैंडेट कोर मह्मानिवेशक द्वारा विभिन्न एन सी की स्मृतिटों के माध्यम से एन सी कि सी कि उम्मीदवारों से आवेदन-पत्नों को अप्नितित करके उन्हें वायु सेना मुख्यालय को अप्रसारित कर विया जाता है। पास उम्मीदवारों को परीक्षण और साक्षात्काद के लिये वायु सेना चयन बोर्ड के सामने प्रस्तृत होने का निदेश विया जाता है।
- 2. प्रक्रिकण पर भेजना : बायु सेना चयन बोर्ड द्वारा अनुसंक्रित और उपयुक्त चिकिस्सा प्राधिकरण द्वारा शारीरिक कप से स्वस्थ पाये जाने वाले उम्मीदवारों को वरीयता तथा उपलब्ध रिकितयों की संख्या के आधार पर प्रक्रिक्षण के लिये मेजा जाता है। बाइरेक्ट एण्ट्री उम्मीदवारों की वरीयता सूची संघ लोक सेवा आयोग द्वारा तैयार की जाती है और एन० सी॰ सी॰ उम्मीदवारों की वरीयता-सूची अलग से तैयार की जाती है। बायरेक्ट एण्ट्री उज्ञान (पाइलट) उम्मीदवारों की वरीयता सूची सं० लो ० से० आ॰ द्वारा लिखित परीक्षण में उम्मीदवारों के प्राप्ताकों तथा वायु सेना चयन बोर्ड में प्राप्त अंकों को जोड़कर तैयार की जाती है। राष्ट्रीय कडेट कोर के उम्मीदवारों की वरीयता सूची उनके द्वारा वायु सेना चयन बोर्ड में प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार की जाती है।
- 3. प्रशिक्षण : बायु सेना अकादमी में उड़ान शास्त्रा (पाइलट) के लिये प्रशिक्षण की अवधि लगभग 75 सप्ताह होगी।
- 4. भविष्य में पदोन्नति की संभावनायें :— प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद उम्मीदवारों को पाइलट अफसर का रैंक विया जाता है और वे उसी रैंक के बेतन तथा मसे प्राप्त करने के हकथार हो जाते हैं। बर्तमांव दरों के आधार पर, उड़ान शाखा के अधिकारियों को लगभग व० 2450/- प्रति माह मिलते हैं जिसमें उड़ान बेतन २० 750/- प्रति माह भी सम्मिलत है। बायू सेना का भविष्य बहुत उज्जवल होता है यश्विष्य शाखाओं में इस प्रकार की संभावनायें सलग-अलग होती हैं।

भारतीय वायू सेना में बो प्रकार से पदोक्षति होती है अर्थात कार्यकारी रैंक प्रवान करके प्रत्येक उच्च रैंक के लिये अतिरिक्त परिलिख्यां निर्धारित हैं। रिक्तियों की संख्या पर आधारित हर एक को उच्च कार्यकारी रैंक में पदोक्षति प्राप्त करने के अच्छे अवसर मिलते हैं। स्थवेड्न लीडर और विग कमांडर के रैंक में समय वैतनमान पदोक्षति उड़ान (पाइलट) शाखा में अमण: 11 वर्ष की तथा 14 वर्ष की सफल सेवा पूरी करने के बाद की जाती है। विग कमांडर और उससे कपर के उच्चतर पदों में पदोक्षति विधियत गठित पदोक्षति बोडों द्वारा चयन के आधार पर की जाती है। उदीयमान अधिकारियों के लिये पदोक्षति के अच्छे अवसर होते हैं।

5. वेतन समा भत्ते :---

मूल रैंक		उदान शाचा
		<b>.</b>
पाइलट श्रफसर	7	825-865
पला <b>र्</b> ग अफसर		910-1020
फ्लाइंग सेपिटनेन्ट		1150-1550
स्क्वेड्रन सीढर		1450-1800
विग कमांडर		1550-1950
धूप फैप्टन		1950-2175
एअर कमोडोर		2200-2400
एभर वाइस मार्गल		2500-2750
एअर मार्शल		3000

मंहगाई तथा प्रतिकर मर्थः — अधिकारियों को ये मर्ते भारत सरकार के सिविलियन कर्मकारियों को लागू होने जाली शतौं के अंतर्गत की गई दरों पर मिलते हैं।

किट अनुरक्षण भत्ता:— ६० 7 5/- प्रति माह; उड़ान वेतन; उड़ाव शाखा के अधिकारी निम्नलिखित दरों पर उड़ान वेतन प्राप्त करने के हकदार होडे हैं।

विंग कमीबर और उससे नीचे रु० 750,00 प्रति माह प्रुप कैंग्टन और एअर कमोधोर रु० 666,00 प्रति माह एअर बाइस मार्शल और उससे ऊपर रु० 600.00 प्रति माह

योग्यता वेतन: -- कमीशन सेवा के दो या दो से अधिक वर्ष पूरा करने वाले विश कमांडर और उससे नीचे के रैंक के अधिकारियों को विशिष्ट योग्यताओं के लिये निर्धारित दरों पर योग्यता वेतन/अनुवान प्रदान किया जाता है। योग्यता वेतन की दर ६० ७०/- और ६० १००/- है और अनुवान ६० ६०००/-, द॰ 45००/-६०, 24००/-और 16००/- है।

प्रवास घत्ता: — जहां थायु सेना अधिकारियों को टुकड़ियों के रूप में रखा जाना अपेक्षित होता है। उन देशों में नियुक्त एक तृतीय सचिव, द्वितीय सचिव, प्रयम सचिव कम्सूलर को विए जाने वाले विदेश मत्ते का 25 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक (परित रैंक के अनुसार) प्रवास भत्ता देय होता है।

नियुक्ति भक्ता: --ऐसे विवाहित अधिकारी जिनकी नियुक्ति यूनिट सें होती है। गैर परिवार स्टेशन स्थित/सरकार द्वारा अधिसूचित ऐसे स्थान आहाँ अधिकारियों को परिवार को साथ रखने की अनुमति नहीं होती है उन्हें द० 140/- प्रतिमास की दर से नियुक्ति भत्ता विया जायेगा।

परिधान भासा:— वर्दी/उपस्कर जो कि प्रत्येक अधिकारी को अवश्य रखनी पड़ती है उसके मूल्प के बदले मैं विया जाने वाला प्रारम्भिक परिधाल भासा रू 2 100/- है (समय-समय पर इसमें संशोधन किया जाता है) नदी-करण के लिए हर सात साल के बाद रू 1800/- दिए आएंगे। कैम्पिक्ट कमीशन प्रदान करते समय मुक्त वी जाती है।

वायु सेना में प्रुप कैप्टन के स्तर तक मुप्त राशन विया जाता है। 6. छुट्टी और अवकाश साम्रारियायत भत्ता

वार्षिक अवकाश आकस्मिक अवकास षर्प में 60 विन षर्प में 20 विन : एक बार में 10 दिन से अधिक नहीं । कमीसन प्राप्त करने के एक वर्ष के बाव जब की अधिकारी वार्षिक आकस्मिक अवकाश लेंगे वे तथा उनके परिवार के सक्ष्य मुक्त सवारी के हकदार होंचे बाहे अवकाश की अवधि कुछ की क्यों न हो। जनवरी 1971 से प्रारम्भ होंगे बाले वो बचों के ब्लाक से एक बार अधिकारी अपने ब्यूटी स्थान (यूनिट) सबर तक आजे के लिये नि:जुरूक सवारी वाहन के हकदार होंगे। जिस बचे इस रियायत का उपयोग नहीं किया जायेगा को उस वर्ष उसे पत्नी सहित 965 कि भी। के रास्ते के लिए आने और जाने दोनों सरफ की सुविधा पाने के हकदार होंगे।

इसके अतिरिक्त उड़ान साखा के अधिकारियों को, जो प्राधिकृत स्थापना में रिक्तियों को भरने के लिए नियमित उड़ान स्यूटी पर वैनात होते हैं, अवकाश किये पर अर्थ में एक बार जारंड पर 1600 कि ब्मी की तूरी को तय करने के लिए रेल द्वारा उपयुक्त स्लास में मुफ्त याला करने की सुविधा होनी इसमें आने और आने की याला सम्मिलिस होगी।

जो अधिकारी छूट्टी लेकर अपने वार्ष से याता करने के इच्छुक हैं वे कलेक्बर वर्ष म तीन बार पत्नी तया बच्चों के रेस द्वारा प्रथम श्रेणी के किराये का 60 प्रतिकात मुगतान करके याता करने के हकदार होंगे। इसमें एक बार पूरे परिवार के साथ याता की सुविधा दी आएगी। परिवार मंपरनी तथा बच्चों के बसावा अधिकारी पर पूर्णतया आश्वित माता-पिता, बहुन और वानालिंग मार्द वामिन होंगे।

7. पेंसम साथ :---

सेवा विवृत्ति के समय रैंक (स्थायी)		महुके सेवा की श्यूनसम अवधि	तिवृत्ति <sup>दे</sup> भावन	
		 	रु० प्र	ति माह
पाइलट अफसर पलाईंग	अफसर.	20 वर्ष	525	n n
पाइलट लेपिटनेन्ट		20 <b>वर्ष</b>	250	,, 1,
स्वर्वेषुत शीवर .		2 <b>2 धर्ष</b>	875	,, ,,
विंग कमोडर (समय वेत	नमान)	26 <b>पर्व</b>	925	ı, 11
विंग कमांबर सले निटव	,	2 <b>4 বর্ণ</b>	950	,, ,,
पुप केप्टर 🗸 .		26 <b>वर्ष</b>	1100	,, ,,
एयर कमोडोर .		28 वर्षे	1175	,, ,,
एयर बाइस मार्शल		30 वर्ष	1275	11 11
एयर मार्गल .	•	30 वर्ष	1375	11 11
<b>एयर मार्थल</b> वी०सी० <b>ए</b>	०एम०	30 वर्षे	1475	17 17
धौर ए०भो०एस०सी०ई	०-सी०			
प्यर चीफ मार्शल .		३० वर्षे	1700	,, n

### सेवा निवृत्ति उपादन

राष्ट्रपति की विविधा पर सेवा निवृत्ति उपादन निम्मलिखित है :--- 🦯

- (क) 10 वर्ष की सेवा के लिये वर्ष 12,000/- जिसमें से पिछले रैंक के बेंद्र महीने के वेदन घटाकर ।
- (क्ष) प्रत्येक व्यक्तिरिक्त वर्ष के लिए ६० 1200/- जिस्में से पिछले र्रक के 1/4 महीने का वेतन भटाकर।

पेंशन का उपवान के श्रतिरिक्तू प्रत्येक छ: महीने की श्रवधि को श्रह्क क्षेत्रा के लिये कुल परिलब्धियों के जीवाई के बराबर मृत्यु और सेना निवृत्ति छपावन देय है जोकि परिलब्धियों का 16-1/2 गुणा होगा और द० 36,000/- के बिश्वक महीं होगा।

सेवा में रहते हुए मृत्यु हो जाने पर मृत्यु और तेवा निवृत्ति उपदाश निम्न-स्वितित रूप से होंने :

- (क) सेवा के पहले वर्ष यदि मृत्यु हो जाए तो दो महीने का वेतन;
- (का) यदि एक वर्षकी सेवाके बाद तथा पांच अब की सेवा से पहले यदि मृत्युहो जाये तो छ: महीने का थेतन; और
- (ग) पांच वर्ष की सेवा के बाद मृत्यु हो जाए तो कम से कम 12 महीने का वेतन।

विकलागता पेंशन और बच्चों और आश्रितों (माता-पिता, वांहन तथा भाई) को विशेष परिवार पेंशन पुरस्कार भी निर्धारित विथमों के अनुसार वेस है।

### अन्य सुविधाएं :

स्रधिकारी तथा अनके परिवार निःशृत्क विकित्सा सहायता, रिसायती वर पर भावास, ग्रुप बीमा योजना प्रुप आवास योजना, परिवार सहायता योजमा, भौटीन सुविधाओं आदि के हुकदार है।

### परिशिष्ट~4

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति हेतु आवेदन करने वाले अनु- सुचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पक्त का फार्म :—-
प्रमाणित किया जाता है कि श्रीः
सुपुत्र श्री • • • • • • जो गांव/कस्वा* • • • • • • •
·····जिसा/मं≇ल <sup>‡</sup> ं
राज्य/संच रोज्य क्षेत्र*
····-हैं जाति/जनजाति <sup>क</sup> के <b>हैं जिसे</b> निम्बलिश्वित के
श्रतीन धनुसूचित जाति/श्रमु सूचित अधकाति के रूप में मान्यता दी शर्व है :
संविद्यात (मनुसुचित जातियां) मावेश 1950*
संविधाव (अनुसूचित जनजातियां) वार्षेश, 1950*
संविधात (समुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) मारेश 1951*
संविधान (अनुसूचित जनजातियां) (संघ राज्य खेल) आदेस 1951*
अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूचियां (संशोधन)
अप्रदेश 1956 बम्बई पुनर्यंटन अधिनियम् 1980 पंजाश पुनर्गंटन
श्रिष्ठिनियम 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य श्रिष्टियम, 1970 और उत्तर पूर्वी
क्षेत्र (पुनर्गेठन) अधिनियम 1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित
जन जातियां, वादेश (संशोधन) अधिनियम 1976 श्वारा यथा संन्नोधित)
संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आवेश 1956।
संविद्यान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जनवातियां
आवेश 1959 अनुसूचित जातिया तथा अनुसूचित जनजातिया आवेश (संशो-
धन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित।
•
संविधान (वादरा और नागर हथेसी) अनुसूचित जातिया आदेश,
संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जनजातिया आदेश,
1962 1
संविधान (पांडिचेरीः) अनुसूचित जातियां आदेश 1964 ।*
संविधान (अनुसूचित जनजातियां) (एत्तर प्रदेश) आदेश 1987।
संविधान (गोआ दमन और दीव) अनुसूचित जातियां आदेश 1968।*
संविधान (गोआ दमन और दीव), अनुसूचित जनजातियां आदेश 1968।*
संविधान (नागानीप्क) अनुसूचित जनजातियां आवेश 1970।*
संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जाति मादेश, 1978।*
संविधाव (सिविक्रम) अनुसूचित जनवाति वादेश 1978।*

2. 網	
. और/या उनका परिवार आमसौर से गांव/	कस्बा <sup>क</sup>
राज्य/संध <sup>क</sup> राज्य क्षेत्र	
	हस्ताझर
	**पदनाम
	(कार्यालय की मुहर के साथ
	राज्य/संन <sup>क</sup> राज्य <b>सेल</b> )
स्थान	
तारीच	

\* जो सन्द लागून हों उन्हें हुपया काट दें।

नोड:--वहां "ग्रामतौर से रहता है" का अर्थ वही होगा जो "रिप्रेजेंटेशन ग्राफ दि पौपूल एक्ट 1950" की घारा 20 में है।

\*\*जाति/जनजाति प्रमाण-पत्न जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी

- (i) जिला मजिस्ट्रेट/असिरिक्स जिला मजिस्ट्रेट/कलकटर/डिप्टी कमिश्तर/एडिफासल डिप्टी कमिश्तर/डिप्टी कलक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मजिस्ट्रेट/सिटी मजिस्ट्रेट \*सस डिवीजनल मजि-स्ट्रेट/लाल्जुक मजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिच मजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिश्तर ।
  - \*(प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मजिस्ट्रेट से कम ओहवे का नहीं)
- (ii) चीफ प्रेसीबेंसी मजिस्ट्रेट/पूबिशतल चीफ प्रेसीबेंसी मजिस्ट्रेट/ प्रेसीबेंसी मजिस्ट्रेट।
- (iii) रेथेन्यू अफसर जिनका ओहधा तहसीलदार से कमन हो।
- (iv) उस इलाके का सब-क्रियीजन अफसर जहां उम्मीवकार भीर/. या उसका परिवार आमतौर से रहता है/हो ।
- (v) एकमिनिस्ट्रेटर/एकमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपर्भेट अफसर (लक्षक्कीप)।

परिशिष्ठ-V संघ जोक सेवा आयोग उम्भीवनारों की सूचनार्थ विवरणिका

### (क) बस्सुपरक परीक्षण:

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं वह "बस्सुपरक परीक्षण" होगा । इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में आपको उत्तर लिखने नहीं होंगे । प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नाण कहा जायेगा) के लिए कई सुझाए गए उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) दिये जाते हैं । उनमें से प्रत्येक प्रश्नीण के लिए औपको एक उत्तर चुन लेना है।

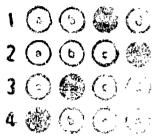
इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के वारे में कुछ जानकारी देता है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई ह हानि न हो ।

### (च) परीक्षण का स्वरूपः

प्रश्न-पक्ष परीक्षण 'पुस्तिका' के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में कम संख्या 1, 2, 3 बादि के क्रम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे ए, बी, सी, बी, चिह्न के साथ सुझाए गए प्रत्युत्तर लिखे होंगे। आपका काम एक सही या यदि आपको एक से अधिक प्रत्युत्तर सही लगे तो उनमंसे मर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करता होगा। (अन्त में दिये गये नमूने के प्रश्नांश देख लें)। किसी भी स्थिति में प्रत्येक प्रश्नांश के लिये आपको सही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका प्रत्युत्तर गलत माना आएगा।

### (ग) उत्तर देने की विधि:

परीक्षा सबन में अपने । अलग एक उसर पत्नक विया जाएगा। आपको अपने प्रत्युसर इस उसर पत्नक सें लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्नक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर सिखे गए उत्तर नहीं जांचे आएंगे। जलर पक्षक (जिसकी एक नम्ता प्रति आपको प्रवेण प्रमाण-ग्रह के साथ भेजी जाएकी) में प्रश्नाणों की संख्याणें 1 से 160 सक चार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने ए०, बी०,सी०, टी०, सिक्क वाले वृत्ताकार स्थान छपे होते हैं। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कीन साप्रत्यूत्तर सहीया सर्वोत्तम है आपको जस प्रत्युत्तर के प्रकार वाले वृत्त को पेंसिल से पूरी तरह काला बना कर उसे अंकित कर देना है जैसा कि (आपका उत्तर दर्शनि के लिए) भीचे दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के वृत्त को काला बनाने के लिए स्थाही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यह जरूरी है कि :---

- प्रथमकों के उत्तरों के लिये केवल सच्छी किस्म की एच० बी० पेंसिल (पेंसिलें) ही साएं और उन्हीं का प्रयोग करें।
- गलत निम्नान को बदलने के लिये उसे मिटाकर फिर से सही उत्तर पद
   निमान खगा दें। इसके लिए माप अपने साथ एक रबड़ भी लायें।
- उत्तर पक्षक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असावधानी नहीं बरतनी चाहिये जिससे वह फट जाए या उसमें मोड़ व सिलवट आदि पड़ जाए या खराव हो जाएं।

### (म) कुछ महत्वपूर्ण विनियम

- आपको परीक्षा आरंभ करने के खिए निर्धारित समय से बीस मिसट पहले परीक्षा मदन पश्चंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।
- परीक्षण गुरु द्वोने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश महीं दिया जाएगा ।
- परीक्षा गुरू होने के बाद 45 भिनट तक किसी को परीक्षा मवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिसेगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पक्ष निरीक्षक । पर्यवेक्षक को सौंप दें। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले आने की अनुमति नहीं है। इस निषम का उल्लंबन करने पर कड़ा दंड दिया आएगा।
- 5. 'आपको उच्चर पक्षक पर कुछ विवरण परीक्षा भवन में भरता होगा आपको कुछ विवरण उत्तर-पक्षक पर कृटबद्ध भी करना होगा। इसके बारे में आपके पास अनुदेश प्रवेश प्रमाण पक्ष के साथ मेजे आपेंगे।
- 6. परीक्षण-पुस्तिका में विए सभी अनुवेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। इन अनुवेशों का खावधानी से पालन न करने से आपके संबर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पत्तक पर कोई प्रविद्धि संविष्ध है तो उस प्रक्नांश के प्रत्युक्तर के लिए आपको कोई नम्बर नहीं सिलेगा। पर्यवेशक के अनुवेशों का पालन करें। अब पर्यवेशक किसी परीक्षण या उसके किसी माग को आरंभ या समाप्त करने को कहे तो उनके अनुवेशों का तत्काल पालन करें।
- 7. आप अपना प्रवेश प्रमाण-पत साथ लाएं आपको अपने साथ एक एवं वी० पेंसिल, एक रखड़, एक पेंसिल शापेंनर और नीली या काली स्वाष्ट्री वाली कलम भी लानी होगी। आपको सलाह दी जाती है कि आप अपने साथ एक-एक किला बोर्ड या हार्ड बोर्ड भी लाए जिस पर कुछ लिखा न हो। आपको परीक्षा भवन में कोई खाली कामज मा हागज का हुकड़ा या पैमाना या आरेखाण उपकरण नहीं लाने है क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। मागने पर कब्ने काम के लिए आपको अलक कागज दिया जाएगा। आप कब्बा काम या शुक्र करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम अपना रोल नम्बर और परीक्षण की नारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाव उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ प्रांचेदान की वापस कर हैं।

### छ. विस्रोप अनुदेश

परीका भ्रथम में अपने स्थान पर बैठ आने के बाद निरीक्षण आपको उत्तर-प्रमण देंगे। उत्तर प्रक्रम पर अपेक्षिण सूचना भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक भागको परीक्षण पुस्तिका देगे। परीक्षण पुस्तिका मिलने पर आप यह अवश्य देख लें कि उर पर पुरिन्दा की संख्या निश्ची हुई है अन्यया, उसे बदलना ले। आपको परीक्षण पुस्तिका तब तक खोलने की अनुमति नहीं है जब तक परेवेठक ऐसा करने के लिये न कहें।

### (भ) कुछ सपयोगी सुझाध

यधि इस परीक्षण का उद्देश्य आपको गति की अपेक्षा शुद्धता की जांचना है फिर भी यह अकरी है कि आम अपने समय का यथासंभव बक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जितनी जल्दी काम कर सकते हैं, करें पर आपर-बाही न हां। आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिता न करें आपको जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालुम पड़े उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर क्षाव में विभार करें।

सभी प्रश्नांकों के अंक समाम होंगे। उप सभी के उत्तर दें। आपके द्वारा बंकित सही प्रत्युक्तरों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक दिये जायेंगे। यक्तत उक्तरों के लिये अंक नहीं काटे आयेंगे।

### (छ) परीक्षण का समापन :

षैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखाई बंद करने को कहें, आप लिखना बंद कर दें। आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके पास आकर धापसे सभी आदश्यक बस्तुएं ले जाएं और आपको हाल छोड़ने की अनुमति वें। आपको परीक्षण-पुस्तिका और छत्तर पत्रक सथा कच्चे कार्य का कागज परीक्षा मवन से बाह्यर ले जाने की अनुमति नहीं है।

(मोट---\*सही/सर्वोत्तम उत्तर-विकल्प को निर्विष्ट करता 🛊 )

### 1. सामान्य अध्ययम

बहुत कंबाई पर पर्वतारोहियों के नाक तथा कान से निम्नक्षिकित में से किस कारण से पक्त खाव होता है ?

- (a) रक्त का बाज वायुमण्डल के दाव से कम होता है।
- \*(b) रक्त का दाव वायुमण्डल के दाव से अधिक होता है।
  - (c) रक्त वाहिकाओं की अन्यरूमी तथा बाहरी किराओं पर वास समाव क्रोता है।
  - (d) रक्त का दाव वायुमंडल के वाच के अनुरूप बटता बढ़ता है।

### 2. (কুমি)

अरहर में फूलों का सङ्गा निम्नलिखित में से किस एक उपाय से कम किया जा सकता है ?

- \*(a) वृद्धि नियंक्षक द्वारा छिड़काव
- (b) दूर-दूर पौधे लगाना
- (c) सभी ऋतु में पौधे लगाना
- (d) भोड़े-थोड़े फासले पर पौधे लगाना

### 3. (रसायन विज्ञान)

H<sub>3</sub> VO4 का एनद्राइड निम्नलिखित में से क्या होता है ?

- (a) VO<sub>3</sub>
- (b) VO<sub>4</sub>
- (c)  $V_2O_3$
- \*(d) V<sub>2</sub>⊖<sub>5</sub>

### 4. (अर्थशास्त्र)

- \*(a) सीमात राजस्व उत्पाद से मजदूरी कम हो।
- (b) सजदूरी तथा सीमात राजस्य उत्पाद दोनों वरावर हों।
- (c) मजवूरी शीमांत राजस्व उत्भाव से अधिक हो।
- (d) मजदूरी सीमांत भौतिक उत्पाद के बराबर हो।

### B. (वेश्वत इजीमियरा)

एक ममाक्ष रेखा को अमेजित पराविधुतांक छ क पैराविधुत के से सम्पूरिस किया गया है। यदि C मुक्त अन्तराल में संघरण देग दशाता है तो लाइन में संचरण का देग क्या क्षेता?

- (a) 3C
  - (b) C
- \*(c) C/3
  - (d) C/9

### 6. (मृतिज्ञान)

बेसाल्ड में प्लेखिओक्लेस क्या होता है ?

- (a) मालिगोक्लेज
- (b) लैबटेडोराइट
  - (c) एस्साइट
  - (d) एनार्थाइट

### 7. (गणित)

मूल बिन्तु से गुजरने वाला और  $\dfrac{\mathrm{d}^2 \mathbf{y}}{\mathrm{d}\mathbf{x}^2} = \dfrac{\mathrm{d}\mathbf{y}}{\mathrm{d}\mathbf{x}} = 0$  समीकरण

को संगत रखने वाला वक-परिवार निम्नलिखित में से किससे निर्दिष्ट है।

- (a) **y**==ax+b
- (b) y = ax
- (c)  $y=ae^{x}+be^{-x}$
- \*(d) y=aex--a

### 8. (भौतिकी)

एक आवर्ष ऊष्मा इंजन 400° K और 300° K तापक्रम के मध्य कार्य करता है। इसकी क्षमता निम्नलिखित में से क्या होगी?

- (a) 3/4
- \*(b) (4---3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

### **θ. (सांख्यिकी)**

यवि विभव विचार का माध्यम 5 हैती इसका प्रसरण निम्निलिश्वत में से क्या होगा?

- (a)  $4^2$
- \*(b) 3
  - (c) on
- (d) —5

### 10. (मूगोल)

वर्मा के दक्षिणी भाग की अल्याधिक समृद्धि का कारण निम्नक्षिचित में से क्या है?

- (a) यहां पर श्वानिज साधनों का विपूल भण्यार है।
- \*(b) धर्मा की अधिकांश नवियों का बेल्टाई भाग है।
- (c) यहांश्रेष्ट वन संपदा है।
- (d) देश के अधिकांश तेल क्षेत्र इसी भाग में हैं।

### 11 भारतीय इतिहास

बाह्यमणवाद के संबंध में निम्नलिखित म से क्या गस्य नहीं है।

- (a) बौद्ध धर्म के उत्कर्ष काल में भी ब्राह्मणवाव अनुयायियों की संख्या बहुत थी।
- (b) बाह्यणवाद बहुत अधिक कर्मकांड और आडंबर से पूर्ण धर्म या।
- \*(c) त्राक्ष्मणकाद के अध्युदय के साथ, विश्व सम्बन्धी यज्ञ कर्म का महत्व कम हो गया।
- (d) व्यक्ति के जीवन-विकास की विभिन्न वशामीं को प्रकृत करने के संस्कार विद्यारिक में।

### 12. (वर्शन)

निम्नलिखित में से निरीयबरबादी दर्शन समूह कौन-सा है ?

- (a) मौद्ध, न्याय, चार्वाक, मीमांसा
- (b) न्याय, वैशेषिक, जैन और बौद्ध, चार्वाक
- (c) अत्रत, वेदांत, सांख्य, चार्वाक योग
- \*(d) बौद्ध, सांख्य, मीमांसा, चार्वाक

### 13. (राजनीति विज्ञान)

'वृत्तिगत प्रतिनिधान' का अर्थं निम्नलिखित में से क्या है ?

- \*\*(a) व्यवसाय के आधार पर विद्यानमंडल में प्रतिनिधियों का निर्वाचन।
  - (b) किसी समूह या किसी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन।
- (c) किसी रोजगार सम्बन्धी संगठन में प्रतिनिधियों का चुनाव।
- (d) श्रमिक संघों द्वारा अप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व ।

### 14 (मनोविज्ञान)

लक्य की प्राप्ति निम्नलिखित में से किस को निर्वेशित करती है ?

- (a) लक्ष्य सम्बन्धी आवश्यकता में वृद्धि
- \*(b) भावास्मक अवस्था में न्यूनता
- (c) व्यावहारिक अधिगम
- (d) पक्षपात पूर्ण अधिगम

### 15. (समाजशास्त्र)

भारत में पंचायती राज संस्थाओं की निम्न में से कौन-सी उपलब्धि है ?

- \*(a) ग्राम सरकार में महिलाओं तथा कमजोर वर्गों को औपचारिक प्रति-विधित्व प्राप्त हुआ है ।
  - (b) खुआछूत कम हुई है।
  - (c) वंचित वर्गों के लोगों को भूस्वामित्व का लाभ मिला है।
- (d) जन साधारण में शिक्षा का प्रसार हुआ है।

टिप्पणी: -- उम्मीदवारों को यह ध्यान रखना चाहिए कि उपर्युक्त नमूने के प्रथनांश (प्रथन) केवल उवाहरण के लिए विए गए हैं और यह जरूरी है कि ये इस परीक्षा की पाठ्यचर्या के अमुसार हीं।

### CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

### New Delhi, the 26th March 1983

No. 2/8/83-Adm.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri M. L. Juneja, a permanent Personal Assistant in the Central Vigilance Commission as Sr. Personal Assistant in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-880-FB-40-1040 in an officiating capacity on ad hoc basis for the period with effect from 8-3-83 to 23-4-83 or until further orders, whichever is earlier.

No. 2/8/83-Adm.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri R. K. Rehani, a permanent Personal Assistant in the Central Vigilance Commission as Sr. Personal Assistant in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 in an officiating capacity on ad hoc bass for the period with effect from 8-3-1983 to 5-6-1983 or until further orders, whichever is earlier.

### The 8th April 1983

No. 2/1/83-Adm.—In partial modification of this Commission's Notification No. 2/13/82-Adm. dated 23-6-82. the Central Vigilance Commission hereby appoints Shri Mange Ial, a permanent Assistant, as Section Officer in an officiating canacity in the Central Vigilance Commission with effect from 1-9-82, until further orders.

K. L. MALHOFRA
Under Secretary
for Central Vigilance Commissioner

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 4th April 1983

No. M/3/72-Ad-V.—Consequent on his repatriation from Cotton Corporation of India Limited, Bombay, Shri M. P. Nandapurkar, Dy. Supdt. of Police, C.B.I. joined C.B.I. in the same capacity on the forenoon of 15th March, 1983.

No. A-19021/4/81-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Dangwal, TPS (M.P.: 1966) to officiate as Deputy Inspector General of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment with effect from the afternoon of 24th March, 1983 until further orders.

### The 6th April 1983

No. 7-4/65-AD-V.—Shri Z. A. Khalidi, Additional Legal Advisor, Central Bureau of Investigation. New Delhi on expiry of his extended term retired from Government service with effect from the afternoon of the 31st March, 1983.

No. R-3/69-AD-V.—Shri R. G. Gulabani, Dv. Legal Adviser, Central Bureau of Investigation, New Delhi, on expiry of his extended term. retired from Government service with effect from the afternoon of the 31st March, 1983.

No. M-1/83-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri M. L. Sachdeva as Additional Legal Adviser, Central Bureau of Investigation with effect from afternoon of 31st March, 1983.

No. A/19036/2/83-AD-V:—The Director/CBI and IGP/SPF is pleased to appoint the following Inspectors to efficiete as Dy. Sundts. of Police in C. B.I. on ad-hoc basis from the date mentioned against there names until further orders:—

Name of the officer	Branch to which posted	Date of ad-hoc promotion.
S/Shri  1. K. Ragothaman  2. J. P. Verma  3. P. B. Sundaryal  4. Rajendra Prasad  5. M. Narayanan  6. Om Prakash	Bangalore Bhubaneshwar CIU (F) Ahmedabad S. I. C. CIU (I)	23-2-83 (AN) 30-11-82 (FN) 12-10-82 (FN) 21-2-83 (AN) 22-2-83 (FN) 22-2-83 (FN)

### The 8th April 1983

No. K-13/71-AD-V.—On attaining the age of superannuation, Shri Kartar Singh, Deputy Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation relinquished charge of the Office of Deputy Superintendent of Police, C.B.I. with effect from the afternoon of 31st March, 1983.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

### DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE New Delhi-110003, the 4th April 1983

No. D.I-12/77-Estt-I.—On his repatriation from Mizoram Police, Shri Ranvir Singh, Dy. S. P. has reported in 39 Bn. CRPF on 23-2-83 (FN).

No. D.I-17/82-Estt-I.—The Services of Shri Balwant Singh Gill, Dy. S. P. of Group Centre, CRPF, New Delhi are placed at the disposal of Export Inspection Council (Min. of Commerce), on deputation basis w.c.f. 01-3-83 (Afternoon).

### The 7th April 1983

No. O. II-1780/83-Estt.—The President is pleased to accept the resignation of Dr. Nirmal Chandra Saha, GDO Grade II (Dy. S.P./Coy. Commander) in the CRPF with effect from the forenoon of the 22nd March 1983.

### The 8th April 1983

No. O. II-1793/83-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Ashok Kumar Sinha as General Duty Officer Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Coy. Commander) in the Central Reserve Police Force in a temporary canacity with effect from forenoon of the 28th February 1983 subject to his being declared medically fit.

A. K. SURI Assistant Director (Estt)

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhi, the 7th April 1983

No. 11/72/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by Promotion, Shri B. S. Narasinha Murthy, Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Karnataka, Bangalore and at present working as Joint Director of Census Operations on ad-hoc basis, to the post of Joint Director of Census Operations in the aforesaid office, on a regular basis, in a temporary capacity, with effect from the 14th March, 1983, until further orders.

2. The headquarters of Shri Murthy will be at New Delhi.

No. 10/3/81-Ad.I.—The President is pleased to terminate the services of Shri A. H. Khan, a retired officer of Jammu & Kashmir Cadre of the Indian Administrative Service, working as Director of Census Operations, Jammu & Kashmir, Srinagar, on re-employment basis, with offect from the after-noon of the 8th March, 1983.

No. 11/5/82-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri J. N. Surl. Investigator in the office of the Director of Census Operations, Haryana, Chandigarh and at present working as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, as Assistant Director (Data-Processing) in the office of the Director of Census Operations U.T. of Chandigarh, on a purely temporary and ad hoc basis, for a period not exceeding one year, with effect from the forenoon of the 18th March. 1983 or till the post is filled in, on a regular basis, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri Suri will be at Chandigarh.

No. 11/5/82-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri G. D. Singla, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Haryana, Chandigarh, and at present working as Assistant Director (Data Processing) in the office of the Director of Census Operations, U. T. Chandigarh, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Haryana, Chandigarh, on a purely temporary and ad hoc basis for a period not exceeding one year, with effect from the forenoon of the 18th March, 1983 or til the post is filled in, on a regular basis, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri Singla will be at Chandigarh.

No. 11/5/82-Ad.I.—The President is pleased to appoint on deputation, Shri S. K. Swain, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Orissa, Bhubaneswar, as Assistant Director (Data Processing) in the same office, on a purely temporary and ad hoc basis, for a period not exceeding one year, with effect from the forenoon of the 11th March, 1983 or till the post is tilled in, on a regular basis, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri Swain will be at Bhubaneswar.

P. PADMANABHA Registrar General, India

## INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE D.A.C.R.

New Delhi-110002, the 7th April 1983

No. Admn.I/O.O. No. 659.—The Director of Audit Central Revenues hereby appoints Sh. Raja Ram an Officiating Audit Officer of this office in a substantive capacity against a permanent post of Audit Officer in the time scale of Rs. 840-1200 with effect from 1-4-1983.

### The 8th April 1983

No. Admn.I/O.O. No. 1,—The Director of Audit Central Revenues, hereby appoints Shri L. D. Gogia permanent Section Officer of this office to officiate until further orders as Audit Officer in the scale of Rs. 840—1200 w.e.f. the forenoon of 31-3-1983.

Sd/- ILLEGIBLE

Joint Director of Audit (Admn.)

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL JAMMU AND KASHMIR

Srinagar, the 3rd March 1983

No. Amn.I/60(93)/82-83/6379-81,—The Accountant General Jammu and Kashmir has appointed Shri S. K. Mangi, a permanent Section Officer, to the post of Accounts Officer in the pay scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 in an officiating capacity with effect from the forenoon of 3rd January 1983.

Sr. Deputy Accountant General (A&E)

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I MADHYA PRADESH

Gwalior, the 22nd March 1983

No. OE.1/G.Os Promotion/539.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh, has been pleased to promote the following permanent Section Officer as Accounts Officer in an officiating capacity in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from the date of his taking over charge as shown against him until further order:—

Sl. No., Name Permanent No. Date of Taking. Allocated

1. Shri K. S. R. Murthy 02/293--21-3-1983 A.N. AG.I (Aauthority: AG.I orders dated 21-3-1983).

B.K. ROY Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL MAHARASHTRA-I

Bombay-400020, the 4th April 1983

No. Admn.I/Genl/31-Vol.III/C.1(1)/1.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint

the following Section Officers (Audit and Accounts) to officiate as Audit/Accounts Officers from the dates mentioned against their names, until further orders:—

- 1. Shri C. Krishnamurthy-10-11-82 FN.
- 2. Shri A. Ramasubramanian—27-11-82 FN.
- 3. Shii G. S. Khase-22-10-82 FN.

S. R. SAPRA

Sr. Dy. Accountant General/Admn.

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT-GENERAL WEST BENGAL

Calcutta-700001, the 5th April 1983

No. Admn.1/1038-XIX/7624.—The Accountant General-I, West Bennal has been picased to appoint on ad hoc and provisional basis Shii Rabindra Nath Haider, permanent Section Officer to object as Accounts Officer, in temporary and officiating capacity with effect from the date on which he actually takes over charge as Accounts Officer until further orders. It should be clearly understood that the aforesaid promotion in the cadre of Accounts Officer is purely provisional during the pendency of the Rules in the Calcutta High Court and will be subject to the final decision of the court case filed against the Union of India and others under C.R. Case No. 14818(W) of 1979.

· The services of Sri Rabindra Nath Halder, on his promotion to A.O's cadre are placed at the disposal of the office of the A.G.II. West Bengal against the vacancy caused due to sad demise of Shri Bibhas Chowdhury.

> J. S. MEHROTRA Dy. Accountant General (Admn.)

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I . BIHAR

Ranchi, the 12th April 1983

No. Admn. II-Prom-4.—The Accountant General-I, Bihar Ranchi has been pleased to promote Shri Abani Kant Bhattacharya a substantive Section Officer to officiate until further orders as an Accounts Officer with effect from 22nd February 1983 (F.N.).

Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 11th April 1983

No. Admn. I/8-132/83-84/458,—The Accountant General-I Andhra Pradesh, Hyderabad is pleased to premote the following Section Officers in this office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad to officiate as Accounts Officers in the Scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates noted against their names until further orders.

Name				Date of Assumption of charge		
1.	Sri V. C. Rajagopaiaa		•	_,	26-3-83	AN
2.	Sri B, Sadananda Rao				4-4-83	FN
3.	Sri C. C. Subba Rao ,				28-3-83	FN
4.	Sri R. Sadananda Prabhu				28-3-83	FN
5.	Sri M. G. Krishna .				26-3-83	AN
6.	Sri R. Malakondaiah				28-3-83	AN
7.	Sri BSRK Parabrahma Mu	arty				
8.	Sii P. Koteswara Rao III	·			26-3-83	AN
9.	Sri K. S. Chander Rao				26-3-83	AN
10.	Sri V, Somala .				29-3-83	FΝ

The promotions ordered are without prejudice to the claims of their seniors if any and also subject to the result of the writ petitions pending in the A. P. High Court/Supreme Court,

Senior Deputy Accountant General Administration

### DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

### (ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi, the 11th April 1983

No. A-32013/11/80-A6.—The President is pleased to appoint Shri G. B. Parmanick and Shri V. B. Hajela, who are already officiating as Inspecting Officers (Tex) on ad hoc basis in the office of the Director of Inspection Calcutta and D.D.I., Kanpur under N.T. Circle respectively as Asstt. Directors of Inspection/Inspecting Officers (Textiles)—(Grade III of I.I.S. Group 'A') on regular basis w.e.f. 23rd February 1983 (F.N.) in the same offices.

Shri Parmanick and Shri Hajela will be on probation for a period of two years w.e.f. 23rd February 1983 (F.N.).

S. L. KAPOOR Dy. Director (Admn.)

## ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 30th March 1983

No. 2736B/A-19012(KDB)/82/19A.—Shrl Krishna Das Banik is appointed as an Administrative Officer in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 7th February, 1983, until further orders.

No. 2801B/A-19012(3-VSNPK)/80-19B.—Shri V. S. N. P. Kavitha, Assistant Chemist, Geological Survey of India has been released on resignation with effect from 8th February 1983 (A.N.).

S. K. MUKERJEE Director General Geological Survey of India

### INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 6th April 1983

No. A19011(300)/81-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri S. M. A. Aleem to the post of Assistant Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines, in an officiating capacity with effect from the foremon of 5th March 1983.

B. C. MISHRA Head of Office Indian Bureau of Mines

### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 5th April 1983

No. 29/6/83-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri D. L. Solanki, Farm Radio Reporter, All India Radio, Raikot to officiate as Farm Radio Officer on ad-hoc basis at All India Radio, Port Blair with effect from 21st March 1983 (F.N.).

S. V. SESHADRI Deputy Director Administration for Director General

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES (STORE I SECTION)

New Delhi, the 5th April 1983

No. A.32015/3/82-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri M. Sampath, Senior Scientific Assistant to the post of Assistant Factory Manager, Government Medical Store Depot, Madras, on an ad hoc

basis with effect from the forenoon of 14th February 1983 and until further orders.

RAMESH CHANDRA Dy. Director Administration (E & G)

New Delhi, the 12th April 1983

No. A-38013/7/82-Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Shri K. C. Gupta, Section Officer, Directorate General of Health Services retired from Government Service on the afternoon of 31st March 1983.

T. C, JAIN Dy. Director Administration (O&M)

## DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 14th March 1983

No. PPED/4(910)/82-Adm./3521.—Consequent on his repatriation to his parent Department, Shri S. C. Mustafa, Asstt. Accounts Officer, has relinquished charge of his post in this Division with effect from the forenoon of February 28, 1983.

B. V. THATTE Administrative Officer

### BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 8th April 1983

No. PA/73(4)/83-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. Abba Ram as Resident Medical Officer in Medical Division of his Research Centre in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of March 2, 1983 to the afternoon of April 2, 1983.

C. G. SUKUMARAN Dy. Establishment Officer

### DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 4th March 1983

No. Ref. DPS/21/1(2)/78-Est. 12353.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated February 11, 1983, the Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri N. S. Pillai, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the same Directorate for a further period upto July 31, 1983 (AN) or until further orders whichever is earlier.

B. G. KULKARNI Administrative Officer-II

### MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

New Delhi, the 28th March 1983

No. A.32013/DGM/CMAS/82-EI.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Das, Additional Director General of Meteorology. Indian Meteorological Department as Director General of Meteorology in the same Department on ad hoc basis with effect from 1st April 1983 for a period of three months or till a regular incumbent is selected for the post whichever is earlier.

R. N. BHARGAVA Under Secy.

### INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 11th April 1983

No. E(I)-05327.—Shri S. J. Pakhare, Assistant Meteorologist, Regional Meteorological Centre, Bombay, India Meteorological Department, has voluntarily retired from the Government service with effect from the forenoon of 1st January 1983.

K. MUKHERJEF Meteorologict (Establishment) for Director General of Meteorology

### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

### New Delhi, the 17th March 1983

No. A-31013/1/81-EA:—The President has been pleased to appoint the following officers in a substantive capacity in the grade of Aerodrome Officer, in the Air Routes and Aerodrome Organisation of the Civil Aviation Department with effect from 19-8-1982.

S. No.	Name		Present Station of	posting
	S/Shri			
1.	A. K. Sinha		Calcutta.	
2.	M. S. Anauthakrishnan		Vijayawada	
3.	J. K. Malhotra .		Delhi.	
4.	R. S. Aggarwal .		Delhi.	
5.	V. Srinivasan		Delhi.	
6.	M. K. Sharma		Delhi.	
7.	S. V. Sripathy		Madras.	
8.	B. L. Trisal		Delhi.	
9.	V. Krishnan	•,	Madraș.	
10.	S. V. Giri		Calcutta.	
11.	P. K. Haldar		Ranchi.	
12.			Calcutta.	
13.	S. K. Thakur		Srinagar.	
14.	D. K. Das		Madras.	
15.	S. S. Parathe		Bombay.	
16.	Shri Krishnan		Calcutta.	
17.	M. P. Jain		Delhi.	
18.	B. S. Chawla		Delhi.	
19.		-	Madras.	
20.			Bombay.	
	V. K. Sharoff		Delhi.	
22.	S. K. Rastogi	•	On deputation (from Delhi).	to Libya
23.			Nagpur.	
24.	J. S. Ahuja		Delhi.	
25.	S. N. Khanna .		Bombay.	
26.	R. C. Kocher		Delhi.	
27.	G. S. Advani		Bombay.	
28.	Sheo Rattan Lal .		Calcutta.	
29.	Sadhu Singh	-	Bombay.	

This office notification A-31013/1/81-EA dated the 30th September, 1982 is hereby cancelled.

S. GUPTA,
Dy. Director of Administration
for Director General of Civil Aviation.

### New Delhi, the 17th March 1983

No. A-31013/1/80-EA:—The President has been pleased to appoint the following officers in a substantive capacity in the grade of Senior Aerodrome Officer in the Air Routes and Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Department, with effect from 20th May, 1981:—

S. No.	Name		Station of posting
1.	Shri G. Sarkar	,-	Calcutta Airport
2.	Shri R. S. Sidhu		Dy. Director, DGCA Hqrs.
3.	Shri N. K. Tripathi		ATCP, DGCA, Hqrs.
4.	Shri Panna Lal .		Lucknow.
5.	Shri J. K. Saha .		Delhi Airport, Palam.
6.	Shri B. K. Rajak		Bombay Airport.
7.	Shri C. S. Mech		Bombay Airport.

S. GUPTA, Deputy Director of Administration.

### New Delhi, the 31st March 1983

No. A.32013/4/83-EC:—The President is pleased to appoint the following officers to the grade of Deputy Director/indicated against each and to post them to the stations indicated Controller of Communication on adhoc basis for the period against each:—

S. No.	Name & Designation	Present Stn.	of posting.
1.	S/Shri K. S. Krishnamurthy . Sr. Comm. Officer.	. ACS, Madras.	
2.	S. K. Maheswari Asstt. Director of Comm.	DGCA (HQ)	
St	n. to which posted.	Period	
			<del></del>
	) RCC, Madras. S, Palam	21-10-82 30-10-82	27-12-82 22-11-82

### The 4th April 1983

No. A. 32013/7/80-EC:—In continuation of this Department's Notification No. A. 32013/5/80-EC dated the 18th Oct, 82 and No. A. 32013/5/80-EC dated the 8th Nov, 82, the President is pleased to appoint the undermentioned Officers in he grade of Deputy Director/Controller of Communication on ta regular basis w.e.f. the dates indicated against each and until further orders and to post them as indicated against each:—

S. No.	Name	 Station of posting	Date.
1.	Shri P. Seth .	O/O DGCA, N. Delhi	29-9-82
2.	Shri S. K. Saraswati	Aero. Comm. Stn, Palam, New Delhi.	23-11-82

O. P. AGGARWAL, Assistant Director (Admn.)

### New Delhi, the 6th April 1983

No. A.32013/1/83-ES.—The President is pleased to appoint Shri R. N. Dosajh, Senior Aircraft Inspector to the grade of Deputy Director/Controller of Aeronautical Inspection in the office of the Director General of Civil' Aviation. R. K. Puram, New Delhi, on ad-hoc basis for a period of six months with effect from 16th March 1983 or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier.

J. C. GARG Assistant Director of Administration

### CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Kanpur, the 4th April, 1983

No. 1/1983:—Consequent upon their promotion to the grade of Superintendent Group 'B' in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, the following Inspector (Senior Grade), Central Excise assumed/took over the charge of Superintendent of Central Excise Group 'B' on the dates & places mentioned against each:—

S. No	Name	Place of Posting	Date of Joining
1.	2.	3.	4.
1. K	Shri . S. Gupta . C. Saxena	. Hdqrs. Office, Kanpur. . Ferozabad Range-II Agra Division.	21-6-1982 22-6-1982 Afternoon

1	2		3	4
3. J. l	P. Mathur	•	Hdqrs. Office, Kanpur.	26-7-1982
4. U.	S. Srivastava		Gursahaiganj Range-II	31-7-1982
5. Mo	ohd, Aslam		Division II Kanpur	6-8-1982
6. <b>P</b> . 3	S. Saxena		Division I, Kanpur	21-9-1982
7. A.	P. Sinha .		Hdqrs. Office, Kanpur.	11-10-1982
8. Iqt	al Ali .		Sitapur Division.	12-10-1982
9. V.	C. Bhartiya		Hdqrs. Office, Kanpur	4-11-1982 Afternoon
[0, <b>J</b> , ]	N. Kapoor		Division I, Kanpur	6-11-1982
i. Ra	m Bharosey	•	Hdqrs. Office, Kanpur	1-2-1983 Afternoon
2. <b>K</b> .	L. Sonker		Hdqrs. Office, Kanpur.	1-2-1983 Afternoon

No. 2/1983.—Consequent upon his promotion to the grade of Administrative Officer/Asstt. Chief Accounts Officer/Examiner of Accounts, Central Excise, Group 'B' in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, Shri P. N. Saharia, Office Superintendent, Central Excise assumed the charge of Examiner of Accounts, Central Excise Hd Ors. Office, Kanpur in the afternoon of 16th September 1982.

No. 3/1983—The following Group 'B' Officers of this Collectorate retired from Government service on attaining the age of superannuation with effect from the dates mentioned against each:—

Sl. No		Date of retirement
•	S/Shri	
	P. B. Rastogi, Supdt. Central Excise Pilibhit, Bareilly Division.	31-5-1982 Afternoon
2.	R. B. Mathur, Supdt. Central Excise, Kanpur Division-II.	30-6-1982 Afternoon
3.	B. P. Dixit, Supdt. Central Excise, Sitapur Division	31-7-1982 Afternoon
4.	T. N. Mebrotra, Examiner of Accounts, Central Excise Hdqrs. Office, Kanpur	31-7-1982 Afternoon
5.	B. S. Bhardwaj, Supdt. Central Excise, Jhansi Range-I, Kanpur Division-I	30-9-1982 Afternoon
6.	Y. N. Saran, Supdt. Central Excise Bareilly	30-9-1982 Aftermon
7.	J. N. Kalra, Supdt. Central Excise, Kanpur Division-I	31-10-1982 Afternoon
8.	J. C. Srivastava, Supdt. Central Excise, Gursahalganj I and Kannauj, Farrukhabad Division.	31-1-1983 Afternoon
9.	M. L. Puri, Supdt. (Hdqrs.) Central Excise Hdqrs. Office, Kanpur	28-2-1983 Afternoon
10.	T. D. Khanduja, Supdt. Central Excise, Kanpur Division-II	28-2-1983 Afternoon
,		J. RAMAKRISHNAN,

## DIRECTORATE OF INSPECTION AND AUDIT CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

Collector

New Delhi, the 5th April 1983

No. 11/83.—On his voluntary retirement Shri V. U. Trivedi relinquished charge of the post of inspecting

Officer (Customs and Central Excise) Group 'B' in the West Regional Unit of this Directorate of Inspection and Audi, Customs and Central Excise at Bombay w.e.f. 1st December 1982 (F.N.).

B. C. RASTOGI Director of Inspection

## CUSTOMS, EXCISE AND GOLD CONTROL APPELLATE TRIBUNAL

New Delhi, the 31st March 1983

No. F.7-CEGAT/82.—Shri O. S. Ahmed, Superintendent of Central Excise, Group-B of Allahabad Collectorate formerly working as Inspecting Officer, in the Directorate of Preventive Operations, New Delhi, assumed charge as Technical Officer, Customs, Excise and Gold Control Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi in the scale of Rs. 650—1200 plus Special Pay of Rs. 75/- per month, in the afternoon of 30th March 1983.

F. S. GILL President

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIR)

COMPANY LAW BOARD
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Simple Fashions Limited

Panaji, the 18th March 1983

No. 189/G/1323.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Simple Fashions Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

M. L. GANVIR Registrar of Companies Goa, Daman and Diu

In the matter of the Companies Act, 1956 and of the Andhra Luthern Conference

Hyderabad, the 31st March 1983

No. 385/TA.III/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956 that the name of The Andhra Luthern Conference has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of The Circurs Coffee Development Company Private Limited

Hyderabad, the 31st March 1983

No. 1230/TA.III/560.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that the name of The Circars Coffee Development Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956
M/s Sri Jaya Investment Private Limited (Pursuant to
Section 445(2) of the Companies Act, 1956)

Hyderabad, the March 1983

No. 1553/Liq.—By an Order dated 28th day of August 1981, in Company Petition No. 5 of 1981 of the High Court of Judicature, Andhra Pradesh, Hyderabad it has been ordered to be wound up M/s. Sri Jaya Investment Private Limited.

V. S. RAJU Registrar of Companies Andhra Pradesh In the matter of Companies Act, 1956 AND Valley View Breweries Limited

Patna-800001, the 31st March 1983

No. 852-560/7771.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Valley View Breweries Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

A. W. ANSARI Registrar of Companies Bihar, Patna

In the matter of Companies Act 1956 and of Quality Dairy Industries Private Limited

Madras, the 5th April 1983

No. DN/3375/560/82.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 () of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Quality Dairy Industries Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

J. K. RAMANI Asstt. Registrar of Companies Tamil Nadu, Madras In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Sahayadri Engineering Works Private Limited

Bangalore, the 5th April 1983

No. 1687/560/83-84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Sahayadri Engineering Works Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE Registrar of Companies Karnataka, Bangalore

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s Shewartabal Financiers and Chif Fund Company Private Ltd.

Gwalior-474009, the 6th April 1983

No. 1130/PS/CP/9.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Shewantabai Financiers and Chit Fund Company Private Ltd., has this day been struck-off the Register and the said company is dissolved.

S. K. SAXENA Registrar of Companies Madhya Pradesh, Gwalior

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, PUNE

Poona-4, the 24th March 1983

Ref. No. CA-5/58-37EE/82-83.—Whereas I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 110, Girnar Apptt. Plot No. 15 S. No. 22, Nawghar village situated at Vasai Thane Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Girnar Builders,
 K. T. Chambers, Vasai Road (W)
 Distt. Thane.

(Transferor)

(2) Sh. S. B. Mali, Ordnance Factory Estate, Ambarnath.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 110, Girnar Appartment Building, Plot No. 15, S. No. 22, Navghar village, Vasai, Dist. Thane. (Area—335 sq. ft)

(Property as described in the sale of agreement executed on 17th Aug. 82 which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No. 28 dated 13-9-82).

SHASHIKANT KULKARNI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 24-3-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, PUNE Poona-4, the 24th March 1983

Ref. No. CA-5/5937EE/82-83.—Whereas I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Rs. 25,0007- and bearing No. Flat No. 307, 3rd floor, Girnar Apptt. Bldg. Plot No. 15, Survey No. 22, Navghar-village, situated at Vasai, Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acquisition Range, Punc-4 on 13-9-82 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

35-46GI/83

M/s. Girnar Builders, K.T. Chambers, 2nd floor, Vasai (West) Dist. Thanc.

(Transferor)

(2) Mr. Nazimhusian, Y. Patel, C/o Union Bank of India, Oshiwara Branch, Jogeshwari (West), Bombay-400 102.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 307, on 3rd floor, Girnar, Apptt. Bldg., Plot No. 15, Survey No. 22, village Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thanc. (Area—310 sq. ft.)

(Property as described in the sale of agreement executed on 21st Aug. 82 which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under Number 27 dated 13-9-82).

> SHASHIKANT KULKARNI, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 24-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, PUNE

Poona-4, the 26th March 1983

Ref. No. CA-5/819/82-83/S.R. Malegaon.—Whereas I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 311/2, TPS 1 Malegaon F.P. 63 C.S. No. 1108, Sangamenshwar, Tal. Malegaon situated at Dist. Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Offier at S.R. Malegaon on 13-9-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) 1. Smt. Sulkanbai Namdeo Patil 2. Sh. Namdeo Nimji Patil 3. Sh. Bhiysan Namdco Patil 4. Sb. Vithal Namdeo Patil power of attorney—Sh. Harilal Bhilashet Asmar Sangameshwar, Tal. Malegaon, Dist. Nasik. (Transferor)
- (2) Sh. Kantilal Joharmal Shah, Chief promoter of Arihant Co-operative Housing Society, Ltd. Malegaon Dist. Nasik, Resi. Adinath Housing Society, near State Bank, Malegaon Dist. Nasik. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Survey No. 311/2, T.P.S. No. 1, Malegaon—Final Plot No. 63 C.S. No. 1108, Sangameshwar, Tal, Malegaon, Dist. 

(Area-70791-21 sq. ft.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Malegaon under document No. 4232 dt. 13-9-82).

> SHASHIKANT KULKARNI, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 26-3-1983.

(1) Mrs. Muriel Neemuchwala, 11 St. Leo Road, Bandra (W) Bombay-50.

(Transferor)

(2) Mrs. Yvonne Fernandez, 49 Chuim Khar, Bombay-52.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, PUNE

Poona-4, the 25th March 1983

Ref. No. CA/5/816/SR Bombay 82-83.—Whereas, I,

SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 34, 35, 36, S. No. 142-4B/131/128-2A Karlagaon,

Tal. Maval, Dist. Pune situated at Tal. Maval,

Dist. Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Bombay on Aug. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot Nos. 34, 35, 36—Survey No. 142-4B/141/128-A Village-Karla Tal. Mayal D,ist. Pune. (A1ea-1636 sq. meter.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay under document No. R-36/1982 in the month of Aug. 1982).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons pamely: ing persons, namely:-

Date: 25-3-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Poona-4, the 28th March 1983.

Ref. No. CA-822/SR Rahuri/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 203/1, Mouje Pathare Khurd, Tal. Rahuri situated at Dist. Ahmednagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Rahuri on 8-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Gopinath Bhagwat Jadhav Mouje Pathare Khurd, Tal. Rahuri Dist. Ahmednagar.

(Transferor)

(2) Smt. Subhadrabai Tukaram Jangale, Panegaon, Tal. Rahuri, Dist. Ahmednagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Gat No. 203, Mouje Pathare Khurd, Tal, Rahuri, Dist. Ahmednagar.

(Area—1H-20A)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Rahuri under document No. 1605 on 8-10-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons

Date: 28-3-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE, PUNE

Poona-4, the 26th March 1983

Ref. No. CA-5/818/SR.Ichalkaranji/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

S. No. 572-A Final Plot No. 561-A Ichalkaranji situated at

Tal. Hatkangale Dist. Kolhapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Inchalkaranji on Sep., 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sh. Gundo Bala Naik, Ward No. 3, H. No. 214, Ichalkaranji, Kolhapur.

(Transferor)

(2) Sh. Abhay Mohanlal Doshi,
Partner in Amrapali Enterprises, 263-E, Tare
Bai Park, Kolhapur-3 Chief promoter of Arihant Sahakari Griha Rachana Sanstha Ichalkaranji. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Survey No. 572-A Final Plot No. 561-A, Ichalkaranji Tal. Hatkangale, Dist. Kolhapur. (Area—9945 sq. ft)

(Property as described in the sale deed registered with the Sub-Registrar Ichalka anji under No. 2348 in the month of Sep. 1982).

> SHASHIKANT KULKARNI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 26-3-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Poona-4, the 26th March 1983

Ref. No. CA-5/815/SR Karad, /82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 328, Sadashivgad, Tal. Karad situated at Dist. Satara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S.R. Karad on Nov. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Sh. Sadashiv Bhupal Sutar, 2. Sh. Bhupal Ramchandra Sutar Both are partners of 'Shashikant Furniture Works' Sadashiv (Gad, Tal. Karad, Dist. Satara, (Transferor)
- (2) Smt. Pravina Vinod Thakkar, Shantinath Bhuvan, Ambedkar Rd., Matunga, Bombay-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot of land with a structure situated at village Sadashivgad, bearing S. No. 328/3H.A.

Property as described in the sale deed registered on the office of the sub-registrar, Karad under document No. 3286 in the month of Nov. 1982).

SHASHIKANT KULKARNI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 26-3-1983

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Poona-4, the 28th March 1983

Ref. No. CA-5/820/SR Maval/82/83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. lands Gat No. 651 and 542 situated at Village Urse, Tal. Maval Dist. Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Maval on Aug. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sh. Laxman Mahadeo Karve,
 Sh. Sudhir Laxman Karve
 Sh. Suhas Laxman Karve
 Plot No. 16, Erandawana, Karve Rd., Pune-4.
 (Transferor)

(2) Mrs. Patricia Philomena Carvalho Mr. Edward V. Carvalho Nangargaon Tal. Maval, Dist. Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agrl. lands Gat No. 651 and 542—Village Urse, Tal. Mavala Dist. Punc.

(Area-H-2-73A and H-1-21A)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Maval under document No. 1050 in the month of August 82).

SHASHIKANT KULKARNI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-3-1983,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Poona-4, the 26th March 1983

Ref. No. CA/5/817/SR/Sholapur/82-89.--Whereas, I,

Ref. No. CA/5/817/SR/Sholapur/82-89.—Whereas. 1, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing M. No. 80, City Survey No. 3866/1, Shukrawar Peth, stitusted at Shelpeur. situated at Sholapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Sholapur on Aug. 82

for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyls' or assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sh. Revansidha B. Bulgunde and others,

Sh. Malkarjun Bhimrao Bulgunde,

80, Shukrawar peth, Sholapur.

(Transferor)

· (2) Sh. Nirvruti Yeshwant Narkhedkar,

Sh. Bajrang Yashwant Narkhedkar 76 Shukrawar peth, Sholapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

### THE SCHEDULE

Municipal No. 80, City Survey No. 3866/1, Shukrawar peth, Sholapur, Arca—337 sq. mt.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar Sholapur under No. 995 in the month of Aug. 1982).

SHASHIKANT KULKARNI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 26-3-1983,

### FORM ITNS----

(1) The Ambikanagar Sizing and Processing Industries Pvt. Ltd., 26/333/21 Savedi, Ahmednagar. Chairman-Shri Sharad Rachha.

(2) M/s. Deepak Art Products,
 Small Scale Industries, partners—
 1. Shri Hiralal, 2, Ambadas and 3. Shri Vithal

Narasappa, Mudiganti, Savedi, Ahmednagar.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Poona-4, the 28th March 1983

Ref. No. CA-5/823/A'Nagar-SR/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 26/333/21, Savedi situated at

Tal. Ahmednagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S.R. Ahmednagar on 26-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:---36-46GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Survey No. 26/333/21, Savedi, Dist. Ahmednagar. (Area-4000 sq. ft.) Land and Building.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Ahmednagar under document No. 3443 in the month of Oct. 26th 1982).

> SHASHIKANT KULKARNI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Date: 38-3-1983.

### FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PUNE

Poona-4, the 28th March 1983

Ref. No. CA-5/821/SR-Rahuri/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Mouje Pathare Khurd, S. No. 203/1 Tal. Rahuri situated at Dist. Ahmednagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Rahuri on 8-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transefr with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid propuerty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Sitaram Bhagwat Jadhav, Mouje Pathare Khurd, Dist. Ahmednagar. (Transferor)
- (2) Sh. Annasaheb Bhikaji Nimse, Mouje Pathare Khurd, Tal. Rahuri, Dist. Ahmednagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Monje Pathare Khurd—Gat No. 203—Tal. Rahuri Dist. Ahmednagar.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Raburi under document No. 1603 on 8-10-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 38-3-1983.

(1) M/s. Vishwakarma Builders, Mahendra Palace, Vishwkarma Niwas, Station Rd., Vasai, Dist. Thane.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Bhimrao Sadashiv Painjane, 5/198, Shivaji Nagar, Worli Bombay-25. (Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, POONA-4,

Poopa-4, the 28th March 1983

Ref. No. CA/5/67-37EE/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000 / 2001. 25,000/- and

bearing No. Flat No. 303, Mahendra Palace, Plot No. 47 & 48 S. No. 4, 5, 6, 7, & 8, Village-Navghar situated at Vasai-Dist. Thane

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune, on 27-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parteis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purboses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 303, Mahendra Palace, Plot No. 47 & 48, S. No. 4, 5, 6, 7, & 8, Village—Navghar, Vasai.

(Area—585 sq. ft.) (Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No. 103 dated 27-9-1982).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poom

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-3-83

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th April 1983

Ref. No. RAC No. 1/1983-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open plot situated at Bolla Ram Village. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Offier at Narsapur on Aug. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) T. Ramakrishna Reddy & others Macha Bolaram, R.R. Dt.

(Transferor)

(2) Kum. O. Meena and O. Rekha 8-2-540/3 Banjara Hills Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Open plot of land in S. No. 172 and plot Nos. 151 & 142 at Macha Bolaram village Narasapur taluk area 9Ac. 22 guntas registered with Sub-Registrar Narasapur vide Doc. Nos. 1322 & 1317.

M. JEGANMOHAN, Competent Authority, Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Date: 4-4-83

(1) S. Sangramappa S/o Late Sambaji 6-11-1140 Nizamabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Arjundas and other 5-7-624/32 Khaleelwadi Nizamabad.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th April 1983 Ref. No. RAC 2/83-84.—Whereas, I,

M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tas. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

baring No. 7-8-757/1F situated at Kamala

Nehru Road, Nzb

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Offier at Nizamabad on Aug. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in - respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Godown and shops M. No. 7-8757/1F at Godown Road Nizamabad registered with Sub-Registrar Nizamabad vide Doc. No. 4866/82.

M. JEGANMOHAN, Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following reisons, namely :-

Date: 4-4-83

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th April 1983

Ref. No. RAC 3/83-84,—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot situated at Yellammagutta Nizamabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on August 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Gaddam Laxmi Bai & other Chengal village, Armoor taluk Nizamabad.

(Transferor)

(2) Sri Arjundas & other 5-5-125 Khaleelwadi, Nizamabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Open plot of land area 1315 sq. yds at Yellammaguta Nizamabad (ward No. 5 Block No. 9) registered with Sub-Registrar Nizamabad vide Doc. No. 5074/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-4-1983

 Damodar Mallu & ethers, Marwadi Galli, Nizamabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bhagwandas & others, 7-1-48/1 Marwadi galli, Nizamabad.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th April 1983

Ref. No. RAC 4/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Nizamabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on August 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land survey Nos. 150 and 159 area Ac. 2-02 Guntas at Arasapally village Nizamabad, registered with Sub-Registrar Nizamabad vide Dec. No. 5127/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th April 1983

Ref. No. RAC 5/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Openland situated at Yellammagutta Nizamabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nizamabad on August 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri P. Maniamma, 5-7-627/15, Khaleelwadi Nizamabad.

(Transferor)

(2) Pera Subba reddy & other Kamalapur village, Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Open land survey No. 205 & 206 at Yellammagutta Nizamabad area 721 sq. yards registered with Sub-Registrar Nizamabad vide Doc. No. 5104/82.

M. JEGANMOHAN Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 4-4-1983

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## Ramayanpeta Medak Dt. (2) Sri Pawan Kumar Kedia,

Narsingi village.

M/s Kisan Khandasari Sugar Mill,

(Transferor)

(2) Sri Pawan Kumar Kedia, 5-9-22/52 Adarshuagar colony, Shapurwadi Hyderabad.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IIYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th April 1983

Ref. No. RAC No. 6/83-84.—Whertas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Sugar mill situated at Ramayanpeta, District,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ramoyanpeta on August 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

'Kisan Khandasari Sugar Mill' area 5 Ac. 39 guntas 5. No. 288 Narsingi village, Ramayanpet taluk District Medak registered with S.R.O. Ramayanpeta, Doc. No. 1241/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-4-1983

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons. namely:—

37-46GI/83

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th April 1983

Ref. No. RAC 7/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open plot situated at Khammam Town, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Khammam on August 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Sri Motukurru Maheedharkumar & others, Timmaraopeta Yellandu taluk, Khammam Dt.

(Transferor)

(2) Vankayalapati Rangayya & others, Regulachekla. Tirumalayapalem Tq. Khammam Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property maye be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official (Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property by name M/s Aruna Ice Factory at Z.P. area Near Lakaram Tank with machines and open land 790 sq. yards registered with Sub-Registrar Khammam vide Doc. No. 3722 and 3655/82,

> M. JEGANMOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-4-1983

(1) Smt. K. V. Lalithamma, 199 Sri Govindarajaswamyvari Sannidhi St., FORM I.T.N.S.-Tiruoathi.

(Transferor)

(2) K. R. Venkatachalam Ayyar & other, Reddy and Reddy colony, Tirupathi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th April 1983

Ref. No. RAC 8/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 25,000/- and bearing

Site situated at Govindaraja Swamy St. Tirupathi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Tirupathi on August 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant site in 15th ward in Sri Govindarajaswamyvari St. Tirupathi area 250 sq. yards registered with Sub-Registrar Tirupathi yide Doc. No. 4493/82.

M. JEGANMOHAN Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Scal:

Date: 4-4-1983

(1) M/s Matrusri Engineers & Builders, 3-5-873 Hyderguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri M. Satyanarayana Rao S/o M. V. Subba Rao, 3-4-499 Barkatpura, Hyderabad-27.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th April 1983

Ref. No. RAC 9/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at Hyderguda, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chikadapally on August 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat in 'A' Block G-4 at Hyderguda Hyderabad area 1280 sft. registered with Sub-Registrar Chikadpally Hyderabad vide Doc. No. 844/82.

> M. JEGANMOHAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 4-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERΛBAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th April 1983

Ref. No. RAC 10/83-84.—Whereas, J. M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Flat situated at Hyderguda, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikadpally on August 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesoid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Matrusri Engineers & Builders (P) Ltd. 3-5-873 Hyderguda, Hyderabad.
- (2) M. Vasudeva Rao S/o M. V. Subba Rao, 3-4-499 Barkatpura, Hyderabad-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 108 in 'A' Block area 915 sq. ft. at hyderguda, Hyderabad registered with Sub-Registrar Chikadpally vide Doc. No. 855/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisitoini Range, Hyderabad (A.P.)

Seal:

Date: 4-4-1983

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th April 1983

Ref. No. RAC No. 11/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Flat situated at Domalguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

M/s Kamat Builders,
 B-3 Bindu Shopping Centre,
 Tilak Road, Bombay.

(2) Sri K. Srihari Rao, Sp M. Colony B/25, Sirpur kagaznagar, Adilabad Dt. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. A-2 in 1-2-593/3/1&1A in Domalguda, Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6340/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Seal:

Date: 4-4-1983

#### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th April 1983

Ref. No. RAC 12/83-84. Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Domalguda

No. Flat situated at J. N. Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on August 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Kamat Builders B-3 Bindu Shopping Centre Tilak Road, Bombay.

(Transferor)

(2) Smt. K. Rekha Rani W/o K. Sudhokara Rao 3-6-784/A Himayatnagai Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. A-1 in 1-2-593/3/1&1A at Domalguda, Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 6339/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-4-1983

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 2nd April 1983

Ref. No. RAC 13/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat situated at Domalguda Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the raid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Kamat Builders B-3 Bindu Shopping Centre Tilak Road, Bombay.
- (Transferor)
  (2) Sri Munmohan Kanodia, s/o Shri K. L. Kanodia, 1-2-593/3/1 & 1Λ, Gaganmahal, Hyderabad.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property is a flat bearing No. 'D' of Kamat Builders, M. No. 1-2-593/3/1 & 1A, admeasuring 808 sft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 6284/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dute : 2-4-1983 Scal : FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 2nd April 1983

Ref. No. RAC 14/83-84. Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at J. N. Road, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/5. Beena Builders, 4-1-826/II/21, J. N. Road, Hyderabad.

(Transferor)

4-1-826/II/21, (2) Evangelical Fellowship of India, J. N. Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat bearing M. No. 4-1-826/II/21, J. N. Road Hyderabad area 1823 sft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5679/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 2-4-1983 Seal:

38-46GI/83

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Beena Builders, 4-1-825/II/21, J. N. Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Evangelical Fellowship of India, 4-1-826/II/21, J. N. Road, Hyderabad.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 2nd April 1983

Ref. No. RAC 15/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat situated at Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeing Officer at Hyderabad on August 1982, for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat in second floor of Beena Builders, at J. N. Road, Hyderabad plinth area 1600 sft. registered by the S.R.O.. Hyderabad vide document No. 5680/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 2-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th April 1983

Ref. No. RAC 16/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at J. N. Road, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transefree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following prsons, namely:—

- (1) M/s. Beena Builders, 4-1-826/II/21, J. N. Road, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Master Vijay Kumar, Rep. by Narsingavtar, 21-7-872, Gandhi Bazar, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 1, M. No. 4-1-826/1, J. N. Road, Hyderabad area 437 sft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5664/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-4-1983

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 2nd April 1983

Ref. No. RAC 17/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat situated at J. N. Road, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Beena Builders, 4-1-826/II/21, J. N. Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Vinay Kumar, Minor Rep. by Narsingavtar, 21-7-872, Gandhinagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- other person interested in the said (b) by any immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat in M. No. 4-1-826, J. N. Road, Hyderabad admeasuring 421.59 sft. registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 5665/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 2-4-1983

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th April 1983

Ref. No. RAC 18/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and M. No. 3-5-585, Narayanaguda, Hyderabad, A.P. F. No. (410),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally, Hyderabad on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Vinayak Enterprises, Re. by Sri M. Vinayak, 3-4-536, Barkatpura, Hyderabd,

(Transferor)

(2) Smt. Shilarani W/o M. Vinayak, 3-4-526/22 Lingampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 410 Municipal No. 3-5-585 and 586, situated at Narayanaguda, Hyderbad admeasuring plinth area 1006 sft. registered by the S.R.O., Chikkadpally, Hyderabad vide document No. 826/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th April 1983

Ref. No. RAC 19/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing M. No. 3-5-585, Narayanguda, Hyderabad, A.P. F. No. (106),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally, Hyderabad on August 82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aferesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- M/s. Vinayak Enterprises, Re. by Sri M. Vinayak, 3-4-536, Barkatpura, Hyderabad.
- (2) Smt. T. Bharati W/o Shri Lingareddy, 3-5-585 Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms—and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 106 Municipal No. 3-5-585 and 586, situated at Narayanaguda, Hyderabad admeasuring plinth area 1177/sft. registered by the S.R.O., Chikkadpally, Hyderabad vide document No. 827/82.

M, JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-4-1983

(1) M/s. Vinayak Enterprises, Re. by Sri M. Vinayak, 3-4-536, Barkatpura, Hyderabd.

(Transferor)

8799

(2) Sri K. R. Pandurangareddy, 402 Airbus Apartments 3-5-585 Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th March 1983

RAC. No. 20/83-84.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. M. No. 3-5-585, Narayanaguda, Hyderabad, A.P. F. No. (402).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally, Hyderabad on August 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration interest by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 402 Municipal No. 3-5-585 and 586, situated at Narayanaguda, Hyderabad admeasuring plinth area 1187 sft. registered by the S.R.O. Chikkadpally, Hyderabad vide document No. 828/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following pcisons, namely:-

Date: 4-3-1983

(1) Smt. Asha Devi.

(Transferor)

(2) Smt. Sudha Devi Shukla.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th March 1983

G.I.R. No. S. 257.—Whereas, I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 692 situate at Mauza-Mishrikh, Mohalla- Rannupur, Distt. Sitapur

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Sitapur on August, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparatus consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A plot of land No. 692, measuring 49X35 sq. ft. situated at Mauza-Misrikh, Mohalla-Rannupur, Distt. Sitapur, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1880, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Sitapur.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Date: 15-3-83

 Smt. Uma Mukhopadhyay, 58A, Roy Bahadur Road, Calcutta-34.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Shri Bishnu Pada Basu, E-3/8, Karunamyee Housing Estate, Salt-Lake. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING / ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

CALCUTTA

Calcutaa, the 2nd April 1983

Ref. No. 1/R-II/Cal/83-84.—Whereas, I, C. ROKHAMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 58A, Roy Bahadur Rd, situated at P. S. Behala, Cal-34, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A, Calcutta on 16-8-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—39—46GI/83

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Area: Land Measuring 3k with building at 58A, Roy Bahadur Road, P.S. Behala, Calcutta-34. More particularly described in deed no. 2439 of August 1982 of R. A. Cal.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta

Date : 2-4-1983

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutaa, the 2nd April 1983

Ref. No. AC-2/R-II/Cal/83-84.—Whereas, I, C. ROKHAMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 58A, Roy Bahadur Rd, situated at P. S. Behala, Cal-34, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta on 16-8-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Amarendra Nath Mukhopadhyay, 58A, Roy Bahadur Road, Calcutta-34.

(Transferor)

(2) Smt. Anima Basu, E-3/8, Karunamyee Housing Estate, Salt Lake. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCEDUHLE

Area: Land measuring 2k with building at 58A, Roy Bahadur Road, P.S. Behala, Calcutta-34. More particularly described in deed No. 2440 of August 1982 of R.A. Cal.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 2-4-1983

Shri Bhawani Shankar Tizoriwala & Ors. 96, Diamond Harbour Road, Calcutta.

161/1, M.G. Road, Calcutta.

(Transferor)

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 6th April 1983

Ref. No. AC-4/R-II/Cal/83-84.—Whereas, I, ROKHAMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 2/3, 3/5, & 6/1, Burdwan Road, situated at P. S. Alipur,

Calcutta,

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R.A. Calcutta on 21-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair

narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) M/s. Singhal Contractors & Builders (P) Ltd.

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Area: Land measuring ½ share of 13k, 2ch, 43/3/4 sft. (vacant) pre. No. 2/3, 3/5, & 6/1, Burdwan Road, and Portion of 9, 10, & 11, Alipur park place, P.S. Alipur, Cal. More particularly described in deed no. 7342 of August 1982 of R.A. Calcutta.

C. ROKHAMA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax Acquisition Range-II, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 6-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 6th April 1983

Ref. No. AC-3/R-II/Cal/83-84.—Whereas, I, C. ROKHAMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 2/3, 3/5, & 6/1, Burdwan Road, situated at P. S. Alipur, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R.A. Calcutta on 21-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the said.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- . (1) Shri Bhawani Shankar Tizoriwala & Ors. 96, Diamond Harbour Road, Calcutta.
- (2) M/s, Suchita Plantations (P.) Ltd., 161/1, M.G. Road, Calcutta.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

#### THE SCHEDULE

Area: Land measuring 1 share of 13k, 2ch. 43/3/4 sft. (vacant) pre. No. 2/3, 3/5, & 61, Burdwan Road, and portion of 9, 10, & 11, Alipur park place, P.S., Alipur Cal. More particularly described in deed No. 7341 of August 1982 of R.A. Calcutta.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 6-4-1983

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri Sisir Kumar Ghosh, 1, Sikder Bagan, Street, Calcutta-700004.

(Transferor)

(2) Smt. Rajkumari Agarwalla, 11, Royd Street, Calcutta.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX -ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 6th April 1983

Ref. No. AC-8/Acqn.R-IV/Cal/83-84.—Whereas, I, C., ROKHAMA

being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaftre referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 11 situated at B.T. Road, Sukchar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 14-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land: 1 Bigha 5 Cottahs 5 Chataks 03 Sft. + Common Passage. Address: 11, B.T. Road, Mouja Sukchar, P.S. Khardah, Dist: 24-Parganas. Deed No. 7084 of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54 Rafi Ahmad Kidwai Road,
Calcuta-7800 06

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 6-4-1983

(1) Sri Sisir Kumar Ghosh, 1, Sikder Bagan, Street, Calcutta-700004.

(Transferor)

(2) Sri Jagadish Prosad Agarwalla, 39, Sitanath Road, Calcutta.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 6th April 1983

Ref. No. AC-7/AC.R-IV/Cal/83-84.—Whereas, I, C. ROKHAMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11 situated at B.T. Road, Sukchar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 14-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 1 Bigha 8 Cottahs 2 Chataks 36 Sft. + Common Passage. Address: 11, B.T. Road, Mouja, Sukchar, P.S. Khardah, Dist-24 Parganas. Deed No. 7083 of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54 Rafi Ahmad Kidwai Road,
Calcuta-7800 06

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 6-4-1983

Sri Sisir Kumar Ghosh,
 Sikder Began, Street,
 Calcutta-700004.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Manju Rani Agarwalla, 18 A, Ramakanta Bose Street, Calcutta.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 6th April 1983

Ref. No. AC-6/Acqn.R-IV/Cal/83-84.--Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11 situated at

B.T. Road, Sukchar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Calcutta on 14-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 1 Bigha 3 Cottahs 2 Chataks 16 Sft. + Common Passage. Address: 11, B.T. Road, Mouja, Sukchar, P.S. Khardah, Dist. 24-Parganas. Deed No. 7082 of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54 Rafi Ahmad Kidwai Road,
Calcuta-7800 06

Date: 6-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE, OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 6th April 1983

Ref. No. AC-5/Acqn. R-IV/Cal/83-84.—Whereas, I, C. ROKHAMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

11 situated at B. T. Road, Sukchar and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 14-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Sisir Kumar Ghosh,
   Sikder Bagan Street, Calcutta-700 004.
   (Transferor)
- (2) Smt. Sabitri Devi Agarwalla, 39, Sitanath Road, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 1 Bigha 3 Cottabs 9 Chattaks 41 Sft. + Common Passage. Address: 11, B. T. Road, Mouja—Sukchar, P. S. Khardah, Dist: 24-Parganas. Deed No. 7081 of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
54, Rafi Ahmad Kidwai Road,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date: 6-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUITA

Calcutta, the 6th April 1983

Rof. No. AC-4/Acqn. R-IV/Cal/83-84.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovible property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11 situated at B. T. Road, Sukchar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 14-8-1982

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—40—46G1/83

- (1) Shri Sisir Kamar Ghosh, 1, Sikder Bagan Street, Calcutta-700 004.
  - (Transferor)
- (1) Shi i Nawd Kishore Agarwal, 1, Royd Street, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION 8—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 1 Bigha 5, Cottahs 3 Chataks 23 Sft. + Common Passage. Address: 11, B. T. Road, Mouja—Sukchar, P. S. Khardah, Dist 24-Parganas. Deed No. 7080 of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
54, Rafi Ahmad Kidwai Road,
Acquisition Range-IV, Calcula

Date: 6-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

### TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-IV. CALCUTTA

Calcutta, the 6th April 1983

Ref. No. AC-3/Acqn. R-IV/Cal/83-84.--Whereas, I. C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11 situated at B. T. Road, Sukchar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 14-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

- (1) Shri Sisir Kumar Ghosh, 1, Sikder Bagan Street, Calcusta-700 004. (Transferor)
- (2) Shri Kailash Chandra Agarwal, 18 A, Ramakanta Bose Street, Calcutta-3. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION s—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 1 Bigha 5 Cottabs 9 Chataks 25 Sft. + Common Passage. Address:: 11, B. T. Road, Mauja Sukchar, P. S. Khardah, Dist. 24-Parganas. Deed No. 7079 of 1982.

C. ROKHAMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Acquisition Range-IV, Calcuta.

Date: 6-4-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV. CALCUTTA

Calcutta, the 6th April 1983

No. AC-2/Acqn. R-IV/Cal/83-84.—Whereas, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

11 situated at B. T. Road, Sukchar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 14-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri Sisir Kumar Ghosh. 1. Sikder Bagan Street, Calcutta-700 004 (Transferor)
- (1) Shri Omprakash Saraf, 14/1, Sir Hari Ram Goenka Street, Calcutta-7. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 1 Bigha 5 Cottahs 11 Chataks 43 Sft. + Common Passage. Address: 11, B. T. Road, Moula-Sukchar, P. S. Khardah, Dist: 24-Parganas. Deed No. 7085 of 1982.

> C. ROKHAMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 54, Rfi Ahmad Kidwai Road Acquisition Range-IV, Calcuta.

Date: 6-4-1983

(1) Shri Sişir Kumar Ghosh 1, Sikder Bagan Street, Calcutta-700 004.

(Transferor)

 Smt. Tara Devi Saraf, W/o Shri Omprakash Saraf 14/I, Sir Hari Ram Goenka Street, Calcutta.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV. CALCUTTA

Calcutta, the 6th April 1983

Ref. No. AC-1/Acqn. R-IV/Cal/83-84,—Whereas, I, C. ROKHΛMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

11 situated at B. T. Road Sukchar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 14-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION S.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 1 Bigha 5 Cottahs 4 Chataks 33 Sqr. Ft. + Common Passage. Address: 11, B. T. Road. Mouja-Sukchar, P. S. Khardah, Dist. 24-Parganas. Deed No. 7086 of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
54, Rafi Ahmad Kidwai Road,
Acquisition Range-IV, Calcuta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 6-4-1983

(1) Kamala Chatterjee, Vedayasagar Colony, G. T. Road, Asansole, Dist. Burdwan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Nur Alam Siddique,
"Novel Refrigerator Upcar Garden, Asansole, Dist.
Burdwan.
(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-IV. CALCUTTA

Calcutta, the 25th March 1983

Ref. No. AC-69 Acqn. R-IV/Cal/82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

situated at Mauja—Berui, P. S. Kulti, Dist: Burdwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Asansole on 21-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction α
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and for

#### THE SCHEDULE

Land: 5 Bighas with Compound wall. Address: Mauja-Berui, Sitarampur, P. S. Kulti, Asansole, Dist: Burdwan. Deed No. 5495 of 1982.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
54, Rafi Ahmad Kidwai Road,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 25-3-1983

- (1) Shri Achinta Kumar Dasgupta, Vill. Gopalpur, P. O. Asansole, Dist. Burdwan. (Transferor)
- (1) Smt. Santi Roy Chowdhury W/o Shri P. N. Roy Chowdhury, Deshbandhu Road, Subhas Palli, P. O. Burnpur Dist. Burdwan, (Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 25th March 1983 \*

Ref. No. AC-68/Acqn. R-IV/Cal/82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Santinagore, P. S. Hirapur, Dt. Burdwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Asansole on 16-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 4.25 Cottahs with building. Address: Santinagar, P. S. Hirapur, P.O. Burnpur, Shergarh, Pargana, Asansole, Dist: Burdwan. Deed No. 5331 of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
54, Rafi Ahmad Kidwai Road,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 25-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 25th March 1983

Ref. No. AC-67/Acqn. R-IV/Cal/82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

478/1 situated at Sarat Chatterjee Road, Dist. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 6-8-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Mrinalini Devi, 479, Sarat Chatterjee Road, Hawrah-3. (Transferor)
- (2) Sri Durgadas Kuti.
  602, Sarat Chatterjee Road, Howrah-3.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires leter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 3 Cottahs 1 Chattaks 5 Sq. Ft. with Factory Shed. Address: 478/1, Sarat Chatterjee Road (Previously 399, Circular Road) P.S. Shibpur, Dist: Howrah.

Deed No.: 4555 of 1982.

C. ROKHAMA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
54, Rafi Ahmad Kidwai Road,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date: 25-3-1983

#### FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 25th March 1983

Ref. No. AC-66/Acqn. R-IV/Cal/82-83.—Whereas, J. C. ROKHAMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

15 situated at College Road, Dist: Howrah (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 4-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclose by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Amarendra Nath Mitra

2. Avarani Basu

3. Namita Majumder - 4. Kamal Majumdar

5. Anjali Ghosh
 6. Arati Ghosh

15, College Road, Shibpur, Howrah,

(Transferor)

(2) Smt. Bithika Runi Roy, 80, Debendra Ganguly Road, Shibpur, Dist: Howrah.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: ½ Share of 2 Cottahs 14 Chittaks 8 Sq. Ft. with Building,
Address: 15, College Road, P.S. Shibpur, Dist: Howrah.
Deed No: 4538 of 1982.

C. ROKHAMA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-IV/Calcutta,
54 Rafi Whmad Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Date: 25-3-1983

(1) Sri Samiran Majumder, 28 C, Panditya Road, Cal-29.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bithika Rani Roy, 80, Debendra Ganguly Road, Shibpur, Dist: Howrah.

· (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 25th March 1983

Ref. No. AC-65/Acqn. R-IV/Cal/82-83,—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

15 situated at Cöllege Road, Dist: Howrah (and more fully described in the Shedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 4-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—4 1—46GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION 5—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: I Share of 2 Cottahs 14 chattaks 8 aqr. Ft. with Building.

Address: 15, College Road, P.S. Shibpur, Dist: Howrah. Deed No: 4537 of 1982.

C. ROKHAMA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax.
Acquisition Range-IV/Calcutta,
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Date: 25-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-IV. CALCUTTA

Calcutta, the 25th March 1983

Ref. No. AC-64/Acqn. R-IV/Cal/82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

15 situated at College Road, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 4-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (13 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

(1) Sri Prodip Kumar Basu, 14/B, Dover Lane, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Bithika Rani Roy, 80, Debendra Ganguly Road, Shibpur, Dist: Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land:  $\frac{1}{2}$  Share of 2 Cottahs 14 chattaks 8 sqr. Ft. with Building.

Address: 15, College Road, P.S. Shibpur Dist: Howrah. Deed No. 4536 of 1982.

C. ROKHAMA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-IV/Calcutta,
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Date: 25-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-LY, CALCUTTA

Calcutta, the 25th March 1983

Ref. No. AC-63/Acqn. R-IV/Cal/82-83.—Whereas, I, C. ROKHAM $\Lambda$ ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No.

36 situated at 'W' Road, P.S. Liluah, Dist-Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 2-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Narendra Nath Ballav, Sahanpur, P.S. Jogacha Dt. Howrah.

(Transferor)

(2) Sri Bijan Kumar Dalui, 36, 'W' Road, P.S. Liluah, Dist-Howrah. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motive in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 9 Cottahs 4 Chattaks with Building. Address: 36, 'W' Road, Belgathia, P.S. Liluah, Dist: Howrah.

Deed No. 4503 of 1982.

C. ROKHAMA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-IV/Calcutta.
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Date: 25-3-1983

#### FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### 40, B, L. Saha Rd. Behala.

(1) Hari Mandal,

(Transferor)

(2) Kamala Devi Ketriwalla, 17/2/1, Iswar Ganguly St. Cal.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 31st March 1983

Ref. No. AC-97/R-II/Cal/82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Mouja Italghata situated at P.S. Behala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registraion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Alipur on 30-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

#### THE SCHEDULE

Area: 1k. 1k. ch. (Land) Mouja. Italghata P.S. Behala. More particularly described in deed no. 12126 of S.R. Alipur, of Aug. '82.

C. ROKHAMA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-IV/Calcutta,
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Date: 31-3-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 31st March 1983

Ref. No.  $\Delta C$ -96/R-II/Cal/82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Mouja. Italghata situated at P.S. Behala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S.R. Alipur on 30-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Hari Mandal, 40, B. L. Saha Rd., Behala.

(Transferor)

(2) Banshi Dhar Ketriwalla, 17/2/1, Iswar Ganguly St., Cal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Area: Land measuring 1k. 14ch, situated at plot no. 321, mouja Italghata, P.S. Behala. More particularly described in deed no. 5054 of S.R. Alipur, of Aug '82.

C. ROKHAMA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-IV/Calcutta,
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Date: 31-3-1983

(1) Snatosh Ch. Dutta, 25, Narkeldanga North Rd, Cal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/S N. B. Sen & Bros. 11, Esplanade East, Cal.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 21st March 1983

Ref. No. AC-95/R-II/Cal/82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

25, Narkeldanga North Rd., situated at P.S. Narkeldanga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at D.R. Alipur on 4-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the alorosaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following reisons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Area: 6k. 13ch. 34 sft. at 25, Narkeldanga North Rd., P.S. Narkeldanga, Cal. More particularly described in deed no. 11292 of Aug '82 of D.R. Alipur.

C. ROKHAMA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-IV/Calcutta,
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Date . 21-3-1983

Sen1:

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore-560 001, the 23rd March 1983

C.R. No. 62/35801/82-83/ACQ-B.—Whereas, I, MANJU MADHΛVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

17, situated at Hutchins Road and 2nd Cross Road, Bangalore-5

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar under document No. 1626/82-83 on 30-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri B. K. Somappa, No. 1, New No. 29, G. No. 6th Street, Jogupalyam, Ulsoor, Bangalore-560 008.

(Transferor)

(2) Smt. Sayceda Rabaman, w/o Sri Mohamed Fazalur Rahaman, No. 54, Armstrong Road, Bangalore-560-001.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1626/82-83 dated 30-8-1982) All that property bearing No. 17, situated at Hutchins Road, and 2nd Cross Road, Bangalore-5.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 23-3-1983.

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore-560 001, the 21st March 1983

C.R. No. 62/36146/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 130 131, 132, 133 (b) 134, 135, 136, 137 & 138 situated at Sardarpatrappa road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar under document No. 1561/82-83 on 31-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely;—

(1) Shri Bhaskar Ramaiah Setty, No. 25, Obaiah Galli, Cottonpet cross, Bangalore-53.

(Transferor)

(2) Shri Vined K. Chawla & four others, No. 36, Chawla House, 10th cross, 12th Block, 5th Main road, K. P. West, Bangalore-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said program be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1561/82-83 dated 31-8-82) All that property bearing No. (a) 130, 131, 132, 133, (b), 134, 135, 136, 137 & 138 situated at Sardarpatrappa road, Bangalore.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date . 21-3-83,

## FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

 Shrimathi Triveni Rajan W/o Sn P. M. Rajan No. 1022, 5th Block, Rajajinagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) Sari K. N. Gurunathsa, S/o Kabadi Narayansa No. 36, Telugupet, Bangalore.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 24th March 1983

C.R. No. 62/36223/82-83/Acq/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No. 1022, situated at V Block Rajajinagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed herefo), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar under document No. 2579/82-83 on 27-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as a foresaid.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2579/82-83. Dated 27-9-82)

All that property bearing No. 1022, situated at V Block, Rajajinagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
42—46GI/83

Date: 24-3-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 24th March 1983

C.R. No. 62/35719/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, 'Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have renson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 521 situated at West of Kanakapura road, 8th cross, 7th Block, Jayanagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar under document No. 1780/82-83 on 25-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Syed Khader No. 13, Govind Chetty Colony Queens road, Bangalore-13.

(Transferor)

(2) Shrimathi Davinder Kaur, No. 617, 11th cross, 7th block, Jayanagar, Bangalore-560082.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1780/82-83, Dated 25-8-82)

All that property bearing No. 521, situated at West of Kanakapur road, 8th cross, 7th Block, Jayanagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 24-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001,

Bangalore, the 24th March 1983

C.R. No. 62/35917/82-83/Acq/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

New No. 17 situated at Venkatarayappa lane, J. M. Road Cross, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar under document No. 1699/82-83 on 14-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby infitiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Labdichand Bafna & Sri Lalchand Bafna, No. 14, Jain Temple Road, V. V. Puram, Bangalore-4.

Transferor(s)

 Smt. Umrao Deir, Smt. Seetha Deir, Sri Chandanmal, No. 37, Mallikarjunappa Temple Lane, Kavadirevannasetty pet Bangalore City.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovoble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LAPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1699/82-83. Dated 14-9-82)

All that property bearing New No. 17, situated at Venkata-rayappa lane, JM/Road Cross, Bangalore.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tex.
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 24-3-83

### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT . COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001,

Bangalore, the 21st March 1983

C.R. No. 62/35695/82-83/ACQ-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

25/17-1/27 situated at Hosur Road, Arekempanahally, Wilson Gardens, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jayanagar under document No. 1633/82-83 on 11-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri A. Prakash, Sri M. Janardhan No. 187/46, 1st Cross, Wilson Garden, Bangalore-27.

Transferor(s)

(2) Sri S. A. Hafeez alias Baseer, Smt. Thahara Begum, No. 2, Nellegodown St., Vellor-4, North Arcot, Dt.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1633/82-83. Dated 11-8-1982)

Ali that property bearing No. 25/17-1/27, situated at Hosur Road, Arekempanahally, Wilson Gardons, Bangalore-27.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 21-3-1983.

### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 22nd March 1983

No. C.R. 62/35910/82-83/ACQ-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

(Old 26) New No. 4, situated at K. V. Lane, H. Ramaiah Lane, Seegebeli, Bangalore-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1998 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar, Bangalore under Document No. 1609/82-83 on 12-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

 Shri Shrimathi Sharadamma and Chnadramani, No. 4, Kaddi Venkannachar Lane, H. Ramaiah Lane Cross, Segebelli, Bangalore City.

Transferor(s)

(2) Shri A. Raheemkhan and Bibijan, No. 31, Kasturbanagar, Old Toll Gate, Mysore Road, Bangalore-26.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1609/82-83 Dated 12-9-82) All that property bearing No. 26, New No. 4, situated at K. V. Lane, H. Ramaiah lane, Seegebeli, Bangalore-2.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 22-3-1983

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 21st March 1983

C.R. No. 62/35909/82-83/ACQ-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Old—132, 155, 172 and present No. 190, situated at 4th Main Road, Chanarajapet, Bangalore-53

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavangudi under document No. 1741/82-83 on 23-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shrimathi Tarabai & others, No. 190, 4th Main, Chamarajapet, Bangalore.
- (2) Shri P. Palanigoundar & sons, Kurubara Street, Janapura, Bhadravathi, Camp—Bangalore.

Transferor(s)

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1741/82-83 dated 21-3-1983)
All that property bearing old Nos. 132; 155, 172, New No. 190, situated at 4th Main, Chamarajapet, Division No. 26, Bangalore.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 21-3-1983.

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME, TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 14th March 1983

No. C.R. 62/35860/82-83/ACQ-B..—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

in Sy. No. 39/2, Yediyur Village, Nagasandra Village, No. 8, Thyagarajan Nagar, now called Kalyani Gardens, Narasimharaja Colony, Bangalore-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Basavangudi, Bangalore, Doc. No. 1472/82-83 on 4-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri S. A.Bramhanyathirtha, No. 41, 11nd Main Road, N. R. Colony, Bangalore-53.

Transferor(s)

(2) M/s Associated Trading Corporation Reptd. by Pr. Sri B. I. Somasundaram, office located at 48/4, S. J. C. Road, Bangalore-2.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1477/82-83 dated 4-8-1982)

All that property bearing Sy. No. 39/2, situated at Yediyur Nagasandra Village, B.D.A. No. 8, Thyagarajanagar, now cailed as Kalyani Gardens, N. P. Colony, Bangalore-50.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 11-3-1983,

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001 Bangalore-560 001, the 10th February 1983

C.R. No. 62/521/82-83/ACQ/B.--Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Sy. No. 131 situated at Hohhahally, Hosadurga TQ. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hosadurga under document No. 679/82-83 on 10-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri H. Tipperudrappa and Shri D. Basavarajappa S/o Sri Dyamappa, Honnahally, Hosakote. TQ.

(Transferor)

(2) 1. Shri Dodda Hotteppa.
2. Shri Gaverangappa
S/o Shri H. Gaviyappa,
R/o Hohhahally, Hosadurga. TQ.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 679/82-83 dated 10-12-1982] 4 Acres and 24 Gunthas of Coconut Garden bearing Sy. No. 131 situated at Honnahally, Hosadurga, TQ.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th February 1983

Ref. No. 62/524/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As mentioned in the schedule situated at Gaspar Dias within the Municipality of Panaji, Sub-Dist of Ilhas, Ilhas Taluka and Dist of Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Panaji, Under document No. 279/82-83 on 10-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—43—46GI/83

 1. CAP. Bernard Mario Figueiredo and his wife
 2. Mrs. Jacqueline Lllian Figueiredo, both R/o 159, Colaba Road, Bombay.
 (Transferor)

(2) Shri Anand G. Keni,
C/o M/s A. G. Keni,
Real Estate Agents,
Contractors and construction Material Suppliers,
First Floor Municipal Building
Near E1 Dardo Cinema, Panaji, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 279/82-83

Dated 10-8-1982]

The Property called "MARIA PEREIRA" Situated at Gaspar Dias, within the Municipality of Panaji, Sub-Dist of Ilhas, Ilhas Taluka and Dist of Goa Described in the Land Registration Office at Panaji Goa Under No, 7862 at Page 27 V of the Book B-27 (new) and registered on the land Survey Department Under No. 1082, 1087 and 53 in the land Revenue Office under No. 88.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-3-1983

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 10th January 1983 Ref. No. 62/502/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. 35/4, 35/8 & 35/10 situated at Assolda, Xelvona Taluka & Sub-Dist, Quepem of Dist. Goa. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Quepem under document No. 150/82-83 on 9-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Chico Zavipo Helgode Jesus Fernandes
   Miss Angela Zavipo Chaia Maria De Jesus Fernandes.
  - 3. Smt. Sara Ilda Zaida Mata Barbosa alias Sara Fernandes. All R/o Cotta of Chandor.

(Transferor)

(2) Sachina Agro Industries (P) Ltd. Cotta, Chandor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 150/82-83 Dated 9-8-1983] Land measuring 93424 Sq. Mts. bearing Sy. No. 35/4, 35/8 and 35/10 situated at Assolda, Xelvona Taluka and Sub-Dist. Kuepem of Dist. Goa.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th January 1983

Ref. No. 62/501/82-83/ACQ/B.--Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
Sy. No. 30 P. situated at
Ramanahally, Kasaba Hobli, Chikkamagalore, TQ.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkamagalore under document No. 705/82-83 on 4-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri Rangaiah S/o Shri Tirumalajah, Kempanahally, Chikkamagalore.

(Transferor)

(2) 1. Shri Muncer Ahamed.

Smt. Gulzarunnisa Pension Mohalla, Chikkamagalore.

3. Shri C. M. Anwar Ahamed.

Smt. Fatimunnisa, Vijayapur Extension, Chikkamagalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication or this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 705/82-83

Dated 4-8-1982]

1 Acre and 291 Gunthas of agricultural land converted into non-agricultural land situated at S. No. 30. P. of Ramanahally, Kasaba Hobli, Chikkamagalore. TQ.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 10th January 1983

Ref. No. 62/500/82-83/ACQ/B.-Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. 30 P. situated at Ramanahally, Kasaba Hobli, Chikkamagalore, TQ. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Chikkamagalore. Under document No. 704/82-83 on 4-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Shri Saganaiah Kempanahally, Kasaba Hobli, Chikkamagalore.

(Transferor)

(2) 1. Shri Muneer Ahamed.

2. Smt. Gulzarunnisa

Pension Mohalla, Chikkamagalore.

3. Shri C. M. Anwar Ahamed.

4. Smt. Fatimannisa,

Vijayapura Extension, Chikkamagalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette. within 45 days from the date of

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 704/82-83 Dated 4-8-1982] 37½ Gunthas of Agricultural land converted into non-Agricultural land situated at Sy. No. 30 P. of Ramanahally Kasaba Hobli, Chickmagalore.TQ.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-1-1983

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001 Bangalore-560 001, the 10th January 1983

Ref. No. 62/498/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing No.

Municipal No. 1948/2187/2282/2551 situated at Andechatram Road, Chikkamagalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chikkamagalore. Under document No. 895/82-83 on 6-9-1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri K. R. Bharatha
 S/o Late Shri K. Ramakrishnappa,
 Canara Bank Road, Chikkamagalore.
 Shri K. R. Kusha Kumar
 S/o Shri K. Ramakrishnappa,

(Transferor)

(2) Smt. Sufla Banu D/o Late Nishni Abdul Hakeem, Sandal Manager Street, Chikkamagalore.

Chikkamagalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 895/82-83 Dated 6-9-192] Vacant site measuring 3080 Sq. Ft. at Municipal No. 1948/2187/2282/2551 in Andechatram Road, Chikkamaga-lore.

· MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 10th February 1983

Ref. No. 62/513/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. 173/3 and 173/4 situated at Gabbur Village, Hubli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hubli Under document No. 1397/82-83 on 24-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269O of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Suresha Putteswamy Gowda Kogowda, Minor Guardian by father Shri Putteswamygouda, Mallanagouda Kogowda, Gabbur Hubli. TQ.

(Transferor)

(2) 1. Shri Fakheerappa
 2. Shri Bharamappa
 S/o Shri Parappa
 Kallannavara Bidanala Hubli Town.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1397/82-83 Dated 24-9-1982] 8 Acres and 4 Gunthas of land situated at Sy. No. 173/3 and 173/4 of Gabbur Village, Hubli.

MAI HAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-2-1983

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 10th February 1983

Ref. No. 62/518/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Door No. 1993 situated at

V Ward 9th Division, Davanagere

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Davanagere Under document No. 3832/82-83 on

October, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri B. Malleshappa S/o Shri Bharamanna, R/o Amaravathi, Harihar TQ.

(Transferor)

(2) Shri D. Nemirajalah,
 S/o Shri Dasharathalah,
 Door No. 2094. M.C.C. "A" Block,
 P.J. Extension, Davanagere.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3832/82-83 Dated October 1982]
Open site situated at Door No. 1993 of MCC "A" Block
V Ward, 9th Division Davanagere, (Easter Portion of site).

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Laxamamma W/o Late Sri M. Thimmaiah, Hiriyur Town.

(Transferor)

(2) Shri H. V. Sriniyasan, S/o Shri H. T. Yenkatappa Hiriyur Town, (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 10th February 1983

No. 519/82-83.—Whereas, I MANIU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Sy. No. 62 situated at Huliyar Road, Diriyur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hiripur Under document No. 1020/82-83 on 4-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Registered Document No. 1020/82-83 dated 4-10-1982) Residential Building Situated in Huliyar Road, Hiriyur bearing Sy. No. 62. VP. K. No. 65/P.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 10th February 1983

No. 520/82-83.—Whereas, I, Mrs. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Door No. 1993 situated at V Ward, 9th Division Davanagere (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Davanagere Under document No. 4509/82-83 on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or cher assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—44—46GI/83

(1) Shri B. Bharamappa S/o Balemarad Channabasappa, Amaravathi, Harihar TQ. (Transferor)

(2) Shri D. Nemirajaiah S/o Sri N. Dasharathaiah, Door No. 2094, MCC "A" Block, P.J. Extension Davanagere.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4509/82-83 dated November 1982].

Open site situated at Door No. 1993 of MCC "A" Block V ward 9th Division Davanagere. (Western Portion of site).

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-2-1983

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 4th April 1983

Ref. No. 17570.—Whereas, I R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RS 156/2 situated at 1A, Nungambakkum High Road, Madras-34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Thousandlights (Doc. 206/82) on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:

(1) Jupiter Real Estate Corporation, 16, Sunkurama Chetty St., Madras-600 001.

(Transferor)

(2) J. K. K. Rangammal Charitable Trust, Annai Illam, Salem Main Road, Komarapalayam-683 183.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by-any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at RS. No. 156/2, 1A, Nungambakkam High Road, Madras-34. (Doc. 206/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Ocquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 4-4-83 Soal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th April 1983

Ref. No A.P. No. 4213.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Ambedkar Nagar, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shii Aytar Singh S/o Buta Singh r/o Aytar Market, Ambedkar Nagar, BXIII-222, Basti Sheikh, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Dildar Singh, Daljit Singh Se/o Avtar Singh, r/o BXIII-222, Ambedkar Nagar, Basti Sheikh, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property 1/4 of B XIII-222, situated at Avtar Market, Ambedkar Nagar,, Jalandhar & persons as mentioned in the registration sale deed No. 3282 of August, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 4-4-1983

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4214.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 'Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Ambedkar Nagar, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Avtar Singh S/o Buta Singh r/o BXIII-222, Ambedkar Nagar, Avtar Market, Basti Sheikh, Jalandhar.
- (2) Shri Daljit Singh S/o Avtar Singh, r/o Ambedkar Nagar, Avtar Market, Basti Sheikh, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property 1/4 of B XIII-222, situated at Avtar Market, Ambedkar Nagar, Jalandhar & persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3283 of August, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 4-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4215.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and baring

No. as per schedule situated at Ambedkar Nagar, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insumment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Avtar Singh S/o Buta Singh r/o BXIII-222, Ambedkar Nagar, Avtar Market, Basti Sheikh, Jalandhar.
- (2) Shri Dildar Singh S/o Avtar Singh, r/o BXIII-222, Ambedkar Nagar, Avtar Market, Basti Sheikh, Jalandhar.

(Transferee)

(Transferor)

- (3) As S. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property 1/4 of B-XIII-222 situated at Avtar Market Ambedkar Nagar,, Jalandhar & persons as mentioned in the registeration sale deed No. 3305 of August, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 4-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4216.—Whereas, I J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. as per schedule situated at Ambedkar Nagar, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Avtar Singh S/o Buta Singh r/o BXIII-222, Ambedkar Nagar, Avtar Market, Basti Sheikh, Jalandhar,

(Transferor)

- (2) Shri Baldev Singh, Daljit Singh Ss/o Avtar Singh, r/o BXIII-222, Ambedkar Nagar, Avtar Market, Basti Sheikh, Jalandhar.
  - (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning at given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property 1/4 of B XIII-222, situated at Avtar Market, Ambedkar Nagar, Jalandhar & persons as mentioned in the registeration sale deed No. 3306 of August, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 4-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR \*\*-

Jalandhar, the 4th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4217.--Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Comptent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per Schedule situated at Guru Teg Bagadur Nagar,

Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Amrit Lal Julka S/o Mathra Dass, r/o 118, Guru Teg Hahadur Nagar, Jalandhar. (Transferor)

(2) Shrimati Inder Kaur Wd/o Uttam Singh, r/o Ladowali Road, near Muktani Soap Factory, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give> in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property land 10 Mls. 143 S. ft. situated in Guru Teg Bahadur Nagar, Jalandhar & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 3715 of August, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 4-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4218.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registraion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar on Oct. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proprety and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Pushp Raj Bakshi s/o Ghansham Dass, r/o WG-136, opposite Civil Hospital, Jalandhar,

(Transferor)

(2) Shri Harjinder Singh S/o Ajit Singh and Smt. Tarsem Kaur W/o Harjinder Singh r/o V. Sarinh, Teh. Nakodar, Distt. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property 1/5 of House situated at Jalandhar & persons as mentioned in the registeration sale deed No. 4781 of October, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 4-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 4th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4219.—Whereas, I. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Licome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—45—46GI/83

(1) Shri Pushp Raj s/o Ghansham Dass, r/o WG-136, opposite Civil Hospital, Jalandhar.

(Transferor)

- (2) Shri Harjinder Singh S/o Ajit Singh and Smt. Tarsem Kaur W/o Harjinder Singh, r/o V. Sarinh, Tch. Nakodar, Distt. Jalandhar. (Transferce)
- (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE.

Property 1/5, House situated at Jalandhar & persons as mentioned in the registration sale deed No. 4560 of October, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 4-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhur, the 7th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4220.-Whereas I, J. L. GIRDHAR,

bring the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Abohar on Aug., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the tan market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mours or other assets which have not been or which such to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid projectly by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shrimati Nishi D/o Sh. Raghbir Singh, R/o Abohar through Sh. Raminderpal Singh S/o Sh. Raghubir Singh, G.A. R/o Property No. 943, Gaushala Road, Abohar.
- (Transferor) (2) Shri Gurpal Singh S/o Sh. Raghunath Singh, R/o Vill. Duhewala Teh. Fazilka C/o People Bus Service, Muktsar.

(Transfereo)

- (3) As per Sr. No. 2 above & 1. M/s Hindustan Diesel Services, 2. M/s Amrik Electrical Services,
  - 3. Brij Lal Engg. Works and 4. M/s Punjab State Electricity Board. R/o Gaushala Road, Abohar.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1490 of August, 1982 of the Registering Authority, Abohar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 7-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 7th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4221.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at, Bhatinda on Sept., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shrimati Shanti Devi Wd/o Shri Neki Ram, Sh. Raj Kumar and Sharda Devi children of Late Sh. Neki Ram, Bhatinda.

(Transferor)

- (2) M/s Snowhite Dry Cleaners, Dhobi Bazar, Bhatinda through Sh. Ashok Kumar S/o Sh. Charan Dass partner of the firm.
  - (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 above & Sh. Ashok Kumar S/o Sh. Tilak Ram Shop No. 4577, Dhobi Bazar, Bhatinda.
- (Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4539 of Sept., 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 7-4-1983 Seel:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhur, the 7th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4222.-Whereas. I,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have leason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on January, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concenhment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:-

(1) Shri Banarsi Dass, Ashok Kumar, & Vinod Kumar Ss/o Shri Chander Bhan, R/o Dhobi Bazar, Bhatinda.

(Transferor)

(2) M/s Snowhite Dry Cleaners, Dhobi Bazar, Bhatinda through Sh. Ashok Kumar S/o Shri Charan Dass partner of the firm.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above and Sh. Ashok Kumar S/o Sh. Tilak Ram Shop No. 4577, Bhobi Bazar, Bhatinda.
- (Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6011 of January, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR \* Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 7-4-1983 Seal:

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhur, the 7th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4223.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid-exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Misro Devi Wd/o Chander Bhan, and Sh. Om Parkash & Subhash Kumar Ss/o Shri Chander Bhan, Dhobi Bazar, Bhatinda.

(Transferor)

(2) M/s Snowhite Dry Cleaners, Dhobi Bazar, Bhatinda through Sh. Ashok Kumar S/o Sh. Charan Dass partner of the firm.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above and Sh. Ashok Kumar S/o Sh. Tilak Ram House No. 4577, Dhobi Bazar, Bhatinda.
- (4) Any other person interested in the property.

  ( Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6057 of January, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 7-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4224.--Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Aug., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Sham Sunder S/o Dwarka Nath G. A. of Kewal Ram R/o 142, Lajpat Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Sunit Wasil W/o Sham Sunder R/o 142, Lajpat Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property land 20 Mls. 60 S. ft. situated at Jalandhar & persons as mentioned in the registration sale deed No. 3219 of August, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th April 1983

Ref. No. A. P. No./4225.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Raizpur, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred the under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Aug., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Sadhu Singh S/o Sube Singh and Smt. Niranjan Kaur W/o Sadhu Singh, EJ-339, Mohalla Raizpura, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Ajit Singh Buins S/o Gurbachan Singh, R/o 96, Ranjit Nagar, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.1. Shri Tarsem Singh2. Shri Harbans Singh 3. Shri Ashok Kumar and 4. Shri Sukhdev Singh

ull r/o EJ-339, Mohalla Raizpura,

Jalandhar.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property 1/2 F.J. 339 situated in Raizpura, Jalandhar & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 3207 of August, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4226.-Whereas, J. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per Schedule situated at Riazpura, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Aug., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- , (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Sadhu Singh S/o Sh. Sube Singh and Smt. Niranjan Kaur W/o Sadhu Singh, R/o #J-339, Riazpura, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Mohinder Kaur W/o Ajit Singh R/o 96, Ranjit Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above & 1. S/Shri Tarsem Singh,

 Harbane Singh,
 Ashok Kumar and
 Sukhdev Singh all P./o EJ-339, Mohalla Riazpura, Jalandhar.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said, property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property 1/2 EJ. 339 situated in Mohalla Riazpura, Jalandhar & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 3208 of August, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 6-4-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 7th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4227,—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to . believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

46~ 46G1/83

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following percons, namely :--

(1) Shri Ajmer Singh S/o Narain Singh Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Siri Chand S/o Doola Ram, Shri Siri Chand S/o Doola Ram,
2. Sukhdev Singh S/o Jagir Singh,
3. Dharam Pal S/o Baboo Ram,
4. Malkit Singh S/o Balwant Singh
5. Tarsem Kaur W/o Malkit Singh,
6. Brahma Nand S/o Manohar Lal,
7. Hari Ram S/o Bhana Ram,

8. Bakhtaur Singh,

R/o Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3571 of Aug., 1982 of the Registering Authority Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 7-4-1983

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 6th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4228.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Bhatinda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Aug., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Karnail Singh S/o Sh. Amar Singh Vill. Phoos Mandi, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Joginder Singh S/o Bachittar Singh, Vill. Phoos Mandi, Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in th erpoperty)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3581 of August, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhur, the 7th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4229.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Karnail Singh. S/o Sh. Amar Singh Village Phoos Mandi, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Joginder Singh S/o Bachittar Singh, Vill. Phoos Mandi. Bhatinda,

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3604 of August, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 7-4-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 7th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4230.—Whereas, I.

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated tot Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration property as aforesaid exceeds the therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Gulab Singh S/c Ganda Singh R/o Power House Road, Opp. S.D.O., P.S.E.B. (Civil Station), Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Raipal Singh S/o Jaswant Singh Man Vill. BAM Teh. Muktsar.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3772 of August, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 7-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandbar, the 7th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4231.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bhatinda in August, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) Shrimati Guddi D/o S. Prem Singh Vill, Gill Patti,

(Transferor)

(2) S/Shri Shamsher Singh, Sukhraj Singh Ss/o S. Madan Singh Vill. Gill Patti.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2812 of August, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 7-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX: ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 7th April 1983 Ref. No. A.P. No. 4232.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeing Officer at Bhatinda in August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Baseshar Singh S/o Sh. Bhagwan Singh Multania Road, Bhatinda.

(Transferor)

- (2) 1. Shrimati Bimla Kumari W/o Bahadar Singh, 2. Shrimati Sudesh Kumari W/o Harish Kumar, 3. Shrimati Chand Rani W/o Brahm Dutt, 4. Shri Atana Singh State States States

  - 4. Shri Atma Singh S/o Sahib Ditta Singh
  - Shri Kamaljit Singh S/o Sh. Basant Singh, R/o Partan Nagar, Bhatinda,

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3828 of August, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 7-4-1983

(1) Shri Jagjit Singh S/o Amar Singh, R/o Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shrimati Harjit Kaur W/o Gurdev Singh R/o Street No. 21 near Bibika Gurdwara, Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhur, the 7th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4233.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinofter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda on Aug., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3838 of August, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 7-4-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhur, the 7th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4234.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Tej Ram S/o Tilak Ram 2. Shri Dharam Pal S/o Shri Tej Ram. Bhatinda.

(Transferor)

 Shri Gurdev Singh Romana S/o Harnam Singh, Bhatinda,

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property,
  (Person whom the undersigned knows
  to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3861 of August, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 7-4-1983

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhur, the 7th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4236.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in August 1982

Bhatinda in August 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

47-46GI/83

(1) S/Shri Sajjan Singh, Kartar Singh and Bibi Nihal Kaur, Gurdial Kaur SS/o Dhan Singh and Surjit Singh, Kaka Singh, Chhottoo, Bachaoo Ss/o & Daughters of Smt. Persin Kaur D/o Dhan Singh Gill Patti, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shrimati Dalip Kaur W/o Kartar Singh, R/o Gill Patti, Bhatindu.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3965 of August, 1982 of the Registring Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 7-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE JALANDHAR \*

Jalandhar, the 7th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4238.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at V. Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Baachitar Sinh S/o Munshi Ram, R/o NB-373, Mohalla Santokh Pura, Jalandhar (Transferor)
- (2) Shri Kishore Kumar & Pyara Lal Ss/o Hari Ram R/o NB-373, Mohalla Satokh Pura, Jalandhar and Rani Dogra W/o Bishan Lal, 59L/A, Model House, Jalandhar.
- (3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in he property.

  (Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property land 31.70 Mls. situated in V. Kingra & persons as mentioned in the registration sale deed No. 4165 of September, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 7-4-1983

### FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

okarinkan erinder ("Lemente ok Landre" erinden kina menden oktoria menden oktoria erinden oktoria L<mark>emente</mark> (Lemente

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 7th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4237.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Ferozepur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur in November 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Karamjit Singh S/o Hardit Singh R/o O.L.L., Ferozepur Cantt.

(Transferor)

- (2) Shrimati Raghubir Kaur W/o Karamjit Singh, R/o H. No. 127 1/2 O.L.L., Ferozepur Cantt, (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in he property.

  (Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4779 of November 1982 of the Registering Authority, Ferozepur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 7-4-1983

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 24th March 1983

Ref. No. A.P. No. 4183.—Whereas, I,
 J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the the Office of the Registering Officer at Phagwara in August 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ravinder Pal Singh S/o Surinder Singh R/o Moh, Bhagatpura, Phagwara. (Transferor)
- (2) Shri Jwahar Lal S/o Pashouri Lal, Sheela Chadha W/o Parshotam Das R/o Loha Mandi, Phagwara.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in he property.

  (Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein .as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1330 of August, 1982 of the Regisering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 24-3-1983

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 24th March 1983

Ref. No. A.P. No. 4184.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in August 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Ravinder Pal Singh R/o Surinder Singh R/o Mohalla Satnampura, Phagwara.
  - (Transferor)
- (2) Shrimati Ved Chada W/o Jwahar Lal, R/o Phagwara, Jwahar Lal S/o Pashouri Lal, Loha Mandi Phagwara.
  - (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objectic ..... ......e said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on he respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1487 of August, 1982 of the Registering Authority, Phagwara.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 24-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 24th March 1983

Ref. No. A.P. No. 4185.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Kapurthala

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kapurthala in August 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income saising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Usha Devi W/o Harmindera Singh, R/o Kapurthala through Shri Brijindera Singh, 27-Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shrimati Gian Dai W/o Kishan Chand, R/o Kapurthala, Mohalla Shorian.

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Transferee)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned known to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1512 of August, 1982 of the Registering Authority, Kapurthala.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 24-3-1988

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 24th March 1983

Ref. No. A.P. No./4186.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Kapurthala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registraion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in August 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Usha Devi W/o Harmindera Singh, R/o Kapurthala through Shri Brijindra Singh 27-Sunder Nagar, New Delhi.
  - (Transferor)
- (2) Shri Swarn Kumar S/o Kishan Chand. R/o Mohalla Shorian, Kapurthala.
- (Transferce)
- (3) As per S. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned known to be interested in the property.)



Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1513 August 1982 of the Registering Authority, Kapurthala.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 24-3-1983

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 24th March 1983

Ref. No. A.P. No. 4187.—Whereas, I, GIRDHAR.

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Kapurthala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in August 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly started in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

 Shrimati Usha Devi W/o Harmindra Singh, R/o Kapurthala through Shri Brijindra Singh, 27-Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferor) (2) Shrimati Kamla Vati W/o Swarn Kumar R/o Kapurthala.

(Transferee)

(3) as per s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned known to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4% days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1545 of August 1982 of the Registering Authority. Kapurthala.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority
> Taspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 24-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

# ΛCQUISITION RANGE JALANDHΛR

Jalandhar, the 24th March 1983

Ref. No. A.P. No./4188,—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No

as per schedule situated at Kapurthala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kapurthala in August 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

48--46GL/83

 Shrimati Usha Devi W/o Harmindera Singh, R/o Kapurthala through Shri Brijindera Singh, 27-Sunder Nagar, New Delhi

(Transferor)

(2) Shrimati Aruna Jain W/o Suresh Kumar, R/o Kapurthala.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1546 August 1982 of the Registering Authority Kapurthala.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 24-3-1983

Scal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 24th March 1983

Ref. No. A.P. No./4189.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Kapurthala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in August 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);  Shri Dan Singh Urf Smt. Devika W/o Barjindera Singh R/o Kapurthala through, Shri Brijinder Singh, 27-Sunder Nagar, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Jasbir Singh S/o Karam Singh, R/o Kapurthala Mohalla Kasaba Kapurthala.

(3) As per S. No. 2 above.

(Transferec)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein mare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1511 August 1982 of the Registering Authority, Kapurthala.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 24-3-1983

Form I.T.N.S.....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 24th March 1983

Ref. No. A.P. No./4190.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Kapurthala, (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registeing Officer

in the Office of the Registering Officer at Kapurthala in August 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Dan Singh Urf. Smt. Devika W/o Barjindera Singh R/o Kapurthala through Shri Brijindra Singh 27, Sunder Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shrimati Rajinder Kaur W/o Rajinder Singh and Manjit Sahai W/o Jagbir Singh R/o Kapurthala.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.)
(Person whom the undersigned known to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1527 August 1982 of the Registering Authority Kapurthala.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 24-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 24th March 1983

Ref. No. A.P. No./4193.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Bhullowal Hoshiarpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhunga in November 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed fo between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by tho transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri Gurbux Singh S/o Sunder Singh, Vill. Lambra, Distt. Hoshiarpur G.A. to Jaswant Singh, Hardial Singh, Harcharan Singh, and Tarath Singh Vill. Lambra Distt. Hoshiarpur, (Transferor)
- (2) Shrimati Kamla Saini W/o Rogved Singh Vill. Bhullowal Distt, Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1429 of November 82 of the Registering Authority, Bhunga.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 24-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 24th March 1983

Ref. No. A.P. No./4192.—Whereas, I, J, L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Bhullowal, Hoshiarpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhunga in September 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument. the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the, liability of the transferor to pay tax under the solid act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Gurbux Singh S/o Sunder Singh Vill, Lambra Sub Teh, Bhunga G.A. to Shri Hardiol Singh Jaswant Singh, Harcharan Singh Tirath Singh V&PO Lambra.

(Transferor)

(2) Shri Baldev Singh S/o Amin Chand Vill. Bhullowal Distt, Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(3) As per S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property.)

 (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unders? gned:—

- (a) by any of the aforese 45 days from the d 4d persons within a period of in the Official Grante of publication of this notice from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1224 of September 1982 of the Registering Authority Bhunga.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar,

Date: 24-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 24th March 1983

Ref. No. A.P. No./4191.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

transfer with the object of-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Bhullowal, Hoshiarpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhunga on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been rtuly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurbux Singh S/o Sunder Singh, Vill. Lambra S. Teh. Bhuga G.A. to Jaswant Singh, Hardial Singh, Harcharan Singh, Tirath Singh Vill. & P.O. Lambia.

(Transferor)

(2) Shri Regycd Singh S/o Baldev Singh R/o Bhullowal Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above, and M/s. Mehanga Ram & Sons Kuriana Merchant Bhllowal, Distt. Hoshiarpur.

(4) Any other person interested in the property.)
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1175 of September 1982 of the Registering Auhority, Bhunga,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Julandhar.

Date: 24-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shri Tarsem Lal S/o Gurdas Ram r/o Sehdev Market, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Darshna Devi W/o Tarsem Lal r/o Sehdev Market, Jalandhar. (Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property)
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 23rd February 1983

Ref. No. A.P. No./4194.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Hehdev Market, Jalandhar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on August 1982,

faintment on tights 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.—

# THE SCHEDULE

Plot of land 5 Mls. 165 S. ft. situated in Sehdev Market, Jalandhar and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 3137 of August 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 23-3-1983

(Transferce)

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, **JALANDHAR**

Jalandhar, the 23rd March 1983

Ref. No. A.P. No./4195.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per schedule situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on August 1982, for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following appropriate accessor appropriate the said Act, to the following appropriate the said Act, to the said Act, to the said Act, to the following appropriate the said Act, to the following appropriate the said Act, to the said Act, to the said Act, to the said Act, to the following appropriate the said Act, to th ing persons, namely:-

- Shri Haripal Singh S/o Ujagar, Singh r/o V. Kingra Teh. Ialandhar.
- (Transferor) Shri Gurdip Singh Dhilon S/o Joginder Singh r/o V. Adampur Teh, Jalandhar.
- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property) (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latter;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property land 2 K-16 Mls. 180 sq. ft. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registration sale deed No. 3170 of August 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 23-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 23rd March 1983

Ref. No. A.P. No./4196.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing No. As per schedule situated at Schdev Market,

Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Jalandhar on Aug. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

49-46GI/83

(1) Harnam Singh S/o Bur Singh G.A. of Sahdev Singh S/o Rajeshwar Singh R/o Sahdev Market, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Manohar Gopal S/o Munshi Ram, R/o Sehdev Market, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property) \*(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to

be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property land area 10 Mls. situated in Sehdev Market, Jalandhar & Persons as mentioned in the registration sale deed o. 3191 of August, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assrt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 23-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 23rd March 1983

Ref. No. A.P. No. 4197.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. As per Schedule situated at.

Sahdev Market, Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration

Officer at Jalandhar on Aug. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Harnam Singh S/o Bur Singh G.A. of Sehdev Singh S/o Rajeshwar Singh R/o Sehdev Market, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Reeta Walia D/o Dharam Pal Walia R/o Şehdev Market, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property)
(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property land 5 Mis. situated in Sehdev Market, Jalandhar & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 3192 of 8/82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting 'Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 23-3-83

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 23rd March 1983

Ref. No. A.P. No./4198.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Aug. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- Balbir Singh S/o Shiv Singh R/o V. Dehria Teh. Nakodar, Distt. Jalandhar. (Transferor)
- (2) 1. S/Shri Prem Kumar Khanna S/o Thaker Dass, 279 Adarash Nagar Jalandhar 2. Ramesh Kumar Khanna S/o Thaker Dass, 279, Adarsh Nagar, Jalandhar 3. Ved Bhushan Nayyar Adarsh Nagar, Jalandhar 3. Ved Bhushan Nayyar S/o Baldev Raj, 230, Lajpat Nagar, Jalandhar 4. Smt. Kiran Nayyar W/o Ved Bhushan R/o as above. 5. Sangeeta Arora and 6. Jatinder Mohan Arora S/o Krishan Kumar, 165 New Jawahar Nagar Jalandhar. 7. Joginder Kaur W/o Gurnam Singh, 121 Basti Bawa Kher, Jalandhar 8. Mohinder Singh S/o Jawala Singh, NN-145, Gopal Nagar, Jalandhar. 9. Kuldip Singh S/o Harbhajan Singh, 121 Basti Bawa Khei, Jalandhar. 10. Prem Lata W/o Amariif. NH-38. Neela Mahal Amarjit, NH-38, Neela Mahal, Jalandhar. 11. Harbans Lal Sikka. 12. Madhu Jalandhar. 11. Harbans Lai Sikka. 12. Madinu Sikka W/o Harbans Lai, New Jawahar Nagar, Jalandhar. 13. Karam Singh S/o Atma Singh, NN-145, Gopal Nagar, Jalandhar. 14. Smt. Prem Kanta W/o Subash Chander, 84 Aman Nagar, Jalandhar. 15. Gurcharan Dass Seria S/o Dyal Saran, 150, Urban Estates, Jalandhar. 16. Paramjit Singh S/o Jiwan Dass, 59, Vijay Nagar, Jalandhar. 17. Dinesh Kumar Jain S/o Shanti Parkash, 18. Rajish Kumar Jain S/o Shanti Parakash, R/o 23, Lajpat Nagar, Jalandhar. 19. Shanti Parkash Jain S/o Muni Lal Jain R/o 23, Laipat Nagar, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property)
(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property land 9 Kls. 15 Mls. situated in V. Kingra & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 3197 of August 82, of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 23-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 23rd Merch 1983

Ref. No. A.P. No./4199,-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

transfer with the object of-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beraing No. As per Schedule situated at Maksoodpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Aug. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or ·
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- Shanker Dass S/o Attra through G.A. Joginder Pal R/o V. Balandpur Tehsil Jalandhar. (Transferor)
- (2) Joginder Singh S/o Budh Singh R/o 432-R, Model Town, Jalandhar 2. Jyotl Gandhi S/o M. L. Gandhi and Smt. Lata Malik W/o K. L. Malik R/o 291, New Jawahar Nagar, Jalandhar 4. Romesh Kumar S/o Bhagwan Dass and 5. Mohinder Kumar Chabra S/o Vishan Dass Chabra R/o 15, Shaheed Bhagat Singh Nagar, Jalandhar,

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property) (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 2 Kl. 15 Mls. situated in V. Maksoodpur & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 3206 of August, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 23-3-83

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 23rd Merch 1983

Ref. No. A.P. No./4200 and 4201.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. As per Schedule at Basti Pir Dad situated at

Khan, Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Jalandhar on Aug. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the gurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the sequisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Tara Singh S/o Harnam Singh R/o Basti Pir Dad Khan, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Inder Singh S/o Santa Singh and Kirpal Singh, Mohinder Singh R/o Basti Bawa Khel, Islandhar.

(3) As per S. No. 2 above. (Transferee)

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property land 2 Kls. (each Deed) situated in Basti Plr Dad Khan, Jalandhar & Persons as mentioned in the Registration sale deed Nos. 3243 & 3244 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 23-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 23rd March 1983

Ref. No. A.P. No./4202.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. As per Schedule situated at Schdev Market, Jelandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Jalandhar on Aug. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Paramjit Singh S/o Harnam Singh Mukhtiar Khas Harnam Singh S/o Bur Singh G.A. of Schdev Singh S/o Rajeshwar Singh R/o Schdev Market, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Harvinder Kaur W/o Paramjit Singh R/o Sehdev Market, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property)
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property land 7 Mis. 51 S. ft. situated in Sehdev Market, Jalandhar & Persons as mentioned in the registeration Sale deed No. 3702 of August, 82 of the Registering Authority.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 23-3-83

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE . INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 23rd March 1983

Ref. No. A.P. No./4203.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

bearing No. As per Shedule situated at Schdev Market,

Jalendhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Officer at Jalandhar on Aug. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Karamjit Kaur W/o Sohan Singh R/o Sehdev Market, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Sohan Singh S/o Malkiat Singh R/o Schdev Market, Jalandhar.

(3) As per S. No. 2 above. (Transferee)

\*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to

be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property land 8 Mls. 94 S. ft. situated in Sehdev Market, Jalandhar & Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3791 of August, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 23-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 23rd March 1983

Ref. No. A.P. No./4204.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and

bearing No. As per Schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Jalandhar on Aug. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sad iinstrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Achhar Singh S/o Sunder Singh R/o V. Mithapur Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Prem Paul, Om Parkash and Jyoti Parkash Ss/o Hari Chand R/o W.G. 148, Mohalla Islam Ganj, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property land 2 Kls. 1 Ml. situated in V. Kingra & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 3773 of August, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 23-3-83

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 23rd March 1983

Ref. No. A.P. No./4205.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Shedule situated at V. Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Aug. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the part is has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

50---46GT/83

 Dalbir Singh S/o Joginder Singh through Smt. Darshan Kaur, G.A. R/o V. Gurah Teh. Nakodar Distt. Jalandhar.

(3) As per S. No. 2 above.

(Transferor)

(2) Har Kewal Singh S/o Gurdev Sham Singh R/o E.R. 13, Pucca Bugh, Jalandhar.

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property land 1 K-12 Mls. situated in V. Kingra & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 3641 of August, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 23-3-83

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 23rd March 1983

Ref. No. A.P. No. 4206.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in Aug. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Darshan Kaur Wd/o Joginder Singh through G.A. Paramjit Kaur D/o Joginder Singh R/o V. Gurah, Tehsil Nakodar, Distt. Jalandhar.
- (Transferor)

  (2) 1. Dharam Pal S/o Jagat Ram R/o 466, Mota Singh Nagar, Jalandhar, 2. Rajinder Kaur D/o Buta Singh R/o ER-13, Pucca Bagh, Jalandhar, 3. Sneh Lata Suri W/o Subash Chander Suri, EN-22, Rasta Mohalla, Jalandhar, 4. Poonam Sethi W/o Vijay Kumar Sethi, EJ-258, Chahar Bagh, Jalandhar.
- (3) As per S. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property land 2 K-2 Mls. situated in V. Kingra & persons as mentioned in the registeration sale deed No. 3488 of August, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 23-3-83 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 23rd Morch 1983

Ref. No. A.P. No. 4207.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. as per Schedule situated at V. Khurla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

at Jelandhar in Aug. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Kulbushan S/o Mulkh Raj, Vinod Sumon S/o Ujagar Dass & Sarita Gupta W/o O. P. Gupta and Ram Chand Chhabra S/o Kala Ram C/o State Bank of India, Civil Lines, Jalandhar.
   (Transferor)
- (2) Krishan Lal S/o Paras Ram and Smt. Ginder Kaur W/o Krishan Lal R/o V. Guruh, Tehsil Nakodar, Dist. Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property land 1 K-18 Mls, situated in V. Khurla & persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3358 of August, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Compensent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 23-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 23rd March 1983

Ref. No. A.P. Nos. 4208 and 4209.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per Schedule situated at V. Khurla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in Jalandhar in 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act to the following persons, namely:—

(1) Gurdial Singh & Sawarn Singh Sa/o Samund Singh R/o V. Khurla Teh, Jalandhar,

(Transferor)

(2) M/s Maha Lakshmi Co-Op. House Building Society Ltd., Khurla (Jalandhar) C/o The Jalandhar Marble Co., Nakodar Road, Jalandhar.

(Transferce)

- (3) As per S. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

حرا)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property land area 10 Kls. 3 Mls. and 8 Kls. situated in V. Khurla & persons as mentioned in Registeration sale deed Nos. 3210 & 3209 of August, 1982 respectively of the Registering Authority, Jalandbar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 23\*3-83

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 24th March 1983

Ref. No. A.P. No. 4210.—Whereas, I, L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. as per Schedule situated at Maksoodpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in Aug. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under 'subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Swaran Singh S/o Dalip Singh R/o V. Nagra Tehsil Jalandhar.

(Transferor)

(2) Ram Lal & Harbilas Ss/o Milkhi Ram R/o V. Maksoodpur Teh, Jalandhar.

(Transferce)

- (3) As per S. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property land 1 Kl. situated in V. Maksoodpur & persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3599 of Aug. 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Compentent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 24-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME, TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 24th March 1983

Ref. No. A.P. No. 4211.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

and bearing No. as Scheduled situated at Maksoodpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in Aug. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Swaran Singh S/o Dalip Singh R/o V. Nagra Teh. Jalandhar.
  - (Transferor)
- (2) Chano W/o Charan Singh R/o V. Maksoodpur Teh. Jalandhar.
- (Transferce)
- (3) As per S. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property land 1 Kl. situated in V. Maksoodpur & persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3600 of Aug. 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 24-3-83

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 24th March 1983

Ref. No. A.P. No. 4212.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. as per schedule situated at Maksoodpur

No. as per schedule situated at Maksoodpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in Aug. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Swaran Singh S/o Dalip Singh R/o V. Nagra Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Dilbagh Singh S/o Tara Singh R/o V. Maksoodpur Teh. Jalandhar.

(Transferce)

- (3) As per S. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property lanud 1 Kl. situated in V. Maksoodpur & persons as mentionued in the Registeration sale deed No. 3632 of Aug. 1982 of the Registering, Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 24-3-83

### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVFRNMFN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER

### OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 3rd March 1983

Ref. No. P.R. No. 2105 Acq.23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing S. No. 2, Dungari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach in August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Asmal Muse Ahmad Moti Dungari, Broach.

(Transferor)

(2) Shri Ibrahim Vali Ismali, Opp. Marketing Yard, Jambusar Road, Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The Property at S. No. 2, Dungari, registered in the month of August, 1982 at Broach.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 3-3-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 3rd March 1983

Ref. No. P.R. No. 2106 Acq.23/II/82-83.—Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Rs. No. 454/A/2—Desara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandevi on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income converge moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
51—46GI/83

 Shri Anil Harnam Rastogi, 5/1, Dilsukh, Altament Road, Bombay-400026.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Yashvantrao Randive, Sonal Construction, Billimora—396321.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property at R.S. No. 454/A/2—Desara registered in the month of August, 1982 at Gandevi.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 3-3-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Vijayaben daughter of Kikabhai Pragji,

2 Taraben Arvindbhai Mehta.

Jamnaben Govindji Mehta.
 Arvindbhai Govindji Mehta.
 Moje Dera Shatha Road,
 Tal. Gandexi.

(Transferor)

 Shri Sainath Land Corporation; Billimora.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 3rd March 1983

Ref. No. P.R. No. 2107 Acq.23/II/82-83.—Whereas, I. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 195(P) Desara situated at Billimora

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandevi on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Inian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at S. No. 195, Desara registered in the month, of August 1982 at Gandevi.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 3-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 3rd March 1983

Ref. No. P.R. No. 2108 Acq.23/II/82-83,---Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 284/2, TP No. 48 situated at Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at Navsari on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Navsari.

Navsari.

(Transferee)

(2) President of Pushpam (Apartment) Co-op. Housing Society, Shri Dinubhai Prabhabhai Patel, Marolia, Sanctorium,

Shri Vimal Babubhai Shah, Narayan Lala Housing Society,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the sume meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at S. No. 284/2 Tika No. 48, Navsari, registered in the month of August, 1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Setion 269C of the said At, I hereby initiate proceedings for the acquisition of he aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 3-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 3rd March 1983

Ref. No. P.R. No. 2109 Acq.23/II/82-83.—Whereas, J, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 632, Tika No. 50 situated at Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Navsari on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ((1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Rameshchandra Hiralal Shah, Near Ayurvedik Hospital, Surat

(Transferor)

(2) Shri Bherumal Dolatram Jogiani, Raichand Builders, Station Road, Navsari.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period et 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at S. No. 632, Tika No. 50, Navsari registered in the month of August 1982 at Navsari.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 3-3-1983

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 3rd March 1983

Ref. No. P.R. No. 2110 Acq.23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvement property to the competence of t movable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 2(P) Kaliavadi situated at Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Navsari on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Divadben wd/of Bhikhabhai Chhibabhai
  - Dhirubhai Bhikabhai
     Dhansukhbai Bhikabhai
  - 4. Dahyabhai Bhikabhai their P.A. Holder

Maganbhai Prabhubhai Patel, Chovisi Falia, Kachhiavadi, Tal. Navsari.

(Transferor)

- (2) 1. Bachubhai Paragbai Patel
  - 2. Mithiben Paragbhai Patel
  - At Kadipor, Tal. Navsari.

    3. Chhibubhai Rambhai Patel, At Nagdhara, Tal. Navsari. Suryavadan Maganlal,
  - Navsari,

  - Pravinbhai Rambhai Patel, Kachhavadi, Tal. Navaarl.
     Sukarbhai Dahyabhai Naik, At Kasbapar, Tal. Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# . THE SCHEDULE

Property at Kadiavadi, R.S. No. 2 (P) registered in the month of August 1982 at Navsari,

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad,

Date: 3-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 3rd March 1983

Ref. No. P.R. No. 2111 Acq.23/II/82-83.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 4384, Tika No. 73 situated at Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Navsari on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Mohanbhai Jiyanji Patel
  - Rameshbhai Jivanbhai Patel
     Ishvarbhai Jivanji Patel their P.A. holder Ambaben Jivanji Patel, Kachhiavadi, Tal. Navsari.

(Transferor)

(2) Shri Prakash Kalyanbhai Sanghvi Chairman of Shri Pranay Cooperative Hsg. Society, Kadambary Centre, Station Road, Naysari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at C.S. No. 4384 (P) Tika No. 73 Navsari registered in the month of August 1982 at Navsari.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 3-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 3rd March 1983

Ref. No. P.R. No. 2112 Acq.23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

Nondh No. 1238 Ward No. 3 situated at Golvad, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than differen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Mohanlal Narbheram
   Self & Karta Manager & Guardian of HUF Inderpura, Khatrivad, Surat.

   Ashwin Mohanlal
  - Ashwin Mohanlal Sell and guardian of Minor son Sandeep, Inderpura, Khatrivad, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Bhagvandas Harkishandas Jarivala, Navapura, Bhatnipith, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property  $a_{\rm f}$  Nondh No. 1238, Indarpura, Colvad, Surat registered in the month of August 1982 at Surat.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad,

Date : 3-3-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX; 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 3rd March 1983

Ref. No. P.R. No. 2113 Acq.23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 21, Nav Sarjan Apartment-B.70.4 situated at Wd. No. 2, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Dineshkumar K. Dixit
 Nav Sarjan Apartment Building No. 4,
 Flat No. 21, Sagrampura,
 Surat.

(Transferor)

(2) Shri Sanmukhlal Ranchhoddas Shri Kishor Sanmukhlal Mehta Simple Apartment, C-2-10 Prabhat Colony, TPS-5 Road No. 2 Shanta Cruz, West, Bombay-400055.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Flat No. 21, Navsarjan Apartment—Bldg. No. 4, Sagrampura, registered in the month of August 82 at Sprat.

R. R. SHAH.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 3-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 3rd March 1983

Ref. No. P.R. No. 2114 Acq.23/II/82-83.—Whereas, I. R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 2410, Ward No. 11 situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on August 1982

Surat on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Harmazikhan daughter of Sherali Aga Faizali Saiyad Aga Hasan Saiyad Gulam Hussein Gauharbang Wd/o Saiyad Hasan Saiyad Gulam Hussoin Mohmed Salim Abbas Saiyad Hasan Mahejbin urfe Abbasibegam daughter of Saiyad Hasan Variali Bazar, Kalivad, Surat.

(Transferor)

(2) Ataul Said Abdul Gafar Kanuga-P.A. Holder of

1. Minor Fakruddin Gafar Kanuga 2. Minor Rukhsanabanu Gafar Kanuga

- Minor Mohmed Rafiq Gafar Kanuga
   Minor Mohmed Salim Gafar Kangua
   Minor Mohmed Salid Gafar Kangua

variali Bazar, Kolivad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property at Nondh No. 2310, Ward No. 11 Surat registered in the month of August 1982 at Surat.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely :-52-46GI /83

Date: 3-3-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Jayaben daughter of Dahyabhai Lallubhal Tanmanben daughter of Dahyabhai Lallubhai Haripura, Hat Falia, Surat.

Shri Kantilal Ukaji Shah.

(Transferor) (Transferee)

Haripura, Hat Falia, Surat.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

## OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 3rd March 1983

Ref. No. P.R. No. 2115 Acq.23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 1149, Ward No. 5, Hat Falia situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Surat on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

### THE SCHEDULE-

Property at Nondh No. 1149, Hat Falia, Ward No. 5. Surat registered in the month of August 1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissoner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 3-3-1983 Scal:

# FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Mansukhlal Chhaganlal Sukharamwala Soni Falia, Diwanji Khancho Gopipura, Surat.

(Transferor)

Shri Rajesh Bhikhabhai Thakkar, Vada Chauta, Nagar Sheth Pole, Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 3rd March 1983

P.R. No. 2116 Acq.23/II/82-83.—Whereas, I, Ref. No. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
Nondh No. 1449—Ward No. 1 situated at Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereta),
has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tally extend in the consideration for parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Rushikesh Cooperative H. Society, 6th Floor, Apartment No. 2, Ward No. 1, Surat registered in the month of August 1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3-3-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd March 1983

P.R. No. 2117 Acq.23/II/82-83.--Whereas, I, Ref. No. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said-Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. S. No. 1722, T.P.S. 4 situated at Navagam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri Kantilal Chaturbhai Baroda People's Co-op. H. Society, Baroda

(Transferor)

(2) Chandadevi Ramkumar Manish Nagar, Andheri. Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE .

Property at S. No. 1722, TPS-4, Nehrunagar, registered in in month of August 1982 at Surat.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissoner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date; 3-3-1983

(1) 1. Shri Samukhlal Mangaldas Jarivala 2. Shri Pareshkumar Sanmukhlal Jarivala

(2) 1. Shri Mahesh Manharlal Vakharia

3. Shri Dipakkumar Sanmukhlal Jarivala 4. Shri Shikhubbai Sanmukhlal Jarivala

Shri Rajendra Manharlal vakharia
 Shri Niranjan Manharlal Vakharia
 Shri Ashwin Manharlal Vakharia

Navapura, Kadva Road, Surat.

Shri Shikhubbai Sanmukhlal Jarivala Begampura, Dudhara Sheri, Surat.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd March 1983

Ref. No. P.R. No. 2118 Acq.23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, bearing the Competent Authority under Section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. S. No. 20-3A + 21-2-B(P) situated at Umara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on August 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property at S. No. 20-3- $\Lambda$  + 21-2-B (Paikee) at Umara registered in the month of August 1982 at Surat.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissoner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 3-3-1983

t el ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd March 1983

Ref. No. P.R. No. 2119 Acq.23/II/82-83.—Whereas, I, R, R. SHAH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 237 T.P.S. 5, Umra situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kanaiyalal Bhagvandas Patel, 6-Parag Apartments, Athwa Lines, Surat.
- (2) 1. Kamlaben Ishverlal
   2. Gauriben Jekindas
   Main Road, Sagrampura, Surat.

(Transferor)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at C.S. No. 237 T.P.S. 5, F.P. 79 Sub-Plot 38, Umra, registered in the month of August 1982 at Surat.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 3-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 3rd March 1983

Ref. No. P. R. No. 2120 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 594, Ward No. 6 situated at Surat

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on Aug., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparents consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Nitinkumar Kanaiyalal
  - Sudhirkumar Kanaiyalal 3. Hasumati Wd/o Kanaiyalal Bapulal

  - Fatguniben Kanaiylal
     Nalimiben daughter of Kanaiyalal Girishkumar Vada Pado --Proach.

(Transferor)

(2) 1. Shai Ishve, sinh Rupsinh Atodaria 2. Shri Dilipbhai Ishvarsinh

Laldarvaja, Moti Sheri, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 594 Ward No. 6, Surat registered in the month of Aug. 82 at Surat.

> R. R. SHAII Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 3-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 3rd March 1983

Ref. No. P. R. No. 2121 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 249/5 Gavier village situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on Aug. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Ranchhodbhai Durlabbhai Patel 2. Jerambhai Durlabbhai Patel
  - Dahyabhai Durlabhai Patel
     Vallabhbhai Balabhai Patel
  - Lilaben Govindbhai Patel through their P.A: Holder Sevantilal Kirtilal Parikh Chandra Vihar Apartment, Surat.

(Transferor)

 Shri Dolatrai Gangaram Panchal Champa Vihar Apartment Nanpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Property at S. No. 249 5, Gavier, registered in the month of August, 1982 at Surat.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 3-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 1st March 1983

Ref. No. P. R. No. 2122 Acq 23-II/82-83.—Whereas, J, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 574-A+575 (P) situated at Bhagavada, Valsad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Valsad on Aug. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

53-46GI/83

(1) Shri Gafurbhai Usmanbhai Shaikh Roshanali Pir Dargah, Nana Parsiwad; Valsad.

(Transferor)

(2) Shri Dhansukh Ratilal Gheewala, President of Rachana Bank of Baroda, Co-operative Housing Society, Valsad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property at R.S. No. 574 A+575 (P) Bhagavada registered in August, 1982 at Valsad.

R. R. SHAH.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 1-3-83

Seal;

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 1st March 1983

Ref. No. P. R. No. 2123 Acq 23-II/82-83.--Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
R.S. No. 574-A-1-575 (P) situated at Bhagavada, Valsad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Valsad on Aug. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, hamely:— (1) Shri Gafurbhai Usmanbhai Shaikh Roshanali Pir Dargah, Nana Parsivad, Valsad.

(Transferor)

Shri Uday Jashvant Marjadi, President of Sapna Co-op. Housing Society, Mahatma Gandhi Marg, Valsad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that, Chapter.

# THE SCHEDULE

The property at R.S. No. 574-A+575 (P) Bhagavada registered in the month of August, 1982 at Valsad.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 1-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 1st March 1983

Ref. No. P. R. No. 2124 Acq 23-II/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 574A+575 (P) situated at Bhagavada, Valsad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Valsad on Aug. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conucealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

 Shri Gafur Usmanji Shaikh Roshanali Pir Dargah, Nana Parsivad Valsad.

(2) Shri Shashikant N. Ambani, President of Vidyanagar Society, Tithal Road, Valsad.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official [Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property at R.S. No. 574A+575 (P) Bhagavada registered in the month of August, 1982 at Valsad.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 1-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 10th March 1983

Ref. No. P.R. No. 2125 Acq 23/II/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing R.S. No. 581, Bhagadavada situated at Valsad

R.S. No. 581, Bhagadavada situated at Valsad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Valsad on Aug. 82 for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been rtuly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Somiben Bavabhai Ahir

Bhikhabhai Bavabhai Ahir
 Champaben Bavabhai Ahir

Champaben Bayabhai Ahir
 Savitaben Bayabhai Ahir
 Laxmiben Bayabhai Ahir

 Chhibubhai Bayabhai Ahir Bhagavada, Valsad.

(Transferor's)

 Shrinathji Co. Op. H. Socy. Near Gopa Talav, Tithal Road, Valsad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at S. No. 581, Bhagadyad, registered in the month of August, 1982 at Valsad.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 10-3-83

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 10th March 1983

Ref. No. P.R. No. 2126 Acq 23/II/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 200, Tithal situated at Valsad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Valsad on Aug. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Manekbhai Atmaram Vashwani—self & Karta of HUF
Shri Rameshbhai Atmaram Vashwani
Smt. Hasumatiben Himatlal Shah
Smt. Vamitaben Mansukhlal Shah
Opp: Telephone Exchange, Valsad
Shri Satish Ishverlal Kapadia, Self & Karta of HUF
Nani Mehtavad, Valsad.

(Transferor's)

(2) Shri Prabhudas Gumanmal Gangnani self & Karta of HUF Shilaben Prabhudas Ganganani Nandkumar Prabhudas Ganganani Billimora.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at S. No. 200, Tithal, Valsad registered in the month of August, 1982 at Valsad.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 10-3-83

Soal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 10th March 1983

Ref. No. P.R. No. 2127 Acq 23/II/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 200, Tithal situated at Valsad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Valsad on Aug. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Manekbhai Atmaram Vashwani—self & Karta of HUF
Shri Rameshbhai Atmaram Vashwani
Smt. Hasumatiben Himatlal Shah
Smt. Vamitaben Mansukhlal Shah
Opp: Telephone Exchange, Valsad
Shri Satish Ishverlal Kapadia, Self & Karta of HUF
Nani Mehtavad, Valsad.

(Transferor)

 Revaben Chhaganlal Patel, Behind Khatrivad, Valsad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at S. No. 200, Tithal, Valsad registered in the month of August, 1982 at Valsad.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-3-83

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 10th March 1983

Ref. No. P.R. No. 2128 Acq 23/II/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 200, Tithal situated at Valsad

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Valsad on Aug. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Manekbhai Atmaram Vashwani—self & Karta of HUF
Shri Rameshbhai Atmaram Vashwani
Smt. Hasumatiben Himatlal Shah
Smt. Vamitaben Mansukhlal Shah
Opp: Telephone Exchange, Valsad
Shri Satish Ishverlal Kapadia, Self & Karta of HUF
Nani Mehtavad, Valsad.

(Transferor)

(2) Manharlal Ishwarlal Pastagia Navinchandra Ishwarlal Pastagia Ashokkumar Ishwarlal Pastagia Surendra Ishwarlal Pastagia Dashrathkumar Ishwarlal Pastagia Azad Chawk, Valsad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at S. No. 200, Tithal, Valsad registered in the month of August, 1982 at Valsad.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 10-3-83

# FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# FFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME, TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 10th March 1983

Ref. No. P.R. No. 2129 Acq 23/II/82-83.—Whereas, I.R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 11/1-A, Vejalpur situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Broach on Aug. 82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cept of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Bai Sakina Wd/o Haji Musa Mohmad
  - 2. Aminaben Musa Mohmad 3. Jamilaben Musa Mohmad
  - 4. Abdul Hak Musa Mohmad
  - Mohmad Kasim Musa Mohmad
     Abdul Faxal Musa Mohmad Vejalpur, Civil Lines, Broach.

(Transferor's)

 Shri Daud Mohmad Patel at Kamboli Tal: Broach.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property at S. No. 11/1-A, Vejalpur, registered in the month of August, 1982 at Broach.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 10-3-83

NOCTICE UNDER SECTION 296D OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 14th March 1983

Ref. No. P.R. No. 2130 Acq 23/JI/82-83.—Whereas, J. R. R. SHAH,

k. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000. and bearing No.

Nondh No. 3374 Ward No. 1 situated at Gopipura, Surat (and more fully described in he Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on Aug 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:— 54—46GI/83

(1) Shri Kirtilal Popatlal Shah, 2nd Floor, Nautam Apartment, Diwali Bag, Surat.

Transferor

(2) 1. Laxmiben urfe Shantiben Kikabhai

2. Manjulaben Vasantlal

Champaben Babubhai Badekhan Chakla, Dhingali, Falia, Surat.

Transferee

(3) 1. Balvantsinh Kamalsinh Jogia 2. Harshadrai Kamalsinh Jogia

Yashavant Kamalsinh Jogia. Nondh No. 3374, Kaji Medan, Gopipura, Surat.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property at Nondh No. 3374, Ward No. 1, Kaji Medan, Gopipura, formerly known as 'Vishal Building' registered in the month of Aug. 82 at Surat.

R. R. SHAH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 14-3-83

Scal:

()1 Shri Shivdasbhai Kanjibhai Patel, 17/A, Ram Nivas Matanga, Bombay-400 019.

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Chitranjan Somabhai Patel
 Shri Ghelabhai P, Patel

(2) 1. Shri Rambhai Hemraj Ratnani

Krishna Kunj Socy, Surat. Shri Manoher Gogalkrishna Trikanand Prakash Society,

Transferee(s)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 14th March 1983

Ref. No. P.R. No. 2131 Acq 23/II/82-83.—Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tox Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot B (P) 129A & B situated at Udhna Udyognagar, Udhna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on Aug 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHFDULE

The property at Plot B(P) 129A & B, Udhna Udyognagar Sahkari Sang, registered in the month of August, 1982 at Surat.

> R. R. SHAH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely ; .

Date: 14-3-83

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-389 009.

Ahmedabad-380 009, the 14th March 1983

Ref. No. P.R. No. 2132 Acq 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Nondh No. 1225 B, situated at Nanpura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on Aug 1982

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
  - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Jal Faredun Lafa,—self & P.A. Holder of Nashir Faredun Lafa,

 Manekji Street, Nanpura, Surat.

Transferor(s)

(2) 1. Ilaxiben Naginbhai Itwala
Gita Apartment, 7th Floor, Block No. 7-B

Palia Mahollo, Nanpura, Surat.

2. Hemlataberi Prakashbhai Intwalabehind Sachin House, Navsari Bazar, Sagrampura, Surat.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 1225-B, Manekji Street, Nanpura, registered in the month of Aug. 82 at Surat.

R. R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I - AHMEDABAD

Date: 14-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 14th March 1983

Ref. No. P.R. No. 2133 Acq 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Nondh No. 1733 Soni Falia, situated at Ward No. 16, Surat (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on Aug 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability fof the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons. namely:—

- Smt. Nandagauri Ambalal Trivedi
   Smt. Hemlata Hasmukhlal Patel
   Minaxiben Ambalal Trivedi urfe
  - Minaxiben Ambalal Trivedi urfe Minaxiben Sudhirkumar Oza, Soni Falia, Surat.

Transferor(s)

(2) Chairman of Annie Besant Apartment Co-op. Hsg. Socy. Shri Prfavinchandra Manilal Patel, Shri Tushar Rameshchandra Desai 4-Navechetan Apartment, Por Mahallo. Nanpura, Surat.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 1737, Ward No. 10, 'Annie Besant Apartment Co-op. Hsg. Socy. registered in the month of August, 1982 at Surat.

R. R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 14-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ambalal Shanabhai Patel, Anand.

Transferor

(2) Shri Umedbhai Harmanbhai Patel. Village: Salun, Tal: Nadiad. .

Transferee

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II · 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009 the 3rd March 1983

Ref. No. P.R. No. 2134 Acq 23/II/82-83.—Whereas, I.

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

T.P.S. No. 3, F.P. 515 situated at Anand (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 5-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land adm. 827 sq. mt. at TPS 3 FP No. 515, Document of transfer regd. vide S.R. Anand under No. 3110/5-8-82.

R. R. SHAH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dt: 3-3-83 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380'009,

Ahmedabad-380 009 the 3rd March 1983

Ref. No. P.R. No. 2135 Acq 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 532/73B. Plot No. 72/1 situated at Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 17-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Krishnakant Jayantilal Patel partner of Swastik Land & Corporation Vadi, Chheli Pole, Baroda.

 Jyotiben Manharlal Patel, P.A. Holder Harendra Shantilal Patel Vadi, Chheli Pole, Baroda.

Transferor's

(2) Smt. Vinaben Bhupendra Panchal Swastik Apartment, Vishvas Colony, Alkapuri, Baroda.

Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any or the alexander persons which a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given up that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat at Alkapuri S. No. 532/73B Plot No. 72/1 adm. 1022 sq. ft. Document of transfer registered with S.R. Baroda under No. 2574/17-8-82.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dt: 3-3-83. Seal:

# FORM TINS ----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX. ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AEMEDABAD-380 009,

Ahmedabad-380 009, the 14th March 1983

Ref. No. P.R. No. 2136 Acq  $23/\Pi/82-83$ .—Wheeras, I, R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 122/22 situated at Jetalpur (Baroda) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 13-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforecald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income, arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kalavatiben Girishbhai Patel 19, Sampatrao Colony, Baroda-5.

Transferor(s)

(2) Shri Manhaibhai S. Barot, C/o Avanti Builders A-14, Laghu Udyog Kendra, 1.B. Patel Road, Goregaon-Bombay-63.

Transferce(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land & Bidg. at Jetalpur (Baroda) S. No. 122/2. Document of transfer regd. with S.R. Baroda under No. 2840/13-8-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II. AHMEDABAD

Date: 14-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 3rd March 1983

Ref. No. P.R. No. 2137 Acq 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 36/2 Plot No. 26 situated at Akota (Baroda)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Baroda on 17-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' is the following persons, namely:—

I. Indukumar Dadubhai Patel
 Smt. Prafulaben Indukumar Patel
 C/o Shri Navnitlal Ambatal Patel,
 Indiranagar
 Opp : Arunodaya Society,
 Baroda.

Transferor(s)

 Shri Pravinbhai Manilal Solanki
 Smt. Jayaben Manilal Solanki Meghdoot Socy., Karelibaug, Baroda.

Transferce(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land adm. 428 sq. mtr. at Akota bearing S. No. 36/2 Plot No. 26. Document of transfer regd. with S.R. Baroda under No. 5333/17-8-82.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II AHMEDABAD

Dtae : 3-3-83 Seal :

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 260-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 3rd March 1983

Ref. No. P.R. No. 2138 Acq 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,0000/-and bearing

S. No. 638 situated at Nadiad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nadiad on 24-25/8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

55—46GI/83

 Shri Pitamberdas Jagjivandas Dalwadl Dumral Bazar, Kadiavad. Nadiad.

Transferor(s)

(2) Shri Ashvinbhai Chhotabhai Patel, Partner of Om Cold Storage & Ice Plant, Chhaklashi, Tal: Nadiad.

Transferce(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given

#### THE SCHEDULE

Land at Nadiad S. No. 638 adm, 9106 sq. mtr. Document of transfer regd, with S.R. Nadiad under Nos. 7107 and 7113 Dt. 24, 25/8-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Rauge-II AHMEDABAD

Date: 3-3-83

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 3rd March 1983

Ref. No. P.R. No. 2139 Acq 23/II/82-83.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 2798 situated at Nadiad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadiad on 7-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Bhupendrabhai Bhikhabhai Patel, Samdi Chakla, NADIAD.

Transferor(s)

(2) Shri Vasanthumar Kashibhai Patel Divya Jyot Co-op. Hsg. Socy. Ltd. Chairman, Nadiad.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at Nadiad S. No. 2798, adm. A 2 G.29. Document of transfer regd, with S.R. Nadiad under Nos. 6395, 6396 and 6397 Dt. 7-8-82.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II. AHMEDABAD

Date: 3-3-83

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT; 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 14th March 1983

Ref. No. P.R. No. 2140 Acq 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 238 situated at Kadi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the registering Officer at

Kadi on 24-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I. have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) 1. Bapubhai Devraj Vaghri 2. Dalsukhbhai Devraj Vag

Vaghri

Shantibhai Devraj Vaghri
 Ranchhodlal Devraj Vaghri
 Bababhai Devraj Varghi
 Smt. Jadiben Becharbhai Gaghari Vaghrivas Kadi, Tal: Kadi.

Transferor(s)

(2) Amikunj Co-op. Hsg. Socy. (Proposed) C/o Shri Babulal Ambalal Patel, Kundal, Tal: Kadi.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

# THE SCHEDULE

Land at Kadi S. No. 238 adm. 10625 sq. mtr. Document of transfer regd, with S.R. Kadi under No. 1324 dt. 24-8-82.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II AHMEDABAD

Date: 14-3-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 14th March 1983

Ref. No. P.R. No. 2141 Acq 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing S. No. 238 situated at Kadi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kadi on 24-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- Bapubhai Devrai Vaghari
  - Shantubhai Devraj Vaghari
  - Ranchhodbhai Devraj Vaghari
     Ranchhodbhai Devraj Varghari
  - Bababhai Devraj Varghi
     Bababhai Devraj Vaghari
  - 6. Smt. Jadiben Becharbdai Vaghari Vaghrıvas, Kadi, Tal. Mehsana.

Transferor(s)

(2) M/s Gajjar & Patel Associates Kadi, Dist: Mehsana.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at Kadi S. No. 238 adm. 5969 sq. mt. Document of transfer regd. with S.R. Kadi under No. 1323 dt: 24-8-82.

R. R. SHAH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II AHMEDABAD

Date: 14-3-83

# FORM 1.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th March 1983

Ref. No. P.R. No. 2142 Acq.23/II/82-83.—Whereas, I, R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Page 25 (100), and bearing

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 137/1, 139/1, 138 & 141/2 situated at Koba (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar on 17-8-1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Smt. Shantaben Narbhavandas 2. Smt. Kokilaben Narbhavandas 3. Smt. Vijayaben Narbhavandas

Smt. Savitaben Narbhavandas
 Smt. Silaben Narbhavandas
 Koba, Tal; & Dist. Gandhinagar.

(Transferor)

(2) Krishna Kamal Co.op. Hsg. Socy. Ltd. Chairman, Rameshchandra Ishverlal C/o Navjoyt Bricks Mnfg. Co. Nava Vadai, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at Koba bearing S. No. 137/-, 139/1, 138 and 141/2. Document of transfer regd. with S.R. Gandhinagar under No. 1656 dt. 17-8-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 26-3-1983

FORM I.T.N.S.-

·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th March 1983

Ref. No. P.R. No. 2143 Acq.23/H/82-83.--Whereas, I, R. SHAH

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 38 situated at Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 3-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rameshchandra Tribhovandas Shah, Modi Khana, Kadia Khadki,
- (2) Smt. Ushaben Janakkumar Shah, Sardarnagar, Baroda.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land & Bldg at S. No. 38 of Baroda adm. 67 sq. yd. land and four storied bldg. on it. Document of transfer regd. with S.R. Baroda under No. 5071 dt. 3-8-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 26-3-1983

#### FORM 1.T.N.S.~

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th March 1983

Ref. No. P.R. No. 2379 Acq.23/I/82-83,—Whereas, J, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 3, CS No. 3658 situated at Janta Gimming Factory, Dhangadhara, Dist. S'nagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhangara on August, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as ragreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namley:—

 Shri Mulshanker Mohaniai Dave, 16, Shrimali Soey, Near Stadium, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Kailash Co. op. Hsg. Socy C/o Bharat Petrol Pump, Station Road, Dhreagadhar, Dist. Surendranagar.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land adm. 4621.47 sq. mtr., situated at Dhangadhara Dist. Surendranagar, duly registered by S.R. Dhangadhara vide Sale-deed R. No. 1316/Aug. 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 5-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th March 1983

Ref. No. P.R. No. 2380 Acq.23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. A/7 situated at Adinath Aptt. @ Radha Krishna Road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raikot on 21-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Chitaliya Const. Co.

@ Commercial Chamber,
Para Bazar, Rajkot.

(Transferor

(2) Smt. Hiralaxmi Gautamlal Mehta, Flat No. A/7, Adinath Apartment, Radhakrishna Road, College Wadi, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. A/7 adm. 1.34 sq. mt. of Adinath Apartment, situated at Collegewadi, Rajkot, duly registered by S.R. Rajkot víde sale-deed No. 5673/21-8-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-J
Ahmedabad

Date: 5-3-1983

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd March 1983

Ref. No. P.R. No. 2381 Acq.23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-S. No. 104-1 paiki Hissa No. paiki Peta Plot No. 4 adm. 509 sq. yd. situated at the sim of Memnagar city Tal. Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 16-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
56—46GI/83

 Shri Mineshbhai Champaklal Shab, through his Power of Attorney Holder Shri Anandprakash Nathalal Mehta, 42, Swastik Society, Navrangpura, Ahmedabad

(Transferor)

(2) Anaudshiv Co. op. Hsg. Socy. through its promotors,
1. Shri Ashokkumar Prabladbhai Patel,

 Shri Ashokkumar Prabladbhai Patel, Akashganga Society, Wadaj, Ahmedabad. &
 Shri Dipakkumar Dahyabhai Patel,

 Shri Dipakkumar Dahyabhai Patel, Ashokwatika, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. No. 12048 dt. the 16-8-1982 by S.R. Ahmedabad.

R. R. SHAF
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Ahmedabad

Date: 23-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd March 1983

Ref. No. P.R. No. 2382 Acq.23/1/82-83.--Whereas, I, R. R. SHAH.

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 46 Hissa No. 2 of Thaltej Sim adm. 607.44 sq. yd. situated at Memnagar T.P. No. 2, FP No. 18A paiki Tal. Dascroi, Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Veenaben Prafulchandra, Vimal Prakash Society, near Stadium, Ahmedabad.

('Transferor')

 New Shashwat Co. op. Hsg. Socy. Ltd. Chairman Jitendra Ravjibhai Patel, 11, Harsidh Chambers, 1st Floor, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. No. 12126 dt. the 18-8-82 by S.R. Ahmedabad.

R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 23-3-1983

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd March 1983

Ref. No. P.R. No. 2383 Acq.23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
S. No. 104-1 paiki Hissa No. 2 paiki peta No. 3 adm, 509
sq. yd. situated at the sim of Memnagar, Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed herelo),
has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 16-8-1982 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Neenaben Champaklal Patel, through her Power of Attorney Holder Shri Anandprakash Nathalal Mehta, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Anandshiv Co. op. Hsg. Socy.

through its promotors,

1. Shri Ashokkumar Prahladbhai Patel,
Akashganga Society,
Wadai Ahmedahad

Wadaj, Ahmedabad.
2. Shri Dipakkumar Dahyabhai Patel, Ashokwatika, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property registered vide sale deed R. No. 12057 dated the 16-8-1982 by S.R. Ahmedabad.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 23-3-1983

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd March 1983

Ref. No. P.R. No. 2384 Acq.23/1/82-83.—Whereas, I, R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

S. No. 104-1 paiki Hissa No. 2 paiki peta plot No. 5 adm 509 sq. yd. sltuated at the sim of Memnagar City Tal: Dist: Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Ahmedabad on 16-8-82

S. R. Ahmedabad on 16-8-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument  $\phi$  transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Rectaben Champaklal Shah through his Power of Attorney Holder Shri Anandprakash Nathalal Mehta, 42, Swastik Society, Navrangpura, Ahmedabad,

(Transferor)

(2) Anandshiv Co. op. Hsg. Socy.

through its promotors,

1. Shri Ashokkumar Prahladbhai Patel,
Akashganga Society,

Wadaj, Ahmedabad.
2. Shri Dipakkumar Dahyabhai Patel, Ashokwatika, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. No. 12056 dt. the 16-8-1982 by S.R. Ahmedabad.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date 23-3-1983

(1) Shri Gordhanbhai Chandubhai Patel, 674/3/4, Venidasno Mohallo, Old Asarwa, Ahmedabad,

(Transferor)

(2) Shri Motilal Vaktavarmalji Jain, Chirag Apartment, Shahibaug, Camp Road, Ahmedabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD **AHMEDABAD-380 009** 

Ahmedabad-380 009, the 23rd March 1983

Ref. No. P.R. No. 2385 Acq.23/1/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. F.11, 1st floor, B-Type adm. 90 sq. yd. situated at Chirag Apartment, Camp Road, Shahibaug, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Ahmedabad on 2-8-1982 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. No. 11363 dt. the 2-8-1982 by S.R. Ahmedabad.

R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 23-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT, OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD **AHMEDABAD-380 009** 

Ahmedabad-380 009, the 23rd March 1983

Ref. No. P.R. No. 2386 Acq.23/1/82-83.-Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 551 Plot No. 3 & 4 paiki 1/2 hissa adm, 6095 sq. yd. land situated at the sim of Wadaj Dist: Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hercio), has been transferred under the Registration A 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer S.R. Ahmedabad on 3-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrì Avinash Shivkumar Shastri. Shah Colony, Shahpur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Pravinchandra Bhagwatlal Patel, Chairman, Devalaya Apartment Owners Association, Subhashbridge, Sabarmati, Keshavnagar, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. No. 11418 dt. the 3-8-1982 by S.R. Ahmedabad.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date: 23-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009 Ahmedabad-380 009, the 23rd March 1983

Ref. No. P.R. No. 2387 Acq.23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. Nos. 364-1 & 364-2 paiki 28856 sq. mtr. land situated at Sajipur Bogha, Ahmedabad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Ahmedabad on 3-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Prahladbhai Kubderdas Mody, Kubee Nivar, Raikhand, Ahmedabad.
- (2) Shri Jitendra Amritlal Shah, 103, Krishnanagar, Saijpur Bogha, Ahmedabad.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period, expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property registered vide sale deed R. Nos. 11518, 11519, 11520, 11521, 11522, 11523, 11530, 11531, 11532, 11533, 11534, 11524, 11525, 11526, 11527, 11528 & 11529 all dated the 3-8-1982 at S.R. Ahmedabad.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-J
Ahmedabad

Date: 23-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd March 1983

Ref. No. P.R. No. 2388 Acq.23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. Nos. 281. 282, 283. 284, 301, 302, 304-1, 304-2, 305-1, 305-2 & 360 paiki 16279 mtr. situated at thesim of Odhay City Tal. Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Ahmedabad on 5-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Smt. Ramiben
 W/o Shri Lakhabhai Malabhai
 Odhav City Tal, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Rajiv Park Odhav Co.op. Hsg. Socy. Ltd. Chairman Shri Ketan, B. Shah, 53-62, Karmacharinagar, Ghatlodia, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property registered vide sale deed R. No. 11572 dt. the : 5-8-82 by S.R. Ahmedabad.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 23-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 23rd March 1983

Ref. No. P. R. No. 2389 Acq 23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

K. K. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imimmovable property having a tair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. Nos. 281, 282, 283, 284, 301, 302, 304-1, 304-2, 305-1, 305-2 & 360 situated at the sim of Adhav City Tal. Dist: Ahmedahad

Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 5-8-82

Annedabad on 5-8-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :— 57—46GI/83

(1) Smt. Ramiben W/o Lakhabhai Malabhai Odhav Tal: City. Dist: Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Manubhai. H. Shah, 15, Swetambernagar, Paliadnagar, Naranpura. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property registered vide sale deed R. No. 11577 dt: 5-8-82 by S. R. Ahmedabad.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 23-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 23rd March 1983

Ref. No. P. R. No. 2390 Acq.-23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

k. k. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. Nos. 281, 282, 283, 284, 301, 302, 304-1, 304-2, 305-1, 305-2, & 360 paiki 16873 sq. mtr. situated at the slm of Odhav City. Tal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Ahmedabad on 5-8-82

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Smt. Ramiben W/o Lakhabhai Malabhai Odhav City Tal. Dist: Ahmedabad.

(Transferor) (2) Surajbaug Odhav Co. op. Hsg. Scoy. Ltd.

C/o Chairman, Shri Vinod K. Shah, 37, Sarvodaya Nagar Society, Shahpur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propermay be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal lhave the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property registered vide sale deed R. No. 11572 dt: the 5-8-82 by S. R. Ahmedabad.

R. R. SHAH

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 23-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 23rd March 1983

Ref. No. P. R. No. 2391 Acq23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

S. Nos. 281, 282, 283, 284, 301, 302, 304-1, 304-2, 305-1, 305-2 & 360 paiki 16447 sq. mtr. situated at the sim of Odhav. City Tal: Dist: Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Ahmedabad on 5-8-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Ramiben W/o Lakhabhai Malabhai, Odhav City Tal;
 Dist; Ahemedabad.

(Transferor)

(2) Mani Laxminagar Odhav Co. op. Hsg. Socy. Ltd. C/o Chairman, Shri Ramesh. S. Amin, 7, Ambikadevi Socy. Nava-vadaj Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property registered vide sale deed R. No. 11573 dt: the 5-8-82 by S. R. Ahmedabad.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 23-3-1983

Scal:

j

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 23rd March 1983

Ref. No. P. R. No. 2392 Acq23/1/82-83.--Whereas, 1, R. R. SHAH,

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imimmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
S. Nos. 281, 282, 283, 284, 301, 302, 304-1, 304-2, 305 & 360 paiki 32938 sq. mtr. situated at the sim of Odhav City, Tal. Dist: Ahmedabad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Ahmedabad on 5-8-82

S. R. Ahmedabad on 5-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Smt. Ramiben W/o Lakhabhai Malabhai, Odhav City Tal. Dist: Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Arihantbaug Odhav Co. op. Hsg. Socy. Ltd. Chairman Shri Deepak Budhabhai Shah, Aka-Sheth Kuva's Pole, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property registered vide sale deed R. No. 11574 dt: the 5-8-82 by S. R. Ahmedabad.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 23-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-L

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 23rd March 1983

Ref., No. P. R. No. 2393 Acq23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the

to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing D. Nos. 281, 282, 283, 284, 301, 302, 304-1, 304-2, 305-1, 305-2 of 360 paiki 19620 sq. yd. situated at the sim of Odhav city Tal. Dist: Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Ahmedabad on 5-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any facome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Smt. Ramiben W/o Lakhabhai Malabhai Odhav City Tal. Dist: Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Indirapark Odhav Co. op. Hsg. Socy. Ltd. Chairman. Shri Arvindbhai Keshavlal Desai, 14, Urmi Jyot Society, Nara pura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property registered vide sale deed R. No. 11576 Dt: the 5-8-82 by S. R. Ahmedabad.

R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 23-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 23rd March 1983

Ref. No. P. R. No. 2394 Acq 23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovcable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No<sub>3</sub>. 281, 282, 283, 284, 301, 302, 304-1, 304-2, 305-1, 305-2 & 360 paiki 16783 sq. mtr. situated at the sim of Odhav City Tal: & Dist: Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 5-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Ramiben W/f
 Lakhabhai Malabhai,
 Odhav City.
 Tal: & Dist: Ahmedabad,

(Transferor)

(2) Nehal Park Odhav Co. op. Hst. Socy. Ltd. Chairman, Shri Ajay, J. Patel, 111, Manckbaug Society, Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferee)

-Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property regd. vide sale-deed R. No. 11575 dt: the 5-8-82 by S. R. Ahmedabad.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 23-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 23rd March 1983

Ref. No. P. R. No. 2395 Asq 23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 281,282, 283, 284, 301, 302, 304-1, 304-2, 305-1, 305-2 & 360 paiki 26525.20 sq. mtr. i.e. 31829 sq. yd. situated at sim of Odhav City, Tal. & Dist: Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Ahmedabad on 5-8-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have season to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Ramiben W/o Lakhabhai Malabhai Odhav City Tal. & Dist: Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Nishith Park Co. op. Hsg. Socy. Ltd. Chairman, Shri Mahesh. P. Patel, Akasheth Kuwa's Pole, Raipur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property registered vide sale deed R. No. 11578 Dt: the 5-8-82 by S. R. Ahmedabad.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Ahmedabad

Date: 23-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 23rd March 1983

Ref. No. P. R. 2396 Acq 23/1/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

T. P. S. 3 F. P. No. 440 paiki S. P. No. 1 adm. 2234.13 sq. yd. Changezpura, City Tal. Dist: Ahmedabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeing Officer at

Ahmedabad on 7-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- Shri Chandravada, H. Shodhan

- Shri Kudip. C. Shodhan Shri Chirag. C. Shodhan Shri Jyotindra. H. Shodhan
- Shri Gokul Jyotindra Shodhan Shri Rashenkumar, H. Shodhan
- Shri Parag, Roshankumar Shodhan Panchyati, behind Gujarat College, near Panchvati a artment, Ambayadi. Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Naimesh Park Owners Association, Chairman,
- Shri Amrish Karanshi Parmar, Relief Cinema, Relief Road, Ahmedabad.
- Shri Narendra Ratilal Patel, Bhuderpura, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property registered vide sale deed R. No. 11509 dt: the 7-8-82 by S. R. Ahmedabad.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 23-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM I
AHMEDABAD ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, the 28th March 1983

Ref. No. P. R. 2397 Acq 23ffII/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

Land adm. 300 sq. yd. of S. No. 29/2 TPS No. 6 situated at FP No. 55 at the sim of Vasna Ahmedabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Ahmedabad on 2-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

8--46G1/83

- 1. Smt. Kusumben Shantilal
- Kiritkumar Shantilal
- Smt. Pratimaben Shastilal Pankajkumar Shantilal Smt. Purnimaben Shantilal
- all residing at Shantiniketan Society, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Roshni Shopping Centre Owners Association, Paldi, Abmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the activisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

# THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. Nos. 11356 dt: the 2-8-82, 11351 dt: the 2-8-82 & 11360 dt: the 2-8-82 by S. R. Ahmedabad.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 28-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 26th March 1983

Ref. No. P. R. No. 2398 Acq 23/I/82-83.--Wheeras, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. Nos. 371-1, 371-2 & 371-3 of Saijpur Bogha paiki land adm. 3430, 1533 & 1785 sq. yd. land at Saijpur Bogha,

Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Ahmedabad on 10-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have season to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, semoly:--

(1) Shri Nareshchandra Prahladbhai Modv. Kubed Niwas, Raikhad, Ahmedabad.

(Transferor.)

(2) Vishwas Co. op. Hsg. Socy. Ltd., Chairman, Shri Umesh Vidurbhai Amin, Moti Haman's Pole, Gheekanta, Ahmedabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. No's 11885, 11887 & 11888 Dt: the 10-8-82 by S. R. Ahmedabad.

R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 26-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 26th March 1983

Ref. No. P. R. No. 2399 Acq 23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. Nos. 369-2 & 369-5 of Saijpur Bogha property situated at behind land adm. 1 A & 35 G i.e. 9075 sq. yd. at Saijpur Bogha Diet: Ahmedwhod

Bogha Dist: Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Ahmedabad on 10-8-82

S, R. Annedabad on 10-8-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

L.w, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Prahladbhai Kuberdas Mody Kuber Niwas Raikhad, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Chintan Nagar Co, op. Hsg. Socy. Ltd. Chairman Shri Dilip Chandubhai Patel, at Naranpura Village, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. Nos. 11893 dt: the 10-8-82, 11892 dt: the 10-8-82, 11891 dt: the 10-8-82, 11882 dt: the 10-8-82 & 11890 dt: 10-8-82 by S. R. Ahmedabad,

R. R. SHAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 26-3-1983

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 26th March 1983

Ref. No. P. R. No. 2400 Acq 23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Ward No. 7 Tay No. 223 sanand No. 2051 paiki situated at Plot No. 25 Block B, Kalubha Road, Govt. Servant Socy. Bhaynagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 16-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vanechand Premchand Malania,
 D. D. O. Bunglow, Opp: Pir Durgrh Nanpura Chopati, Athwa Lines, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Bhartiben Niranjanbhai Dhruv, 25, Government Servant Society, Behind Kalubha Saheb's Bungalow, Kalubha Road, Bbaynagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. No. 1925 dt: the 16-8-82 by S. R. Bhavnagar.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 26-3-1983

 (1) Shri Ramjibhai Bhagwanjibhai Patel, Dhola, Dist: Bhaynagar.

(2) Shri Narendrakumar, V. Mehta, Sai Darshan, 6th Floor, Sardar Vallabhai Road, Santacruz (West), Bombay-58.

(Transferor)

2. Shri Muljibhai Ranchhodbhai Patel, Piparia, Tal:
Sihor.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 26th March 1983

Ref. No. P. R. No. 2401/Acq-23/I/82-83.—Whereas, 1, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 5 S. No. 1775/C, Plot No. 2643 being land near Prabhudas Lake, North Krishna Nagar, Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhavnagar on 2-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by most than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. No. 2195 dt. the 2-8-1982 by S. R. Bhavnagar.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acqusiition Range-I, Ahmedabad

Date: 26-3-1983

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 26th March 1983

Ref. No. P. R. No. 2402/Acq-23/1/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

T.P.S. No. 6 F.P No. 539 adm. 879 sq. yd. land & buitl up area being 409 sq. yd. situated at Paldi, A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at A'bad on 7-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ashwinkumar, G. Desai, Nutan Society, Behind Suvidha Commercial Centre, Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Geet Govind Apartments Owners Association, Reg. No. £ 753 dt: 21-4-1982 C/o Secretary, Shri Hemantkumar Shyamsunder, 16, Vasantkunj Society, Sahjivani Marg, Paldi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. No. 6611 dt: the 7-8-1982 by S. R. A'bad.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acqusiition Range-I, Ahmedabad

Date: 26-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 26th March 1983

Ref. No. P. R. No. 2403 Acq. 23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act'), have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding 3s. 25,000/- and bearing

Flat No. 1, 1st Floor, Sariu Co.op. Hsg. Socy. Ltd. Mitha-khari, Near Six rasta, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 5. R. A'bad on 24-8-1982

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between he parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilifating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Smt. Pushpaben Kantilal Mehta, C/o Shri K. N. Mehta, Vashista Bldg. Tilak Road, Rajmarg, Ghatkopar, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Jaynarayan Nndrajmal Agrawal, 1. Sariu Flat, Mithakhali, Near Six Rasta. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. No. 12497 dt: the 24-8-1982 by S. R. A'bad.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqusition Range-I, Abmedabad

Date: 26-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 26th March 1983

Ref. No. P. R. No. 2404-Acq-23/I/82-83,—Whereas. I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 8 paiki F.P. No. 29 of North side 800 sq. yd. paiki 500 sq. yd. situated at the sim of Thaltej Tal: Dascoi, at Bhaikaka Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. A'bad on 27-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vikram Ladho Gangwanl, Block No. 456.
 A-Sardarnagar, Post Sindhi Colony, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Parmukhlal Shakralal Padshah, 32, Saw Mill Society, Near Swaminarayan Gurukul, Drive-in-road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property registered vide S. R. No. 12654 dt: the 27-8-82 by S. R. Ahmedabad.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 26-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 26th March 1983

Ref. No. P. R. No. 2405-Acq 23/I/82-83.—Whereas, I. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing T.P.S. No. 3.F.P. No. 926-1 S. P. No. 1A adm. 668 sq. yd. situated at Moje Paldi, taluka Ctiy Dist: A'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1998 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 31-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
59—46GI/83

1. (1) Shri Mukundbhai Trikamlal Marfatia,

(2) Smt. Sadguna Mukundbhai,(3) Smt. Chintan Mukundbhai,

(4) Shri Rahat Mukundbhai, (5) Shri Apurva Mukundbhai,

(5) Shri Apurva Mukundbhai, 26. Parekh Building, 2nd Floor, Valkeshvar Road, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Parvin, V. Shah, President, Shubhada Apartments Owner's Association, 7/10, Godavarinagar, Vasha, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property registeded vide sale-deed R. No. 12850 dt: the 31-8-1982 by S. R. A'bad.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acqusiition Range-I, Ahmedabad

Date: 26-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 28th March 1983

Ref. No. P. R. No. 2406-Acq-23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TPS 19, FP No. 148, SP No. 19 a flat adm. 123 sq. yd. situated at Memagar, Mohan Apartments, A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. A'bad on 10-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Prabha Trading Company, 32, Harivallabh Society, Naroda, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Kusumben Kumudehandra Parikh,6, Mohan Apartments,Memnagar, Ahmedabad.

(Transfered)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. No. 11863 dt: the 10-8-1982 by S. R. A'bad.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 28-3-1983

 Prabha Trading Company, R.F. 32, Harivallabh Society, Naroda, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Arunaben Fulabhai Patel, 3, Mohan Apartments, Memnagar, Ahmedabad.

(Transfer

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009 Ahmedabad, the 28th March 1983

Ref. No. P. R. No. 2407/Acq/23/1/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing TPS No. 19, FO No. 148 SP No. 19 being flat adm. 123 sq. yd. situated at Mempagar Mohan Apartment, A'bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 10-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

運搬 数

Property registered vide sale-deed R. No. 1184 dt: the 10-8-1982 by S.R. A'bad.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 28-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

> > Ahmedabad, the 28th March 1983

Ref. No. P. R. No. 2408/Acq/23/1/82-83.-Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

T.P.S. 3 F,P. No. 673ffl2 S.P. No. 4 adm. 716 sq. yd. situated at the sim of Kodhrab Paldi, City Tal: Dist: A'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Aqbad on 23-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of (cansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Shri Chandravadan Harshadlal Shodhan,
 Shri Kuldip Chandravadan Shodhan,

Shri Roshankumar Harshadlal Shodhan, Panchavati, Ellisbridge, Ahmedabad.

Transferor) (2) Pahdhvati Estate Owners Association, Chairman,

(1) Shri Bipinchandra Mafatlal, Near Old Sachivalaya, 14/1. Wishvarak Society, Secretary. (2) Shri Vijay Natwarlal Shah,

5, Sanjay Society, Shahibaug, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given. in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. No. 11539 dt: the 23-8-82 by S. R. A'bad.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 28-3-1983

(1) Shri Jyotindra Harshadlal Shodhan,

(2) Shri Gokul Jyotindra Shodhan, Panchvati, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor) Chairman.

(2) Panchvati Estate Owners Association, (1) Shri Bipinchandra Mafatlal Shah, 14/1, Wisllwarak Society, Near Old Sachivalaya, Ahmedabad.

> (2) Shri Vijav Natwarlal Shah, 5. Saniay Society, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-J, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

> > Ahmedabad, the 28th March 1983

Ref. No. P. R. No. 2409/Acq/23-1/82-83,-Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

TPS. 3, FP. No. 673/2 S.P. No. 8 adm. 2711 sq. vd. and 1/3 share in super structure at the sim of Paldi, City Dist: A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S. R. A'bad on 23-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in purwance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Property registered vide sale-deed R. No. 11550 dt : the 23-8-1982 by S. R. A'bad.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 28-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 28th March 1983

Ref. No. P. R. No. 2410/Acq-23/I/82-83,---Wheras, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

TPS No. 3, F.P. No. 673/2, SP No. 1 Area about 1064 sq. yd. situated at the sim of Kochrab, Paldi, A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. A'bad on 23-8-1982

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chandravadan Harshadlal Shodhan, Panchvati, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Panchwati Estate Owners Association, Chairman, Shri Bipinchandra Mafatlal Shah, 14/1, Wishwark Society, Near Old Sachivalaya, Ahmedabad.

∕&

Secretary, Shri Viiay Natwarlal Shah, 5, Sanjay Society, Shahibaug, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property i.e. land registered vide sale-deed R. No. 11516 dt: the 23-8-1982 by S. R. A'bad.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Ahmedabad

Date: 28-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedebad, the 28th March 1983

Ref. No. P. R. No. 2411/Acq-23/I-/82-83,---Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beading

TPS No. 3 FP No. 673/2, SP No. 3 adm. 1099 sq. yd. situated at the sim of Kochrab Paldi, City Tal: Dist: Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Ahmedabad on 23-8-82

for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Shri Chirag Chandravadan Shodhan Panchvati. Ellisbridge. Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Panchvati Estate Owners Association, Chairman,
- 1. Shri Bipinchandra Mafadal Shah, 14, 1, Wishwarak Society, Near Old Sachivalaya, Ahmedabad & Secretary,
- 2. Shri Vijay Natwarlal Shah, Sanjay Society, Shahibaug, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Ahmedabad registered vide sale-deed R. No. 11537 dt: the 23-8-82 by S. R. Ahmedabad.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 28-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOMS HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 28th March 1983

Ref. No. P. R. No. 2412 Acq 23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TPS No. 3, FP No. 673/2, SP No. 5 & Sub Plot 6(p) about 1582 sq. yd situated at the same sim of Kochrab

Paldi. Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Ahmedabad on 23-8-82

for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Roshan Harshvadan Shodhan, Panchyati, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Panchvati Fstate Owners Association, Shri Bipinchandra Mafatlal Shah. 14/1, Wishwark Society, Near Old Sachivalya, Ahmedabad. Secretary, Shri, Vijay Natwarlal Shah, 5, Sanjay Society, Shahibaug, Ahmedabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Ahmedabad registered vide sale-deeds R. Nos. 11546 dt: 23-8-82 & 11541 dt. 23-8-82 by S. R.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 28-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOMS HOUSE, ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD
Ahmedabad-380 009, the 28th March 1983

Ref. No. P. R. No. 2413 Acq 23/I/82-83.—Whereas, I, R, R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

T.P.S. 3 F.P. No. 673/2 S. P. No. 2 adm. 1102 sq. yd situated at the sim of Padli City Tal: Dist: Ahmedabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Ahmedabad on 3-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—
60—46 GI/83

 Shri Kuldip Chandravadan Shodhan Panchwati, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferec)

(2) Panchvati Estate Owners Association, Chairman Shri Bipinchandra Mafatlal Shah, 14/1, Wishwark Society, Near Old Sachivalaya, Ahmedabad, Secretary, Shri Vijay Natwarlal Shah, 5, Sanjay Society, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferora)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Ahmedabad registered vide sale-deed R. No. 11535 dt: the 23-8-82 by S. R. Ahmedabad.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 28-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1,

2ND FLOOR, HANDLOOMS HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 28th March 1983

Ref. No. P. R. No. 2414 Asq 23/I/82-83.—Whereas, I. R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

TPS No. 3 FP No. 673/2 SP No. 7&6 (P) adm. 1428 & 151 i.e. 1580 sq. yd. situated at the sim of Kochrab Pakli,

Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S. R. Ahmedabad on 23-8-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcasid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri Parag Roshankumar Shodhan Ellisbridge, Panchvati. Ahmedabad.

(Transferee)

(2) Panchvati Estate Owners Association, Chairman. Shri Bipinchandra Mafatlal Shah, 14/1, Wishwarak Society, Nead Old Sachivalaya, Ahmedabad.

Shri Vijay Natwarlal Shah, 5, Sanjay Society, Shahibaug, Ahmedabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being and adm. about 1580 sq. yd. and retered vide sale deed R. Nos. 11548 dt: the 23-8-82 11544 dt: the 23-8-82 by S. R. Ahmedabad.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 28-3-1983

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOMS HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 30th March 1983

Ref. No. P. R. No. 2415 Acq 23-I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 433-I paiki S. P. No. C area of 4553 paiki plot No. 3 adm. 910 sq. mtrs. i.e. 1090 sq. yds. of Vejalpur, City, Tal: Dist Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Ahmedabad on 17th August 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of ony income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mencys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

(1) Shri Gulabji Anjarji Opera House, Behind Relief Cinema

(Transferor)

1. Shri Bhagwanbhai Chaturbhai Purohit &
 2. Shri Shivrambhai Chaturbhai Purohit
 B. M. P. Textile
 Narol, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. No. 10936 dated 17-8-1982 by S. R. Ahmedabad.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 30-3-1983

(Transferor)

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOMS HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 30th March 1983

Ref. No. P. R. No. 2416 Acq 23/I/82-83.—Whereas, I, R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No.
Shaher Kotda Tal: City F. P. No. 16 paiki Shop No. 111
adm. 62.71 sq. mtr. at Maskati Cloth dealer office I shops
were hsg. Socy. Ltd. New Cloth Market outside Raipur,
Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Ahmedabad on 13-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

(1) M/s. Jamnadas Hiralal, R. F.

- 1. Navinchandra Jamnadas
- 2. Ranalal Jamnadas
- Rajendra Jamnadas
   Ronal Divyakant

all of Sutaria Bldg. Opp: V. S. Hospital, Ellisbridge, Ahmedabad.

- (2) M/s. Pretex Corporation
- Chimanlal Somabhai
- 2. Sanjay Thakorlal
- 3. Ramanlal Somabhai
- Smt Maltiben Nareshbhai
   Smt. Prafullaben Hasmukhbhai
- Smt. Beenaben Prakashbhai, Mithakhali, Near Six Rasta, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property registered vide sale deed R. No. 11981 dt: the the 13-8-82 by S. R. Ahmedabad,

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 30-3-1983

#### FORM I.T.N.S.

(1) 1. Shri Nandkishore Ramanlal Parikh 2. Smt. Ushaben Ramanlal Parikh Smt. Manjulaben R. Parikh
 Patidar Society, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Pooja Apartments Owners Association (Proposed) C/o. Organiser Shri Haresh kumar M. Pandya Harsiddh Chambers, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

> Ahmedabad-380009, the 30th March 1983

Ref. No. P. R. No. 2417 Acq. 23-I/82-83.--Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
S. Nos. 184 185 Paiki F. P. No. 21 & 27 of TPS. 2.1 situated at F. P. No. 537 adm. 687 Sq. mtr. situated at Kocharab,
Paldi, City, Tal: Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R., A'bad on 30-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer or consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property registered vide Sale-deed R. No. 12795 dated the 30-8-1982 by S. R., Ahmedabad.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I
> Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 30-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECIING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th March 1983

Ref. No. P. R. No. 2418 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

T. P. S. No. 22 F. P. No. 162 Block 'B', G. F. Flat No. 1 situated at Baja Apartment, Paldi, Cit, Tal, Dist. Ahmedahad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R., A'bad on 16-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' is the following persons, namely:—

Shri Chandrakant Ramprasad Zaveri
 Saral Apartment
 Narayannagar,
 Ahmedabad.

Transferor(s)

(2) Smt. Indiraben Chhanalal Acharya 2635, Char Sheri, Pakhali's Pole, Rajpur, Ahmedabad.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

#### THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. No. 12473 dt., the 16-8-82 by S. R., Abad

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Abmedabad

Date: 30-3-1983

(1) Smt. Nirmalaben Pravinchandra Raimagia Kanabiwad, Vankadia's Sheri, Bhavanagar.

Transferor(s)

(2) Shri Shah Kantilal Jayantilal Bhagatalao, Dabgarwali Sheri, Undi-Khadki, Bhavanagar.

Transferee(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th March 1983

Rof No. P. R. No. 2419 Acq. 23-1/82-83.—Whereas, 1, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot No. 2108-C.

Adm. 490 sq. yds. land & bldg, situated

Plot No. 2108-C, Adm. 490 sq. yds. land & Didg, situated at Waghawadi, Mainward, Bhavnagar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at C. R., Bhavanagar on 23-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid accords the apparent coonsideration therefor by more than exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or 1

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of thaforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. No. 2360 dated the 23-8-1982 by S. R., Bhavanagar.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 30-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th March 1983

Ref No. P. R. No. 2420 Acq. 23/I/82-83.—Whereas, I. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TPS No. 6, S. No. 223 paiki FP No. 269 S. P. No. 25-B situated at Paldi, A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R., A'bad on 5-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Narendra Vadilal Shah
 B, Gujarat Brahmshitriya Co. op. Hsg. Socy.
 Ltd.
 Paldi,
 Ahemedabad-7.

(Transferor)

 Shri Amarchand Jamkidas Agarwal
 Shri Narayan Amarchand Agarwal Inside New Madhupura, Ahmedabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. No. 11587 dt. the 5-8-1982 b S. R., A'bad.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 30-3-1983

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 28th March 1983

Ref. No. P. R. No. 2421/Acq-23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 471-B, Kant Krupa Bungalow adm. 533,61 sq. metre near Prabhudas Lake, Bhavanagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Bhavnagar on 13-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—61—46 GI/83

(1) Shri Virendrabhai Kantishankar Bhatt Karta of H.U.F. of Shri Virendrakumar Kantishankar Bhatt Plot No. 9-A, Opp. Manekwadi Station Bhavnagar (Bhavnagar).

(Transferors)

 L. R. of late Saherbanu A. Umriger
 Smt. Giniben N. Patel
 Smt. Maheraben. J. Umrigar
 Mrs. Rashidbanu, S. Umrigar Plot No. 471, Bir,
 Near Prabhudas Lake, Bhavnagar.

Transferce(s)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. No. 2286 dt. the 13-8-1982 by S. R. Bhavnagar,

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 28-3-1983

Soal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th March 1983

Ref No. P. R. No. 2422 Acq. 23-1/82-83.--Whereas, I. R. R. SHAH,

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 31/1/1 Paiki FP No. 72 adm. 443 sq. mtr. situated at the sim of Memnagar City, Tal: Abad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. A'bad on 17-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. Shri Kalidas Ranchhodbhai Prajapati
  - 2. Smt. Gangaben Kalidas Ranchhoddas Memangar, Ahmedabad

Transferor(s)

(2) New Narayan Co. Op. Hsg. Socy. Promotor, Shri Vidinbhai Ranchhodbhai Patel Mithakhall. Ahmedabad.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property registered vide sale deed R. No. 12129 dt. the 17-8-82 by S. R. A'bad.

> R, R. SHAH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 30-3-1983

#### FROM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I '2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1983

Ref. No. P. R. No. 2423 Acq. 23-I/82-83.---Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 47, situated at

City S. No. 1/G/4, Plan No. 1 plot No. 5-A adm. 4488 sq. ft. situated at Koach House road, Near Swastik Society, Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R., Jamnagar on 13-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, te the following persons, namely:—

1() Smt. Pushpaben Shantilal Anjarla 'Devan'6-Patel Colony, Jamnagar.

Transferor(s)

- (1) 1. Shri Mohanlal Mathuradas Kotecha Karta of H. U. F. of Mohanlal Mathuradas Kotecha
  - .2 Shri Maganlal Mathuradas Kotecha Karta of H. U. F. of Maganlal Mathuradas Kotecha Grain Market, Jamnagar.

Transferee(s)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. No. 2572 dated the 13-8-1982 by S. R., Jamnagar.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedshad

Date: 31-3-1983

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1983

Ref. No. P. R. No. 2424 Acq. 23-1/82-83,-Whereas. I.

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land being Hissa No's 9, 6, 2, 5, 8, 3, 7, 1 & 4 of city Survey No. 1558 of Sheet No. 169 adm. 4006 sq. yd. in all situated at Ward No. VII of Bhavnagar, City ,Tal: & Dist., Bhavnagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R., Bhavnagar on 17-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mohmedhusein Family Trust No. II Through trustees:

1. Mohmedhusein A. Merchant 2. Mrs. Mary Mohmedhusein Merchant

3. Miss. Zubeida Abdulhusein All residing at Bombay.

Transferor(s)

(2) Shri Vijay C. Sheth, Chairman Friends Park Co-operative Housing Society Ltd. Bhavnagar.

Transferec(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. Nos. 2317, 2323, 2322, 2321, 2320, 2319, 2318, 2316 & 2315 all dated the 17-8-82 by S. R., Bhavnagar.

R, R, SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 31-3-1983

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Bipin Kumar Ranchhodlal Patel Dalia Building, Ellisbridge, Opp: Mangaldas Town Hall,

Ahmedabad.

(2) Shri Chimanlal Jivrajbhai Kapuria Gunvant Chawk, Jagabhai Sheth's Pole Astodia, Dhal's Pole, Ahmcdabad.

(Transferee)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 2nd April 1983

Ref. No. P. R. No. 2425 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I,  $R_{\bullet}$  R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T.P.S. 2—F.P. 52 paiki situated at Bhavnipura, Rajpur Hirpura Abreadand

pur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. A'bad on 5-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 605 sq. yds. situated at Bhavnipur,a Kankaria T.P.S. 2, Ahmedabad duly registered by S. R., Ahmedabad vide salc-deed No. 11639 &11645 dated 5-8-82.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 2-4-1983

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th April 1983

RAC No. 21/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No .3-5-585, Narayanaguda, Hyderabad, A. P. F. No. (301) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chikkadapally, Hyderabad on August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Vinayak Enterprises, Re by Sri M. Vinayak, 3-4-536, Barkatpura, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Vishanji Khimji Karani 301 Airbus Apartments, 3-5-585 Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a peroid of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 301 Municipal No. 3-5-585 and 586, situated at Narayanaguda, Hyderabad admeasuring plinth area 1177 registered by the S. R. O. Chikkadpally, Hyderabad vide document No. 829/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 4-4-1983

 M/s. Vinayak Enterprises, Re. by Sr. M. Vinayak, 3-4-536, Barkatpura, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sanjay B. Aswani S/o B. K. Aswani 3-5-585, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th April 1983

RAC. No. 22/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 3-5-585, Narayanaguda, Hydcrabad, A. P. F. No. (403) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Chikkadpally, Hyderabad on August, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 403 Municipal No. 3-5-585 and 586, situated at Narayanaguda, Hyderabad admeasuring plinth area 1187 sft. registered by the S.R.O., Chikkadpally, Hyderabad vide document No. 830/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4-4-1983

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th April 1983

RAC. No. 23/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section. 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 3-5-585, Narayanaguda, Hyderabad, A. P. F. No. (210) (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally, Hyderabad on August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Vinayak Enterprises, Re. by Sri M. Vinayak, 3-4-536, Barkatpura, Hyderabad.
- (2) Smt. E. Machet W/o P. C. Machet 4-1-1210 Boggulkunta, Hyderabad.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 210-C Municipal No. 3-5-585 and 586, sltuated at Narayanaguda, Hyderabad admeasuring plinth area 1006 sft. registered by the S.R.O. Chikkadpally, Hyderabad vide document No. 831/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 4-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th April 1983

RAC No. 25/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

No. 3-5-585, Narayanaguda Hyderabad, A. P. F. No. (408), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chikkadpally, Hyderabad on August, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of an income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—62—46 GI/83

 M/s, Vinayak Enterprises, Re by Sri M. Vinayak, 3-4-536, Barkatpura, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. K. Kondamma W/o Ramachandrareddy, Flat No. 408, 3-5-585, Narayanguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 408 Municipal No. 3-5-585 and 586, situated at Narayanaguda, Hyderabad admeasuring plinth area 1187 Sq. ft. registered by the S.R.O., Chikkadpally, Hyderabad vide document No. 833/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 4-4-1983

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

AC(UISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th April 1983

RAC No. 25/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

and bearing
No. 3-5-585, Naravanaguda, Hyderabad, A. P. F. No. (208)
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally, Hyderabad on August, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sad instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Vinayak Enterprises, Re by Sri M. Vinayak, 3-4-536, Barkatpura, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Towflq Ahemed S/o Shafi Ahmed 20-1-1982 Inside old Bridge, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 208 Municipal No. 3-5-585 and 586, situated at Naraanaguda, Hyderabad admeasuring plinth area 1187 sft. registered by the S.R.O., Chikkadpally, Hyderabad vide document No. 833/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 4-4-1983

 M/s. Vinayak Enterprises, Re. by Shri M. Vinayak, 3-4-536, Barkatpura, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri C. Pilleswara Rao S/o Shri Satyanarayanamurthy 3-5-585 Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th April 1983

RAC. No. 26/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

No. 3-5-585, Narayanaguda, Hyderabad, A. P. F. No. (201) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally, Hyderabad on August, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 201 Municipal No. 3-5-585 and 586, situated at Narayanaguda, Hyderabad admeasuring plinth area 1177 sq.ft. registered by the S.R.O., Chikkadpaily, Hyderabad vide document No. 834/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4-4-1983

#### FORM ITNS----

 M/s. Vinayak Enterprises, Re. by Shri M. Vinayak, 3-4-536, Barkatpura, Hyderabad,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. Vinayak S/o M. Govind 3-4-536 Barkatpura, Hyderabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th April 1983

RAC. No. 27/83-84. Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
No. 3-5-585, Narayanaguda, Hyderabad, A. P. F. No. (306)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

Chikkadpally, Hyderabad on August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this market in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined, in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 306 Municipal No. 3-5-585 and 586, situated at Narayanaguda, Hyderabad admeasuring plinth area 11.77 sq. ft. registered by the S.R.O. Chikkadpally, Hyderabad vide document No. 836/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 4-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 M/s. Vinayak Enterprises, Re. by Shri M. Vinayak, 3-4-536, Barkatpura, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri V. Suseeladevi W/o Harinathrao 3-5-585 Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITNON RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Madras-600 006, the 4th April 1983

RAC. No. 28/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-5-585, Narayanaguda, Hyderabad, A. P. F. No. (401) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally, Hyderabad on August, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Inian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

#### THE SCHEDULE

Flat No. 401 Municipal No. 3-5-585 and 586, situated at Narayanaguda, Hyderabad admeasuring plinth area 1177 sq. ft. registered by the S.R.O., Chikkadpally, Hyderabad vide document No. 583/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Dato: 4-4-1983

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Vinayak Enterprises, Re. by Sbri M. Vinayak, 3-4-536, Barkatpura, Hyderabad.

(2) Shri K. R. Ajayareddy S/o Narsireddy 6-1-284/5 Padmaraonagar, Secunderabad.

(Transferee)

(Transferor)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITNON RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th April 1983

RAC. No. 29/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 3-5-585, Narayanaguda, Hyderabad A. P. F. No. (105) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally, Hyderabad on August, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 105 Municipal No. 3-5-585 and 586, situated at Narayanaguda, Hyderabad admeasuring plinth area 1006 sq. ft. registered by the S.R.O., Chikkadpally, Hyderabad vide document No. 837/82.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tex
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 4-4-1983

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th April 1983

RAC No. 30/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing M. No. 3-5-585, Narayanaguda, Hyderabad, A.P. F. No. (304)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Chikkadpally, Hyderabad on Aug. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys ro other esests which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, theerfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s, Vinayak Enterprises, Re. by Sri M. Vinayak, 3-4-536, Barkatpura, Hyderabad.
  - (Transferor)
- (2) Sri Subbaramlreddy S/o Sri Raghavareddy Rajaji St. GNT Road Nellore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 304 Municipal No. 3-5-585 and 586, situated at Narayanaguda, Hyderabad admeasuring plinth area 1177 sq. ft. registered by the S.R.O. Chikkadpally, Hyderabad vide document No. 838/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderapad.

Date: 4-4-83

 $\tilde{\iota}_{\iota}$ 

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.F.)

Hyderabad, the 4th April 1983

RAC No. 31/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing M. No. 3-5-585, Narayanaguda, Hyderabad, A.P. F. No. (308)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkedpally, Hyderabad on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hehereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of 'he said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/n. Vinayak Enterprises, Re. by Sri M. Vinayak, 3-4-536, Barkatpura, Hyderabad. (Transfetor)
- (2) C. B. Newton S/o Bhushanam Bangalow No. 3 Kopri Colony Thana Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

١

#### THE SCHEDULE

Flat No. 308 Municipal No. 3-5-585 and 586, situated at Narayanaguda, Hyderabad admeasuring plinth area 1187 sq. ft. registered by the S.R.O., Chikkadpally, Hyderabad vide document No. 824/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 4-4-83

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th April 1983

RAC No. 32/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

bearing M. No. 3-5-585, Narayanaguda, Hyderabad, A. P. F. No. (405)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally, Hyderabad on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

63-46GI/83

- (1) M/s. Vinayak Enterprises, Re. by Sri M. Vinayak, 3-4-536, Barkatpura, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Smt. M. Shilarani W/o M. Vinayak 3-5,585 & 586 Himayatnagar Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 405 Municipal No. 3-5-585 and 586, situated at Narayanaguda, Hyderabad admeasuring plinth area 1006 sq. ft. registered by the S.R.O., Chikkadpally, Hyderabad vide document No. 825/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range, Hyderahad.

Date: 4-4-83

 M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. by its Director, Mr. A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Lakshmi Rentals Rep. by K. V. L. N. Prasad Flat C 1st floor 5-9-12 Saifabad, Hyderabad.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 4th April 1983

Ref. No. RAC. No. 33/83-84.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-9-12 (Flat No. C) situated at Saifabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Hyderabad on August 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. Flat C in M. No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad admeasuring 1820 sft plinth area, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5564/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderaba.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-4-1983

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 4th April 1983

Ref. No. RAC. No. 34/83-84.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-9-12 (Flat No. B) situated at Saifabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. by its Director, Mr. A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Lakshmi Rentals Flat B 1st floor 5-9-12 Saifabad, Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. B 1st floor M. No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad admeasuring 1902 sft plinth area; registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 5565/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 4-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 4th April 1983

Ref. No. RAC 25/83-84.—Whereas, I M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-9-12, (Flat No. D) situated at Gaifabad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on August 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. by its Director, Mr. A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Lakshmi Rentals Rep. By K. V. L. N. Prasad Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. D 1st floor in M. No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad admeasuring 1681 sft plinth area, registered by S.R.O., Hyderabad vide document No. 5563/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 4-4-1983

#### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 4th April 1983

Ref. No. RAC. 36/83-84.—Whereas, I M. JEMAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 5-9-12 (Flat No. H) situated at Saifabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on August 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. by its Director, A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.
- (Transferor)

  (2) M/s Lakshmi Rentals
  Rep. By K. L. N. Prasad
  Road No. 12 Banjara Hills, Hyderabad.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4 in M. No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad admeasuring 112 Sq feet plinth area, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5562/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 4-4-1983

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION' RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 4th April 1983

Ref. No. RAC. No. 37/83-84.---Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 5-9-12 (Flat No. D 7th floor) situated at Saifabad,

Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. by its Director, Mr. A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri Masood Hussain Kanchanwala S/o Khayyam Hussain Hyderguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. D in M. No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad admeasuring 1052 sft plinth area, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5561/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 4-4-1983

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE, HEYDERABAD

Hyderabad, the 4th April 1983

Ref. No. RAC. No. 38/83-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. 5-9-12 (Flat No. E 7th floor) situated at Saifabad. Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on August 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. by its Director, Mr. A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.
- (2) M/s. Lakshmi Rentals
  Rep. By K. L. N. Prasad
  Road No. 12, Banjara Hills Hyderabad
  (Transfer.e)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. E in M. No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad admeasuring 1052 sft. plinth area, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5560/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Hyderabad.

Date: 4-4-83 Seal:

(1) M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. by its Director, Mr. A. Jitender Nath No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.

(2) Dr. Krishna Murthy Alluri S/o Late Bhujang Rao

76, MIGH Mehdipatnam Hyderabad.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HEYDERABAD

Hyderabad, the 4th April 1983

Ref. No. RAC. No. 39/83-84.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-9-12 (Flat No. C 6th floor)

situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

'Flat No. C in M. No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad admeasuring 1088 stf. plinth area, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5559/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad,

Date: 4-4-83

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HEYDERABAD

Hyderabad, the 4th April 1983

Ref. No. RAC. No. 40/83-84.--Whereas, I M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
No. 5-9-12 (Flat No. 1 & 2) situated at Saifabad, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in nursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

64--46GI /83

 M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. by its Director, Mr. A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri A. Rajagopal Raju S/o A. Pullamraju Panjagutta Officers Colony Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

67

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1&2 in M. No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad admeasuring 580 sft. plinth area, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5558/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 4-4-83

Seal:

## FORM ITNS----

 Smt. Jayalakshmi, K. W/o Late Mr. Krishnamurthy Iyer Krishna Mahal, Bhau Daji Cross Road, Matunga, Bombay-19.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Mr. T. K. Ingale, 2. Mr. B. K. Zope,
 K. T. Ingle, 4. Shri G. K. Mahajan, Partners of M/s Kiran Builders and Organizers, 14, Manas Cooperative Society Ltd., Behind Joshi High School, Dombivli (E) Distt. Thane.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Poona-4, the 31st March 1983

Ref. No. CA-5/827/SR.Kalyan/82.—Whereas I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing Survey No. 208-1-1A/2, 154/13 Hissa No. 6 & 14 Village—Chole, Dombivli & City Survey No. 5339 & 5344 to 5348 No. A-23 & A-23A situated at Tal. Kalyan, Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Kalyan on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act., shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Survey No. 208-1-1A/2, 154/13, Hissa No. 6, & 14, City Survey No. 5339, 5344 to 5348, Village Chole, Dombivli, Tal Kalyan Dist, Thane (Area—1596 Sq. yd)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar Kalyan under Doc. No. 1431 in the month of July, 1982).

SHASHIKANT KULKARNI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 31-3-1983,

Seal:

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

# NOTICE

# COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION OCTOBER, 1983

New Delhi, the 30th April, 1983

No. F.8/8/82-EI(B).—A Combined Defence Services Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing from 23rd October, 1983, for admission to the undermentioned courses:

Name of the Course and Approximate No. of Vacancies

- Indian Military Academy, Dehra Dun (77th Course commencing in July 1984)
   (Includes 32 vacancies reserved for NCC
   'C' Certificate (Army Wing) holders).
- (2) Naval Academy, Cochin Course commencing in July, 1984)
  - (a) General Service
    (Including 6 reserved for NCC 'C' Certificate (Naval Wing) holders).
  - (b) Naval Aviation 30

60

- (3) Air Force Academy AFAC, Coimbator [Pre-Flying Training Course for 136th F(P) Course commencing in July 1984]
   (Includes 10 reserved for NCC 'C' Certificate (Air Wing) holders).
- (4) Officers' Training School, Madras [40th SSC (NT) course commencing in October 1984] 268

N.B. (i)—A candidate is required to specify clearly in Col. 8 of the Application Form the Services for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences when making apointments.

Candidates should note that, except as provided in N.B. (ii) below, they will be considered for appointment to those courses only for which they express their preference and for no other course(s).

No request for addition/alteration in the preferences already indicated by a candidate in his application will be entertained by the Commission.

- N.B. (ii)—The left-over candidates of IMA Course for grant of Pernanent Commission of this examination may be considered for grant of SSC (NT) even if they have not indicated their choice for this course in their applications, if they are subsequently willing to be considered for this Course, subject to the following conditions:—
  - There is a shortfall after detailing all the candidates who competed for the SSC (NT) Course; and
  - (ii) The candidates who are detailed for training even though they have not expressed their preference for SSC (NT) will be placed in the order of Merit List after the last candidate who had opted for this Course, as these candidates will be getting admission to the Course to which they are not entitled according to the preferences expressed by them.
- NOTE I: NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing) / (Naval Wing) holders may also compete for the vacancies in the Short Service Commission (Non-Technical) Course, but since there is no reservation of vacancies for them in this course, they will be treated as general candidates for the purpose of filling up vacancies in this Course. Candidates who have yet to pass NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) examination, but are otherwise eligible to compete for the reserved vacancies, may also apply but they will be required to submit the proof of passing the NCC 'C' Certificate (Army Wing/ Senior Division Air Wing/Naval Wing) examination to reach the Army HO/Rtg. 6 (SP) (e), New Delhi-110022 in case of IMA/SSC(NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011 in case of Navy first choice candidates and Air HQ/PO-3, Vayu Bhavan, New Delhi-110022 in case of IMA/SSC (NT) first choice didates by 30th June, 1984.

To be eligible to compete for reserved vacancies the candidate should have served for not less than 2 academic years in the Senior Division Army Wing/3 academic years in the Senior Division Air Wing/Naval Wing of National Cadet Corps and should not have been discharged from the NCC for more than 24 months for IMA/Naval Academy/Air Force Academy Courses on the last date for receipt of applications in the Commission's office.

NOTE II: In the event of sufficient number of qualified NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) holders not becoming available on the results of the examination to fill all the vacancies reserved for them in the Indian Military Academy Course/Air Force Academy Course/Naval Academy Course, the unfilled reserved vacancies shall be treated as unreserved and filled by general candidates.

Admission to the above courses will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board, of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, standard and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy/School, and (c) brief particulars of service etc. for candidates joining the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy and Officers' Training School are given in Appendices I, II and III respectively.

- 'Note:—THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS IN-CLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.
- 2. CENTRES OF EXAMINATION.—Agartala, Ahmedabad, Aizawl, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Janmu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair, Raipur, Shillong, Simla, Srimgar, Tirupati, Trivandrum and Vishakhapatum.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION. THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION. ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES, ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See para 11 below).

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 23rd September, 1983 will not be entertained under any circumstances.

## 3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY

(a) Nationality:-

A candidate must either be-

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Bhutan, or
- (iii) a subject of Nepal, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania (formerly Tangaylka and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will, not however, be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination provisionally subject to the necessary certificate being given to him by the Govt. before declaration of result by UPSC.

- (b) Age limits, sex and marital status :--
  - (i) For I.M.A., Naval and Air Force Academy—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd July, 1962 and not later than 1st July, 1965 are only eligible.
  - (ii) For Officer's Training School—Male candidates (married or unmarried) born not earlier than 2nd July, 1961 and not later than 1st July, 1965 are only eligible.

Note: —Date of birth as recorded in Matriculation/Higher Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.

Candidates with first choice of IMA/Navy and Air Force are to submit proof of age (original) while reporting for SSB interview for the purposes of vertification by the Selection Staff.

- (c) Educational qualifications:-
  - For I.M.A. Naval Academy and Officers' Training School—Degree of a recognised University or equivalent.
  - (ii) For Air Force Academy—Degree of a recognised University or equivalent provided that before joining the degree or equivalent course the candidates must have passed the Higher Secondary Examination (old pattern) or the 12th Standard Examination under the 10+2 pattern of school education with Mathematics and Physics as subjects of the Examination.

Graduates with first choice as Navy/Air Force are to submit proof of graduation provisional certificates within two weeks of completion of SSB interview, to Army HQ [Rtg. 6 SP (e)] NHQ (R&R Section)/Air HQ-PO3A respectively.

Candidates who have yet to pass the degree examination can also apply but they will be required to submit proof of passing the degree examination to reach the Army HQ/Rtg. 6(SP) (e), New Delhi-110022 in case of IMA/SSC (NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011 in case of Navy first choice candidates and Air HQ/PO-3, Vayu Bhawan, New Detlhi-110011 in case of Air Force first choice candidates by the following date failing which their candidature will stand cancelled:—

- For admission to IMA, Naval and Air Force Academy on or before 30th June, 1984.
- (ii) For admission to Officers' Training School, Madras on or before 15th September, 1984.

Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to professional and technical degrees would also be eligible for admission to the examination.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who does not possess any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which, in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

- Note 1: Those candidates who have yet to qualify in the Degree Examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit proof of passing the Degree examination by the prescribed date and no request for extending this date be entertained on the grounds of late conduct of basic qualifying university Examination, delay in declaration of results or any other ground whatsoever.
- Note II: Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of Commission in the Defence Services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.
- Note III: Naval Sailors (including boys and artificer apprentices) except Special Service Sailors having less than 6 months to complete their engagements are not eligible to take this examination. Applications from Special Service Sailors baving less than six months to complete their engagements will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.
- 1. THE TO IL PAID WITH THE APPLICATION. ks. 28/- (Rupees Twenty-eight) [Rs. 7/- (Rupees Seven) for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates]. Application not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.
- 5. Perial 15:10N OF FEE.—The Commission may, at their diaco thon, temit the prescribed tee where they are annihild that the applicant is a bona fide displaced person from cratishile their Post Palisian (now Bangla Desh) and has migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 or is a bona fide displaced person from extability west Pokistan and has migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1st June, 1963 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.
- 6. HOW TO APPLY.—Only printed application on the form prescribed for the Combined Defence Services Examination October, 1983 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources:—
  - (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by remitting Rs. 2/- (Rupees Two) by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, U.P.S.C. at New Delhi G.P.O.
  - (ii) On cash payment of Rs. 2/- (Rupees Two) at the counter in the Commission's office.
  - (iii) Free of charge from nearest Recruiting Office, Military Area/Sub-Area Headquarters, N.C.C. Directorates, Naval and Air Force Establishments.

The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball point pen. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

Candidates hould note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates whether already in Government service or in Government owned industrial undertaking or other similar organisations of in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or dady-rated employees or those serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

A candidate serving in the Armed Forces must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (vide Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

7. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 27th June, 1983 (11th July, 1983 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lohaul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 27th June, 1983 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commisson be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 27th June, 1983.

- NOTE (i) Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.
- Note (ii) Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.
  - 8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION

# (A) By all candidates:-

- (i) Fee of Rs. 28/- (Rupces Twenty-eight) [Rs. 7/(Rupces Seven) for Scheduled Castes/Tribes candidates] through crossed Indian Postal Order payable
  to the Secretary, Union Public Service Commission
  at the New Delhi General Post Office or crossed
  Bank Draft from any branch of the State Bank of
  India payable to the Secretary, Union Public Servive
  Commission at the State Bank of India, Main
  Branch, New Delhi.
- Note:—Candidates should write their names and addresses on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and addresses should be written by the Candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad as the case may be for credit to the account Head '051 Public Service Commission—examination fee' and the receipt attached with the application.

# (ii) Certificate of age-

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. Candidates must submit two attested/certified copies of the aforesaid Matriculation or equivalent certificate. However, a candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit two attested/certified copies of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificates, an attested/certified copy of

a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his brith or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

NOTE 1:—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

NOTE 2:—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

NOTE 3:—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Attested/certified copy of certificate of educational qualification.

A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in para 3(c) or is likely to acquire it so as to be able to submit proof of passing it by the date prescribed in para 3(c). The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

Candidates competing for Air Force Academy Course must submit an attested/certified copy of the University/Board Certificate of passing the Higher Secondary Examination (old pattern)/12th Standard Examination (under the 10+2 pattern of school education) in addition to the attested/certified copy of the Certificate of passing the degree examination. If the attested/certified copy of the University/Board Certificate of passing the Higher Secondary Examination (old pattern)/12th Standard Examination (under the

10-2 pattern of school education) does not indicate the subjects of the examination, an attested/certified copy of a Certificate from the Principal concerned showing that the candidate has passed the examination with Mathematics and Physics as subjects of the examination, must be submitted.

- (lv) Attendance sheet (attached with the application form) duly filled.
- (v) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate duly signed on the front side.

One copy of the photograph should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

- (vi) Two self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms.  $\times$  27.5 cms.
- (B) By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates:—Attested/certified copy of certificates in the form given in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside. In support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe.
- (C) By candidates claiming remission of fee:-
  - (i) An attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is not in a position to pay the prescribed fee.
  - (ii) An attested/certified copy of a certificate from the following authorities in support of the claim to be a bona fide displaced person/repatriate:—
- (a) Displaced person from erstwhile East Pakistan:
  - Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States.

#### OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident.

#### OF

(iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

#### OF

- (vi) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge.
- (v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.
- (b) Repatrlates from Srl Lanka:

High Commission for India in Sri Lanka.

(c) Repatriates from Burma:

Embassy of India. Rangoon or District Magistrate of the area in which he may be resident.

- (d) Displacéd persons from erstwhile West Pakistan:
  - (i) Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States.

#### OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may for the time being he raeldent.

#### OR

(iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

#### OB

(iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge.

#### OR

- (v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.
- (D) By NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing/Naval Wing) holders competing for the vacancles reserved for them in the I.M.A., Air Force Academy Course, and Naval Academy Course.

An attested/certified copy of a certificate to show that he is a NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing/Naval Wing) holder or a certificate to the effect that he is appearing or has appeared in the N.C.C. 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) examination

NOTE:—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SIGN THE ATTESTED/CERTIFIED COPIES OF ALL THE CERTIFICATES SENT ALONG WITH THE APPLICATION FORM AND ALSO TO PUT THE DATE.

- 9. REFUND OF FEE.—No refund of fee paid to the Commission with the application will be made except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection:—
  - (i) A refund of Rs. 15/- (Rupees fifteen) [Rs. 4/(Rupees four) in case of candidates belonging
    to Scheduled Castes/Scheduled Tribes] will be
    made to a candidate who has paid the prescribed
    fee and is not admitted to the examination by the
    Commission. If, however, an application is rejected
    on receipt of information that the candidate has
    failed in the degree examination or will not be
    able to submit the proof of passing the degree
    examination by the prescribed date, no refund of
    fee will be made to that candidate.
  - (ii) A refund of Rs. 28/- (Rupees Twenty-eight) [Rs. 7/- (Rupees seven) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes] will be made in the case of a candidate who took the Combined Defence Services Examination held in December, 1982. or in May, 1983 and is recommended for admission to any of the courses on the results of any of these Examinations provided his request for cancellation of candidature for the Combined Defence Services Examination October 1983, and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 31st March, 1984.
- 10. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATIONS—Every application including late one. received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application with a month from the last date prescribed for receipt of application for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement

The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidate does not ipso-facto, mean that the application is complete in all respects and has been acconted by the Commission.

11. RESULT OF APPLICATION.—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the

\_\_\_\_

Commission for the result. Filure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

- 12. ADMISSION TO THE EXAMINATION.—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.
- 13. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT.—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- Fig. (ii) impersonating, or
  - (iii) procuring impersonation by any person, or
  - (lv) submitting fabricated documents or documents which have been tempered with, or
  - (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
  - (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
  - (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language age or pornographic matter, in the script(s), or
  - (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
  - (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
  - (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificate permitting them to take the examination, or
  - (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.
  - May in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable:—
    - (a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or
    - (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
      - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them; and
      - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
    - (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

- Provided that no penalty under this paragraph shall be imposed except after—
  - (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
  - (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed, to him, into consideration.

14. ORIGINAL CERTIFICATES—SUBMISSION OF.—Only those candidates who qualify in the SSB interview are required to submit their original certificates in support of their age and educational qualifications etc. to Army HQ/Rtg. 6(SP)(e), New Delhi-110022 in case of IMA/SSC (NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R. Sena Bhawan New Delhi-110011 in case of Navy first choice candidates and Air HQ/PO-3, Vayu Bhavan, New Delhi-110011, in case-of Air Force first choice candidates within two weeks of completion of SSB interview and not later than 30th June, 1984 [15th September, 1984 in case of SSC (NT) only]. Certified true copies or photostat copies of the certificates will not be accepted in any case.

15. COMMUNICATION REGARDING APPLICATIONS.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY. UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION. DHOLPUR HOUSE. NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—

- (1) NAME OF EXAMINATION
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATES (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICA-
- N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.
- N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RE-CEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.
- 16. CHANGE OF ADDRESS.—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his annilication are redirected, if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the culiost of portunity giving the particulars mentioned in paragraph 15.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSECUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION SHOULD MAKE DIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE PESUIT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION SHOULD THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WITH CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY WEST BLOCK 3, WING 1, RAMAKRISHNAPURAM

NEW DELHI-110022, AND AIR HQ (PO3) VAYU BHA-WAN, NEW DELHI-110011. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CAN-DIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTERS FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION:—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests, if any, relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch, RTG 6(SP)(c)(ii) West Block 3, Wing 1, Ramakrishnapuram. New Delhi-110022 and Air Headquarters (PO3) Vayu Bhawan, New Delhi-110011 in the case of Air Force candidates.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in very genuine circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ/Air Headquarters will be the sole deciding authority.

The candidates called for SSB interview at different Services Selection Centres will bring with them the following articles:

- (a) Passport size photographs in white shirt-6 Nos.
- (b) Bedding and blankets (according to season).
- (c) Two pairs of white shirts and shorts.
- (d) A pair of white PT shoes and two pairs of white socks.
- (c) Two pairs of trousers and shirts.
- (f) Fountain Pen, ink and pencils.
- (g) Boot polish and white blanco.
- (h) One mosquito net.

18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES.—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests simultaneously for all the entries for which they have qualified.

Candidates who qualify in the written examination for IMA (D.E.) Course and/or Navy (S.E.) Course and/or Air Force Academy Course irrespective of whether they have also qualified for SSC (NT) Course or not, will be detailed for S.S.B. tests in March/April, 1984 and candidates who qualify for SSC (NT) Course only will be detailed for SSB tests in June/July, 1984.

Candidates will appear before the Services Selection Board and undergo the tests thereat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Service Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Candidates will be required to sign a certificate to this effect on the form proceeded to the application.

65—46GI/83

To be acceptable candidates should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination and (ii) S.S.B. tests as fixed by the Commission in their discretion. The candidates will be placed in the order of merit on the basis of the total marks secured by them in the written examination and in the S.S.B. tests. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success at the examination confers no right of admission to the Indian Military Academy the Naval Academy, Air Force Academy or the Officers' Training School as the case may be. The final selection will be made in order of merit subject to medical fitness and suitability in all other respects and number of vacancies available.

Note: Every candidate for the Air Force is given Pilot Aptitude Test only once. The Grade secured by him at the first test will therefore hold good tor every subsequent interview at the Air Force Selection Board. A candidate who fails in the first Pilot Aptitude Test cannot apply for admission for the F(P) Branch of the Indian Air Force.

19. DISQUALIFICATIONS FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE.—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy. Indian Military Academy, Air Force Flying College, Naval Academy Cochin Officers' Training School, Madras but were removed therefrom on disciplinary grounds will not be considered for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy or for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the Indian Military Academy for lack of Officer like qualities will not be, admitted to the Indian Military Academy.

Candidates who were previously selected as Special Entry Naval Cadets but were withdrawn from the National Defence Academy or from Naval Training Establishments for lack of Officer like qualities will not be eligible for admission to the Indian Navy.

Candidates who were withdrawn form Indian Military Academy, Officers' Training School, N.C.C. and Graduate Course for lack of Officer like qualities will not be considered for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the NCC and Graduates' Course for lack of Officer like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

20. RESTRICTIONS ON MARRIAGE DURING TRAIN-ING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY OR IN THE AIR FORCE ACADEMY.—Candidates for the Indian Military Academy Course or Naval Academy Course, or Air Force Academy Course must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

- · No candidate for the Short Service Commission (N.T.) Course—
  - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
  - (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for admission to the Officers' Training School/grant of Short Service Commission,

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

21. OTHER RESTRICTIONS DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY OR IN THE AIR FORCE ACADEMY.—After admission to the Indian Military Academy or the Naval Academy or the Air Force Academy candidates will not be considered for any other Commission. They will also not be permitted to appear for any interview or examination after they have been finally selected for training in the Indian Military Academy, or the Naval Academy or the Air Force Academy. Candidates who resign from IMA/Naval Academy/Air Force Academies will not be considered for induction in OTS Madras under any circumstances.

22. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examinations". This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections. This publication is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (1) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, and (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhavan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The Manual is also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

M. BALAKRISHNAN Dv. Secv.

# APPENDIX 1

(The scheme, standard and syllabus of the examination)

# A. SCHEME OF THE EXAMINATION

- 1. The Competitive examination comprises:-
- .(a) written examination as shown in para 2 below;
- (b) Interview for intelligence and personality test (vide Part 'B' of this Appendix) of such candidates as may be called for interview at one of the Services Selection Centres.
- 2. The subjects of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows:—
- (a) For admission to Indian Military Academy:

Subject	Duration	Maximum Marks		
1. English	2 Hours	100		
2. General Knowledge .	2 Hours	100		
3. Elementary Mathematics	2 Hours	. 100		

(b)	For	Admission	to	Naval	Academy	i
-----	-----	-----------	----	-------	---------	---

Subject	Time allowed	Maximum Marks
COMPULSORY		
1. English	2 Hrs.	100
2. General Knowledge .	2 Hrs.	100
OPTIONAL		
*3. Elementary Mathematics	or	
Elementary Physics .	. 2 Hrs.	100
*4. Mathematics or Physics		150
,	-	offering Elemen-
4	tary Mathe	matics will take
	Physics as	their 4th paper
	and Candid	lates offering Ele-
		nysics will take
	-	s as their 4th paper

(c) For Admission to Office	ers' Training School:
-----------------------------	-----------------------

Subject		Time allowed	Maximum Marks	
<ol> <li>English</li> <li>General Knowledge</li> </ol>	•	2 Hours 2 Hours	100 100	

# (d) For Admission to Air Force Academy:

Subject	Duration	Maximum Marks	
1. English	2 Hours	100	
2. General Knowledge .	2 Hours	100	
3. Elementary Mathematics	2 Hours	100	

The maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be equal for each course i.e. the maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be 300, 450, 200 and 300 each for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Officers' Training School and Air Force Academy.

- 3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.
- 4. In the question papers, wherever necessary, questions involving the metric system of Weights and Measures only will be set.
- 5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.
- The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.
- 7. The candidates are not permitted to use calculators, for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the examination hall.
- B. STANDARD AND SYLLABUS OF THE EXAMINATION

# STANDARD

The standard of the paper in Elementary Mathematics will be of Matriculation Examination and that of Elementary Physics will be of Higher Secondary Examination.

The standard of papers in other subjects will approximately be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

There will be no practical examination in any of the subjects.

#### SYLLABUS '

# ENGLISH (Code No. 01)

The question paper will be designed to test the candidate's understanding of English and workmanlike use of words.

#### GENERAL KNOWLEDGE (Code No. 02)

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to enswer without special study.

## ELEMENTARY MATHEMATICS (Code No. 03)

#### Arithmetic

Number System—Natural numbers, Integers, Rational and Real numbers. Fundamental operations—addition, subtraction, multiplication, division, Square roots, Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work, percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss. Ratio and proporiton, variation.

Elementary Number Theory—Division algorithm, Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9 and 11 Multiples and factors. Factorisation Theorem, H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logar-lthmic tables.

#### Algebra

Basic Operations, simple factors, Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. Theory of polynomials, Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients. (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations in two unknows—analytical and graphical solutions. Simultaneous linear inequations in two variables and their solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations or inequations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expressions and conditional identities. Laws of Indices.

# Trigonometry

Sine X, Cosine X, Tangent X when 0° ≤ X ≤ 90°

Values of sin x, cos x and tan x, for  $x=0^{\circ}$ , 30°, 45°, 60° and 90°.

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometric tables.

Simple cases of heights and distances.

# Geometary

Lines and angles, Plane and plane figures Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and squares, (vii) Circle and its properties including tangents and normals, (ix) Loci.

# Mensuration

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangle and circle. Areas of figures which can be split up into the figures (Field Book) Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres.

#### Statistics

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation—frequency polygons, histograms, bar charts, pie charts etc.

Measures of central tendency.

## ELEMENTARY PHYSICS (Code No. 05)

- (a) Mensuration.—Units of measurement; CGS and MKS units, scalers and vectors, Composition and resolution of forces and velocities. Uniform acceleration. Rectilinear motion under uniform acceleration. Newton's Laws of Motion, concept of Force. Units of Force. Mass and weight.
- (b) Mechanics of Solids.—Motion under gravity. Parallel forces, Centre of Gravity. States of equalibrium. Machines. Velocity Ratio, Various simple machines including inclined plane Screw and Gears, Friction angle of frictions coefficient of friction. Work. Power and energy Potential and kinetic energy.
- (c) Properties of fluids.—Pressure and Thrust. Pascal's Law, Archimedes principle. Density and Specific gravity. Application of the Archimedes principle for the determination of specific gravities of solids and liquids. Laws of flotation, Measurement of pressure exerted by a gas, Bolyle's Law, Air pumps.
- (d) Heat.—Linear expansion of solids and cubical expansion of liquids. Real and apparent expansion of liquids Charles Law. Absolute Zero; Boyles and Charles Law; specific heat of solids and liquids; calorimetry. Transmission of heat; Conductivity of metals. Change of State. Latent heat of frusion and vaporization. SVP humidity, dew point and relative humidity.
- (e) Light.—Rectilinear propagation. Laws of reflection, spherical mirrors; Refraction, laws of refraction. Lenses, Optical instruments, camera, projector, epidiascope, telescope. Microscope, binocular & perioscope. Refraction through a prism, dispersion.
- (f) Sound.—Transmission of sound; Reflection of sound, resonance. Recording of sound-gramophone.
- (g) Magnetism & Electricity.—Laws of Magnetism, Magnetic field. Magnetic lines of force, Terrestrial Magnetism, Conductors and insulators. Ohm's Law, P.D., Resistances EMF (Resistances in series and parallel). Potentiometer Comparison of EMF's Magnetic effect of an electric current; A conductor in a magnetic field. Fleming's left hand rule, Measuring instruments—Galvanometer, Ammeter. Voltmeter, Wattmeter, chemical effect of, an electric current, electroplating, Electromagnetic induction. Faraday's Laws, Basic AC & DC-generator.

# PHYSICS (Code No. 06)

# 1. General properties of matter and mechanics

Units and dimensions, scalar and vector quantities; Moment of Inertia, Work, energy and momentum. Fundamental laws of mechanics; rotational motion gravitation. Simple, harmonic motions, simple and compound pendulum. Elasticity, Surface tension; Viscosity of liquids. Rotary pump.

#### 2. Sound

Damped, forced and free vibrations. Wave motion, Doppler effect, velocity of sound waves; effects of pressure temperature and humidity on velocity of sound in a gas. Vibration of strings, membranes and gas columns. Resonance, beats, stationary waves. Measurement of frequency, velocity and intensity of sound. Elements of ultra sonics. Elementary principles of gramophone, talkies and loudspeakers.

# 3. Heat and Thermodynamics

Temperature and its measurement; thermal expansion; isothermal and adiabatic changes in gases. Specific heat and thermal conductivity; Elements of the kinetic theory of matter; Physical ideas of Boltzmann's distribution law; vander Wall's equivation of state; Joule Thompson effect; liquefaction of gases; Heat engines; Carnot's theorem; Laws of thermodynamics and simple applications. Black body radiation.

#### 4. Light

Geometrical optics. Velocity of light. Reflection and refraction of light at plane and spherical surfaces. Spherical and chromatic defects in optical images and their correction. Eye and other optical instruments. Wave theory of light, interference.

# 5. Electricity and Magnetism

Energy due ot a field; Electrical and magnetic properties of matter; Hysteresis permeability and susceptibility; Magnetic field due to electrical current; Moving magnet and moving coil galvanometers. Measurement of current and resistance; Properties of reactive circuit elements and their determination, thermoelectric effect; Electromagnetic induction; Production of alternating currents. Transformers and motors; Electronic valves and their simple applications.

#### 6. Modern Physics

Elements of Bohr's theory of atom. Electrons, Discharge of Electricity through gases; Cathode Rays and X-rays. Radioactivity. Artificial radioactivity, Isotopes. Elementary ideas of fission and fusion.

## MATHEMATICS (Code No. 04)

#### 1. Algebra

Algebra of Sets, relations and functions; inverse of functions; composite function; equivalence relation; De Moivre's theorem for rational index and its simple applications.

#### 2. Matrices.

Alebra of Matrices, determinants, simple properties of determinants, product of detreminants; adjoint of a matrix inversion of matrices, rank of a matrix. Application of matrices to the solution of linear equations (in three dimensions).

## 3. Analytical Geometry

Analytical Geometry of two dimensions

Straight lines, pair of straight lines, circles, systems of circles clipse, parabola, hyperbola (referred to principal axis). Reduction of a second degree equation to standard form. Tangents and normals.

# Analytical Geometry of three dimensions

Planes, straight lines and spheres (Cartesian co-ordinate only).

# 4. Calculus and Differential Equation

Differential calculus—Concept of limit, continuity and differentiability of a function of one real variable, derivative of standard functions, successive differentiation. Rolle's theorem. Mean value thereorem; Maclaurine and Taylor series (proof not needed) and their applictiaons. Binomial expansion for rational index, expansion of exponential, logarithmic trigonometrical and hyperbolic functions. Indeterminate forms. Maxima and Minima of a function of a single variable geometrical applications such as tangent, normal, subtangent subnormal, asymptotic curvature (cartesian co-ordinates only). Envelope: Partial differentiation. Euller's theorem for homogeneus functions.

Integral calculus—Standard methods of integration Reimann definition of definite integral of continuous functions. Fundamental theorem of integral calculus. Rectification, quardrature, volumes and surface area of solids of revolution. Simpsons rule for numerical integration.

Differential equations—Solution of standard first order differential equations. Solution of second and higher order linear differential equations with constant coefficients, Simple application of problems on growth and decay, simple harmonic motion. Simple pendulum and the like.

# 5. Mechanics (Vector methods may be used)

Statics.—Conditions of equilibrium or coplanar and concurrent forces. Moments, Couples, Centre of gravity of simple bodies. Friction, Static and limiting friction, angle of friction equilibrium of a particle on a rough inclined plane. Virtual work (two dimensions).

Dynamics.—Kinematics Displacement, speed velocity and acceleration of a particle; relative velocity. Motion in a straight line under constant acceleration. Newtons law of motion. Central Orbits. Simple harmonic motion. Motion under gravity (in vacuum). Impulse work and energy. Conservation of energy and linear momentum. Uniform circular Motion.

6. Statistics.—Probability—Classical and statistical definition of probability, calculation of probability of combinatorial methods, addition and multiplication theorems, conditional probability. Random variables (discrete and continuous), density function. Mathematical expectation.

Standard distribution—binomial Distribution, definition, mean and variance, skewness, limiting from simple application; Poisson distribution—definition, mean and variance additive property fitting of Poisson distribution to given data. Normal distribution, simple properties and simple applications fitting a normal distribution to given data.

Bivariate distribution—Correlation, linear regresison involving two variables, fitting of straight line, parabolic, and exponential curves, properties of correlation coefficient.

Simple sampling distribution and simple tests of hypothesis; Random sample. Staitsites. Sampling distribution and standard error. Simple application of the normal, t. cm<sup>2</sup> and F distributions to testing of significance of difference of means.

Note:—Out of the two topics No. 5 Mechanics and No. 6 Statistics, the candidates will be allowed the option of answering questions on any of the two topics.

#### INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview the candidates will be put to intelligence Tests both verbal and non-verbal, designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests such as group discussions, group planning outdor group tasks, and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

# APPENDIX II

Physically Standards for Candidates for Combined Defence Services Examination

Note.—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARD. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW.

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMNT AT THE FINAL STAGE.

- 1. A candidate recommended by the Services Selection Board will undergo a medical examination by a Board of Service Medical Officers. Only those candidates will be admitted to the academy or school who are declared fit by the Medical Board. The proceedings of the Medical Board are confidential and will not be divulged to anyone. However, the candidates declared unfit/temporarily unfit will be intimated by the President of the Medical Board and the procedure for request for an Appeal Medical Board will also be intimated to the candidate. The candidates must be physically fit according to the prescribed physical standards which are summarised below:—
  - (a) The candidate must be in good physical and mental health and free from any dsiease/disability which is likely to interfere with the efficient performance of duties.

- (b) There should be no evidence of west consultation, bodily defects or over-weight
- (c) The minimum acceptable height is 157.5 cms (157 cms for Navy and 162.5 cms for Air Force). For Gorkhas and individuals belonging to hills of North Eastern regions of India, Garhwal and Kumaon the minimum acceptable height will be 5 cms, less. In case of candidates from Lacadives the minimum acceptable height can be reduced by 2 cms. Height and weight standards are given below:—

Height and Weight Standards

t Telo	he l	. Cani	i			Weight in Kgs.					
	Teight in Centimetres (without shoes)					18 years	20 years	22 years			
152		•		<del>.</del>		44	46	47			
155						46	48	49			
157				,		. 47	49	50			
160					-	48	50	51			
162			-			50	52	53			
165			₹.	,		52	53	55			
168						. 53	55	57			
170						55	57	58			
173						57	59	60			
175						59	61	62			
178						61	62	.63			
180						63	64	65			
183						65	67	67			
185						67	69	70			
188						70	71	72			
190					Ĺ	72	73	74			
193						74	76	77			
195				·	-	77	78	78			

A $\pm$  10% ( $\pm$ 6 Kg for Navy) departure from the average weight given in the Table above is to be considered within normal limits. However, in individuals with heavy bones and broadbuilt as well as individuals with thin but otherwise healthy this may be relaxed to some extent on merit.

- (d) Chest should be well developed. The minimum range of expansion after full inspiration should be 5 cms. The measurement will be taken with a tape so adjusted that its lowed edge should touch the nipple in front and the upper part of the tape should touch the lower angle of the shoulder blades behind. X-Ray of the chest is compulsory and will be taken to rule out any disease of the chest.
- (e) There should be no disease of bones and joints of the body.
- (f) A candiate should have no past history of mental breakdown or fits.
- (g) The hearing should be normal. A candidate should be able to hear a forced whisper with each ear at a distance of 610 cms in a quiet room. There should be no evidence of present or past disease of the ear, nose and throat.
- (h) There should be no signs of functional or organic disease of the heart and blood vessels. Blood pressure should be normal.
- (i) The muscles of abdomen should be well developed and there should be no enlargement of liver or splean. Any evidence of disease of internal organs of the abdomen will be a cause for rejection.
- (j) Un-operated hernias will make a candidate unfit. If operated, this should have been done at least a year prior to the present examination and healing is complete.

- (k) There should be no hydrocele, varicocele or piles.
- Urine examination will be done and any abnormality if detected will be a cause for rejection.
- (m) Any disease of the skin which is likely to cause disability or disfigurement will also be a cause for rejection.
- (n) A candidate should be able to read 6/6 in a diatant vision chart with each eye with or without glasses (For Navy and Air Force without glasses only). Myopia should not be more than 3.5 D and hypermetropia not more than 3.5 D including Astigmatism. Internal examination of the eye will be done by means of ophthalmoscope to rule out any disease of the eye. A candidate must have good binocular vision. The colour vision standard will be CP-3. A candidate should be able to recognise red and green colours.

The candidates for Navy should have the following vision standards:

Distant Vision
Near vision

Colour Vision

6/6 6/9 correctable to 6/6
N-5 each eye

Colour Vision

CP-1 by MLT

Myopia is not to exceed 0.5 dioptres and Hypermetropia not more than 1.50 dioptres in the better eye and 2.50 dioptres in the worse eye.

Occular Muscle Balance

Hetrophoria with the Maddox Rod test must not exceed a

- (i) at 6 meter . Exophoria 8 prism dioptres
  Esophoria 8 prism dioptres
  Hyperphoria 1 prism dioptres
  Exophoria 16 prism dioptres
  Esophoria 06 prism dioptres
  Hyperphoria 1 prism dioptres
- (o) The candidate should have sufficient number of natural and sound teeth. A minimum of 14 dental points will be acceptable. When 32 teeth are present, the total dental points are 22. A candidate should not be sufering from severe pyorrhoea.
- (p) X-Ray examination of the chest will include the lower part of cervical spine for presence of cervical ribs. X-Ray examination of other parts of spine will be taken if the SMB considers it necessary.
- 2. In addition to the above, the following medical standards will be applicable in respect of Air Force candidates only:—
  - (a) Antropmetric measurements acceptable for Air Force are as follows:—

- (b) X-ray Lumbo-sacral spine will be carried out. The following conditions detected in the X-ray will be disqualifying:—
  - (i) Granulomatous disease of Spine
  - (ii) Arthritis/Spondylosis
  - (fii) More than mild kyphosis/Lardosis Scollosis, More than 15° by Cobb's method will be cause for reciction.

- (iv) Spondylolisthesis/spondylolysis
- (v) Herniated Nucleus Pulposus
- (vi) Compression fracture of Vertebra
- (vii) Scheurman's Disease
- (vili) Cervical Ribs with demonstrable neurological or circulatory difficit.
- (ix) Any other abnormality, if so considered by specialist.
- (c) X-Ray Chest is compulsory
- (d) Vision

Distant Vision: . 6/6 6/9 Correctable to 6/6.

Manifest Hypermetropia....must not exceed 2.00 D

Ocular Muscle Balance

Hetrophoria with the Maddox Rod test must not exceed t

(f) at 6 metres . . . Exophoria 6 prism dioptres.

Esophoria 6 prism dioptres.

Hyperphoria 1 prism dioptres.

dioptres.

(ii) at 33 cms

Exophoria 16 prism dioptres

Esophoria 6 prism dioptres

Hyperphoria 1 prism dioptres

Myopia Nill

Astigmatism + 0 75D

only

Binocular Vision—Must possess good binocular vision (fusion and sterwopsis with good amplitude and depth)

- (e) Hearing Standards
  - (i) Speech test . . Whispered hearing 610 cms each ear.
  - (ii) Audiometric test

    . Audiometric loss should not exceed + 10 db in frequencies between 250 Hz and 4000 Hz
  - (f) Routine ECG and EEG should be within normal limits.
- 3. The medical standards for candidates of Naval Aviation Branch will be the same as for flying duties of Air Force.
- 4. Detection of any disability in the course of a special test carried out prescribed for one service, may render the candidate unfit for any other service(s), if so considered as disqualifying by Medical Board.

## APPENDIX III

(Brief Particulars of service etc.)

- (A) FOR CANDIDATES JOINING THE INDIAN MILITARY ACADEMY, DEHRA DUN.
- 1. Before the Candidate joins the Indian Military academy-
  - (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise:

- bond to the effect that if for any reason consideded within his control, the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission if offered he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tution, food, clothing and pay and allowances, received as may be decided upon by Government.
- 2. Candidates finally selected will undergo a course of training for about 18 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as 'gentlemen cadets'. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Indian Military Academy, Dehra Dun.
- 3. While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidate will be expected to meet their pocket expenses themselves. The maximum expenses at the Indian Military Academy are not likely to exceed Rs. 55.00 per mensem. If a cadet's parent or guardian as unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 per mensem or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other as sets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately after his son/ward has been finally selected for training at the Indian Military Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will, with his recommendation, forward the application to the Commandant, Indian Military Academy, Dehra Dun.

- 4. Candidate finally selected for trianing at the Indian Military Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival:
  - (a) Pocket allowance for five months at Rs. 55.00 per month—Rs. 275.00.
  - (b) For items of clothing and equipment—Rs. 800.00

Total: Rs. 1075.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sauctioned to them :—

Pocket allowance for five months at Rs. 55.00 per month Rs. 275.00.

- 5. The following scholarships are tenable at the Indian Military Academy:—
- (1) PARSHURAM BHAU PATWARDHAN Scholarship.—This scholarship is awarded to cadets from MAHARASHTRA AND KARNATAKA. The value of one scholarship is up to the maximum of Rs. 500.00 per annum for the duration of a cadet's stay at the Indian Military Academy subject to the cadet's making satisfactory progress. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

- (2) COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarship.—This Scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and is awarded to an eligible maratha cadet who should be a son of ex-serviceman. The Scholarship is in addition to any financial assistance from the Government.
- 6. An outfit allowance at the rates and under the general conditions applicable at the time for each cadet belonging to the Indian Military Academy will be placed at the disposal of the Commandant of the Academy. The unexpended portion of this allowance will be—
  - (a) handed over to the cadet on his being granted a Commission; or
  - (b) if he is not granted a commission refunded to the

On being granted a commission, article of clothing and necessaries purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles will, however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The article withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

- 7. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadet resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ. Cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Indian Military Academy. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may, with permission of the Government be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.
- 8. Commission will be granted only on successful completion of training. The date of commission will be that following the date of successful completion of training, Commission will be permanent.
- 9. Pay and allowances, pensions, leave and other conditions of service after the grant of commission will be identical with those applicable from time to time to regular officers of the army.

#### Training

10. At the Indian Military Academy, Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous military training for a period of 18 months aimed at turning out officers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd Lt. subject to being medically fit in S.H.A.P.B.

- 11. Ierms and Conditions of Service
- (i) PAY

Rank			Pay Scale	Rank	Pay Scale
2nd Lieut .	• ,		Rs. 750—790	Lt. Colonel (Time scale)	Rs. 1900 fixed
Licut .			830—950	Colonel	1950—2175
Captain .			11001550	Brigadier	2200-2400
Major .			1450—1800	Maj. General	2500125/2 2750
Major (Selec	tion G	ade	180050	1900	
Pay) Lt. Co	lonel			Lt. General	3000 p.m.
(By Selection	a) .	:	1750-1950	Lt. General (Army Com	
Lt. Colonel ( Grade Pay)	(Selection	n	2000-50-2100	O	

# (ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank of Lt Col and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/- based on the qualifications held by them. Flying Instructors (Cat. 'B') are authorised qualification pay @ Rs. 70/- p.m.

# (iii) ALLOWANCES

In addition to pay an officer at present receives the following allowances—

- (a) Compensatory (city) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted Officers from time to time.
- (b) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.
- (b) A kit maintenance allowance of Rs. 75 p.m. outside India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of foreign allowance.
- (d). Separation allowance: Married officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 140 p.m.
- (e) Outfit Allowance:—Initial outfit allowance is Rs. 2100/-.

A fresh outfit allowance @ Rs. 1800/- is to be claimed after every seven years of the effective service commencing from the date of first commission.

(f) Free rations are provided upto the level of Colonel in the Army.

# (iv) POSTING

Army officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

# (v) PROMOTION

#### (a) Substantive promotion

The following are the service limits for the grent of substantive promotion to higher ranks:—

#### by time scale

Lt.				2 years of Commissioned Service
Capt.				6 years of Commissioned Service
Major				13 years of Commissioned Service
Lt. Col.	្រែបា	Major		25 years of Commissioned Service
(if not 1		oted by	•	,
Selectio	n)			

# by selection

Lt. Col.			16 years of Commissioned	Service
Col.			20 years of Commissioned	Service
Brigadier			23 years of Commissioned	Service
Major Ge	n.		25 years of Commissioned	Service
Lt. Gen.			28 years of Commissioned	Service
General		_1	No restriction	

(b) Acting promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum Service limits subject to availability of vacancies:

- (B) FOR CANDIDATES JOINING THE NAVAL ACADEMY, COCHIN.
- 1. (a) Candidates finally selected for training at the Academy will be appointed as cadets in the Executive Branch of the Navy. They will be required to deposit the following amount with the Officer-in-Charge. Naval Academy, Cochin.
- (1) Candidates not applying for government financial aid :
  - (i) Pocket allowance for five months

    @ Rs. 45.00 per month . . Rs. 225.00

  - (2) Candidates applying for Government financial aid:
    - (i) Pocket allowance for two months
      - @ 45-00 per month . . Rs. 90-00
    - (ii) For items of clothing and equipment

Rs. 460 Q0

Total . . . Rs. 550.00

- (b) (i) Selected Candidates will be appointed as cadets and undergo training in Naval Ships and Establishments as under:

  - (b) Midshipmen affoat Training . . . 6 months
  - (c) Acting Sub-Lieutenant Technical Course 12 months
  - (d) Sub-lieutenants

On completion of the above training, the officers will be appointed on board Indian Naval Ships for obtaining full Naval Watch-keeping certificate for which a minimum period of six months is essential.

(ii) The cost of training including accommodation and allied services, books, uniform, messing and medical treatment of the cadets at the Naval Academy will be borne by the Government. Parents or guardians or cadets will however, be required to meet their pocket and other private expenses while they are cadets. When a cadet's parent or guardian has an income less than Rs. 500 per mensen and is unable to meet wholly or partly the pocket expenses of the cadet, financial assistance up to Rs. 55 per mensem may be granted by the Government, A candidate desirous of securing financial assistance may immediately after his selection, submit an application through the District Magistrate of his District, who will with his recommendations, forward the application to the Director of Personnel Service, Naval Headquarters, New Delhi;

Provided that in a case where two or more sons or wards of a parent or guardian are simultaneously undergoing training at Naval ships/establishments, financial assistance as aforesaid may be granted to all of them for the period they simultaneously undergo training, if the income of the parent or guardian does not exceed Rs. 600 p.m.

- (iii) Subsequent training in ships and establishments of the Indian Navy is also at the expense of the Government. During the first six months of their training after leaving the Academy financial concession similar to those admissible at the Academy vide sub para (ii) above will be extended to them. After six months of training in ships and establishments of the Indian Navy, when Cadets are promoted to the rank of Midshipmen they begin to receive pay and parents are not expected to pay for any of their expenses.
- (iv) In addition to the uniform provided free by the Government cadets should be in possession of some other items of clothing. In order to ensure correct pattern and uniformity these items will be made at Naval Academy and cost will be met by the parents or guardians of the cadets. Cadets applying for financial assistance may be issued with some of these items of clothing free or on loan. They may only be required to purchase certain items.
- (v) During the period of training Service Cadets may receive pay and allowances of the substantive rank held by them as a sailor or as a boy or as an apprentice at the time of selection as cadets. They will also be entitled to receive increments of pay, if any, admissible in that rank. If the pay and allowances of their substantive rank be less than the financial assistance admissible to direct cadets and provided they are eligible for such assistance they will also receive the difference between the two amounts.
- (vi) No cadet will normally be permitted to resign while under training. A cadet who is not considered suitable to complete the full course at the Indian Naval Ships and establishment may, with the approval of the Government be withdrawn from training and discharged. A service cadet under these circumstances may be reverted to his original appointment. A cadet thus discharged or reverted will not be eligibile for re-admission to a subsequent course. Cases of cadets who are allowed to resign on compassionate grounds may, however, be considered on merits.
- 2. Before a candidate is selected as a cadet in the Indian Navy, his parent or guardian will be required to sign....
  - (a) A certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the that he or his son or ward shall not be entitled to or ward may sustain in the course of or as a result

of the training or whose bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon oranaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.

(b) A bond to the effect that if for any reason considered within the control of the candidate, he wishes to withdraw from training or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of the tuition, food clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.

# 3. PAY AND ALLOWANCES

# (a) PAY

Rank							Pay Scale
		*					General Servee
(1)			, ,	-			(2)
Midshipman		•		•	•	•	Rs. 560
Ag. Sub. Lieu	ıt.						Rs. 750
Sub. Lieut.							Rs. 830870
Licut.							Rs. 1100-1450
Lieut Cdr.							Rs. 14501800
Commander (	By So	lection	n)				Rs. 1750-1950
Commander (	(By tli	nes so	ale)		٠		Rs. 1900 fixed
Captain	•	•	•	•	•		Rs. 1950—2400 (Commodore receives pay to which entitled according to seniority as Captain).
Rear Admira	١.	•	•	•	•	•	Rs. 2500—125/2 —2750
Vice Admiral			•	٠			Rs. 3000

# (b) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer receives the following allow-AEC68 :---

- (i) Compensatory (City) and dearness allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.
- (ii) A kit maintenance allowance of Rs. 75 p.m.
- (iii) When officers are serving outside India expatriation allowance ranging from Rs. 50 to Rs. 250 p.m. depending on rank held; is admissible.
- (iv) A separation allowance of Rs. 140 p.m. is admissible
  - (a) married officers serving in non-family station:
  - (b) married officers serving on board I.N. Ships for the period during which they remain in whips away from the base ports.

- (v) (a) Outfit Allowance: Initial Outlit Allowance Re. 2,400/-.
  - (b) Renewal Outfit allowance is Rs. 2,100/-.
- (vi) Free ration for the period they remain in the ships away from the base ports.
- (vii) Free rations are provided upto the level of Captain (IN) in the Navy.
- NOTE I:--In addition certain special concessions like hardlying money, sub-marine allowance, sub-marine pay, survey bounty, qualification pay/grant and diving pay are admissible to officers.
- Note II:—Officers can volunteer for Service in Sub-marine or Aviation Arms. Officers selected for Service in these arms are entitled to enhanced pay and special allowances.

# 4. PROMOTION (a) By time scale

Midshipmen to Ag. Sub. Lieut . 1/2 year Ag. Sub. Lieut, to Sub Lieut . 1 year Sub. Lieut to Lieut . . 3 years as Ag. and confirmed Sub. Lt. (Subject to gain/forfeature of seniority) Lieut to Lieut Cdr. 8 years seniority as Lieut, Lieut. Cdr. to Cdr. (if not ... 24 years (reckonable promoted by selection) commissioned service)

(b) By selection . 2-8 Lieut. Cdr. to Cdr. years seniority as Lieut Cdr. . 4 years seniority as Cdr. Cdr. to Capt. .

Capt. to Rear Admiral and above No service restriction.

#### 5. POSTING

Officers are liable to serve anywhere in India and abroad

Note.-Further information, if desired, may be obtained from the Director of Personnel Service Naval Headquarters, New Delhi-110011.

- (C) FOR CANDIDATES JOINING THE OFFICERS TRAINING SCHOOL, MADRAS.
- 1. Before the candidate joins the Officers Training School Madras
  - (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training, or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
  - (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that, if for any reason considered within his control the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or, fails to accept a commission if offered or marries while under training at the Officers' Training School, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.

- 2. Candidates finally selected will undergo a course of training at the Officers' Training School, for an approximate period of 9 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as gentlemen cadets. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Officers' Training School.
- 3. While the cost of training, including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses during pre-Commission training are not likely to exceed Rs. 55 per month but if the cadets pursue any hobbies such as photography, Shikar, hiking etc. they may require additional money. In case, however, the cadet is unable to meet wholly or partly even the minimum expenditure, financial assistance at rates which are subject to change from time to time, may be given provided the cadet and his parent/guardian have an income below Rs. 500 per month. The rate of assistance under the existing orders is Rs. 55 per month. A candidate desirous of having financial assistance should immediately after being finally selected for training submit an application on the prescribed form through the District Magistrate of his district who will forward the application to the Commandant Officers Training School, MADRAS along with his verification report.
- 4. Candidates finally selected for training at the Officers Training School will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival:—
  - (a) Pocket allowance for ten months at Rs 55.00 per month.

Rs. 550.00

(b) For items of clothing and equipment Rs. 500.0

Total Rs. 1050.00

Out of the amount mentioned above, the amount mentioned in (b) above is refundable to the Cadets in the event of financial assistance being sanctioned in them.

5. Outfit allowance will be admissible under orders as may be issued from time to time.

On being granted a commission articles of clothing and necessaries purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles, will however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The articles withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

- 6. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Officers' Training School.
- 7. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may with permission of Government be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.
- 8. Pay and allowances, pension, leave and other conditions of service, after the grant of commission, are given below.

#### 9. Iraining

1. Selected candidates will be enrolled under the Army Act as Gentlemen Cadets and will undergo a course of training at the Officers Training School for an approximate period of nine months. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Short Service Commission in the rank of 2/Lt. from the date of successful completion of training.

#### 10. Terms and conditions of Service

# (a) Period of probation

An officer will be on probation for a period of 6 months from the date he receives his Commission. If he is reported on within the probationary period as unsuitable to retain his commission, it may be terminated at any time, whether before or after the expiry of the probationary period.

#### (b) Posting

Personnel granted Short Service Commission are liable to serve anywhere in India and abroad.

# (c) Tenure of Appointment and Promotion

Short Service Commission in the Regular Army will be granted for a period of five years. Such officers who are willing to continue to serve in the Army after the period of five years' Short Service Commission may if eligible and suitable in all respects, be considered for the grant of Permanent Commission in the last year of their Short Service Commission in accordance with the relevant rules. Those who fail to qualify for the grant of Permanent Commission during the tenure of five years, would be released on completion of the tenure of five years.

# (d) Pay and Allowances

Officers granted Short Service Commission will receive pay and allowances as applicable in the regular officers of the Army.

Rates of pay 2/Lt. and Lelut. are:-

(i) Second Lieut.

Rs. 750---790 p.m.

(ii) Lieut.

Rs. 830—950 p.m. plus other allowances as laid down for regular officers.

- (c) Leave: For leave, these officers will be governed by rules applicable to Short Service Commission Officers as given in Chapter V of the Leave Rules for the Service Vol. I-Army. They will also be entitled to leave on passing out of the Officers Training School and before assumption of duties under the provisions of Rule 91 tbid.
- (f) Termination of Commission: An officer granted Short Service Commission will be liable to serve for five years but his Commission may be terminated at any time by the Government of India—
  - (i) for misconduct or if services are found to be unsatisfactory; or
  - (ii) on account of medical unfitness; or
  - (ili) If his services are no longer required; or
  - (iv) if he fails to qualify in any prescribed test or course.

An officer may on giving three months notice be permitted to resign his Commission on compassionate grounds of which the Government of India will be the sole judge. An officer who is permitted to resign his Commission on compassionate grounds will not be eligible for terminal gratuity.

# (g) Pensionary benefits

- (i) These are under consideration.
- (ii) SSC officers on expiry of their five years term are eligible for terminal gratuity of Rs. 5,000.00.

## (h) Reserve Liability

On being released on the expiry of five years Short Service Commission or extension thereof they will carry a reserve liability for a period of five years or up to the age of 40 years whichever is earlier.

(i) Miscellaneous: All other terms and conditions of Service where not at variance with the above provisions will be the same as for regular officers.

# (D) FOR CANDIDATES JOINING THE AIR FORCE ACADEMY

- 1. Selection.—Recruitment to the Flying Branch (Pilets) of the IAF is carried out through two sources i.e. Direct entry through UPSC and NCO (Senior Division Air Wing).
  - (a) Direct Entry.—Selection is made through a written examination conducted by the commission twice a year normally in May and November. Successful candidates are then sent to the Air Force Selection Boards for tests and interview.
  - (b) NCC Entry.—Applications from NCC candidates are invited by Director General NCC through respective NCC units and forwarded to Air HQ Eligible candidates are directed to report to AFSBs for tests and interview.
- 2. Detailing for Training.—Candidates recommended by the AFSBs and found medically fit by appropriate medical establishment are detailed for training strictly on the basis of merit and availability of vacancies. Separate merit lists are prepared for Direct Entry candidates through UPSC and for NCC candidates. The merit list for Direct Entry Flying (Pilot) candidates is based on the combined marks secured by the candidates in the tests conducted by the UPSC and at the AF Selection Boards. The merit list for NCC candidates is prepared on the basis of marks secured by them at AFSBs.
- 3. Training.—The appropriate duration of training for Flying Branch (Pilots) at the Air Force Academy will be 75 weeks.

# 4. Career Prospects

After successful completion of training, the candidates pass out in the rank of Pilot Officer and became entitled to the pay and allowances of the rank. At the existing rates, Officers of the Flying Branch get approximately Rs. 2450/pm. which includes flying pay of Rs. 750/p.m. Air Farce offers good career prospects though it varies from branch to branch.

There are two types of promotions in the IAF i.e. grant of higher Acting rank and Substantive rank. Each higher tank carries with it extra emoluments. Depending on the number of vacancies, one has a good number of chances to get promotion to the higher Acting rank. Time-scale promotion to the rank of Squadron Leader and Wing Commander is

granted after successful completion of 11 years for Flying (Pilot) branch and 24 years of service respectively. Grant of higher rank from Wing Commander and above is by selection, carried out by duly constituted promotion Boards. Promising Officers have good chances of higher promotions.

# 5. PAY AND ALLOWANCES

Substantive	Rank	:	 		Flying Branch
					Rs.
Plt Offr					8 <b>25—86</b> 5
Flg. Offr.					91010 <b>3</b> 0
Flt. Lt.					1150- 1550
Sqn. Ldr					14501800
Wg. Cdr.					1550 1950
Gp. Capt.					1950-2175
Air Comde,					22002400
Air Vice Mar	shal				25002750
Air Marshal					3000/-

Dearness and Compensatory Allowance.—Officers are entitled to these allowances at the rates under condition applicable to civilian employees of Government of India.

Kit Maintenance Allowance.—Rs. 75/- p.m. Flying Pay; Officers of the Flying Branch are entitled to get Flying Pay at the following rates:—

Wg. Cdr. and below . . . Rs. 750-00 P.M.

Gp. Capt, and Air Comde . Rs. 666 00 P.M.

Air Vice Marshal and above .Rs. 600 00 P.M.

Qualification Pay.—Officers of the rank of Wing Commander and below who have completed two or more years of commissioned service are eligible for qualification pay/grant at prescribed rates in respect of certain specified qualifications. Rates of qualification pay are Rs. 70/2 and 100/- and grants are Rs. 6,000/-, Rs. 4,500/-, Rs. 2,400/- and Rs 1,600/-,

Expatriation Allowance.—Ranging from 25% to 40% (depending upon the rank held) of the Foreign Allowance admissible to a single. Third Secretary/Second Secretary/First Secretary/Counsellor, serving in the country where IAF Officers are required to move as body of troop.

Separation Allowance.—Married Officers posted to Units/ Formations located at non-family stations/areas notified as such by Government for this purpose, where families are not permitted to accompany them will receive separation allowance of Rs. 140/- p.m.

Outfit Allowance.—Rs. 2,100/- initially (as modified from time to time) towards cost of uniform/equipment which an officer has to possess: Rs. 1,800/- for renewal after every goven years.

Camp Klt.—Free issue at the time of commissioning.

Free rations are provided upto the level of Gr. Captain in the Air Force.

6. Leave and Leave Travel Concession

Annual Leave.-60 days a year.

Casual Leave -- 20 days a year, not more than 10 days at time.

when proceeding on annual/casual leave irrespective of its duration one year after commissioning. Once in a block of two years, commencing from January, 1971 the conveyance is admissible from place of duty (unit) to home. The year in which this concession is not availed of, free conveyance for a distance of 965 kms each way is admissible for self and wife.

In addition officers of Flying Branch employed on regular flying duties in vacancies in authorised establishment are allowed, while proceeding on leave, once every year, on warrant, a free rail journey in the appropriate class upto a total distance of 1600 kms for the forward and return journeys both inclusive.

Officers when travelling on leave at their own expense are entitled to first class travel on payment of 60% of the fare for self, wife and children from unit to any place within India thrice in a calendar year. One of these may be availed of for the entire family. In addition to wife and children family includes parents, sisters and minor brothers residing with and wholly dependent upon the officers.

# 7. Pensionary Benefits

Retiring Rank (Substantive)				Minimum length of qualifying service	Standard rate of Retiring Pension		
—,····	· <del>- · · · - · - · - · · · · · · · · · ·</del>				Rs.		
Plt offr/Fg offr	٠.			20 years	525 Pm		
Flt Lt				20 years	750 ,,		
Sqn. Ldr.				22 years	875 "		
Wg Cdr (Time	Scale	)		26 years	925 ,,		
Wg Cdr (Selec	tive)			24 years	950 ,,		
Gp Capt				26 years	1100 .,		
Air Comde				28 years	1175 ,,,		
Air Vice Mars	hal			30 years	1275 ,,		
Air Marshal				30 years	1375 ,,		
Air Chief Mar	shal			30 years	1700 ,,		
Air Marshal V in-C	CAS	and	AOS	SC- 30 years	1475		

# 8. Retiring Gratuity

Retiring gratulty at the discretion of the President as under:—

- (a) For 10 years service—Rs. 12,000/- less 11 months pay of rank last held.
- (b) for every additional year—Rs. 1200/- less 1 month's pay of rank last held.

In addition to pension or gratuity a death-cum-retirement gratuity, equal to 4th of emoluments for each completed six monthly period of qualifying service subject to a maximum of 164 times of the emoluments not exceeding Rs. 36,000/is admissible. In case of death while in service the amount of death-cum-retirement gratuity will be as follows:—

- (a) Two months pay, if death occurs in the first year of service;
- (b) six months pay, if death occurs after the first year, but before completion of five years;
- (c) Minimum of 12 months pay, if death occurs after five years.

Disability pension and Special Family Pensionary award, including awards to children and dependents (parents, brothers and sisters), are also payable in accordance with the prescribed rules.

# 9. Other privileges

The Officers and their families are entitled to free medical aid, accommodation on concessional rent, group insurance scheme, group housing scheme, family assistance scheme, canteen facilities etc.

#### APPENDIX IV

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri-
of Shri——of village/town*——of the
State / Union Territory* belongs to the
Caste/Tribe* which is recognised as
Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under:-
the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*
the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*
the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*
the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*
[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956 the Bombay Reorganisation Act 1960 the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]
the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*
the Constitution (Andaman and Nicobar Island) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes orders (Amendment) Act, 1976*
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*
the Constitution (Pendicherry), Scheduled Castes Order, 1964*
the constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order 1967*
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*-
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*
the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*
the Constitution (Sikkim) Scheduled Castee Order, 1978*
the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978*

2 Shri	and/or* has family
ordinarily reside(s) in vills	age/tewn*of
District/Division* of the Sta	te/Union Territory* of———
	Signature
	**Designation
	State/Union Territory*
	(with seal of office)
Place	
the .	

\*Please delete the words which are not applicable.

Note.—The term 'ordinarily reside(\*)' used here will have the same meaning as in Section 20 of the representation of the People Act, 1950.

\*\*Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates:

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/Executive Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate)

- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehalldar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadwoop.

# APPENDIX V

# CANDIDATES INFORMATION MANUAL

#### A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

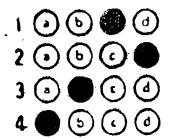
# B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, .....etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

# C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of the items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



## IT IS IMPORTANT THAT-

- 1. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- 2. To change a wrong marking, erase it completely and remark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- 3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

# D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- 1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- 2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- 3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on the Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. You may loose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Pollow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

# E. SPECIAL INSTUCTIONS

After you have taken your sraet in the hall, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator wil give you the Test Booklet, on reciept of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. Yet are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

## F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidily as you can, without becoming careless. Do not worty if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficults ones later.

All items carry equal maks. Attempt all of them. Ever score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

## G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop Remain in your seat and wait till the invibilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the examination Hall.

# SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note: -\*denotes the correct/best answer-option)

# 1. (General Studies)

Bleeding of the nose and ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure
- \*(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure

# 2. (English)

# (Voçabulary-Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- \*(d) largest so far

# 3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below

- \*(a) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing

# 4. (Chemistry)

The anhydride of Ho VO, is

- (a) VO
- (b) VO<sub>4</sub>
- (c)  $V_2O_3$
- \*(d) V<sub>2</sub>O<sub>3</sub>

#### 5. (Economics)

Monopolostic exploitation of labour occurs when

- "(a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue product are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product

# 6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permittivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) 3C
- (b) C
- \*(c) C/3
- (d) C/9

# 8. (Mathematics)

Plagicolase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- \*(b) Labradorite
  - (c) Albite
  - (d) Anorthite

# 8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{d^{s}y}{dx^{s}} - \frac{dy}{dx} = 0 \text{ s given by}$$

- (a) y=ax+b
- (b) y=ax
- (c) y=aex+be-x
- \*(d) y=aex—a

# 9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperature 400° K and K. Its efficiency is

- (a) 3/4
- \*(b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

# 10. (Statistics)

The mean of a binomial variate is 5. The variance can be

- (a) 4<sup>a</sup>
- \*(b) 3
- (c) x
- (d) —5

# 11. (Geography)

The Southron part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- \*(b) it is the detaic part of most the rivers of Burma
  - (c) it has excellent forest resources
  - (d) most of the oil resources are found in this part of the country.

# 12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism
- (b) Brahmanism was a highly formalsied and pretentious religion
- \*(c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background
  - (d) Sacraments were Prescribed to mark the various stages in the growth of an individual

#### 13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical system in the following:

- (a) Buddhism, Nyāya, Cārvāka, Mimāmsā
- (b) Nāyāy, Vaisesika, Jainism and Buddhism Cārvāka
- (c) Advāitā, Vedānta, Sāmkhya, Cārvāka Yoga
- \*(d) Buddhism Sāmkhya, Mimāmsā, Cārvākā

# 14. (Political Science)

'Functional representation' means

- \*(a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation
- (b) pleading the cause of a group or a professional association

- (c) election of repsentatives in vocational organization
- (d) indirect representation through Trade Unions

# 15. (Psychology)

# Obtaining a goal lends to

- (a) increase in the need related to the goal
- \*(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning

# 16. (Sociology)

Panchayati Raj Institutions in India have brought about one of the following:

- \*(a) formal representation of women and weaker sections in village government
- (b) untouchability has decreased
- (c) land-ownership has spread to deprived classes accation has spread to the masses.

Note:—Candidates should note that the above sample items (questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.

' ,	•	 '	'	'	'		